DIGITAL EDITION

मायापुरी

सफलता सपनों के साथ
प्रयासों से होती है....

मुकेश छाबड़ा

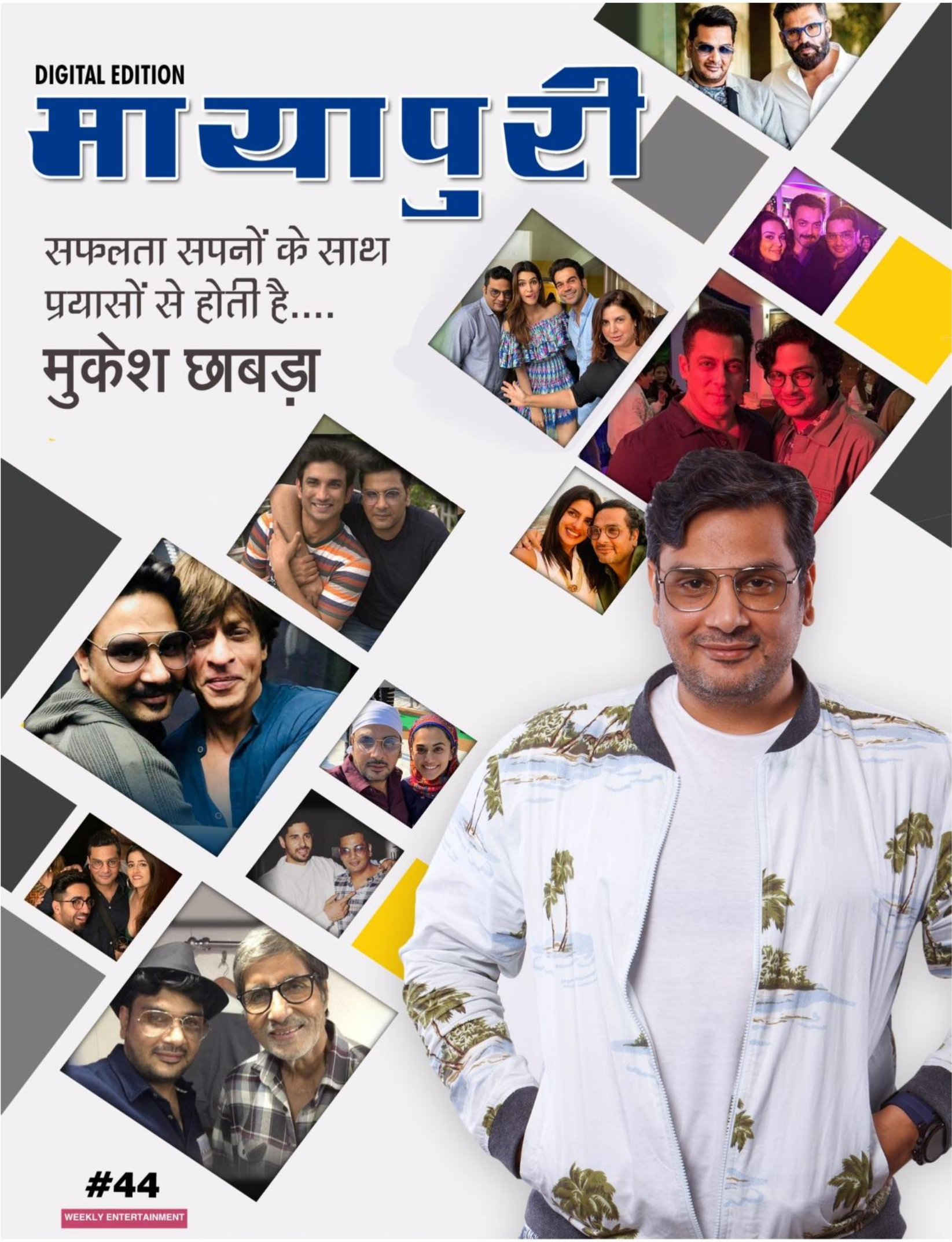

#44

WEEKLY ENTERTAINMENT

Mayapurimagazine | Mayapurimagazine | Mayapuri Cut | Mayapurimag | www.mayapuri.com

फिल्म एवं टीवी साप्ताहिक
मायापुरी

संस्थापक
स्व. श्री ए.पी. बजाज

प्रधान संपादक
पी. के. बजाज

व्यवस्थापक एवं संपादक
अमन बजाज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक
पी.के. बजाज
प्रेस का नाम व पता -
अरोड़बंस प्रेस ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली - 110064

प्रकाशक: श्री.एस.एल. प्रकाशन
ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली-110064
दूरभाष- 011-28116120, 28117636

Member I.N.S

प्रकाशित ऑनलाईन लेखों के लेखकों की राय से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं. किन्तु लेखों पर अगर किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी प्रतिक्रिया हमें लिखकर भेज दें। मिलने पर सहर्ष लगा दी जाएगी। इस पत्रिका या ऑनलाईन लेखों के संबंध में किसी भी प्रकार के मतभेद एवं विवाद आदि केवल दिल्ली कोर्ट्स में ही निपटाए जा सकते हैं

Email: edit@mayapurigroup.com

यहां हमसे जुड़े
Mayapurimagazine
Mayapurimag
Mayapurimagazine
Mayapuri Cut
www.mayapuri.com

संपादकीय

बॉलीवुड में बनी ओटीटी प्लेटफार्म की वेब सीरीजों पर अप-संस्कृति का मुलम्मा क्यों चढ़ाया जाता है?

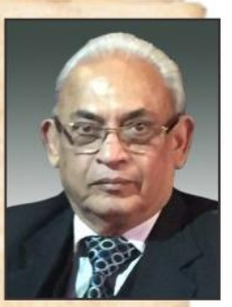

'पहले 'आश्रम'

'अब 'तांडव'

'विरोध की चिंगारी फेकती हैं कंगना रनौत।

लो साहब, अब ओ.टी.टी

प्लेटफार्म के लिए बनी वेब सीरीज 'तांडव' के विरोध ने भी तूल पकड़ लिया है! सब कुछ वैसा ही हुआ है जैसा 'सब कुछ' कुछ समय पहले वेब सीरीज 'आश्रम' के लिए हुआ था। तब भी दुहाई धर्म की थी, तब भी दूषित हमारे धार्मिक संस्कार हुए थे ,तब भी अप-संस्कृति (बदनामी) का रोना धोना था भारतीय कल्चर को लेकर और अब भी वही किया गया है! विरोध की सारी पटकथा पूर्वगामी है। मजे की बात यह है कि उस समय भी इस विवाद की चिंगारी कंगना रनौत का नाम लेकर उठी थी और इसबार भी विरोध की चिंगारी सुलगाया है कंगना रनौत ने ही। इतना ही नहीं, उस समय भी 'आश्रम' के निर्माता, निर्देशक (प्रकाश झा) और अभिनेता (बॉबी देओल) पर लीगल केस दर्ज कराया गया था और इस बार भी निर्माता, निर्देशक, लेखक और अभिनेता (सैफ अली खान) पर लीगल केस दर्ज हुआ है। सबसे मजेदार बात यह है कि विरोध के बाद महज तीन दिनों में ही दोनों ही वेब सीरीजों के वॉलेट में कमाई का खूब इजाफा हुआ। दोनो ने ही ओपनिंग स्ट्रीमिंग में करोड़ो कीं कमाई कर ली है! अब तो शायद आप भी इस विवाद का बहुत कुछ सत्य समझ गए होंगे?

बॉलीवुड में पर्दे की चलती- फिरती कहानियों का विरोध किये जाने का यह सिलसिला बहुत पुराना है। पहले फीचर फिल्मों पर विरोध दर्ज करने की रिवायत थी। 'बॉम्बे', 'रोजा', 'अलीगढ', 'गोलियों की रासलीला-रामलीला' और 'पद्मावत' जैसी कई फिल्मों के विरोध की बड़ी बड़ी कहानियां हैं और सबकी भरी हैं तिजोरियां। विरोध की चिंगारी ने पूरे देश मे तोड़फोड़ की लहर लाया है, थियेटरों को तोड़ा है, पर्दे जलाए हैं मगर निर्माता के घर मे पार्टियां हुई हैं। हीरो हिट हो गया है। फिर उस तर्ज पर बॉलीवुड के लोगों ने और कई फिल्में बना डाली हैं। अब वही सब वेब- सीरीजों के साथ शुरू हुआ है। 'आश्रम' ने कमाई कर ली है अब 'तांडव' कर रही है। बॉबी देओल की डिमांड बढ़ी थी अब चर्चा सैफ अली खान और जीशान अयूब की हो रही है। हां, यह अलग बात है कि अबकी कमाई विदेशी कम्पनी अमेजॉन प्राइम टाइम के खाते में पहुंच रही है। यानी वही कहावत वाली बात – जान जाए मेढ़की की मसाला खाएं बाजीगर !

अब हम उन पाठकों को बता दें- जो वेब सीरीज 'तांडव' की कहानी से वाकिफ नहीं हैं और जो नेट की दुनिया से दूर हैं। 'तांडव' सीरीज -जिसको लेकर तलवारें तनी हैं, का यह पहला भाग है जिसकी 9 कड़ियां प्रक्षेपित की गई हैं। कहानी गंदी राजनीति की है। सत्ता के मोह में फंसे नेता कैसे मर्डर कराते हैं, औरतों का शारीरिक दहन करते हैं और छात्रों का आंदोलन कराके शिक्षा संस्थानों का तथा पुलिस का दुरुपयोग करते हैं। कहानी में बेवजह किसान आंदोलन को भी घसीट लिया गया है। शायद बहती हवा का लाभ लेने के लिए। 'तांडव' के मुख्य कलाकार हैं- सैफ अली खान, डिम्पल कापाड़िया, मोहम्मद जीशान अयूब, तिग्मांशु धुलिया, सुनील ग्रोवर, कृतिका कमरा, कुमुद मिश्रा...आदि। इसके निर्माता हैं-हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर, लेखक हैं-गौरव सोलंकी और निर्देशक हैं- अली अब्बास जफर। यह धारावाहिकओ ओटी प्लेटफार्म पर, अमेजॉन- प्राइम टाइम द्वारा स्ट्रीम किया गया है। इस वेब सीरीज का विरोध कुछ हिन्दू धार्मिक संगठन यह कहकर कर रहे हैं कि इसके द्वारा हिन्दू देवी- देवताओं तथा हिन्दू- संस्कृति का उपहास किया गया है। इन्ही तर्कों पर अभिनेता- सैफ अली खान , निर्देशक और निर्माता तथा लेखक पर कोर्ट में नोटिस जारी किया गया है। विरोध में उठने वाले स्वरों में एक आवाज अभिनेत्री कंगना रनौत की भी है। वही कंगना जो अक्सर ऐसे मौकों पर न्यूज की सुर्खियां बटोरती हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है सुशांत सिंह राजपूत का केस। आइये, बताते हैं कंगना क्या कहती हैं-

'यह न सिर्फ हिन्दू फोबिक है बल्कि हर एंगिल से ऑब्जेक्शनबल है...इनको जेल में डाल दो, न सिर्फ इसलिए कि इनका इंटेंशन क्रिमिनल है बल्कि इसलिए भी की व्यूवर्स को टॉर्चर करने वाला है।' कंगना का दूसरा एक ट्वीट तो और बहुत रिट्वीट हो रहा है, जो कुछ इस प्रकार है: 'क्या वो अल्लाह के बारे में ऐसा अनाप सनाप बोल सकते हैं?' कपिल मिश्रा के ट्वीट पर कंगना कहती हैं-'माफी मांगने के लिए बचेगा कहाँ? ये तो सीधा गला काट देते हैं। लिबरल मीडिया वर्चुअल लिंचिंग कर देते हैं। तुम्हे न सिर्फ जान से मार दिया जाएगा बल्कि उस मौत को भी जस्टिफाई किया जाएगा। बोलो सप्रंति है हिम्मत! अल्लाह का मजाक उड़ाने की?' बहरहाल अली जफर ने 'तांडव' की पूरी टीम की तरफ से माफी मांग लिया है। सैफ अली खान भी कोर्ट में प्रस्तुत होने के लिए तैयार हैं जहां से भी उनको सम्मन मिलेगा। बतादें कि कुछ ही समय पहले, यह सब वेब सीरीज 'आश्रम' की पूरी टीम की तरफ से प्रकाश झा और बॉबी देओल ने भी कहा तथा माफी मांगने का नाटक किया था और तब तक... दोनो सीरीजों की कलेक्शन- थैलियां भर चुकी थीं। सवाल- वहीं का वहीं है- कबतक?

संपादक

सफलता सपनों के साथ प्रयासों से होती है....

मुकेश छाबड़ा

मुंबई वो नगरी है जहाँ लाखों लोग अपनी किस्मत बॉलीवुड के दरवाजे पर आजमाने जाते हैं। इनमें से कुछ चलताऊ होते हैं तो कुछ वाकई बहुत टैलेंटेड आर्टिस्ट्स भी होते हैं। स्ट्रगल करते एक्टर्स को अगर किस्मत के साथ किसी अन्य चीज की जरुरत पड़ती है तो वो है बढ़िया कास्टिंग डायरेक्टर। बॉलीवुड इंडस्ट्री यहाँ खुशकिस्मत है कि उसके पास मुकेश छाबड़ा नामक कास्टिंग डायरेक्टर मौजूद है।

'मैं शायद बना ही आर्टिस्ट्स के हुनर को दुनिया तक पहुँचाने के लिए हूँ'कहने वाले मुकेश छाबड़ा 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'शाहिद', 'काई पो छे', 'फोर्स', 'रॉकस्टार', ट्यूबलाइट, संजू, हैदर, दंगल आदि जैसी अनगिनत फिल्मों में एक कास्टिंग डायरेक्टर के नाते अपना हुनर दिखा चुके हैं और इनमें से तकरीबन सारी ही फिल्में ब्लॉकबस्टर हुई हैं। मुकेश छाबड़ा से हुई हमारी बातचीत का अंश आपके लिए पेश है –

मायापुरी से तो हमारी बहुत सी यादें जुड़ी हैं, मैं मायापुरी ही रहता था.

मुकेश जी, आपने फिल्मी दुनिया को एक कैरियर की नजर से कब देखना शुरु किया, क्या आपकी कॉलेज लाइफ का भी इस चुनाव में अहम योगदान है?

हाँ, मैं जब दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ रहा था तब

साथ–

साथ थियेटर और जॉब भी कर रहा था तब जो बड़े–बड़े फिल्मेकर्स दिल्ली आते थे. उन्हें कास्टिंग के लिए कोई चाहिए होता था तो वहाँ से मैंने उन्हें कास्ट ढूँढने में मदद की. आगे चलकर राकेश ओम प्रकाश मेहरा की फिल्म 'रंग दे बसंती' में भी मैं असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर बना और उस फिल्म में एक रोल भी किया। यहीं से मुझे कास्टिंग डायरेक्टर को एक कैरियर की तरह बनाना सही लगा।

अपने फिल्मी सफर के बारे में बताइए, फोर्स और रॉकस्टार की कास्टिंग के वक्त आपके ऊपर कितना प्रेशर था?

सच कहूं तो मुझे कास्टिंग के वक्त कोई प्रेशर नहीं होता। स्क्रिप्ट की क्या मांग है, फिल्ममेकर क्या चाहता है हम पहले इसको अच्छे से समझ लेते हैं। रॉकस्टार की बात करूँ तो 'लव आज कल' में भी मैंने इम्तियाज अली के साथ काम किया था. वो अपने काम के प्रति बहुत सीरियस, बहुत डेडिकेटेड रहते हैं. मुझे शुरुआत से ही ऐसे फिल्ममेकर मिले जो अपनी फिल्म के लिए बहुत डेडिकेटेड थे, चाहें वो राकेश ओमप्रकाश मेहरा जी हों, विशाल भारद्वाज हों, अनुराग कश्यप हों, या इम्तियाज अली ही, ये सब खुद अपनी फिल्म के प्रति इतने दिल से जुड़े होते हैं कि इनके साथ काम करना आसान हो जाता है. एक मीटिंग में बस ये समझना होता है कि स्क्रिप्ट की और फिल्मकार की डिमांड क्या है, वो समझ आते ही काम जरा भी मुश्किल नहीं रह जाता. फिर प्रेशर वाली कोई बात नहीं बचती.

पहले 'काई पो छे' फिर शाहिद, राजकुमार राव जैसे होनहार आर्टिस्ट की कामयाबी के पीछे आपका भी बहुत बड़ा हाथ है, कैसा महसूस होता है आपको जब आपके द्वारा चयनित आर्टिस्ट सारी दुनिया द्वारा सराहा जाता है?

आपको फैक्ट बताऊं तो पहले शाहिद की कास्टिंग हुई थी फिर 'काई पो छे' की, हालाँकि रिलीज के पहले 'काई पो छे हुई थी और 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में भी राजकुमार राव को ही कास्ट किया गया था. राजकुमार राव एक बेहतरीन एक्टर है, बहुत मेहनती भी है. बहुत अच्छा लगता है जब कोई टैलेंटेड एक्टर अपना एक अलग मुकाम बनाता है. भगवान ने शायद मुझे इसी काम के लिए बनाया है कि जो भी टैलेंटेड एक्टर हो उसे पुश करो, उसे आगे बढ़ाओ. चाहें वो 'चिल्लर पार्टी' के बच्चे हों या 'बजरंगी भाईजान की मुन्नी' (हर्शाली मल्होत्रा) हो. चाहे 'दंगल' के लिए फातिमा सना शेख हों या पंकज त्रिपाठी हों, हर टैलेंटेड एक्टर को पुश करना उसे सही मंच तक पहुँचाना ही मेरा टारगेट रहता है.

पंकज त्रिपाठी आज बहुत बड़े स्टार हैं, ओटीटी प्लेटफोर्म पर उनसे बड़ा स्टार आज की तारीख में कोई नहीं है, उनको आपने कब और कैसे बड़े पर्दे तक पहुँचाया?

पंकज त्रिपाठी बहुत उम्दा कलाकार हैं, ये हमारे एनएसडी के वक्त के साथियों में से हैं तो इन्हें मैं काफी समय से जानता था. पंकज जी को सबसे पहले मैंने एक फिल्म आई थी 'चिंटू जी', उसमें एक छोटा सा रोल था. फिर 'चिल्लर पार्टी' में भी पंकज त्रिपाठी के साथ काम किया. लेकिन जब 'वासेपुर' की कास्टिंग होनी थी तब मेरे दिमाग में था कि पंकज त्रिपाठी जितने टैलेंटेड एक्टर हैं इन्हें बड़ा ब्रेक मिलना चाहिए, तब मैं अड़ गया कि सुलतान के किरदार में तो पंकज त्रिपाठी ही रहेंगे. हालांकि अनुराग कश्यप किसी स्टैब्लिश एक्टर को ये रोल देना चाहते थे, इसपर हमारे बीच काफी लम्बी चर्चा हुई और उसके बाद जब पंकज को देखा तो एक ही बार में बोले 'यही है हमारा सुलतान'

अभी आप मुझसे ये सवाल पूछ रहे हैं और मेरे ठीक सामने पंकज त्रिपाठी का ही एक है जिस पर लिखा है 'थैंक यू मुकेश फॉर गैंग्स ऑफ वासेपुर'

आपके अंदर जो एक्टर छुपा हुआ है, उसके बारे में बताएं, कई बड़ी फिल्मों में आपका छोटा सा रोल देखने को मिला है, आपको लीड एक्टर के रूप में दर्शक कब देख सकेंगे?

मेरे लिए एक्टिंग करना एक छोटे से ब्रेक लेने जैसा है. मैंने मेन लीड एक्टिंग करने का अभी तक कोई प्लान नहीं बनाया है. मुझे फिल्म बनाना अच्छा लगता है, फिल्मों की कास्टिंग करना अच्छा लगता है, इस काम को मैं एन्जॉय करता हूँ. अपने काम से जब ब्रेक लेना होता है या कोई दोस्त या डायरेक्टर कह दे कि एक

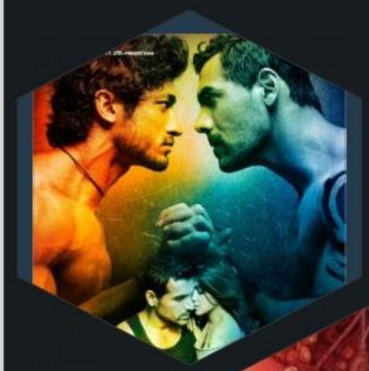

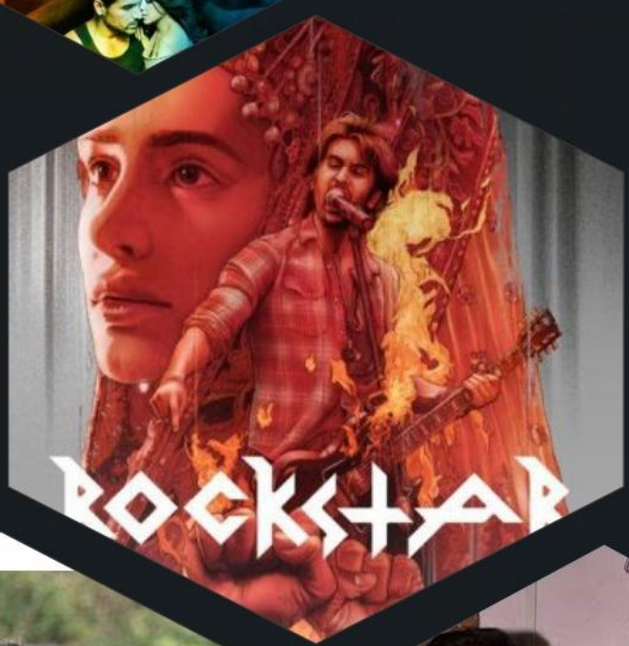

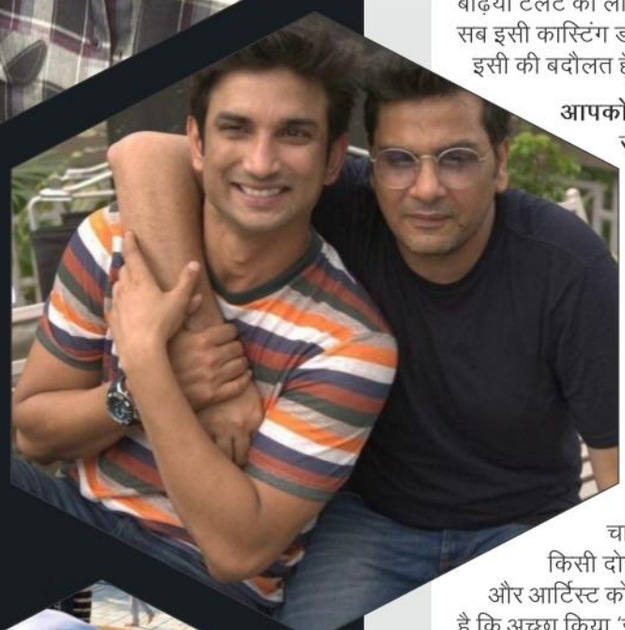

छोटा सा इम्पोर्टेन्ट रोल है तो मैं कर लेता हूँ बस. लोग ब्रेक लेने के लिए गोवा जाते हैं, मैं एक छोटा सा करैक्टर कर लेता हूँ.

अभी 20 जनवरी को सुशांत का जन्मदिन था, सुशांत के फिल्मी कैरियर की शुरुआत आपकी कास्टिंग के चलते ही हुई और उनकी आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' आपके डायरेक्शन कैरियर की पहली फिल्म बनी, इससे पहले और आखिरी तक के सफर के बारे में बताइए?

हम भाई थे, हम भाई हैं. 'काई पो छे' से शुरु हुआ वो रिश्ता पहले दोस्ती कहलाया और फिर तो हम भाइयों की तरह हो गए. सुशांत ने मुझे प्रॉमिस किया था कि हम एक फिल्म साथ करेंगे. सुशांत बहुत टैलेंटेड थे, आप टैलेंट को रोक ही नहीं सकते फिर वो चाहें राजकुमार राव हों या सुशांत सिंह राजपूत. सुशांत के साथ एक अलग ही ट्यूनिंग थी. 'काई पो छे' के वक्त से ही मुझे सुशांत के टैलेंट पर इतना भरोसा था कि मैं जानता था ये जरूर सलेक्ट हो जायेगा.

क्या आप मायापुरी मैगजीन पढ़ते हैं?

मैं आपको बताता हूँ कि मेरा मायापुरी से कैसा रिश्ता है. मायापुरी मेनरोड पर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया प्रेस है, मेरे पिताजी यहाँ सरकारी मुलाजिम थे. मेरा स्कूल भी यहीं था. मायापुरी मैगजीन के आखिर में आपको याद हो शायद फिल्म स्टार्स के पते लिखे होते थे. तो हम उन पतों पर चिट्ठियां भेजा करते थे. फैनमेल भेजने का एकमात्र जरिया मायापुरी ही था. मायापुरी मैगजीन का हमारे बचपन का एक अहम हिस्सा रही, हमेशा ही.

अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में बताइए मुकेश जी?

वैसे रिलीज के लिए तैयार तो अभी बहुत सी फिल्में हैं, राधे, ब्रह्मास्त्र, आदि मेगा बजट फिल्में होंगी लेकिन अभी 8–10 महीने मेरा डायरेक्शन करने का कोई इरादा नहीं. इसके बाद मैं देखूंगा कि कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, कोई बढ़िया प्लाट आता है तो विचार करूंगा. फिलहाल मैं अपने कास्टिंग डायरेक्शन को ही जगह–जगह शहर–शहर पहुँचाना चाहता हूँ, इसे और डेवेलप कर बढ़िया से बढ़िया टैलेंट को लोगों के सामने लाना चाहता हूँ. मेरी जिन्दगी का ब्रेड–बटर सब इसी कास्टिंग डायरेक्शन से ही है, मैं आज इस शहर में जो कुछ भी हूँ वो इसी की बदौलत हूँ

आपको जानकार हैरानी होगी कि बच्चों के फेवरेट कार्टून में से एक मोटू–पतलू भी मायापुरी का ही हिस्सा हैं...

(सवाल बीच में रोकते हुए) हाँ–हाँ मैंने उन्हें कई जगह देखा है. उनके स्टेचू बहुत फेमस हैं, मायापुरी ऑफिस में भी मैंने दिल्ली रहते इन्हें देखा था. मोटू–पतलू बच्चों के बीच खासे लोकप्रिय हैं.

मुकेश जी, क्या कभी ऐसा हुआ है कि किसी ने आपसे सिर्फ इसलिए दोस्ती करनी चाही हो कि आपके जरिए उन्हें रोल मिल सकता है?

देखिए, शुरुआत में ये जरूर होता था लेकिन मैं अपनी दोस्ती और अपने प्रोफेशन को बिल्कुल अलग रखता हूँ तो मुझे कभी ऐसी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा. अब तो चेहरा देखकर समझ आ जाता है कि कौन वाकई दोस्ती की चाहत रखता है और कौन मतलब हल करने निकला है. कभी किसी दोस्त को मायूस होना भी पड़ा है कि मैंने उनकी बजाए किसी और आर्टिस्ट को लिया है तो भी फिल्म रिलीज होने के बाद उन्होंने खुद कहा है कि अच्छा किया 'इस' आर्टिस्ट को लिया, हम इस रोल में फिट नहीं बैठते.

मुकेश जी आपसे बात करके बहुत अच्छा लगा, आपने बहुत बेबाकी से हर सवाल का जवाब दिया, जाते जाते हम चाहेंगे कि आप नये कलाकारों और हीरो बनने के लिए आतुर हर रोज स्ट्रगलिंग एक्टर्स की नई पौध को कोई सन्देश दें?

देखिए मैं फिल्मी दुनिया में शामिल होने की चाहत रखने वाले हर कलाकार को बस इतना कहूँगा कि वो अपनी क्राफ्ट पर काम करे, अपने टैलेंट के साथ–साथ हार्ड वर्क भी करे. अगर उसका टैलेंट सच्चा है, उसकी क्राफ्ट पर पकड़ है तो उसे कोई बड़े पर्दे पर पहुँचने से नहीं रोक सकता.

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

शिमला से खेरवाडी और अब चाँद को छूने की ख्वाईश

अनुपम खेर

—अली पीटर जॉन

इस आदमी, अनुपम खेर ने मुझे अपनी उपलब्धियों से आश्चर्यचकित नहीं किया है जो लगभग अविश्वसनीय (अन्बिलीवबल) हैं, मेरा यह विश्वास करना बहुत मुश्किल है कि, जिस छोटे से प्रसिद्ध अभिनेता को मैंने पहली बार **'डिजायर अंडर डी एल्म्सइच्छा के तहत द एलम्स'** नामक नाटक में अभिनय करते देखा था, वह आज एक **पद्मभूषण अभिनेता अनुपम खेर** है, और यह उनकी एकमात्र उपलब्धि नहीं है, उन्होंने सभी को सबसे अधिक खराब और खतरनाक परिस्थिति में ऊपर उठने के लिए अपना साहस दिखाया है, जिन्होंने उन्हें इस तरह की परिस्थितियों के साथ कुचलने की पूरी कोशिश की, और कोई भी सामान्य इन्सान इस तरह की परिस्थितियों से नहीं जीत सकता था या जीतने

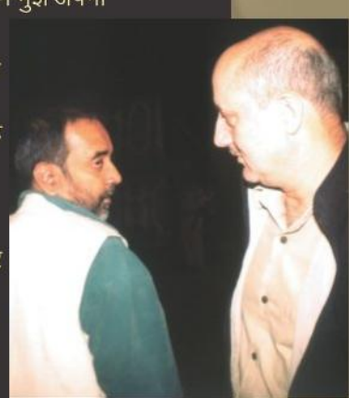

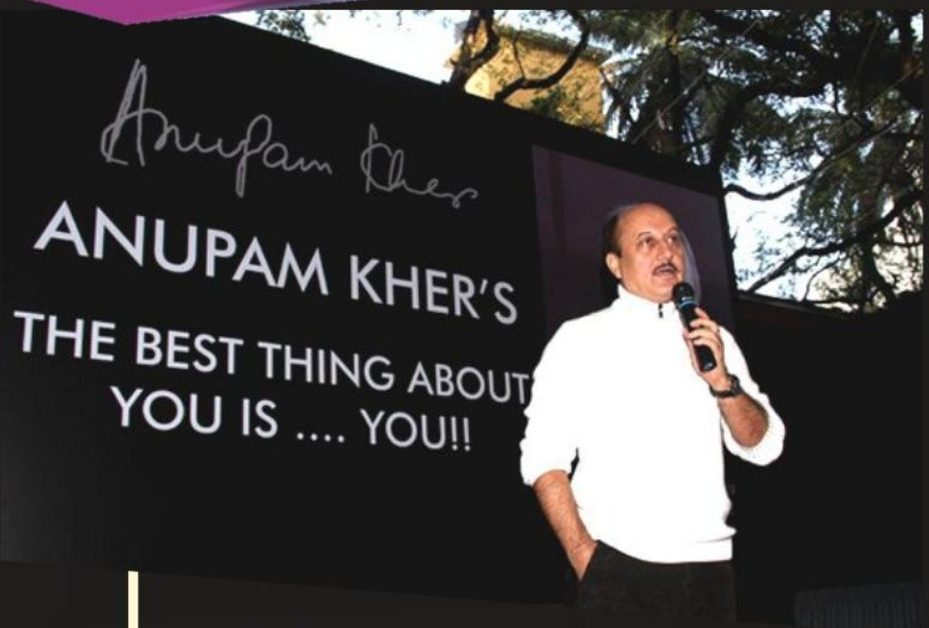

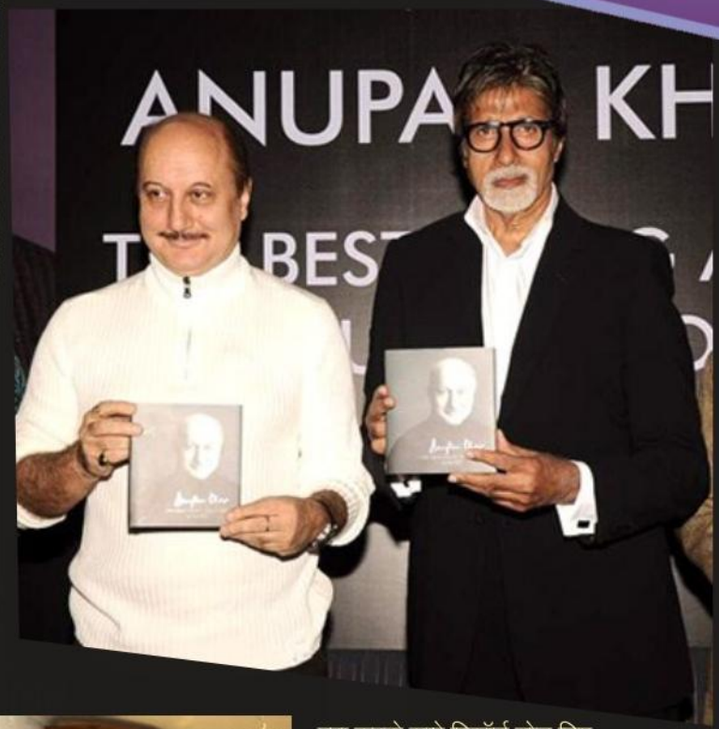

का दावा भी नहीं कर सकता था!

अनुपम खेर वह शख्स हैं, जो कभी क्लास में 38 प्रतिशत से अधिक नहीं पा सके और आज वह एक लीडिंग और प्रभावशाली दिमाग वाले शक्स हैं, जो मन को प्रेरित कर सकते हैं, अनुपम खेर वह शख्स हैं, जिन्होंने कई साहसिक कार्य (ऐड्वेन्चर) की शुरुआत की, जिनमें से कुछ काम कर पाए और कुछ परिस्थितियों की वजह से नहीं चल पाए, यहां तक कि उनके मन की शक्ति भी उन्हें कंट्रोल नहीं कर सकी, अनुपम खेर वो शख्स हैं, जिन्होंने कभी अपना **टीवी सीरियल** और **इवेंट मैनेजमेंट कंपनी शुरू** की थी,

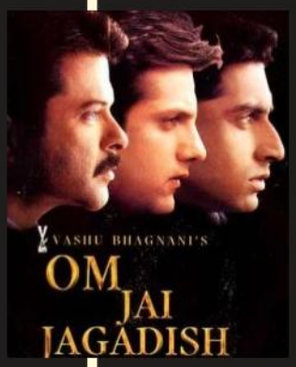

अनुपम खेर वो शख्स थे जिन्होंने एक बार फिल्में बनाने की कोशिश की थी और कामयाबी हासिल न होने के साथ उन्हें पता चला कि, फिल्में बनाना उनके बस की बात नहीं थी, अनुपम खेर वह शख्स हैं जिन्होंने **"ओम जय जगदीश"** नामक एक फिल्म को डायरेक्ट किया था, जिससे उन्हें पता चला था कि डायरेक्शन उनके लिए **'एक प्याली चाय'** की तरह था, अनुपम खेर वह शख्स हैं, जिन्होंने मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की मदद करने के लिए एक निस्वार्थ भावना के साथ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में मदद करने की कोशिश की थी, अनुपम खेर, वह आदमी जो अपने सामने पड़ी चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने की चुनौती लेता था वह अब देश में लीडिंग एक्टिंग अकादमियों में से एक, **'एक्टर प्रिपेयर्स'** के संस्थापक और संरक्षक हैं, अनुपम खेर, वह आदमी जिसे एक समय में सही तरह से अंग्रेजी में लिखना और बोलना तक मुश्किल लगता था, उन्होंने मानव प्रेरणा पर एक किताब लिखी जिसका नाम है **'द बेस्ट थिंग अबाउट यू इज यू'** जो कई एडिशंस में चली गई।

अनुपम खेर जो सार्वजनिक रूप से बोलने में संकोच करते थे, अब देश के कुछ बेहतरीन दिमागों के साथ बहस और चर्चा में भाग लेते हैं और हमेशा अपनी एक छाप छोड़ देते हैं और जिसे लोग कहते हैं की वह आगे की बहस और चर्चाओं का विषय बन जाता है, अनुपम खेर कोई पॉलिटिशियन नहीं हैं लेकिन उनके पास सबसे शक्तिशाली राजनेताओं के साथ राजनीति पर चर्चा करने की क्षमता है, मुझे लगता है कि, अनुपम खेर का कोई राजनीतिक संबद्धता या महत्वाकांक्षा नहीं है, लेकिन उनमे लोगों के बारे में अनुमान लगाने की रहस्यमई आदत है कि, वह किसके पक्ष में है लेकिन वह कहते है कि, वह केवल लोगों के पक्ष में है और अभी भी लोगों पर अनुमान लगाते रहते है क्योंकि वह पिछले 35 वर्षों के दौरान कुछ **'गिरगिट'** साबित हुए है, वह एक बार फिर से अपने रंगीन और जश्न भरे जीवन के एक नए चौराहे पर है!

उन्होंने फिल्मों में एक भारतीय अभिनेता के रूप में 550 फिल्मों को

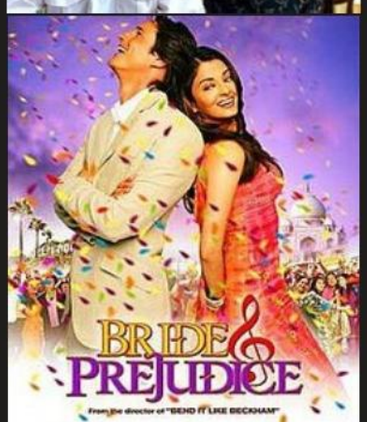

फिल्म 'यू विल मीट ए टॉल डार्क स्ट्रेंजर'

पूरा करके सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, और उन्हें लगता है कि, यह खुद को फिर से एक नए अंदाज में दिखाने का समय है!

और यह उनकी प्रतिभा है जिसने उन्हें पश्चिम (वेस्ट) में प्रवेश करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने **'बेंड इट लाइक बेकहम', 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस', वुडी एलेन की 'यू विल मीट ए टॉल डार्क स्ट्रेंजर'** और अकादमी अवार्ड–नॉमिनेटेड **'सिल्वर लाइनिंग्स प्लेबुक'** जैसी फिल्मों में अपनी बेलगाम प्रतिभा को दिखाया है।

अकादमी ने **'द बॉय विद द टॉप नॉट'** नोमिनेट किया, एक

फिल्म 'द बॉय विद द टॉप नॉट'

फिल्म 'न्यू एम्स्टर्डम'

फिल्म 'मिसेज विल्सन'

अभिनेता के रूप में उनकी नवीनतम जीत **'न्यू एम्स्टर्डम'** और **'मिसेज विल्सन'** में उनका प्रदर्शन है, उन्होंने अपने लिए कई नई योजनाएँ बनाई हैं, जिसके अनुसार वह भारत के बाहर अच्छा काम करने में बहुत समय बिता रहे है और वह भारत को भी अपना बेस्ट देगे जब भी उन्हें अच्छी चुनौती वाली भूमिका ऑफर की जाएगी!

एक अभिनेता के रूप में उन्हें क्या चीज जीवित रखती है? इस सवाल पर, वह कहते है, "मैं एक बच्चे की तरह इनोसेंट हूं जब एक्टिंग की बात आती है, तो मैं हर समय इन्वेन्टिव और इन्स्परेशन की स्थिति में होता हूं!"

जहां तक संभव हो देश से बाहर रहने और काम करने की कोशिश के बारे में होने वाली यह सब बाते क्या है? देश में राजनीतिक माहौल से उनके दूर रखने के बारे में होने वाली यह सब बाते क्या है? उन नेताओं के साथ मोहभंग होने जिनपर उन्होंने अपना भरोसा दिखाया था के बारे में होने वाली यह सब बातें क्या है? उस देश जिसकी वह शपथ लेता है कि, वह इसके खातिर जी और मर सकते है के मामलों की स्थिति पर उनके खुश न होने के बारे में होने वाली यह सब बाते क्या है?

यह कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका केवल वहीं जवाब दे सकते है और मुझे लगता है कि वह भी, सही समय पर इन सवालो के जवाब के साथ आएगे जिसे वह अपने तरीके से दे सकते है!

और जैसा कि, मैं इस अभिनेता अनुपम के बारे में सोचता हूं, मैं उस युवा अनुपम के बारे में भी सोचता हूं, जिसने एक बार अपनी माँ के

'पूजा मंदिर' के स्थान पर से ऑडिशन देने के लिए पैसे चुराए थे और मैं उस अनुपम के बारे में सोचता हूँ, जो इतना इनोसेंट था, कि जब उसने अपना पहला बीयर का गिलास पीने का फैसला किया तो उसमे पानी मिला दिया था, अनुपम जो उसे पीकर पूरी तरह से नशे में थे, उन्होंने लीला होटल में एक मेज पर चढ़कर डांस किया, जब **दिलीप कुमार** और **राज कपूर** दोनों ने एक अभिनेता के रूप में उनकी प्रशंसा की थी, और जब वह खेरवाडी में एक हॉल के कमरे में रहते थे, तो उनके पास खादी पायजामा और कुर्ते के केवल दो जोड़े थे, जिसे वह हर रात खुद धोते थे और पृथ्वी थिएटर तथा सभी स्टूडियोज में एक आशा के साथ जाते थे, लड़कों ने उन्हें धक्के–मारकर ऑफिस से निकाला था, या उन्हें उस नौकरों की भूमिका की पेशकश की जाती थी, जिसे **ए. के. हंगल** और **देव किशन** जैसे वरिष्ठ अभिनेताओं द्वारा अस्वीकार कर दिया जाता था!

अनु–छवि शर्मा

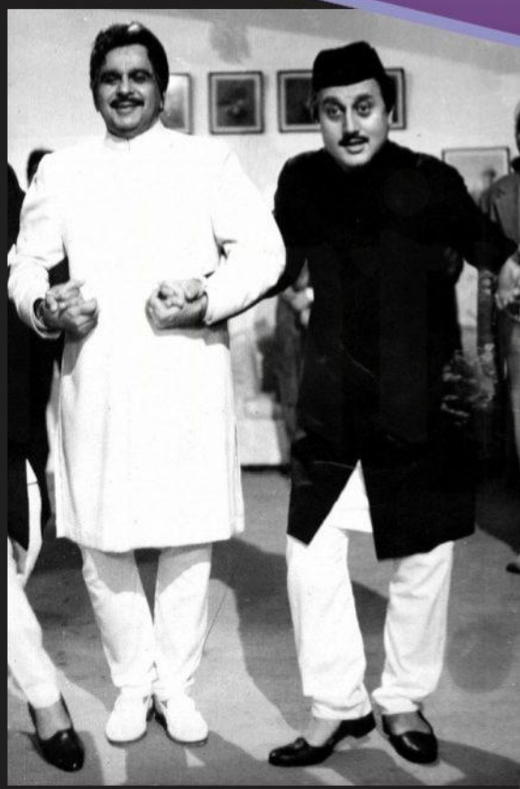

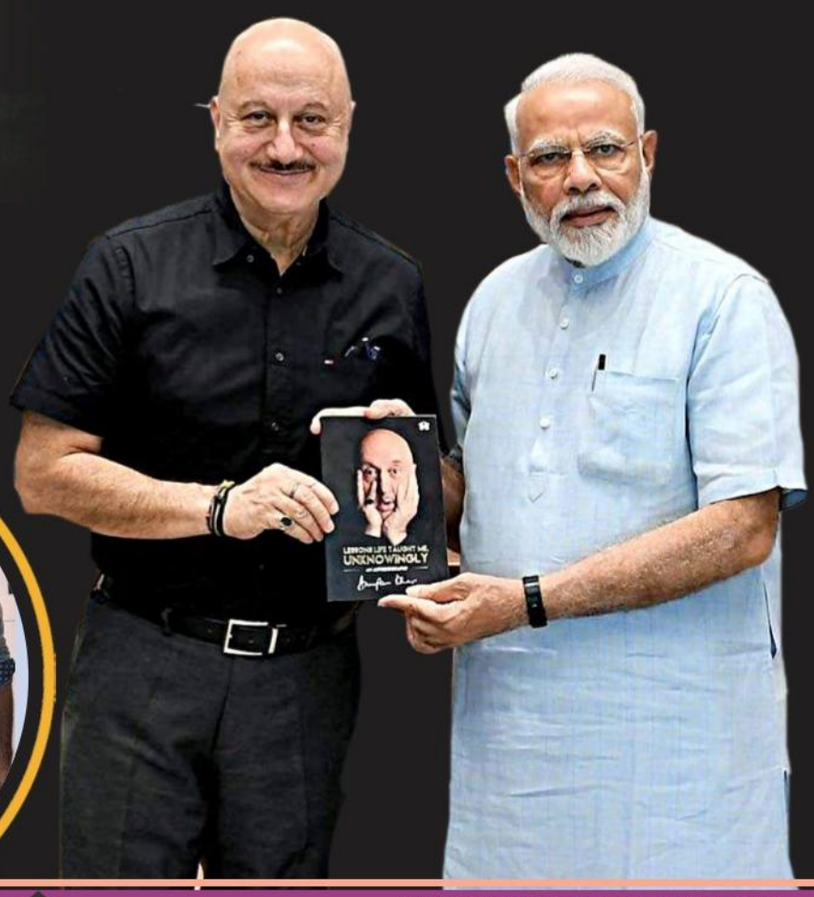

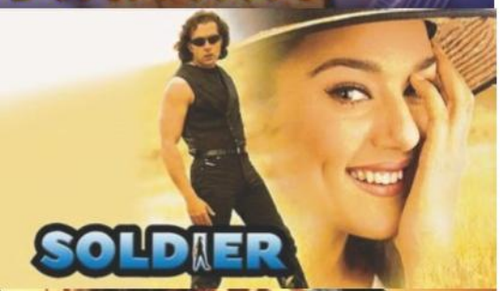

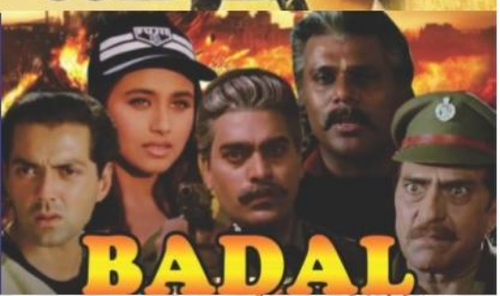

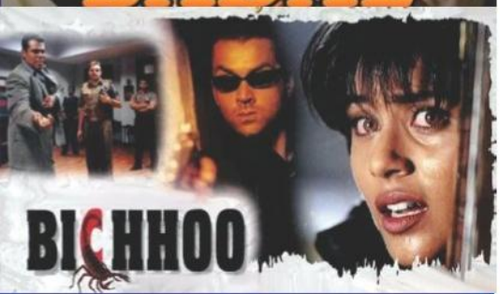

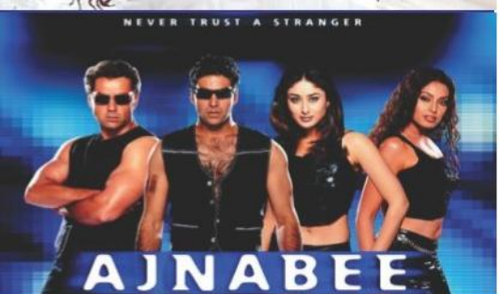

हैप्पी बर्थडे बॉबी देओल

—मायापुरी प्रतिनिधि

बॉबी देओल जो बॉलीवुड में सोल्जर के नाम से मशहूर हैं उनका जन्म 27 जनवरी 1967 को अभिनेता धर्मेन्द्र और उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर के घर में हुआ था। बॉबी देओल ने अपनी शुरुआती पढाई मुंबई में की और ग्रेजुएशन मेयो कॉलेज अजमेर से की है। बॉबी देओल की शादी तान्या आहूजा से हुई है। उनके दो बेटे हैं—आर्यमान—धर्म।

बॉबी देओल के अगर परिवार की बात की जाए तो वो बॉलीवुड का सबसे नामी परिवार है जिसमे इनकी सौतेली माँ हेमा—मालिनी भी हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री हैं, फिलहाल वह अब भाजपा की नेता हैं। इनके एक भाई, दो बहनें और दो सौतेली बहनें हैं। बॉबी देओल जोकि एक फिल्म अभिनेता हैं। इनकी सगी बहनें

अजिता और विजयता कैलिफोर्निया में रहती हैं। इनकी सौतेली बहनें— ईशा देओल— आहना देओल। इनके एक चचेरे भाई हैं—अभय देओल जोकि हिंदी फिल्मों के सफल अभिनेता हैं।

बॉबी देओल ने अपने करियर की शुरूआत हिंदी सिनेमा में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्म धर्मवीर से की थी। उसके बाद सही मायने में उनके करियर की शुरुआत साल 1995 में फिल्म बरसात से हुई। इस फिल्म में उनके अपोजिट ट्विंकल खन्ना नजर आयीं थीं। इस फिल्म के उन्हें फिल्मफेयर के डेब्यू पुरूस्कार से भी सम्मानित किया गया था। इस फिल्म ने बॉक्स—ऑफिस पर

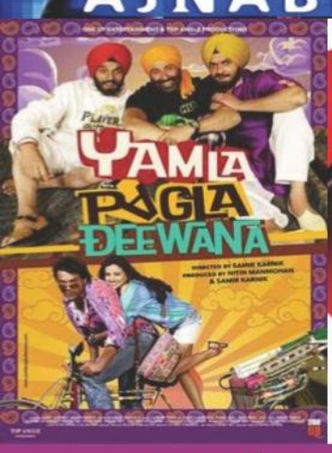

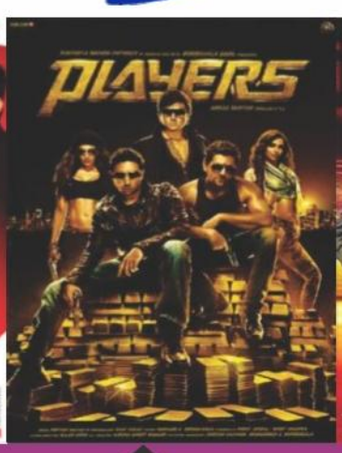

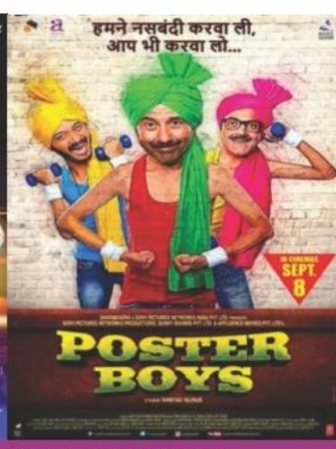

काफी अच्छी कमाई भी की थी। उसके बाद उन्होंने गुप्त, सोल्जर (1998), बादल (2000), बिच्छू (2000), अजनबी (2001), क्रांति (2002), हमराज (2002), किस्मत (2004), अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो (2004), जुर्म (2005), टैंगो चार्ली (2005), बरसात (2005), हमको तुमसे प्यार है (2006), अपने (2007), दोस्ताना (2008), यमला पगला दीवाना (2011), थैंक यू (2011), प्लेयर्स (2012), यमला पागल दीवाना 2 (2013) आदि बॉबी देओल की अपकमिंग फिल्मस हैं भैय्याजी सुपरहिट और पोस्टर ब्वॉज आदि ।

और आपको बता दें कि पिछले साल 2020 में सुपरहिट वेबसाइट "आश्रम" उनकी अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा, आश्रम के अब तक दो भाग आ चुके हैं और अब दर्शकों को "आश्रम" के तीसरे भाग का बेसब्री से इंतजार है।

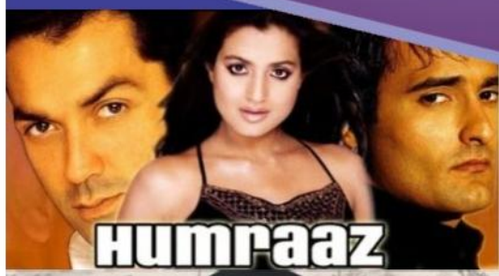

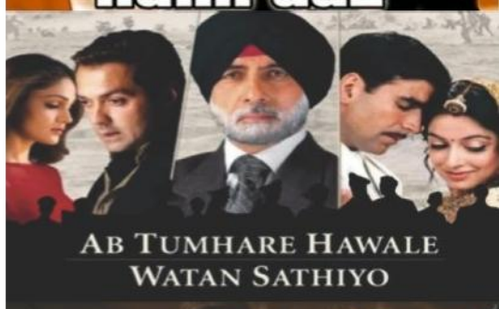

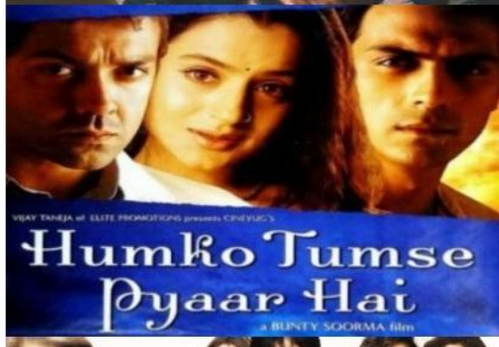

कभी इन 7 फिल्मों ने चमकाया था बॉबी देओल का करियर

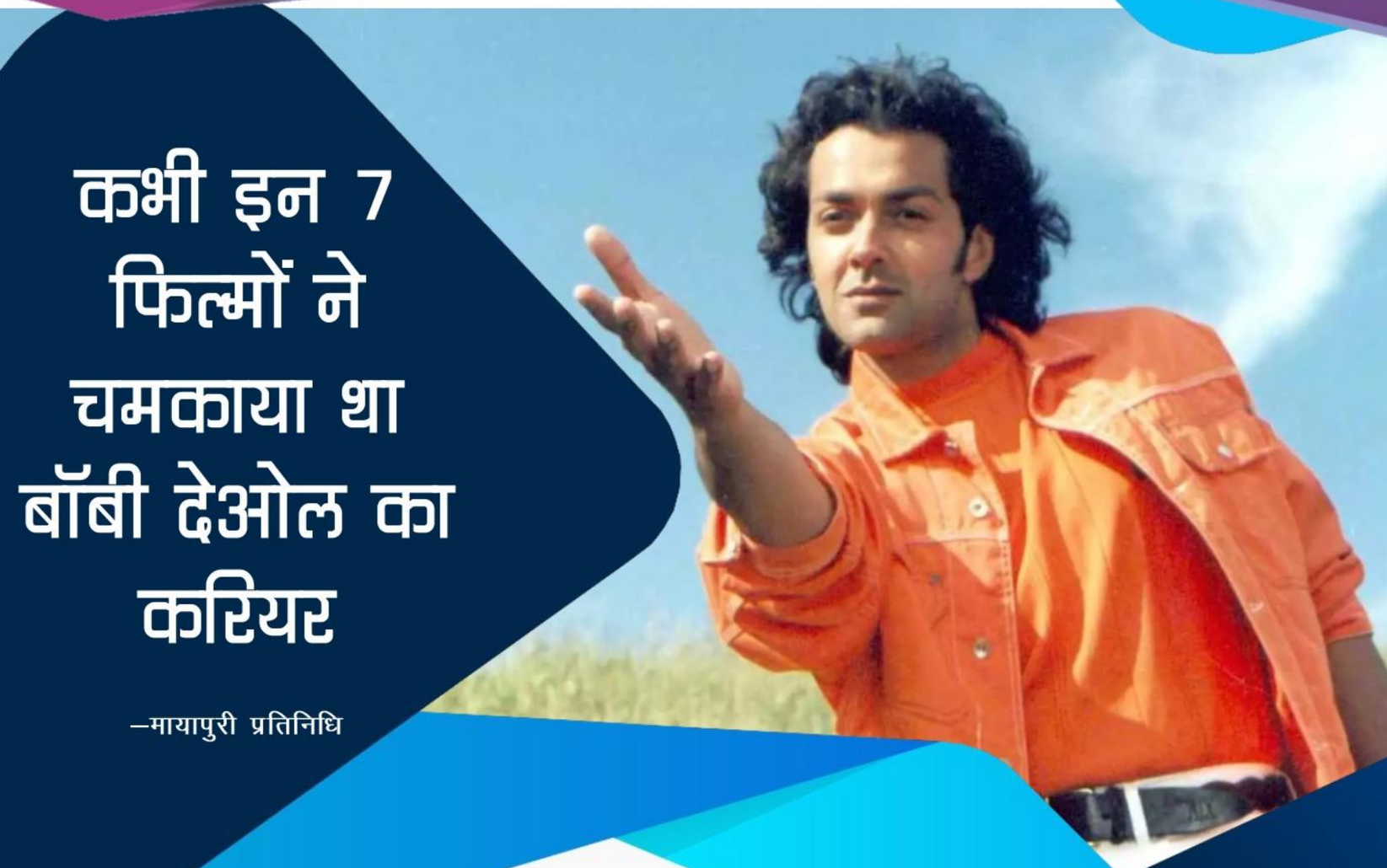

—मायापुरी प्रतिनिधि

90 के दशक में जब बॉबी ने बॉलीवुड में कदम रखा तो उन्होंने अपनी हर फिल्म में अलग–अलग ऐक्ट्रेस के साथ काम किया और फिल्म के गाने और उनकी ऐक्टिंग को लोगों में काफी पसंद भी किया।

बॉबी ने ऐसी कई फिल्में कीं, जो बॉक्सऑफिस पर कामयाब रहीं। इनमें 'गुप्त', 'सोल्जर', 'बादल' और 'हमराज' जैसी फिल्मों ने तो बॉबी के करियर को नई ऊंचाई दी थी। हालांकि बाद में बॉबी को लगने लगा कि अब फिल्में उनके पास चलकर आएंगी,इसलिए उन्होंने काम की तलाश ही बंद कर दी। नतीजा उन्हें काम मिलना ही बंद हो गया था। आइए आपको बतातें हैं उन 7 फिल्मों के बारे में जिनकी वजह से बॉबी देओल के करियर को एक नई पहचान मिली...

बरसात

डायरेक्टर राजकुमार संतोषी की ये फिल्म साल 1995 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से बॉबी देओल ने बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में उनके किरदार का नाम बादल था। इस फिल्म में बॉबी के अपोजिट बॉलीवुड ऐक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना थीं। फिल्म का कुल बजट 8 करोड़ था, फिल्म बॉक्सऑफिस पर सुपरहिट रही थी और फिल्म ने 19 करोड़ का कलेक्शन किया था।

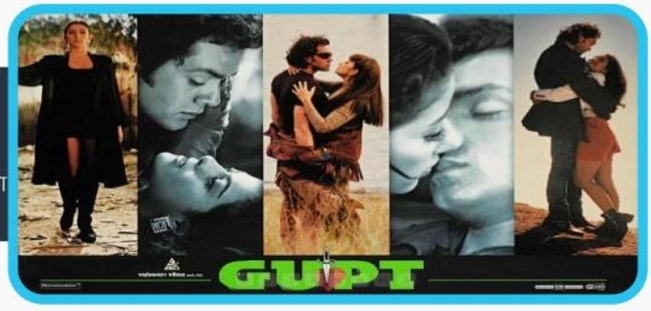

गुप्त

साल 1997 में आई इस फिल्म को राजीव राय ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में बॉबी देओल के साथ बॉलीवुड ऐक्ट्रेस काजोल और मनीषा कोईराला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। ये फिल्म भी बॉक्सऑफिस पर हिट साबित हुई थी। फिल्म का बजट 10 करोड़ था और फिल्म ने 25 करोड़ का कलेक्शन किया था।

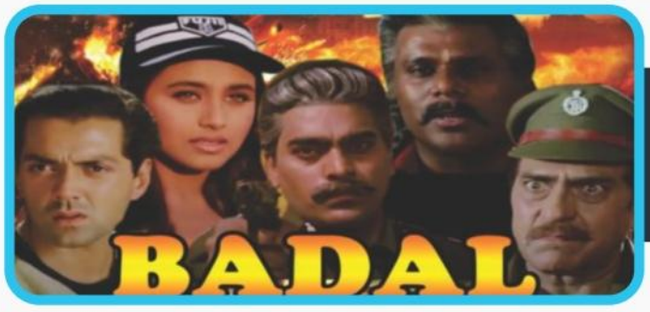

बादल

डायरेक्टर राजकंवर की एक्शन रोमांस फिल्म बादल साल 2000 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में बॉबी देओल के साथ बॉलीवुड ऐक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने लोगों को काफी पसंद आए और फिल्म में बॉबी देओल की ऐक्टिंग की काफी तारीफ हुई। इस फिल्म का बजट 10 करोड़ था और फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर 15 करोड़ का कलेक्शन किया था।

बिच्छू

साल 2000 में आई इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को गुड्डू धनोआ ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में भी बॉबी देओल के अपोजिट बॉलीवुड ऐक्ट्रेस रानी मुखर्जी नजर आईं थी। ये फिल्म भी बॉक्सऑफिस पर सक्सेसफुल रही थी। फिल्म का बजट 7.5 करोड़ थी और फिल्म ने 11 करोड़ का कलेक्शन किया था।

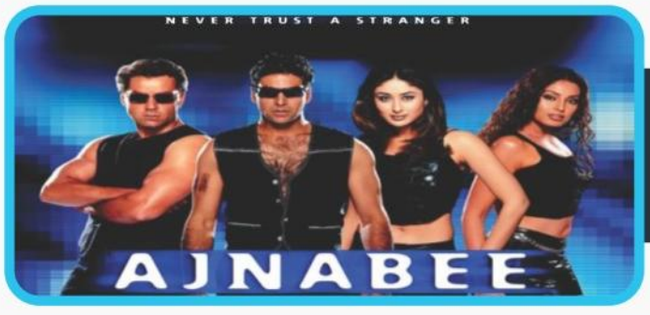

अजनबी

डायरेक्टर अब्बास मस्तान की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म अजनबी साल 2001 में रिलीज हुई थी। फिल्म में बॉलीवुड ऐक्ट्रेस करीना कपूर ने बॉबी देओल के अपोजिट मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके अलावा फिल्म में अक्षय कुमार और बिपाशा बसु भी मुख्य भूमिका में नजर आई थी। फिल्म का बजट 17 करोड़ था और फिल्म ने कुल 18 करोड़ का ही कलेक्शन किया था।

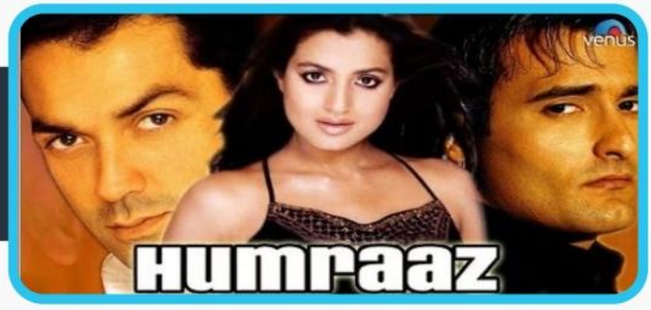

हमराज

साल 2002 में आई डायरेक्टर–प्रोड्यूसर बी आर चोपड़ा की फिल्म हमराज एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थी। इस फिल्म में बॉलीवुड ऐक्ट्रेस अमीषा पटेल बॉबी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आईं थी, इसके अलावा फिल्म में अक्षय खन्ना भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म का बजट 15 करोड़ था और फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर कुल 17 करोड़ क्लैक्शन की थी।

यमला पगला दीवाना

डायरेक्टर समीर कार्णिक की एक्शन कॉमेडी फिल्म यमला पगला दीवाना साल 2011 में रिलीज हुई थी। फिल्म में बॉबी देओल के साथ धर्मेंद्र और सनी देओल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। ये फिल्म भी बॉक्सऑफिस पर हिट साबित हुई थी। फिल्म का कुल बजट 29 करोड़ रुपए था और फिल्म ने 55 करोड़ का क्लैक्शन किया था।

एक शानदार विरासत का एक सशक्त स्तम्भ

अली पीटर जॉन

मुझे ऐसा लगता है कि, **धर्मेंद्र** के बेटे और **सनी देओल** के छोटे भाई **'बॉबी देओल'** को उनके पिता और भाई और उनकी जनरेशन के अन्य सितारों की तरह लाइमलाइट में जगह नहीं दी गई है, क्या यह उनके बहुत ही प्राइवेट पर्सन होने के कारण है, जो सिर्फ अपने काम से काम रखना पसंद करते है, और घर आकर अपनी पत्नी **तान्या** और अपने **दो बेटों** के साथ समय बिताना पसंद करते है? क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि उन्होंने इंडस्ट्री में कभी भी किसी विवाद का हिस्सा बनना पसंद नहीं किया है? या यह किसी इनर कॉम्प्लेक्स के कारण है, या उनके पिता और भाई की अत्यधिक लोकप्रियता के कारण हो सकता है? या हो सकता है कि वह किसी भी तरह कि अनवांटेड पब्लिसिटी से दूर रहना पसंद करते हो? लेकिन, सच तो यह है कि 25 साल के लंबे समय के बाद भी, वह अभी भी बहुत अधिक काम से घिरे हुए हैं और अपने बेटे धरम (पिता के नाम पर रखा गया नाम) के बाद भी काम से हार मानने के मूड में नहीं हैं।

मैंने पहली बार हैदराबाद में **विजीता देओल** नाम कि एक छोटी सी लड़की को देखा, जहाँ वह, अपनी माँ, **प्रकाश कौर और अपनी एक बहन अजीत देओल** और अपने दोनों **भाई सनी देओल और बोबी देओल** के साथ अपनी पिता **धरमजी** से मिलने आई थी, धरमजी जो उन दिनों दिन–रात शूटिंग कर रहे थे और अपने परिवार के साथ समय बिताने का समय तक नहीं निकाल पा रहे थे, और इसलिए उन्होंने उन्हें हैदराबाद बुलाया था, जो कुछ ऐसा था जैसे **जीतेन्द्र** उन दिनों नियमित रूप से करते थे, मैंने धरमजी से पूछा था कि, क्या उनका बेटा उनके प्रोफेशन को ज्वाइन करेगा और धरमजी ने कहा था, "सब रब करेगा, मैं कुछ नहीं कर सकता।" और धरमजी ने अपने बेटे **बॉबी देओल** को इंडस्ट्री के सभी प्रकार के **'तमाशा'** से दूर रखा था, लेकिन बॉबी के पास **अजय देवगन** और श्रृष्टि बहल जैसे दोस्त थे, जो उनके साथ कॉलेज में पढ़े थे और फिल्मों में भी उनके साथ थे और हिंदी फिल्मों में अपना करियर बनाने का सपना देख रहे थे!

जल्द ही एक्टिंग बग को बॉबी में एक नया कलाकार दिखा और इससे पहले कि कोई 'बॉबी' को यह बात बता पाता, उससे पहले उन्हें **राज कुमार संतोषी** द्वारा निर्देशित फिल्म **'बरसात'** में नायक के रूप में लॉन्च किया गया था, जिन्होंने सनी देओल के साथ फिल्म **'घायल'** बनाई थी, हालाँकि **'बरसात'** फिल्म ने **ट्विंकल खन्ना** को भी लॉन्च किया था, और उनसे उस तरह की सनसनी पैदा नहीं हुई, जिसकी उम्मीद की जा

फिल्म 'बरसात'

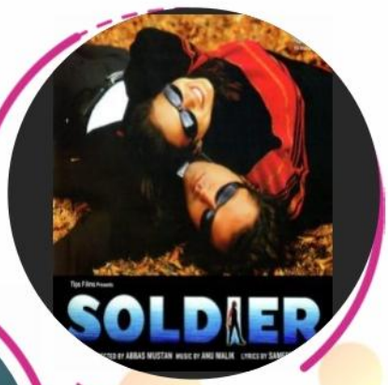

फिल्म 'बादल'

फिल्म 'गुप्त'

फिल्म 'अजनबी'

फिल्म 'हमराज'

फिल्म 'रेस 3'

रही थी, लेकिन बॉबी एक अभिनेता के रूप में अपने लक्ष्य तक पहुंचने के रास्ते पर थे।

सफलता के लिए उनके 25 साल के कार्यकाल में, उनके अपने उतार–चढ़ाव रहे हैं। वह उस तरह की भूमिकाएं पाने के लिए भाग्यशाली रहे हैं जो हर अभिनेता को नहीं मिलती, उन्होंने हिंदी फिल्मों में सभी प्रकार के हीरो जैसे रोमांटिक हीरो को नेगेटिव हीरो, देशभक्त हीरो का मिश्रण दिया है। लेकिन, वहाँ अभी भी उस तरह की सराहना और मान्यता है जो उनके रास्ते में आती है!

उन्होंने कुछ सबसे बड़े निर्देशकों के साथ काम किया है, बल्कि **अब्बास मस्तान** के साथ **'सोल्जर', 'हमराज', 'अजनबी' और 'नकाब'** जैसी चार फिल्में भी की हैं और अब्बास मस्तान की पहली वेब फिल्म भी करेंगे, उन्होंने प्रकाश झा के लिए अपनी पहली वेब फिल्म **'आश्रम'** भी की है, और जिस तरह से वह फिल्में करने के बारे में सावधानी बरत रहे हैं, उसके चलते वह पहले की तुलना में कम लेकिन बेहतर फिल्मों में दिखाई देंगे!

बॉबी शुरू से ही अपने पिता और भाई के बहुत करीब रहे हैं, उन्होंने फिल्म **'दिल्लगी'** की जिसका निर्देशन सनी देओल ने किया था, जिन्होंने फिल्म में कलाकारों का नेतृत्व भी किया

फिल्म 'अपने'

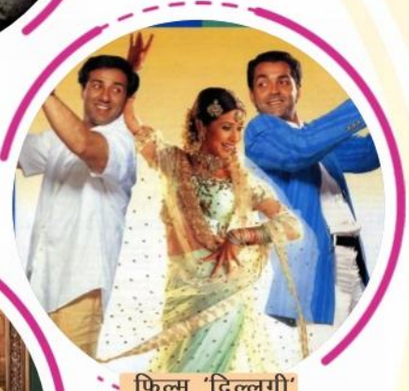
फिल्म 'दिल्लगी'

फिल्म 'हाउसफुल 4'

था, हालांकि इस फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था लेकिन सनी और बॉबी एक बार फिर भगत सिंह पर आधारित फिल्म **'23 मार्च 1931: शहीद'** में एक साथ नजर आए जो उनके करियर कि एक ऐतिहासिक फिल्म रही हैं, बॉबी ने अपने पिता और भाई सनी के साथ दो और फिल्में **'अपने'** और **'यमला पगला दीवाना'** की हैं। और देओल परिवार की सेना अब **'अपने 2'** के साथ फिर से आने के लिए तैयार है, जिसमें धर्मेंद्र, सनी और उनके बेटे करण, बॉबी और उनके बेटे धरम होंगे!

सनी के बेटे करण सनी देओल द्वारा निर्देशित फिल्म **'पल पल दिल के पास'** से फिल्मों में अपने करियर कि शुरुआत कर चुके हैं!

मुझे नहीं पता कि जब भी मैं बॉबी के साथ अपनी उस मुलाकात को याद करता हूं, तो मुझे उनके द्वारा कही गई ये लाइन क्यों याद आती है, कि, "अभी से क्या बताएं क्या हमारे दिल में है, वक्त आने पर दिखला देंगे!

और मैं उम्मीद और दुआ करता हूँ कि बॉबी देओल के लिए वो वक्त जल्द से जल्द आए!

अनु–छवि शर्मा

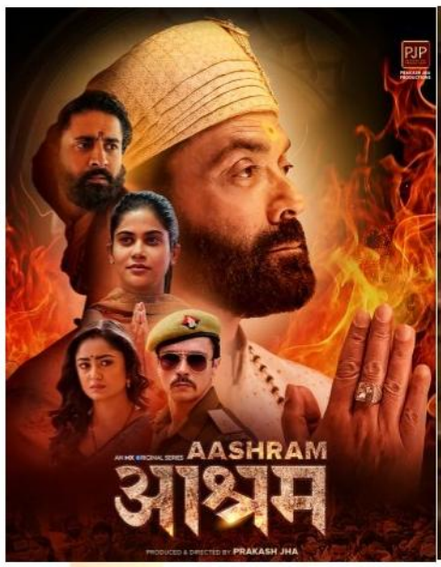

SHAH RUKH KHAN
WITH DAUGHTER SUHANA

TINA PHILLIP CHERISHES HER
VILLAGE EXPERIENCE

THE SETS OF THE MARATHI FILM MARATHI PAUL
PADTE PUDHE CAME ALIVE WITH
MASK-SANITIZER GAME

TAMIL SUPERSTAR VIJAY SETHUPATHI IN
A SILENT BOLLYWOOD MOVIE 'GANDHI TALKS' ,
A 19 YEAR OLD DREAM PROJECT BY DIRECTOR
KISHOR PANDURANG BELEKAR*

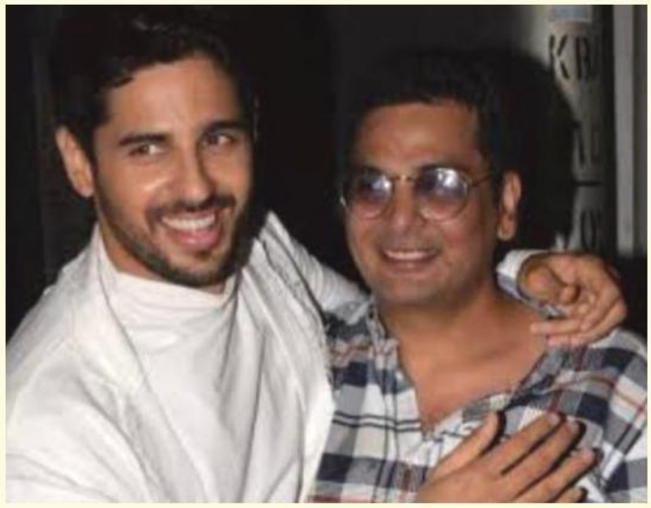

ACE CASTING DIRECTOR MUKESH CHHABRA
SHARES THIS THROWBACK PICTURE AS HE WISHES
SIDHARTH MALHOTRA A VERY HAPPY BIRTHDAY

NATASHA DALAL WITH FAMILY LEAVES FOR WEDDING VENUE ALIBAUG

KANGANA RANAUT ON SUSHANT SINGH RAJPUT'S BIRTH ANNIVERSARY

SALMAN KHAN SHARES LATEST PIC WITH WITH SHERA

SSR BIRTH ANNIVERSARY, SHWETA SINGH KIRTI ANNOUNCES $35,000 FUND FOR ASTROPHYSICS STUDENTS

ANUSHKA SHARMA AND VIRAT KOHLI FIRST TIME PUBLIC AFTER BIRTH OF BABY

SINGER NARENDRA CHANCHAL PASSES AWAY

MOUNI ROY IS SEEN FEEDING WHITE LION WITH HIS HANDS

ISHQ MEIN MARJAWAN ACTRESS NIA SHARMA IS DATING RRAHUL SUDHIR

ऋचा चड्ढा और आरती कादव की शार्ट फिल्म का नाम 55kms/Sec आखिर क्यों?

—सुलेना मजुमदार अरोरा

विश्वव्यापी लॉकडाउन के बीच साइंस फिक्शन में माहिर निर्देशिका **आरती कादव** ने अपने आइफोन पर एक फिल्म कन्सीव की थी, जो अब डिलीवरी के लिए तैयार है, पिछले साल सितम्बर में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई **विक्रांत मस्से** और **श्वेता त्रिपाठी** अभिनीत फिल्म 'कार्गो' के लिए आरती को खूब यश मिला था, उसके बाद कोरोना काल में उन्होंने घर पर बंद रह कर भी एक पूरी फिल्म की शूटिंग कर के अपने टैलेंट का लोहा मनवा लिया!

एक हाई कांसेप्ट विचार धारा पर आधारित इस फिल्म में **ऋचा चड्ढा** प्रमुख भूमिका में हैं, कादव की पटकथा से बेहद प्रभावित ऋचा का यह पहला प्रोजेक्ट था जिसे उसने लॉकडाउन के दौरान शूट किया था, कादव के इस फिल्म की कहानी, दहशत के बीच जीवन जीने की मजबूरी को चरितार्थ करने वाली कहानी है जिसमें यह दिखाया गया है कि एक उपग्रह पृथ्वी से टकराने की खबर उड़ती है और फिर पूरी दुनिया हर पल डर के साए में जीने को मजबूर हो जाती है। यह फिल्म पहले अमेजॉन प्राइम वीडियो यूएस और यूके में अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज हुई थी!

फिल्ममेकर आरती ने बताया, "मैं डिजनी हॉटस्टार और शॉर्टफिल्मविंडो की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने हमारे फिल्म के प्रति इतना प्यार बरसाया, इस फिल्म को **'55 किमी / सेकंड'** का नाम इसलिए दिया गया है, क्योंकि यह एक खास गति के माप दंड को दर्शाता है, और कहानी में इसी तेज गति से एक उपग्रह के पृथ्वी पर अपना रास्ता बनाने को लेकर स्टोरी है, इस कोरोना काल में हम सभी नए सामान्य के लिए तैयार हैं, ऐसे विकट समय में इस शॉर्ट फिल्म को बनाने का एक मजेदार अनुभव मुझे हुआ!

मेरी टीम और मैंने फिल्म मेकिंग को, हम सबको खुशी देने का एक माध्यम के रूप में चुना। हमारा वर्चुअल सेट नई ऊर्जा के साथ उत्साह से भरा हुआ था, यह हमारे लिए एक यादगार अनुभव था और मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें उतना ही प्यार देंगे!

बहुचर्चित मराठी फिल्म 'कानभट्ट' अब 19 फरवरी को महाराष्ट्र के सभी सिनेमाघरों में रिलीज होगी

—सुलेना मजुमदार अरोरा

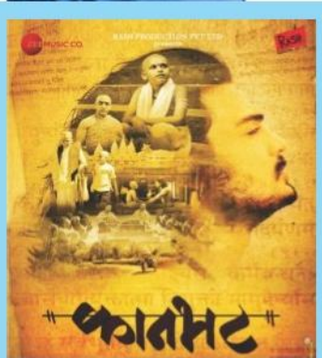

बॉलीवुड की बहन मानी जाने वाली मराठी फिल्म इंडस्ट्री में कंटेंट हमेशा सफलता की कुंजी रही है, जो दर्शकों पर एक मजबूत प्रभाव पैदा करती है, ऐसी ही एक बहुचर्चित मराठी फिल्म **'कानभट्ट'** है, जो सिनेमा जगत में जादुई प्रभाव पैदा करने के लिए पूरी तरह तैयार है, निर्माता और निर्देशक **अपर्णा एस होसिंग** तथा अभिनेता **भाव्या शिंदे** ने **'कानभट्ट'** फिल्म का ट्रेलर ऑनलाइन रिलीज कर दिया है, और दर्शकों को यह फिल्म एक अलग संस्कृति और दुनिया में ले जा कर अद्भुत अनुभव प्रदान कर रही है, यह एक पीरियड ड्रामा है जो 19 फरवरी, 2021 को पूरे महाराष्ट्र के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है!

निर्माताओं ने जी म्यूजिक मराठी पर **'कानभट्ट'** का ट्रेलर जारी कर दिया है, ट्रेलर में एक छोटे लड़के के सपने और इच्छा के बारे में दर्शाया गया है, लेकिन नियति उसके माथे पर कुछ और लिख देता है, जिसके कारण वह एक अलग रास्ते पर चल पड़ता है, कहानी में वेद और विज्ञान के बीच के संबंधों को दर्शाया गया है!

अपर्णा एस होसिंग ने कहा, "मैंने मराठी फिल्म को अपनी पहली निर्देशित फिल्म के रूप में इसलिए चुना क्योकि यह इंडस्ट्री अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है, मैं हमेशा कंटेंट को प्राथमिकता देती हूं, अब मेरी पहली निर्देशन वाली फिल्म का ट्रेलर आउट हो गया है और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

अपर्णा एस होसिंग के द्वारा निर्देशित **'कानभट्ट'** को रश प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित किया गया है, निर्माता निर्देशक अपर्णा एस होसिंग पिछले 9 वर्षों से बॉलीवुड में काम कर रही है, और उन्होंने कई लोकप्रिय फिल्में प्रोड्यूस की है जैसे 'जीना है तो ठोक डाल', 'उटपटांग', 'दशहरा'!

ऋचा चड्ढा के जीभ काटने और मार डालने की धमकी से हड़कंप लेकिन 'मैडम चीफ मिनिस्टर' नहीं डरती!

–सुलेना मजुमदार अरोरा

फिल्म 'मैडम चीफ मिनिस्टर' के ट्रेलर रिलीज के बाद से ही इस फिल्म की नायिका ऋचा चड्ढा पर गालियों की बौछार करने और उनके खिलाफ हिंसक धमकियों से भरी ट्वीट करने का एक मुहीम चल पड़ा है, खबरों के अनुसार कोई नवाब सतपाल तंवर, जो कथित तौर पर अखिल भारतीय भीम सेना के संस्थापक हैं, ऋचा और उनकी फिल्म के प्रति नफरत और हिंसा भड़काने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लगातार तरह–तरह के वीडियो बना कर अपलोड कर रहे हैं, इतना ही नहीं बताया जा रहा है कि, उस राजनेता ने खुले तौर पर इस नायिका को मौत की धमकी भी दी है और कहा है कि, वह ऋचा की जीभ काट देना चाहता है, और ऐसा करने वाले को इनाम देने की भी घोषणा कर दी!

इस तरह **'ऋचा हेट वीडियो'** अप लोड करने और उनके जीवन को नुकसान पहुंचाने का दावा करने वाले लोग जिस तरह से सार्वजनिक प्लेटफार्मों पर खुलेआम ये मुहिम चला रहे है उसकी सब निंदा कर रहे हैं, ऐसा दुष्प्रचार, कुछ खास लोगो के गुप्त एजेंडे को भी दर्शाता है जिसके तहत ये धमकिया दी जा रही है। परन्तु भीम आर्मी, राष्ट्रीय उपस्थिति वाली एक दलित पार्टी ने इस धमकी की निंदा की है और कहा है कि, उन्हें तोमर की भीम सेना के साथ कंफ्यूज नहीं होना चाहिए,

अभिनेत्री **स्वरा भास्कर** ने भी इन धमकियों की निंदा करते हुए कहा, "यह बिल्कुल शर्मनाक बात है और बिना किसी दो राय के इसकी कड़ी शब्दों में निंदा की जानी चाहिए, आपको किसी फिल्म के प्रति अपना वैचारिक मुद्दे और समस्याएं हो सकती हैं लेकिन यह आपराधिक धमकी और हिंसा के लिए सबको उकसाना एक क्रिमिनल इंटीमीडेशन है। अम्बेडकरवादी, दलित नारीवादी और सारे समझदार लोग इसके खिलाफ खड़े हो जाओ और आवाज उठाओ! @RichaChadha #NotOkß

ऋचा ने इन खतरनाक धमकियों को लेकर ट्विटर पर कल शाम को अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'हम नहीं डरते!

जब बालासाहेब ठाकरे ने देव साहब के मुख पर मुस्कान लाई और यश चोपड़ा को डरा दिया था

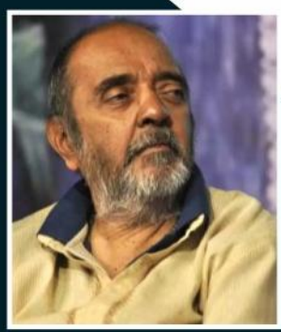

—अली पीटर जॉन

लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि कुछ महान नामों और लीजेंडस के साथ मेरे कैसे संबंध हैं। वे लोग इस बात से काफी आश्चर्यचकित हैं कि कैसे एक झुग्गी–झोपड़ी का लड़का, जिसका बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं था, वह अब न केवल एक कॉल करने के बाद लीजेंड कलाकारों से बात या मिल सकता था बल्कि उनके साथ घंटों बिता सकते थे। मैं उनके उत्तर को ढूढ़ने में तो सफल नहीं हुआ, लेकिन मैं इस बात पर विश्वास करता हूं जो नसीरुद्दीन शाह जी ने मिर्जा गालिब (इंडियन पोएट) पर हो रही एक चर्चा में कहा था। नसीरुद्दीन शाह को कवि की भूमिका निभाने का मौका नहीं मिल रहा था जो एक अभिनेता के रूप में उनकी सबसे बड़ी महत्वाकांक्षा थी। फिर आखिरकार गुलजार ने अपने धारावाहिक 'मिर्जा गालिब' में गालिब की भूमिका निभाने के लिए उन्हें चुना था। जिसपर उन्होंने कहा था कि जब आप किसी चीज को पूरी शिद्दत से चाहों, तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की साजिश में लग जाती है। जब मैं छोटा था तब मुझे इस तरह के उँचे विचारों के बारे में कुछ भी पता नहीं था, लेकिन मेरा मानना है कि मेरे साथ जो कुछ भी हुआ है वह इस तरह के महान विचार के कारण ही हुआ है, नहीं तो मैं बाल ठाकरे जैसे महान नेता को लाखों लोगों (जिसमें मैं भी शामिल था) को संबोधित करते हुए कैसे देख पाता, जिसका हर शब्द मुंबई शहर में एक परमाणु धमाके की तरह था और यहां तक कि देश में कई लोगों का यह मानना था कि इस 'खतरनाक शेर' (बालासाहेब ठाकरे) के साथ मेरी पांच से ज्यादा पर्सनल मुलाकाते हुई थीं।

मुझे श्री मोहन वाघ से मिलने का अवसर मिला था जो बड़े मराठी नाटकों के जाने–पहचाने निर्माता तो थे ही साथ ही वह लता मंगेशकर, वी.शांताराम और बाल ठाकरे के पसंदीदा

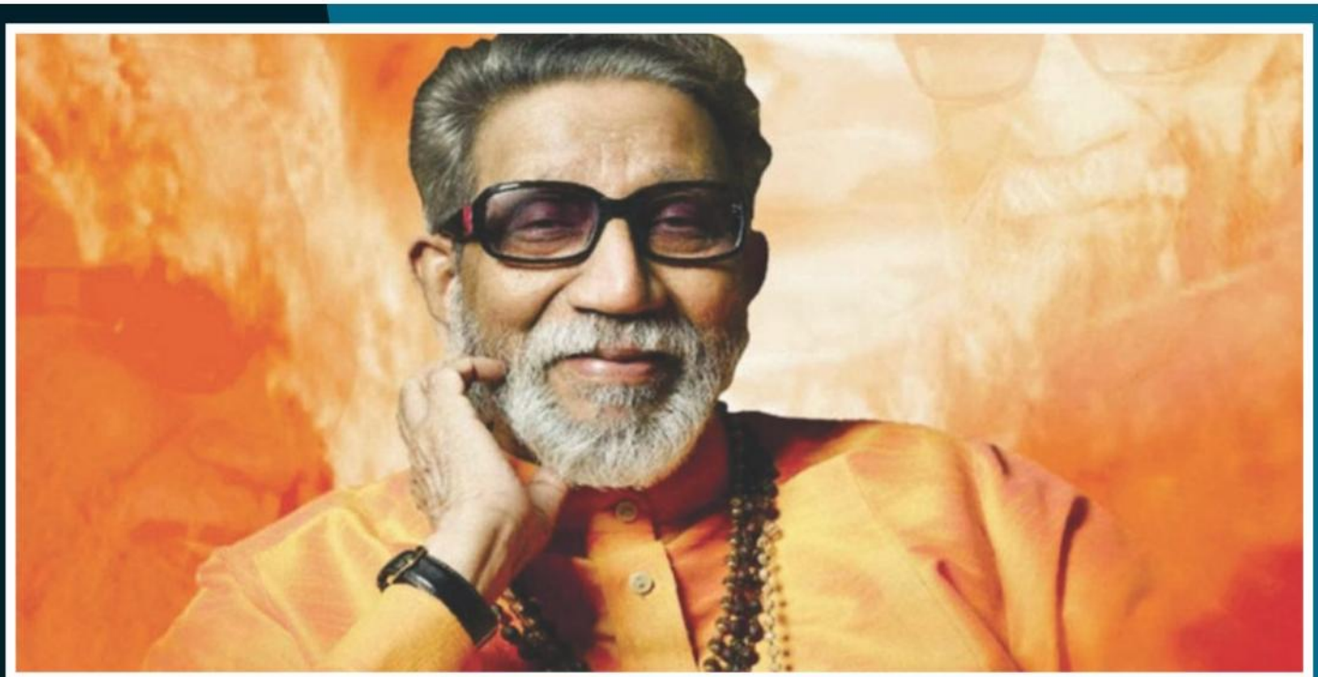

फोटोग्राफर भी थे। मुझे श्री मोहन वाघ ने उस व्यक्ति से मिलवाया था जो 'स्क्रीन' में उनके बॉस थे, श्री आर.एम. कुम्ताकर। श्री मोहन वाघ ने मुझे बहुत पसंद किया और मुझे लता मंगेशकर, वी.शांताराम और बाल ठाकरे जैसे दिग्गजों से मिलवाया।

हालाँकि इस 'शेर' के साथ मेरे अपने कुछ अनुभव थे। जिनमे से उनके साथ मेरा पहला अनुभव शांताराम जी के अंतिम संस्कार में था। वह फिल्म निर्माता के बहुत बड़े प्रशंसक थे और जब उन्होंने भीड़ को देखा, तो उन्होंने खुद को सहज महसूस कराने कि कोशिश की थी। वह तब तक चुप्पी साधे रहे जब तक कि टाइम्स ऑफ इंडिया की एक महिला पत्रकार ने उनकी

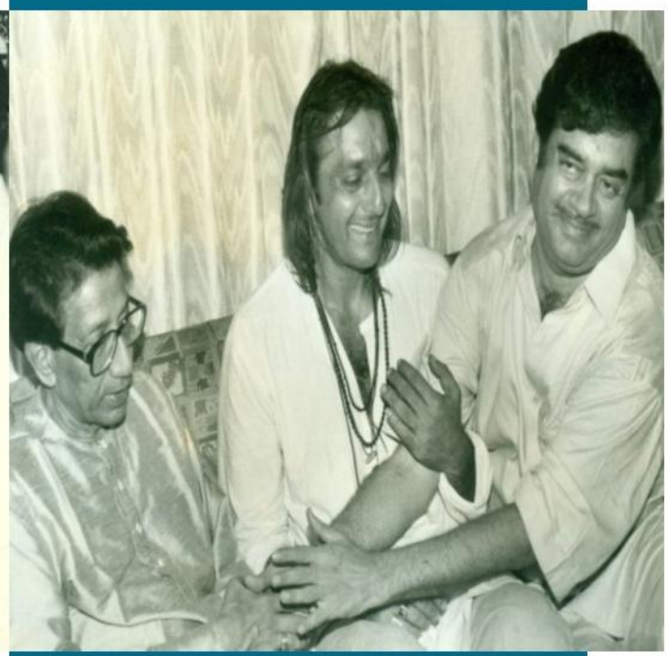

प्रतिक्रिया और शांताराम के प्रति उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कुछ कहने के लिए नहीं कहा था। वह महिला अंग्रेजी में उनसे बोल रही थी और उन्होंने ऐसे दिखाया की जैसे उन्होंने उस महिला को सुना ही न हो। फिर उन्होंने अपने एक सहयोगी से पूछा कि वह क्या कह रही है और फिर उन्होंने कहा जब तक वह मराठी में उनसे बात नहीं करेगी, तब तक वह उनके किसी भी सवाल का जवाब नहीं देगे। और यह 'आदेश' अंतिम संस्कार को कवर करने आए सभी पत्रकारों के लिए था।

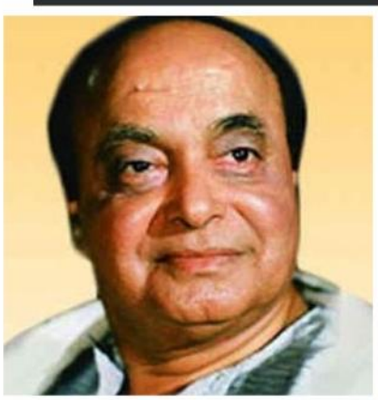

दूसरी बार जब मैं उनसे मिला, वह लीला होटल में रामानंद सागर (जो अपने धारावाहिक 'रामायण' के कारण फेमस हुए थे) द्वारा आयोजित एक पार्टी में शामिल थे। जहा उन्होंने पार्टी में खुलेआम एक इम्पोर्टेड सिगार से धूम्रपान किया और जर्मन ब्रांड हेनेकेन बीयर का भी खूब आनंद लिया था। उन्होंने सागर को 'रामायण' बनाने के लिए धन्यवाद दिया

और उनसे कहा कि यह धारावाहिक नई पीढ़ी के भारतीयों में एक नई जागृति पैदा करेगा और उन्होंने जो कहा था वह सच हुआ जब लाल.कृष्ण.आडवाणी ने अपनी रथ यात्रा निकाली जो राम के नाम पर थी।

अभिनेत्री अश्विनी भावे ने एक फिल्म का निर्माण किया था और बाल ठाकरे को इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए आमंत्रित किया गया था। वह समय पर मौजूद थे, लेकिन फिल्म निर्माता यश चोपड़ा को आने में थोड़ा समय लगा था और जब उन्होंने ठाकरे को देखा, तो वह सचमुच डर से कांपने लगे थे। उनकी डरी हुई अवस्था में थोड़ा और डर जोड़ने के लिए, ठाकरे इंटरवल से थोड़ा पहले उनसे मिले और उनसे पूछा, "क्या रे यश, मुंबई में फिल्म बनाके पैसे कमाता है, मराठी में फिल्म क्यों नहीं बनाता है?" यश हकलाते

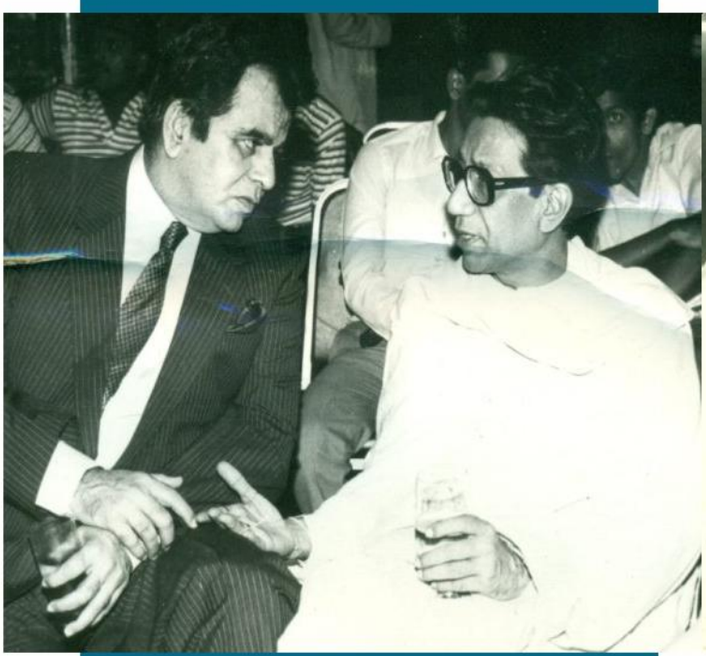

हुए बोले, "बनाऊंगा बनाऊंगा बालासाहेब।" इंटरवल खत्म हुआ और यश वापस ही नहीं आए। अगली सुबह यश ने मुझे फोन किया और कहा, "अली, यार, मैं कल जितना डर गया था, उतना तो मैं पार्टीशन के वक्त भी नहीं डरा था।" ज्यादातर लोगों में ठाकरे के प्रति भावना जागृत थी, लेकिन देव आनंद और प्राण जैसे अन्य लोग थे जो उनके प्रशंसक थे। क्योंकि बालासाहेब मुंबई के लिए ऐसे काम करते थे जो मुंबई में कोई और नहीं कर सकता था।

उन्हें एक बार प्रसिद्ध अभिनेत्री और दूरदर्शन पर पहली एंकर तबस्सुम द्वारा आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि वह हिंदी या फिल्म इंडस्ट्री के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह कभी भी ऐसी किसी भी चीज को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो बैड टेस्ट या एंटी–इंडिया या एंटी–महाराष्ट्र और मराठी लोगों के

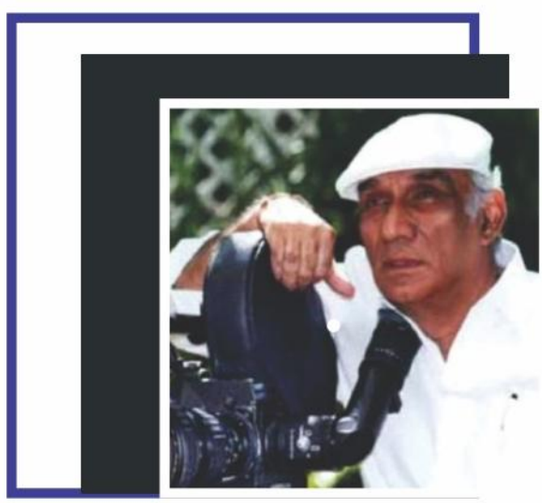

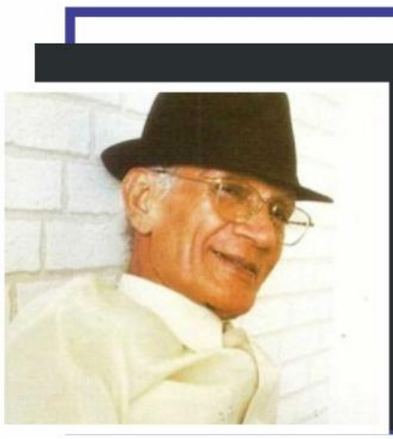

खिलाफ हो।

संगीत निर्देशक ओ.पी. नैय्यर के सम्मान में एक सबसे बड़े सभागार में म्यूजिकल नाईट आयोजित की जा रही थी। ठाकरे ने नैय्यर के बारे में बहुत सी बाते की और नैय्यर इतने भावुक थे कि उन्होंने कहा था कि, "आज रात मैं अगर मर भी जाऊ तो कोई गम नहीं, मेरी तारीफ एक शेर ने जो कि है।"

ठाकरे का अमिताभ बच्चन के साथ भी एक बहुत मजबूत रिश्ता था। ऐसा एक समय आया था जब पूरे बॉम्बे शहर में 'बंद' लगा हुआ था, लेकिन ठाकरे ने अमिताभ को शिवसेना द्वारा प्रायोजित एक एम्बुलेंस में हवाई अड्डे तक पहुंचाया था जब अमिताभ गंभीर रूप से बीमार

थे। ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से अमिताभ के लिए अपना स्नेह और प्यार तब दिखाया था और जब ठाकरे गंभीर रूप से बीमार हुए थे और लीलावती अस्पताल में एडमिट थे, तो मरने से पहले अमिताभ को देखना उनकी आखिरी इच्छा थी।

जब ठाकरे ने शिवसेना शुरू की थी, तो उनकी एक साप्ताहिक मैगजीन का नाम 'मार्मिक' था, जिसके लिए उन्होंने सभी कार्टून को स्केच किया था और हिंदी फिल्मों को भी पुनर्जीवित किया, जो उन्होंने दूसरे नाम से लिखी थी।

और उनके मदद करने वाले सितारों और जूनियर आर्टिस्ट्स और डांसर्स के साथ उनके ज्ञात और अज्ञात मामले बहुत सारे हैं।

ठाकरे एक ऐसे नेता थे, जिनसे कई लोग बहुत डरते थे, लेकिन कई लोग उनसे बहुत ज्यादा प्यार करते थे।

अनु– छवि शर्मा

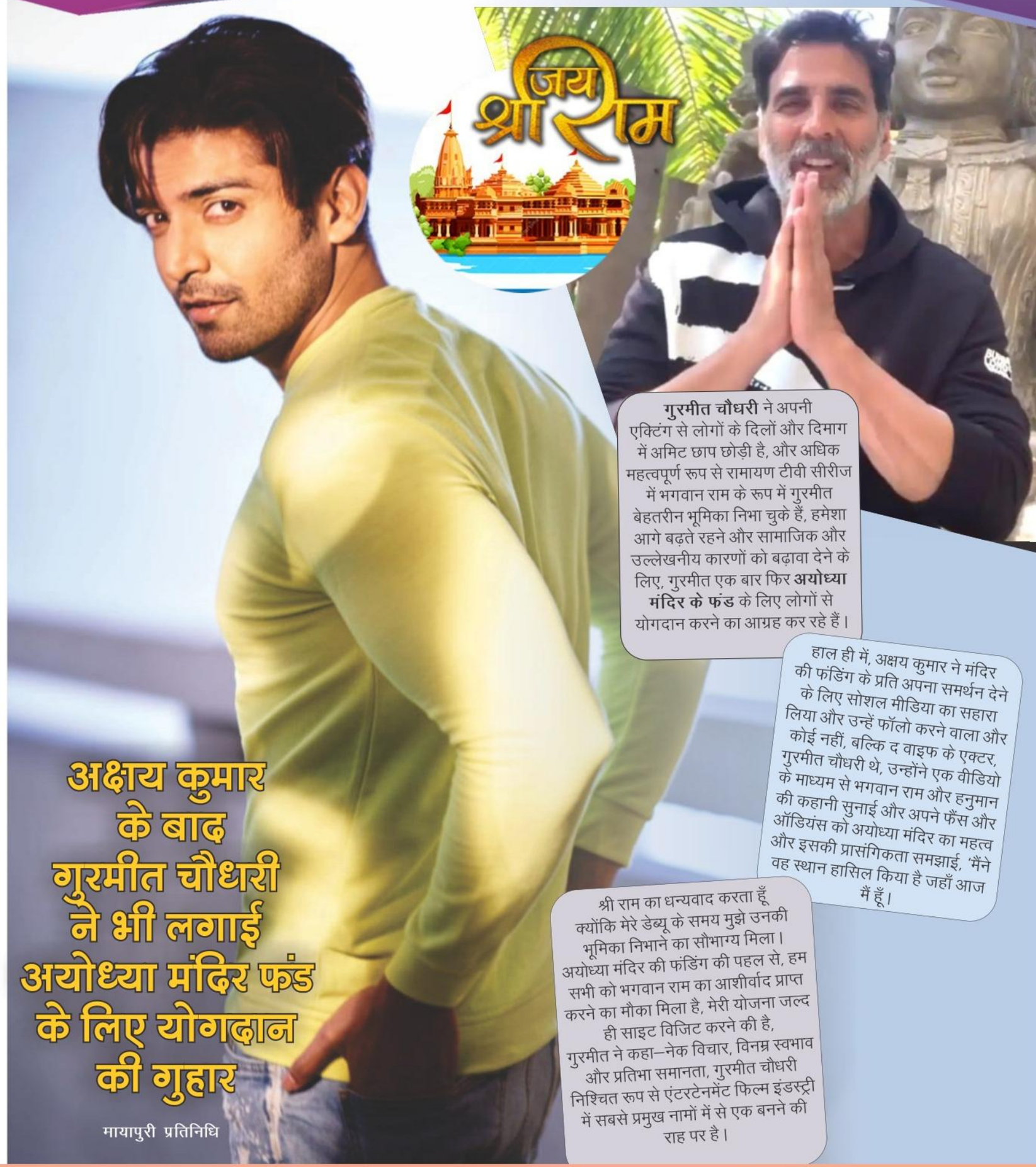

अक्षय कुमार के बाद गुरमीत चौधरी ने भी लगाई अयोध्या मंदिर फंड के लिए योगदान की गुहार

मायापुरी प्रतिनिधि

गुरमीत चौधरी ने अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों और दिमाग में अमिट छाप छोड़ी है, और अधिक महत्वपूर्ण रूप से रामायण टीवी सीरीज में भगवान राम के रूप में गुरमीत बेहतरीन भूमिका निभा चुके हैं, हमेशा आगे बढ़ते रहने और सामाजिक और उल्लेखनीय कारणों को बढ़ावा देने के लिए, गुरमीत एक बार फिर **अयोध्या मंदिर के फंड** के लिए लोगों से योगदान करने का आग्रह कर रहे हैं।

हाल ही में, अक्षय कुमार ने मंदिर की फंडिंग के प्रति अपना समर्थन देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया और उन्हें फॉलो करने वाला और कोई नहीं, बल्कि द वाइफ के एक्टर, गुरमीत चौधरी थे, उन्होंने एक वीडियो के माध्यम से भगवान राम और हनुमान की कहानी सुनाई और अपने फैंस और ऑडियंस को अयोध्या मंदिर का महत्व और इसकी प्रासंगिकता समझाई, 'मैंने वह स्थान हासिल किया है जहाँ आज मैं हूँ।

श्री राम का धन्यवाद करता हूँ क्योंकि मेरे डेब्यू के समय मुझे उनकी भूमिका निभाने का सौभाग्य मिला। अयोध्या मंदिर की फंडिंग की पहल से, हम सभी को भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त करने का मौका मिला है, मेरी योजना जल्द ही साइट विजिट करने की है, गुरमीत ने कहा–नेक विचार, विनम्र स्वभाव और प्रतिभा समानता, गुरमीत चौधरी निश्चित रूप से एंटरटेनमेंट फिल्म इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख नामों में से एक बनने की राह पर है।

यह आधिकारिक तौर पर है! सुस्वागतम खुशामदीद में इसाबेल कैफ और पुलकित सम्राट रोमांस करते आएँगे नजर

—मायापुरी प्रतिनिधि

सुस्वागतम खुशामदीद में पुलकित सम्राट के साथ गॉर्जस इसाबेल कैफ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। सामाजिक समरसता पर एक अंतर्निहित संदेश के साथ एंटरटेनर पुलकित सम्राट दिल्ली के लड़के अमन की भूमिका निभाएंगे। वहीं इसाबेल आगरा के शहर में रहने वाली नूर की भूमिका निभाती दिखाई देंगी।

पुलकित उनकी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में कहते हैं, ष्हमारी केमिस्ट्री काफी धमाकेदार है। सेट पर मौजूद लोगों का कहना है कि हम एक साथ पटाखे की तरह दिखाई देते हैंष् कैटरीना कैफ की बहन इसाबेल के बारे में वे कहते हैं, इसाबेल सेट पर अपने साथ नई ऊर्जा लेकर आई हैं। वे बेहद मेहनती हैं और सेट पर सभी को अपने काम से प्रभावित किया है। वे तेजस्वी हैं और अपने चरित्र के साथ खुद में मासूमियत की एक लकीर समाहित करती हैं। उन्होंने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया है।ष्

बात यहाँ खत्म नहीं होती है। धमाकेदार जोड़ी ने अपना डांडिया–रास नंबर मशहूर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के साथ हाल ही में शूट किया है। गणेश, जिनकी किटी में सुपरहिट सॉन्ग्स की लिस्ट है, कहते हैं, यह सॉन्ग एक जगराता और डांडिया डांस का मिश्रण है और लीडिंग कपल ने इस पर बेहतरीन काम किया है। मुझे पता है कि पुलकित एक शानदार डांसर हैं, लेकिन इसाबेल ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया क्योंकि वे नई हैं, लेकिन उन्होंने बहुत ही आसानी से स्टेप्स सीख ली। दोनों ने कई दिनों तक रिहर्सल की और उनकी तरफ से पर्दे पर आने वाला रोमांस और केमिस्ट्री एकदम परफेक्ट है।"

बन पिया टाइटल वाले इस सॉन्ग में ट्रेडिशनल आउटफिट्स पहने 400 बैकग्राउंड डांसर्स के साथ ब्लैक एंड गोल्ड देसी कॉस्च्यूम्स में पुलकित और इसाबेल बेहतरीन नजर आ रहे हैं। "यह मेरे सबसे बड़े सॉन्ग्स में से एक है। यह सॉन्ग बेहद रंगीन है। जिस तरह से इसे शूट किया गया है, उसे बड़े पर्दे पर देखकर लोग दंग रह जाएंगे। मास्टरजी ने कुछ दिलचस्प स्टेप्स लिए हैं, और हुक स्टेप काफी आकर्षक है।ष् पुलकित सम्राट का दावा है जो स्पष्ट रूप से डांस नंबर के लिए ऑन बोर्ड पर हैं।

सुस्वागतम खुशामदीद को इनसाइट इंडिया और एंडेमोल शाइन इंडिया ने येलो आंट प्रोडक्शंस के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया गया है, जिसे धीरज कुमार द्वारा अभिनीत और मनीष किशोर द्वारा लिखा गया है।

जब दिलीप कुमार की भेंट डॉक्टर अम्बेडकर से हुई और वो गुस्से में उठकर चले गए!

अली पीटर जॉन

दिलीप कुमार का सामना जब संविधान निर्माता, उच्च–शिक्षित, इस देश की शान डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर से हुआ...

यह सिर्फ दिलीप कुमार का जहूरा और उनका अतुलनीय टैलेंट ही नहीं है जिसने उन्हें इतना बड़ा बनाया, बल्कि उनकी कमांड जिन्दगी के हर पहलु हर फील्ड में ही ऐसी है कि, वो जो करते उसमें बॉस होते, लेकिन ये उनका पैशन और डेडिकेशन ही था, जिसने उन्हें एक्टिंग फील्ड चुनने को मजबूर किया और जबकि यही टैलेंट उन्हें उस ऐश्वर्य और नाम से दूर भी कर सकती थी, जो उन्होंने मेहनत से कमाया था और जिसके वो हकदार थे, उनकी बहुत सी खूबियों में से एक खूबी ये भी थी, और है कि, वो महान से महान, बड़े से बड़े कद्दावर शख्स के साथ बहुत बेहतरीन तरीके से अपनी बात रखते हैं!

दिलीप कुमार ने अम्बेडकर के दोस्तों से उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की

दिलीप कुमार पंडित जवाहर लाल

नेहरू के बहुत अच्छे दोस्त थे, **दिलीप और नेहरू** इतने करीब थे कि, नेहरू को जब भी किसी कला के क्षेत्र से जुड़ी या किसी भी समाजिक मुद्दे से जुड़ी बात पर सलाह–मशवरा करना होता था, तो वो दिलीप कुमार से बात करते थे, कई बार तो दिलीप कुमार के साथ–साथ **राज कपूर** और **देव–आनंद** भी इस वार्ता में शामिल होते थे, सिर्फ नेहरू ही नहीं, बल्कि ऑपोजिशन पार्टी के भी बहुत से ऐसे लीडर थे, जिनसे दिलीप कुमार की दोस्ती थी और सब ही उनकी जानकारी और सूझबूझ की कद्र करते थे।

दिलीप कुमार तब औरंगाबाद के उसी होटल में रुके थे, जिसमें **डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर** अपनी **पत्नी सविता** और कुछ करीबी दोस्तों के साथ ठहरे हुए थे, जब दिलीप कुमार को पता चला कि संविधान के निर्माता भी इसी होटल में ठहरे हुए हैं, तो उन्होंने अम्बेडकर के दोस्तों से उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की!

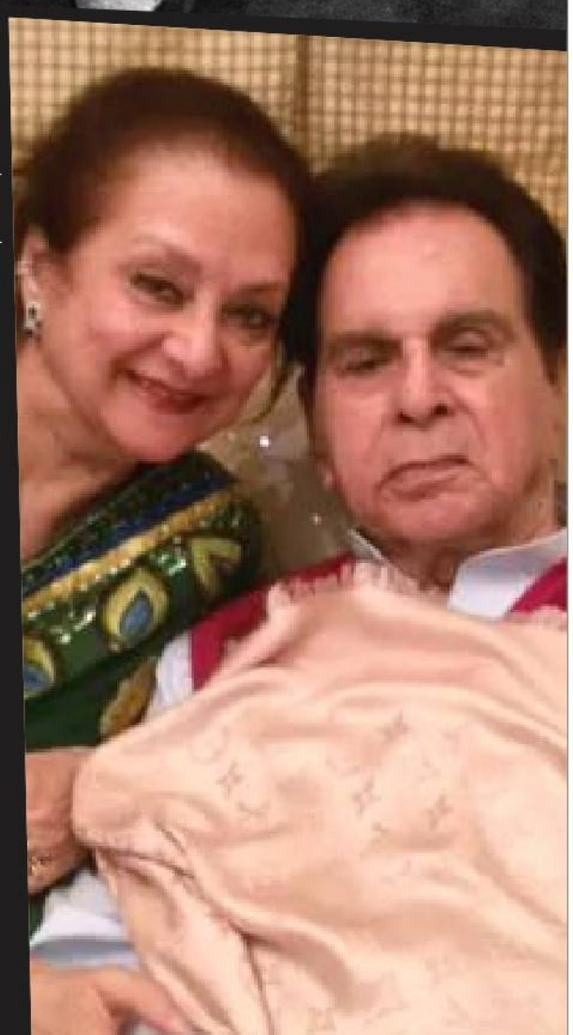

उन दोनों की मीटिंग अरेंज हुई और **डॉक्टर अम्बेडकर** ने वार्तालाप की शुरुआत ये कहकर की कि, फिल्म इंडस्ट्री कोई बहुत अच्छी जगह नहीं है, और यहाँ न अच्छे इंसान हैं और न ही उनमें कोई मोरल वैल्यूज बाकी हैं, इसके बाद डॉक्टर अम्बेडकर कुछ कहते इससे पहले ही **दिलीप कुमार** ने अपने अनोखे अंदाज में उन्हें टोकते हुए बताया कि, आपके मन में फिल्म इंडस्ट्री की गलत इमेज बनी हुई है, लेकिन **डॉक्टर अम्बेडकर दिलीप कुमार** की किसी बात को समझने को राजी ही नहीं थे, और उन्होंने दिलीप कुमार को अनगिनत ऐसे मौके गिनाए जिनसे ये साफ साबित होता था कि, फिल्म इंडस्ट्री में कोई बहुत अच्छे लोग नहीं बसे हैं, दिलीप कुमार इस बात से इतने खफा हुए कि बिना कुछ बोले अगले ही पल उठे और कमरे से बाहर चले गये, चारों ओर सन्नाटा पसर गया!

डॉक्टर अम्बेडकर ने साफ कह दिया कि, वो अपने उसूल अपनी सोच पैसे मात्र के लिए बदल तो नहीं सकते!

डॉक्टर अम्बेडकर के दोस्तों ने उन्हें कहा भी कि, उन्हें दिलीप कुमार को इस तरह नहीं कहना चाहिए था, क्योंकि दिलीप एक अच्छा खासा अमाउंट उनके सद्कार्यों के लिए डोनेट करते हैं, पर डॉक्टर अम्बेडकर ने साफ कह दिया कि, वो अपने उसूल अपनी सोच पैसे मात्र के लिए बदल तो नहीं सकते, बात यहीं खत्म हो गई मगर दिलीप कुमार की दलितों के मुखिया डॉक्टर अम्बेडकर के साथ हुई इस मुलाकात से जाहिर तौर पर संतुष्ट न हुए,

डॉक्टर अम्बेडकर उन शख्स में से थे, जिनके पास दर्जनों बहुमल्य डिग्री थीं, वो हाइली एजुकेडेटेड शख्स थे पर काश वो फिल्म इंडस्ट्री का अच्छा पहलु भी देख पाते, या देखने की कोशिश करते!

कौन जानता है कि, अगर ये मुलाकात सकारात्मक मोड़पर खत्म हुई होती तो शायद पूरे विश्व के लिए, और खासकर इस देश की फिल्म इंडस्ट्री के लिए कितनी अच्छी बात होती!

अनुवाद–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

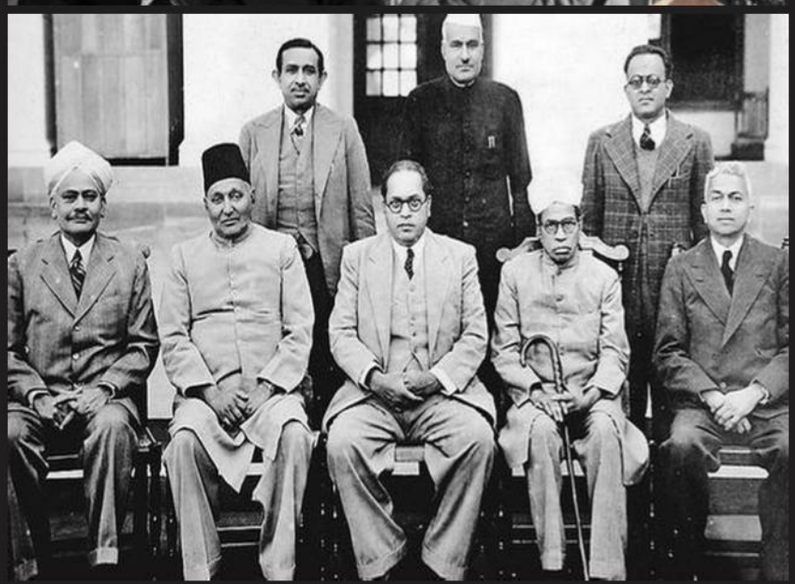

शमा सिकंदर ने अपने नए फोटोशूट में दिखाया हॉलीवुड स्टाइल

—मायापुरी प्रतिनिधि

शमा सिकंदर ने हाल ही में अपनी पिक्चर्स के न्यू सेट के अपनी कुछ तस्वीरे क्लिक कराइ है जिसमे वह बिल्कुल स्टनिंग लग रही हैं, वह पूरी तरह से एक हॉलीवुड स्टार की तरह लग रही है, जो हमें रॉयल्टी के युग में वापस ले जाती है, वह इन तस्वीरों में गोल्डन ड्रेस पहने नजर आ रही है जिसमे गोल्डन बैकड्राप भी है और इस सब के साथ मिलकर एक स्टनिंग पिक्चर सामने आती है, उसने अपनी ड्रेस के साथ ब्लैक कलर के दस्ताने भी पहने हैं जो उनके स्टाइल को हॉलीवुड टच देता हैं, उनका यह ये रेट्रो लुक वास्तव में अच्छा है!

हम शमा के संपर्क में है और वह इस बारे में कहती है, "वैसे इसे हॉलीवुड से कुछ सबसे अच्छे स्टाइल के साथ मैच करने के लिए डिजाइन किया गया था। हम शिकागो जाना चाहते थे, वह शहर एक रेट्रो मेल्टडाउन में मौलिन रूज से मिलता है, यह शूट के पीछे का आईडिया था और इसका नतीजा अच्छा आया है, फोटोग्राफर काफी अच्छे थे, यह एक अच्छी ट्रीट है, मुझे यकीन है कि यह काम करेंगा, यह शूट काफी समय से चल रहा था और मुझे खुशी है कि यह अब अच्छी तरह से तैयार है!

हम शमा को नए साल की बहुत—बहुत शुभकामनाएं देते हैं, वह काफी मनमोहक दिखती है और वह हर बार हमें हैरान कर देती है!

अनु—छवि शर्मा

वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में उर्वशी रौतेला कैसे कर रही है अपने किरदार की तैयारी?

—मायापुरी प्रतिनिधि

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने साल की शुरुआत बड़े ही धमाकेदार तरीके से की है, इस साल उर्वशी ने अरबपति **मुकेश अंबानी** के **जियो स्टूडियोज** के साथ 3—बड़ी फिल्मे साइन की है, और सूत्रों की माने तो ये तीनो फिल्मो के लिए उर्वशी रौतेला बड़ी रकम चार्ज किया है, उर्वशी जिन्हें आखिरी बार **अजय लोहान** की फिल्म **'वर्जिन भानुप्रिया'** में देखा गया था, और अब जियो स्टूडियोज के साथ उर्वशी का नया वेंचर शुरू होने जा रहा है!

तो वही आपको बता दे की उर्वशी रौतेला हालही में मांग में सिंदूर और इंडियन लुक में स्पॉट की गई थी, जिसके बाद उनके लुक को लेकर कई अटकले लगाए जा रहे थे। लेकिन फिर बाद में पता चला की उर्वशी रौतेला का ये लुक वेब सीरीज **'इंस्पेक्टर अविनाश'** के लिए था, इस सीरीज में उर्वशी इंस्पेक्टर अविनाश की पत्नी के किरदार में नज़र आएँगी जो की रियल लाइफ पर आधारित है!

अभिनेत्री ने इस सीरीज में अपने किरदार के बारे में खुलासा करते हुए कहा, 'मेरा किरदार एक रियल लाइफ स्टोरी पर आधारित है, मेरे किरदार का नाम 'पूनम मिश्रा' है, और मैं **रणदीप हुड्डा** जो की इस सीरीज में एक 'सुपर कॉप' अविनाश की पत्नी की भूमिका निभा रही हूँ। बायोपिक्स अभिनेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती है, जोकि एक किरदार जिनकी जिन्दगी आप कुछ समय के लिए जीते हो, और ये बड़ी ही जिम्मेदारी का काम है, जिसकी असल जिन्दगी की कहानी आप बड़े परदे पर दर्शा रहे हो, लेकिन दूसरी ओर आप उसकी मदद भी कर रहे हो!

उर्वशी रौतेला आगे कहती है—'किरदार को और अच्छी तरह समझना और उसके जीवन को जीने के लिए, मैं पूनम मिश्रा के साथ समय बिता रही हूँ। मैं अपने स्तर पर पूरी कोशिश कर रही हूं कि मैं उनके व्यक्तित्व और उनके व्यवहार को सीख सकू, मैं पूरी कोशिश कर रही हूँ उनके तरह दिखने की उनके तरह चुडिया और उनकी तरह साड़ी और ड्रेस पहन ने की कोशिश कर रही हूँ। मैं हर

संभव उनके किरदार को जीने की पूरी तरह अपने आप को तैयार कर रही हूँ। अविनाश मिश्रा के समर्थन का एक मजबूत आधार रहा है, मेरे लिए, यह बताने के लिए एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है। मैं असली अविनाश मिश्रा से भी मिला हूं और पूरे परिवार से बात की है। मैंने उनके साथ समय बिताया है। यहाँ अनुभव मेरे लिए काफी दिलचप्स था.

इसके अलावा उर्वशी, मोहन भारद्वाज की फिल्म **'ब्लैक रोज'** पर काम कर रही है, जोकि उनकी पहली द्विभाषी फिल्म है, ये मूवी शेक्सपियर के **'द मर्चेंट ऑफ वेनिस'** पर आधारित है, जिसमें उर्वशी शर्लक की निर्णायक भूमिका निभाती नजर आएंगी! साथ ही में वह तमिल फिल्म **'थिरुतु पयले 2'** के रीमेक में प्रमुख किरदार निभा रही है!

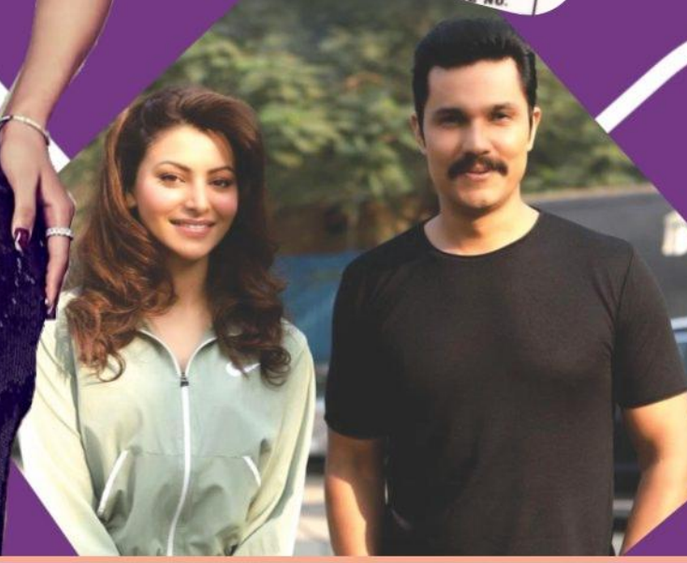

DAVID DHAWAN GETS SPOTTED AFTER A SALON SESH AND BHAIYYA- BHABHI ROHIT AND JAANVI LEAVES MANISH MALHOTRA'S STORE

KUNAL KHEMU RECALLS AN INCIDENT WHEN TAIMUR AND INAAYA WERE IN DANGER

सपा नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की बायोपिक 'मैं मुलायम' की स्पेशल स्क्रीनिंग विधायक व समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष अबु आसिम आजमी के लिए सहारा स्टार होटल, लिंक क्रॉफ्ट स्टूडियो में रखी गई, उसी मौके पर फिल्म वितरक और डॉन सिनेमा निर्देशक महमूद अली, फिल्म के मुख

AJAY DEVGN, SIDHARTH MALHOTRA AND RAKUL PREET SINGH'S THANK GOD BEGINS SHOOT
PRESENT WERE MARKAND ADHIKARI, RUDRA PANDIT, ANAND PANDIT, ASHOK THAKERIA, BHUSHAN KUMAR, INDRA KUMAR, SIDHARTH MALHOTRA, BALU MUNNANGI, SUNIR KHETERPAL, DEEPAK MUKUT, VINOD BHANUSHALI AND SHIV CHANANA

STAR SPORTS UNVEILS #INDIATAIYARHAI CAMPAIGN FEATURING BOMAN IRANI
AHEAD OF ENGLAND'S TOUR OF INDIA

AJAY SINGH CHAUDHARY'S WIFE JYOTI SPILLS THE BEANS ON THEIR MARRIAGE,
SHARES THE SECRET TO A HAPPY MARRIED LIFE

AMIT J SHARMA, RUSHLAN MUMTAZ, DEV SHARMA, ARBAAZ KHAN, NISHANT GK, RANJAN, ADHAYAYAN SUMAN & GURLEEN CHOPRA
POSTER LAUNCH OF RETURN TICKET

INDIAN AUDIENCE
LOVES DRAMA,
SAYS
AISHWARYA RAJ BHAKUNI

MR.PUNEET CHHATWAL, MD & CEO - IHCL, SONALI BENDRE, NANDINI SOMAYA SAMPAT, AMRITA RAICHAND AND JEHANGIR PRESS OF IHCL, AT RENDEZVOUS-PRESENTED BY THE CHAMBERS AT TAJ MAHAL PALACE

PRATHMESH PARAB'S MARATHI MOVIE OH MY GHOST'S TEASER IS OUT

ROHIT GUPTA MADE NEARLY A SUM OF 5,200 DOLLARS MONTHLY IN 2020, BECOMES ONE OF THE HIGHEST PAID CONTENT CREATORS ON FACEBOOK WITH A WHOOPING NUMBER OF 963K FOLLOWERS ON FACEBOOK

BOX OFFICE

'मैडम चीफ मिनिस्टर' –बेतुकी कहानी, इललॉजिकल थ्रिलर

फिल्म समीक्षा: रेटिंग- 3/10

इस हफ्ते रिलीज हुई फिल्म " मैडम चीफ मिनिस्टर " आने से पहले ही चर्चा में थी। कारण? इस फिल्म के ट्रेलर से ही उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की झलक मिलती थी लेकिन क्या ये कहानी वाकई मायावती के जीवन पर आधारित है? आइए कहानी से समझते हैं!

मैडम आपकी कहानी कतई फिल्मी है

फिल्म शुरु होती है एक दलित की बारात से जहाँ ठाकुरों की फैमिली उनके जुलूस निकालने से नाराज हो जाती है और गर्मागर्मी में गोलियां चल जाती हैं। इसमें रूप राम नामक एक दलित मारा जाता है और ठीक उसी वक्त उसके घर एक और लड़की पैदा होती है 'तारा' (ऋचा चड्ढा)

तारा से पहले पैदा हुई लड़कियों को उसकी दादी ने जहर दे दिया था लेकिन तारा को न दे सकी।

कहानी जम्प होकर 2005 में आती है जहाँ तारा बॉयज हॉस्टल में एक छात्र नेता इंदुमणि त्रिपाठी (अक्षय ओबेरॉय) को डेट कर रही है। दूसरी बार प्रेग्नेंट होने पर वो उसे शादी के लिए कहती है लेकिन इंदुमणि जाति का नाम देकर बेहूदे तरीके से मना कर देता है। तारा हंगामा मचा देती है।

वो गुंडे लेकर पीटने आ जाता है, तारा लड़ती है लेकिन खासकर पेट पर ही मारा जाता है।

यहाँ उसे दद्दा यानी मास्टर जी (सौरभ शुक्ला), दलितों के नेता बचा लेते हैं। तारा इन्हीं के साथ रहने लगती है और आगे चलकर चुनाव भी जीत जाती है, उसी को मुख्यमंत्री भी बना दिया जाता लेकिन अब क्या?

यहाँ तक की कहानी कुछ फिल्मी होकर बाकी सत्य घटनाओं और मायावती के जीवन पर चलती है लेकिन इसके बाद कहानी ऐसी इधर–उधर निकलती है कि घर वापसी इम्पॉसिबल हो जाती है। कल्पनाओं का वो पहाड़ बनाया जाता है जिसपर चढ़ते–चढ़ते दर्शक थकते ही नहीं, सो भी जाते हैं। स्टेज पर शादी रचाई जाती है, सीएम जिस गेस्ट हाउस में है वहाँ ओपोजिशन का लीडर खुद गुंडे लेकर आ जाता है और बाकायदा एसपी उसको रास्ता दिखाता है।

पाइप पकड़कर सीएम और उनका स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर लटक जाते और ऐसा नंग नाच होता है कि थिएटर में बैठे टोटल तीन में से दो लोग सो चुके होते हैं।

डायरेक्शन के कार्बोरेटर में कचरा है

सुभाष कपूर ने ये फिल्म लिखी और डायरेक्ट की है। जॉली LLB सरीखी कसी हुई फिल्म बनाने के बाद जाने कौन सी मजबूरी रही कि उन्हें मैडम चीफ मिनिस्टर करनी पड़ी। शुरुआत अच्छी है लेकिन इंटरवल से पहले ही फिल्म दर्शकों की नजर से और सुभाष कपूर की पकड़ से बाहर नजर आने लगती है।

मैडम एक्टिंग अच्छी कर लेते हो

ऋचा चड्ढा ने मैडम चीफ मिनिस्टर बन अपनी तरफ से बेस्ट दिया है। कुछ जगह लाउड हुई हैं पर ओवरऑल ठीक हैं, हालांकि वो सपोर्टिंग रोल में जितना इम्पेक्ट डालती हैं उतना प्रोटागोनिस्ट बनकर नहीं कर पा रहीं, चाहें वो शकीला हो या मैडम चीफ मिनिस्टर।

मानव कॉल अच्छी एक्टिंग करते ही हैं, उनका करैक्टर जस्टिफाई नहीं होता पर उन्होंने अपना बेस्ट दिया है।

सौरभ शुक्ला जबरदस्त रहे, उनका रोल कम है लेकिन काशीराम के रोल में उनसे बेहतर कोई नहीं हो सकता था।

अक्षय ओबेरॉय ने भी आटा दलिया कर लिया है। हाँ, मिर्जापुर में क ख ग घ पूछने वाले शुभराज्योति भरत की एक्टिंग लाजवाब है। वो इकलौते हैं जो एक्टिंग करते नहीं लगे हैं, कम्पलीटली नेचुरल रहे हैं।

निखिल विजय लो बजट के धनुष लगते हैं, उनके डायलॉग से ज़्यादा उनका मुँह टेढ़ा करके हँसना इंटरेस्टिंग है।

संगीत कहाँ है किधर है?

फिल्म का म्यूजिक बैकग्राउंड तक तो ठीक है, मंगेश धाकड़े ने गानों से परहेज ही की है पर दो गाने, एक चिड़ी–चिड़ी जरा अजीब सा है पर इतनी जल्दी खत्म होता है कि बुरा नहीं लगता और दूसरा लोक गीत है जो फिर भी बेहतर लगता है।

कुल मिलाकर फिल्म मायावती जी की बायोपिक, उनको बताकर, उनको साथ बैठाकर सच्चे नामों से बनती तो इससे कहीं

बेहतर होती। कॉन्ट्रोवर्सी के डर से कहानी में बेतुके मसाले डालने से फिल्म बहुत बेस्वाद हो गयी है। इस फिल्म को कुछ हिट करा सकता है तो वो किसी अनजानी 'सेना' का थिएटर तोड़ना या बैन–बैन हल्ला मचाना ही है वर्ना फिल्म का वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं है।

–सिद्धार्थ अरोड़ा सहर

भुवन बम 3 बिलियन व्यूज क्रॉस करने वाले भारत के पहले इंडिपेंडेंट क्रिएटर बन गए है

—ज्योति वेंकटेश

भारत के सबसे प्रसिद्ध युवा आइकन और डिजिटल कंटेंट **निर्माता भुवन बम** के यूट्यूब चैनल **'बीबी की वाइन्स'** ने हाल ही में एक नया मुकाम हासिल किया है, 20 मिलियन सब्सक्राइबर्स और 3 बिलियन व्यूज के साथ, भुवन बम इस एक्सेप्शनल माइलस्टोन तक पहुंचने वाले भारत के पहले इंडिपेंडेंट डिजिटल कंटेंट क्रिएटर बन गए है!

26 वर्षीय, मल्टी–टैलेंटेड कलाकार ने अपने संगीत और हास्य के साथ एक ट्रू–ब्लू एंटरटेनमेंट के रूप में अपने सोशल मीडिया की शुरुआत के कुछ ही वर्षों में लाखों दिलो को जीत लिया हैं, उनके बहुचर्चित कॉमेडी वीडियो जैसे **'क्यूं समीर क्यूं?'**, **'एंग्री मास्टरजी'**, **'वेलेंटाइन कि शॉपिंग' और 'हीर रांझा'**, **'अजनबी'**, **'संग हूं तेरे'** जैसे इंडिपेंडेंट एकल ने उन्हें प्रसिद्धि और सफलता की ऊंचाइयों तक पहुँचाया है और साथ प्रभावशाली ढंग से थोड़े समय में ही उन्हें एक डिजिटल हस्ती बना दिया गया है!

भानचोददास, समीर फुद्दी, टीटू मामा, और अन्य जैसे आइकोनिक करैक्टर को बनाने के बाद, भुवन बाम अब अपनी नवीनतम और बहुप्रतीक्षित सीरीज– **'ढिंढोरा'** को रिलीज करने के लिए भी अपनी कमर कस रहे हैं, जिसमें कलाकार ने महामारी के बीच समय में परिश्रमपूर्वक शूटिंग की है!

अपनी उल्लेखनीय और यथार्थवादी कंटेंट के माध्यम से, भुवन बम (बीबी) ने भारत के युवाओं को हमेशा 'रियल' कन्वर्सेशंल लेंस से प्रभावशाली और विचार उत्तेजक कंटेंट दिखाकर सशक्त बनाया है। अधिकांश भाग के लिए, भुवन बम के वीडियो उर्बा टीनऐजर्स के जीवन से संबंधित विषयों को स्पर्श करते हैं जिन्हें कान्टम्प्लेशन और अनिन्हिबिटिड डिस्कशन की आवश्यकता है, यह अंधविश्वास हो या इंडियन मैरिज मार्किट का भेदभावपूर्ण मानदंड या प्रेशर जब स्टूडेंट्स के एकडेमिक चॉइस की बात आती हैं तो उनका अपने माता–पिता से सामना होता है, बी बी के प्रशंसकों के लिए महामारी का समय एक तरह से सबकी आंखें खोलने वाला समय था, क्योंकि इस डिजिटल स्टार ने अपने जीवन को इस सबसे प्रभावित लोगों की कहानियों को सामने लाने के लिए जोखिम में डाल दिया था। बम ने अपनी सारी कमाई 'लाइफलाइन ऑफ सोसाइटी' सीरीज से अपने उत्थान और संरक्षण के लिए दान कर दी, महामारी के दौरान उन्हें वर्ल्ड वाइड वेब का सम्मान भी प्राप्त हुआ हैं।

उन्होंने अपनी अब तक की यात्रा में कई प्रशंसा अर्जित की हैं, जिसमें उनकी शॉर्ट फिल्म **'प्लस माइनस'** के लिए दिग्गज **शाहरुख खान** से फिल्मफेयर अवॉर्ड भी उन्हें प्राप्त हुआ है, और 'वायरल कंटेंट क्रिएटर' और 'एंटरटेनर ऑफ द ईयर' के लिए उन्हें दो कॉस्मोपॉलिटन अवॉर्डस उन्हें मिले है, 'एंटरटेनमेंट अकाउंट ऑफ द ईयर 2019' के लिए एक इंस्टाग्राम अवॉर्ड उन्हें मिला, मेन्सएक्सपी अवॉर्ड 'सोशल मीडिया आइकॉन ऑफ न्यूहुड', 'आईकॉन ऑफ न्यूहुड', 'ग्लोबल एंटरटेनर ऑफ द ईयर' वर्ल्ड ब्लॉगर अवार्ड्स 2019 भी भुवन को प्राप्त हुआ, उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी अपनी जगह बनाई है, हुआ और एंटरटेनमेंट 2019 में द इकोनॉमिक टाइम्स गेमचेंजर ऑफ द ईयर का खिताब भी भुवन को मिला था!

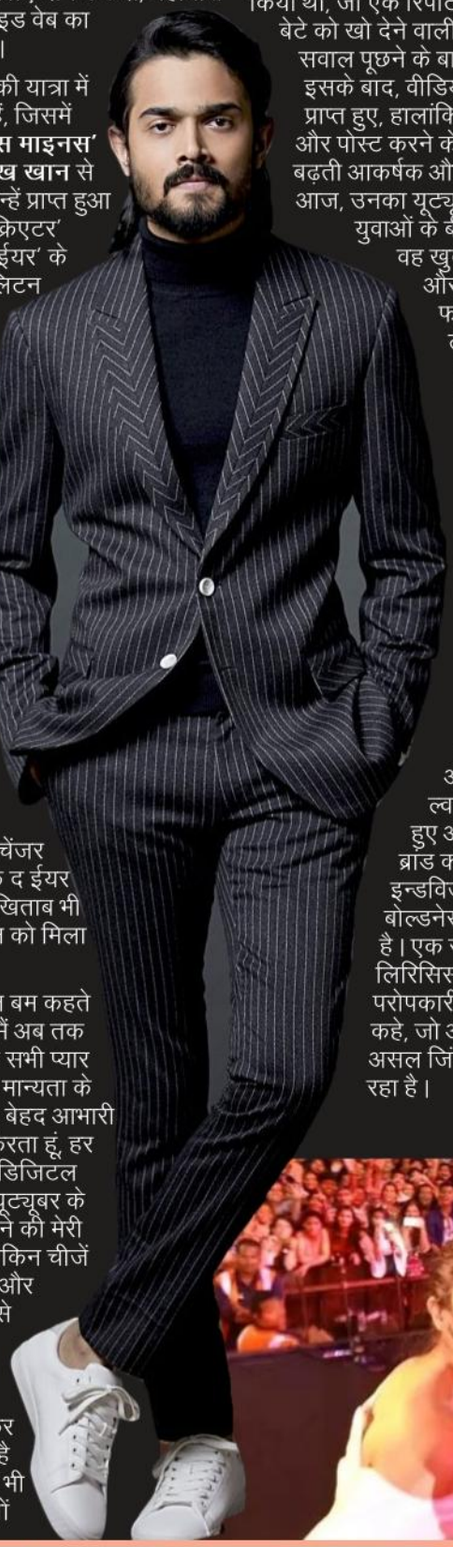

भुवन बम कहते है, "मैं अब तक मिले सभी प्यार और मान्यता के लिए बेहद आभारी और रोमांचित महसूस करता हूं, हर कोई जानता है कि एक डिजिटल प्रभावित व्यक्ति या एक यूट्यूबर के रूप में खुद को शुरू करने की मेरी कोई योजना नहीं थी, लेकिन चीजें बस संयोग से होती गई और आज मैं यहां हूं, दर्शकों से प्रशंसा की भावना से अभिभूत हूँ, ये बढ़ती संख्याएं उन चीजों का संकेत हैं जो मैं शायद कर रहा हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं सामाजिक रूप से भी फ्लो पैदा करते हुए लोगों का मनोरंजन करना जारी रख सकता हूं!

मूल रूप से एक महत्वाकांक्षी गायक, भुवन बम ने अपना पहला वीडियो 2014 में **'द चखना इश्यू'** नाम से जारी किया था, जो एक रिपोर्टर ने **'कश्मीर बाढ़'** में अपने बेटे को खो देने वाली एक महिला से असंवेदनशील सवाल पूछने के बारे में 20 सेकेंड की क्लिप है, इसके बाद, वीडियो को केवल 10–15 क्लिक प्राप्त हुए, हालांकि, भुवन अधिक वीडियो बनाने और पोस्ट करने के लिए आगे बढ़े, जो उनकी बढ़ती आकर्षक और भरोसेमंद कंटेंट के साथ है। आज, उनका यूट्यूब चैनल 'बीबी कि वाइन्स' युवाओं के बीच काफी प्रसिद्ध है, जबकि वह खुद में एक ब्रांड है जो फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लाखों फोल्लोवेर्स के साथ सबसे लोकप्रिय डिजिटल प्रभावितकर्ताओं (इन्फ्लूअन्स) में से एक है। भुवन बम की सफलता की कहानी में एक उल्लेखनीय तत्व यह है कि वह हर वीडियो के साथ 'वन मैन शो' चलाते है और इसे इस तरह से बनाया जाता है कि हर वीडियो में हर चरित्र को वह खुद ही निभाते है।

वर्ष 2021 की शुरुआत भुवन के लिए एक अत्यधिक सकारात्मक नोट के रूप में हुई है क्योंकि माइलस्टोन के विएवेर्शिप तक पहुंचने के अलावा, उन्होंने (यूथीअपा) ल्वनजीपंचं 2.0 को लॉन्च करते हुए अपने होमग्रोन मर्चेंडाइजिंग ब्रांड को एक्स्पंड किया, जो इन्डविजूऐलिटी, सेल्फ–अवेयरनेस, बोल्डनेस और एक्सप्रेशन का प्रतीक है। एक सफल अभिनेता, सिंगर, लिरिसिस्ट, कंपोजर, कॉमेडियन और परोपकारी आदमी के बारे में और क्या कहे, जो अपनी रील में ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी कई भूमिकाएं निभा रहा है।

अनु–छवि शर्मा

एण्डटीवी के 'भाबीजी घर पर हैं' में अनिता भाबी के रूप में नेहा पेंडसे के लिये लाइट्स, कैमरा और एक्शन का पल!

—मायापुरी प्रतिनिधि

पूरी टेलीविजन इंडस्ट्री और **एण्ड टीवी** के **'भाबीजी घर पर हैं'** के फैन्स तथा नियमित दर्शक यह खबर सुनकर बेहद खुश हुए कि **नेहा पेंडसे** इस शो में अनिता भाबी के रूप में शामिल हो रही हैं। अपनी खूबसूरती और हाजिर जवाबी के लिए मशहूर, **नेहा** ने अपने रील परिवार—**विभूति नारायण मिश्रा (आसिफ भोख), मनमोहन तिवारी (रोहिताश गौड़)** और **अंगूरी भाबी (शुभांगी अत्रे)** के साथ आज से शूटिंग शुरू की, अनिता भाबी के रूप में अपनी नई शुरूआत करते हुए और जश्न का एक माहौल तैयार करने के लिए उन्होंने केक काटा, इस मौके पर तकनीशियन दल के सारे सदस्य उनके आस—पास मौजूद थे, और जब वह केक काट रही थीं, तो अपना प्यार और सपोर्ट उन्हें दे रहे थे, सेट पर अपने पहले दिन के अनुभव को उत्सुकता के साथ बताते हुए **नेहा** कहती हैं, **'भाबीजी घर पर हैं'** के सेट पर होते हुए मैंने यह देखने के लिए खुद को चिकोटी काटी की कि यह सपना तो नहीं, सबसे मिलकर बहुत अच्छा लगा, इतना प्यार और दुलार पाकर मैं काफी खुश और उत्साहित हूं, मुझे इस किरदार का बहुत ही बेसब्री से इंतजार है, मैं इसमें और नए आयाम जोड़ने के लिए उत्सुक हूं, दर्शकों को काफी बड़ा सरप्राइज मिलने वाला है! इस शो के सभी कलाकारों और तकनीशियन दल के सदस्यों ने एक बेहतरीन केक देकर मेरा इतना अच्छा स्वागत किया, उनका यह व्यवहार बहुत ही प्यारा लगा और शूटिंग का मेरा पहला दिन बेहद खास था।'' सेट पर उनका स्वागत करते हुए, शो की प्रोड्यूसर **बिनेफर कोहली** ने कहा, ''भाबीजी घर पर हैं' परिवार में नये सदस्य के रूप में नेहा को पाकर हम सब

बहुत खुश हैं। अनिता भाबी के साथ अब यह परिवार पूरा लग रहा है। हमें पूरा विश्वास है कि नेहा अच्छी तरह इसमें ढल जायेंगी और इस बेहद चर्चित किरदार को आसानी से निभायेंगी। उन्हें पाकर हम सब बहुत खुश और उत्साहित हैं। नेहा मेरे लिये बहुत खास हैं और हमारा काफी करीबी और बेहतरीन रिश्ता है। अपनी बात रखते हुए, **विभूति नारायण मिश्रा (आसिफ भोख)** कहते हैं, ''आखिरकार अनिता यहां आ ही गयी और अब हमारी जोड़ी पूरी हो गयी है! कई महीनों से मेरे काफी सारे फैन्स और दर्शक लगातार यह पूछ रहे थे कि उन्हें अनिता को देखने का मौका कब मिल पायेगा। अब सारे लोगों को खुशी होगी कि अनिता आ गयी है। वह एक बेहतरीन एक्टर और मिलनसार इंसान हैं। मुझे पूरी उम्मीद है यह हमारी अच्छी दोस्ती की शुरूआत है और मुझे एक साथ शूटिंग का बेसब्री से इंतजार है।'' उत्साहित होकर **मनमोहन तिवारी (रोहिताश गौड़)** कहते हैं, ''मेरी भाबी अब घर पर हैं और मैं बहुत खुश हूं। मुझे उनका काम काफी पसंद है और अब उनके साथ शूटिंग करना सपने को पूरा होने जैसा है। आज उनसे मिलकर और सेट पर उनका अभिनंदन करते हुए काफी खुशी महसूस हो रही है।'' इसमें अपनी बात जोड़ते हुए, **अंगूरी भाबी (शुभांगी अत्रे)** कहती हैं, ''नेहा के यहां होने से हमें काफी खुशी हो रही है और मुझे अपनी सहेली अनिता भाबी की बहुत ही कमी खल रही थी। और अब जबकि नेहा आ गयी हैं तो मुझे पूरा विश्वास है कि हम एक साथ अच्छा वक्त बितायेंगे। नेहा 'बीजीपीएच' परिवार में आपका स्वागत है!

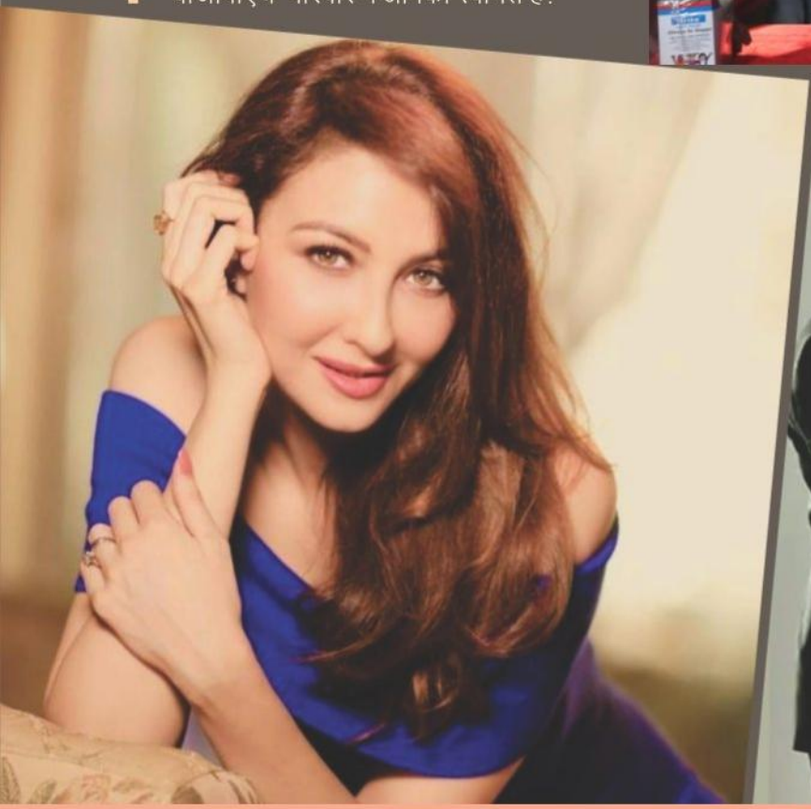

जावेद सिद्दीकी, मेरे जहन के सबसे अमीर आदमी

—अली पीटर जॉन

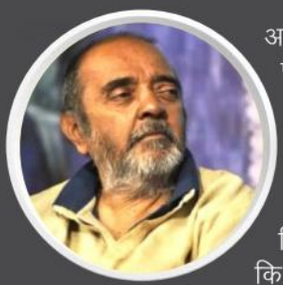

अगर आज कोई मुझसे पूछता है कि सबसे धनी व्यक्ति कौन है, तो मैं यह कहने में दो बार सोचूंगा भी नहीं की वह निस्संदेह 'जावेद सिद्दीकी' हैं। मुझे पता है कि कई लोग मेरा उपहास उठाएगें, मुझ पर हंसेंगे और मुझे पागल कहेंगे, लेकिन मैं दुनिया की सारी दौलत के बदले भी अपनी राय नहीं बदलूंगा। मेरे लिए, सबसे अमीर आदमी ज्ञान, बुद्धिमानी और जीवन के अनुभवों के महासागरों के साथ महापुरुष में, के. ए. अब्बास और साहिर लुधियानवी जैसे पुरुष रहे हैं। और अगर आज एक आदमी है जिसे मैं एक ही पेडस्टल पर रख सकता हूं, तो यह एक असामान्य आदमी है जिसे जावेद सिद्दीकी कहते हैं और जिन्हें मैं अपने जीवन का एक अनमोल 'मोती' मानता हूं, वह आदमी जिसे मैं अपना जीवन और अपनी दुनिया से अलग होने के बाद भी छोड़ नहीं सकता, मैंने उन्हें हमेशा अपना मार्गदर्शक और गुरु माना है, जो मेरे साथ मेरे जीवन के उन सभी अवसरों के माध्यम से गुजरे हैं जिन्हें मुझे 70 वर्षों तक जीने का सौभाग्य मिला है। अगर कोई ऐसा शख्स है, जो अभी भी अपनी जमीन से जुड़ा हुआ हैं, भले ही वह एक ऐसी दुनिया में काम करता और रहता है, जहां ग्लैमर, शोहरत और किस्मत ही मायने रखती है, तो यह जावेद सिद्दीकी है, जो ईन सभी गुणों का एक भंडार है जो एक अच्छे इंसान, एक महान लेखक और दुनिया के एक महान नागरिक के रूप में हैं।

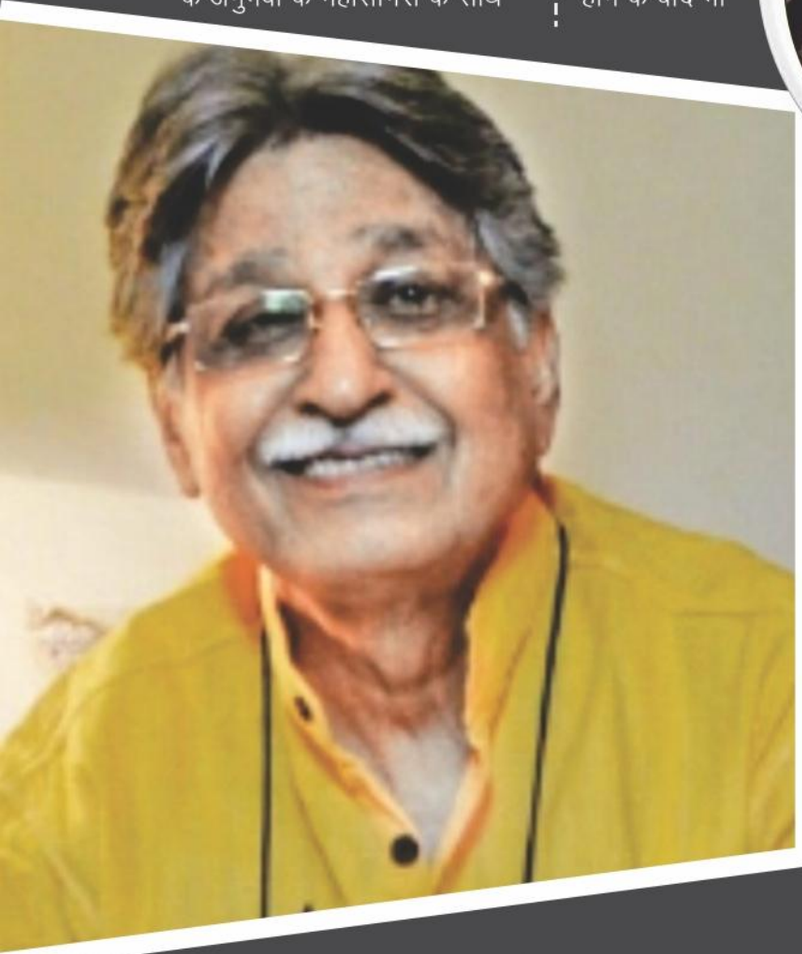

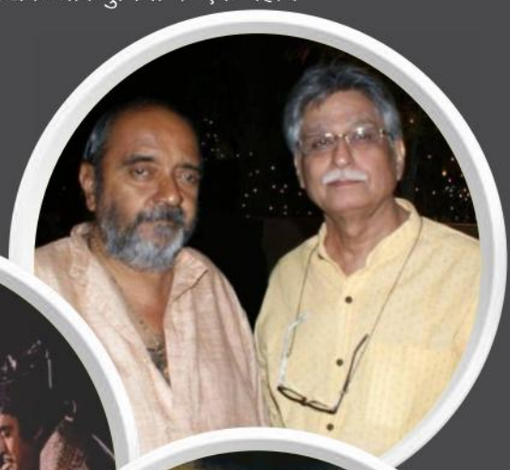

मैं जावेद साहब को सबसे अमीर आदमी क्यों कहता हूं? अगर आपको यह जानना है, तो मेरे इस सीधे हाथ को लिखते चले जाने दो, जहां मेरा दिल आपको बताने वाला है कि क्यों।

जावेद साहब उस तरह की दौलत इकट्ठा कर रहे हैं, जिसकी कई लोगों को परवाह भी नहीं थी क्योंकि वह कानपुर के एक युवा थे, जो एक समय में ज्ञान, कविता और जीवन के कलात्मक और रचनात्मक पहलुओं के साथ काम करने के लिए सब कुछ करते थे। करोड़ों सपनों के शहर बंबई में वह ज्ञान की दौलत के लिए आए थे और एक अनजानी मंजिल तक पहुंचने के लिए उन्होंने अपना सफर शुरू किया था।

जीवन को जीने और संघर्ष करने के बाद, उन्हें एक पत्रकार के रूप में काम करने के अवसर मिला।

उन्हें उर्दू में ट्रेल– ब्लैजिंग न्यूजपेपर्स के साथ उनके कार्यकाल के बाद उन्हें भविष्य की जलती हुई लौ के रूप में पहचाना गया और हर गलत और बुरे के खिलाफ उन्हें आवाज उठाने के रूप में जाना जाने लगा था। यह उनके अंदर की आग ही थी जिसने उन्हें इन्फमर्स इमरजेंसी के दौरान जेल भेज दिया था।

जेल से बाहर आने के तुरंत बाद, उन्होंने प्रकाश की ओर देखा उन दिनों सत्यजीत रे अपनी पहली हिंदी फिल्म **'शतरंज के खिलाड़ी'** बना रहे थे और यह जावेद साहब के लिए एक नए और

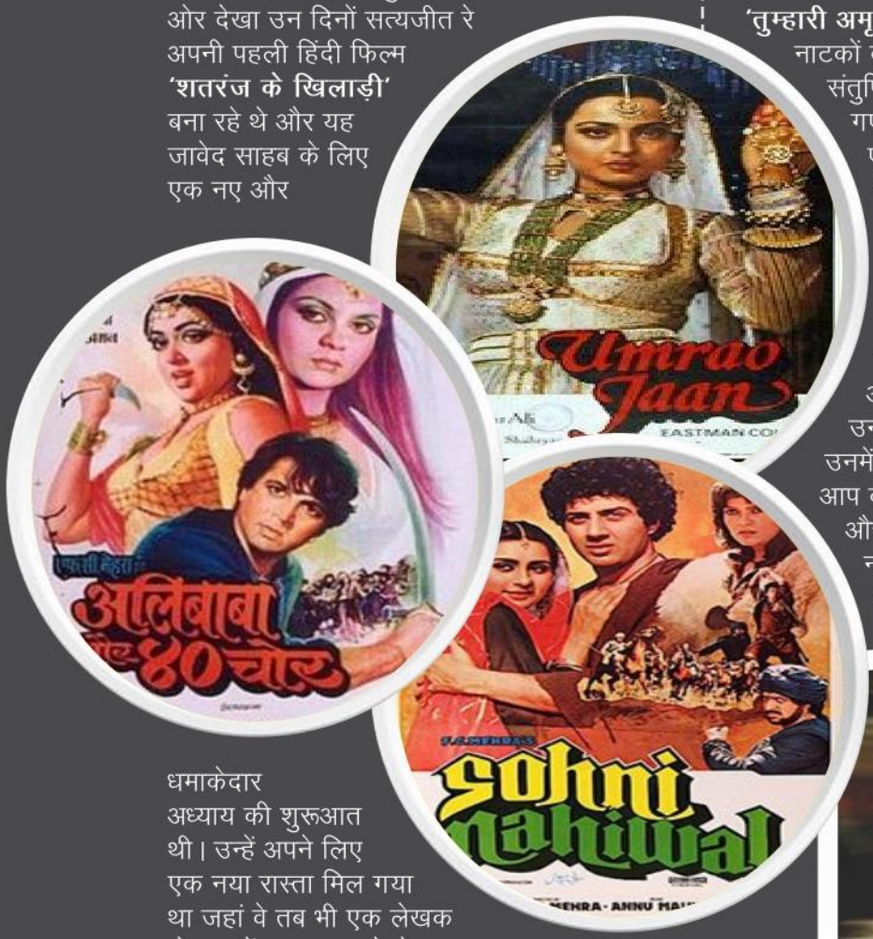

धमाकेदार अध्याय की शुरूआत थी। उन्हें अपने लिए एक नया रास्ता मिल गया था जहां वे तब भी एक लेखक के रूप में काम कर रहे थे।

जावेद साहब के लिए यह एक बड़ा बदलाव और चुनौती थी जब उन्हें अबरार अल्वी की सहायता करनी थी जो गुरुदत्त की क्लासिक्स के लेखक थे और जो निर्देशक महमूद के लिए लिख रहे थे। यहाँ से जावेद साहब ने अपनी बढ़ती हुई संपत्ति में एक और प्रकार का धन जोड़ा था।

और जल्द ही अधिक से अधिक धन इकट्ठा करने के लिए एक मजबूत जुनून के साथ इस आदमी ने हर तरह की धन–दौलत बटोरने का एक लंबा सफर शुरू किया, जिसे उन्होंने कुछ सबसे बड़ी व्यावसायिक फिल्मों और बेस्ट पैरेलल या आर्ट फिल्मों में काम करके पाया। वह श्याम बेनेगल, रवीन्द्र धर्मराज, यश चोपड़ा, मुजफ्फर अली, आदित्य चोपड़ा और पुराने स्कूल के कई अन्य निर्देशकों और फिल्म निर्माताओं की नई पीढ़ी के नए निर्देशकों के साथ काम कर रहे थे। ऐसा कोई बड़ा स्टार नहीं था जिसकी फिल्मों के लिए वह पटकथा या संवाद नहीं लिख रहे थे। वह अपने लक्ष्य तक पहुँच चुके रहे थे।

इसका जवाब उन्हें तब मिला जब उन्होंने नाटक लिखना शुरू किया और ऐसा लग रहा था कि वह **'तुम्हारी अमृता'** जैसे ऐतिहासिक नाटकों को लिखकर वह संतुष्टि के पठार तक पहुँच गए थे। जावेद साहब एक प्लेराइटर थे, जिन्होंने शबाना आजमी फारूक शेख, किरण खेर और सोनाली बेंद्रे जैसे सितारों को रंगमंच की ओर आकर्षित किया था। उन्होंने जो नाटक लिखे, उनमें से सालगिरह, हमेशा, आप की सोनिया, अन्धे चूहे और उनका अंतिम नाटक, हमसफर भारतीय रंगमंच के इतिहास के पन्नों पर समा गया। इसे जावेद साहब का श्रेय कहा जाना चाहिए कि उनके नाटकों ने दिखाया कि वह कितने सरहानीय है और यहां तक यह व्यावसायिक रूप से सफल भी थे। **'तुम्हारी अमृता'** का दुनिया भर में मंचन किया गया था और इस तरह की मधुर अनुभूति बहुत कम भारतीय नाटकों में हुई है।

जावेद साहब जानते थे कि बदलाव भविष्य के लिए चुनौती और सही रास्ता है और **'भारत एक खोज'**, **'किस्मत'** और **'उड़ान'** (अपने बेटे समीर और रॉबिन भट्ट के साथ) जैसे मेगा सीरियल्स लिखे, जो चार साल से अधिक समय तक चले।

धन की इस सभी खोज में, उन्होंने एक लेखक के रूप में अपनी जड़ों को नहीं भुलाया और सत्यजीत रे, एम.एफ.हुसैन और नियाज हैदर और गुलजार जैसे लेखकों के लिए लिखा। पहले कलेक्शन का टाइटल **'रोशनदान'** और दूसरे का

'लंगरखाना' था और दोनों भारत और पाकिस्तान में बहुत लोकप्रिय थे। और उनके 79 जन्मदिन पर, वह अभी भी जीवन से भरे हुए नजर आये है और मुझे उम्मीद है, क्षमा करें, जैसा कि मैंने उन्हें जाना है, वह केवल एक नई शुरूआत की दहलीज पर है और इस तरह के धन को अधिक से अधिक बटोरने के लिए एक नए शिकार की तलाश में है, वो भी इसके परिणामों की परवाह किए बिना ही।

और उनके जन्मदिन पर, मैं उन्हें अपने जीवन की पेशकश करता हूं, जो उनके अद्भुत धन में जोड़ने के लायक है, जो उन्होंने पहले ही कमा लिया है

मैं जावेद साहब जैसे आदमी के अपने जीवन में आने के लिए एहसानमंद हूं क्योंकि वह वह आदमी थे जिन्होंने मुझे एक फाइव स्टार होटल के बाहर गटर से उठाया था और मुझे घर तक पहुँचाया था जब मुझे नहीं पता था कि वह कौन थे।

फिर ऐसे कई अनगिनत मौके आए हैं, जब वह चट्टान से मजबूत होकर मेरे सामने खड़े थे।

और मेरे जीवन की एक घटना मैं भूल नहीं सकता भले ही मैं अपना दिमाग खो दूं, वह शाम जब मेरी आत्मकथा मेरी और जावेद साहब की उपस्थिति में जारी की गई थी, जिसका मैंने सपना में भी नहीं देखा था। पूरा समारोह समाप्त होने के बाद, जावेद साहब ने मुझे एक कोने में बुलाया और कहा, "अली तेरे बारे में जैसे बड़े बड़े लोगो ने कहा ऐसे तो कोई किसी के मरने के बाद भी नहीं बोलता" और मेरे बारे में लिखी गई सबसे अच्छी बातो में से

एक हमेशा वही है, जिसे जावेद साहब ने मेरे बारे में हिंदी में लिखा था, जिसका टाइटल है 'भीड़ में अकेला आदमी' लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि मेरे खाते में कितने पैसे हैं, कितने फ्लैट हैं और कितनी कारें हैं, इन पचास साल से फिल्मो में काम करने के बाद। मैं उन्हें कैसे बता सकता हूं कि मेरे लिए मेरे जावेद सिद्दीकी मुझे इस दुनिया के सभी सुल्तानों और बहु अरबपतियों और कई अन्य दुनियाओं की तुलना में बहुत अधिक अमीर बनाते है। और मेरा यह धन अनन्त है, आने वाले समय में भी।

जन्मदिन मुबारक हो, जावेद साहब, आप जियो आप तब तक जिएंगे जब तक आपकी दौलत मुझे और मेरे जैसे कई लोगों को अमीर बनाती रहेगी और मैं जानता हूं कि आपकी दौलत का मतलब उन लोगों से नहीं है जो दौलत के लिए मरते हैं और दौलत के लिए अपनी आत्मा बेच देते हैं। आपका धन उन सभी के लिए एक आशीर्वाद और दुआ (प्रार्थना) है जो हमेशा आपके धन के लिए भाग्यशाली रहे हैं।

अनु– छवि शर्मा

'एट द ह्यूमन एज' के बारे में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा क्या प्रतिक्रिया जाहिर करती है?

—सुलेना मजुमदार अरोरा

जाहिर तौर पर फिटनेस फ्रीक और बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा लोगों को प्रेरित करने की ताकत रखती हैं। जैसा कि कहा जाता है कि प्रत्येक शक्ति एक बड़ी जिम्मेदारी के साथ आती है। एक प्रबुद्ध लीडर की तरह, शिल्पा भी किताबों की शौकीन हैं, जो अपने फैन्स को अपनी पसंदीदा किताबें पढ़ने की सिफारिश करके उन्हें प्रेरणा देती हैं।

शिल्पा ने हाल ही में डॉ मार्कस रैनी की पहली नॉन – फिक्शन लोकप्रिय विज्ञान पुस्तक 'एट द ह्यूमन एज' पढ़ी और कहा, यह वास्तविक रूप से जिस तरह हमारी भौतिक दुनिया के सीमाओं को दर्शाती है –उसी तरह से ये पुस्तक हमारे शरीर विज्ञान को भी प्रभावित करने की शक्ति रखती है। यदि आप अपने घर के आरामदायक वातावरण में बैठकर दुनिया भर की अधिक बातें जानने के लिए उत्सुक हैं, तो यह पुस्तक आपके लिए है। यह बेशक जानकारीपूर्ण और मनोरंजक है।

शिल्पा शेट्टी हमेशा अपनी टिप्पणियों में क्रिस्प और होलिस्टिक रही है। वे एक ऐसी महिला है जो सशक्तिकरण का एक उदाहरण है और उसने अपनी मातृत्व यात्रा के दौरान भी सेल्फ केअर और फिटनेस के लिए अपने जुनून को नहीं छोड़ा।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने इस पुस्तक के लिए एक सकारात्मक समीक्षा लिखी, जिसमें उन्होंने इसके महत्व को स्वीकार किया। पुस्तक के लेखक डॉक्टर मार्कस रैनी बैकवर्ड खुद, रनिंग के लिए, गिनीज रिकॉर्ड के लिए भी जाने जाते है और रॉयल एयर फोर्स तथा नासा में अंतरिक्ष यात्रियों के साथ लड़ाकू पायलटों के साथ भी काम किया है तथा विश्व आर्थिक मंच के ग्लोबल शेपर भी रहे हैं, और हाल ही में, अटलांटिक काउंसिल के वरिष्ठ फेलो के रूप में नियुक्त किए गए हैं। वे लन्दन में एक मेडिकल डॉक्टर के रूप में ट्रेंड है। वे 2010 में भारत में आ गए थे और अब दस वर्षों के बाद कोविड ड्यूटी में फ्रंट लाइन वालंटियर के रूप में काम करते करते खुद कोरोना ग्रस्त होकर बीमार हो गए थे। वे एक अच्छे एथलीट भी है और लॉन्ग डिस्टेंस मैराथन रनर हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो शिल्पा शेट्टी डायरेक्टर शब्बीर खान की फिल्म निकम्मा 'में नजर आएंगी, जिसमें अभिमन्यु दसानी और समीर सोनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, वह प्रियदर्शन की फिल्म 'हंगामा' में परेश रावल,मीजान जाफरी, और अन्य कलाकारों के साथ नजर आएंगी।

मैं अंग प्रदर्शन नहीं करूंगी...

नम्रता शिरोड़कर

—चंदा टंडन

यह लेख दिनांक 30–3–1997 मायापुरी के पुराने अंक 1175 से लिया गया है!

शिल्पा शिरोंड़कर की छोटी बहन हैं नम्रता शिंरोड़कर! भारत की सुन्दरी रह चुकी हैं, शायद इसलिए इनका 'केस जरा सा डिफरैंट' है, ना–ना करते आखिर नम्रंता शिरोड़कर ने भी फिल्मों में कदम रख लिया, उसकी वजह क्या रही जानने के लिए मैं मिली नम्रता से अपनी पत्रिका **'मायापुरी'** के लिए!

मैंने इण्डस्ट्री को बड़े ही करीब से देखा है, यूं कहा जा सकता है कि, मैं यहीं पैदा हुई, मेरी नानी अपने जमाने की लोकप्रियं अदाकारा रही, मराठी फिल्मों में!

फिर शिल्पा भी काफी छोटी थी, जब उसने फिल्मों में कदम रखा, मैंने मॉडलिंग से शुरूआत की, हां ये सच है कि, मॉडलिंग के समय ही मुझे फिल्मों के ऑफर्स आने लगे थे, लेकिन मैं फिल्मों के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं थी!

क्यों?, क्योंकि मैं समझती हूं कि ये इण्डस्ट्री हमसे बदले में बहुत कुछ ले लेती हैं, और तब मैं बहुत कुछ देने को तैयार नहीं थी, इस बात का मुझे कोई पछतावा नहीं कि, मैंने इण्डस्ट्री तब क्यों नहीं ज्वाइन की क्योंकि ऐसा न करके मैंने कोई खास चीज 'मिस' नहीं कर दी, मॉडलिंग से मुझे वो लोकप्रियता, वो फैन्स मिल गए, जो एक स्टार को मिलते हैं,

मॉडल्स पहले इण्डस्ट्री की बुराई करते हैं, फिर इण्डस्ट्री ज्वाईन करते हैं, ऐसा क्यों करते है मॉडल्स?

आपका कहना सच है, लेकिन मुझसे पूछा जाए तो, मैंने पर्सनली कभी बुराई नहीं की इंडस्ट्री की! क्यों करूं, मेरे सभी इस इण्डस्ट्री में रहे, इण्डस्ट्री भी किसी अन्य प्रोफेशन की तरह है। मॉडलिंग एक बिल्कुल

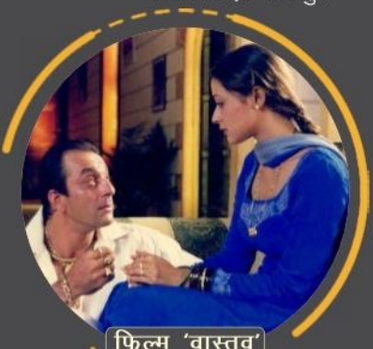

फिल्म 'वास्तव'

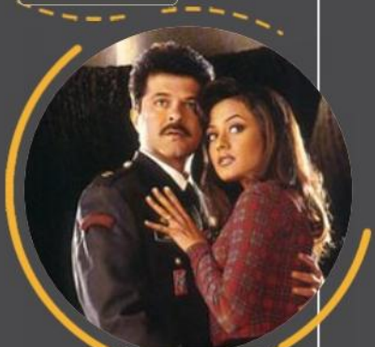

फिल्म 'पुकार'

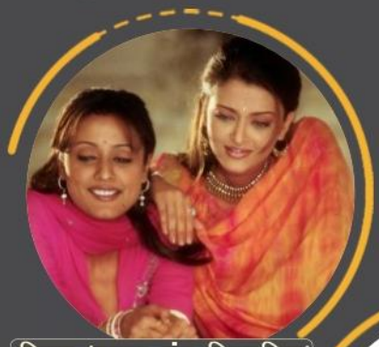
फिल्म 'ब्राइड एंड प्रिज्युडिस'

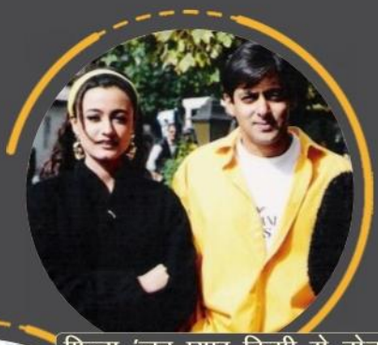
फिल्म 'जब प्यार किसी से होता'

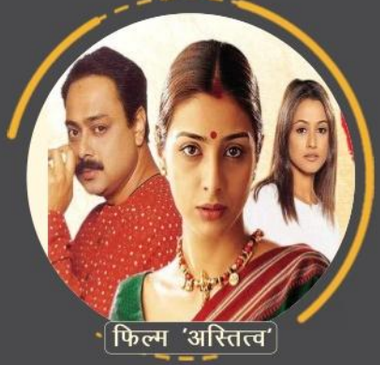
फिल्म 'अस्तित्व'

फिल्म 'दिल विल प्यार व्यार'

फिल्म 'कच्चे धागे'

अलग क्षेत्र है, यहां लोग बहुत खुले हैं, बहुत 'डेमॉन्सट्रैटिव' हैं, बहुत फिजिकल हैं!

मॉडलिंग के मुकाबले फिल्म–इण्डस्ट्री बिल्कुल अलग है, अपने अलग तरह के उसूल हैं इस इण्डस्ट्री के यहां यदि आप अपने 'को–स्टार' के साथ बैठकर कुछ देर तक बात कर लेते हैं, तो लोग इस बात का दावा करना शुरू कर देते हैं कि आपका उसके साथ रोमांस है, इसके बावजूद मुझे इण्डस्ट्री से कोई शिकायत नहीं, कहते हैं सेब की हर बास्केट में एक सेब सड़ा होता है, ये तो हम पर निर्भर करता है कि, हम किस तरह अपने–आपको बनाए रखते हैं!

कम्पीटिशन के बारे में क्या कहना चाहेगीं?

मैं कम्पीटिशन में विश्वास नहीं करती, कोई मुझसे कितना ही अच्छा क्यों न हों मुझे इस बात की परवाह नहीं, क्योंकि मैं अपने को जानती हूं और मैं अच्छी

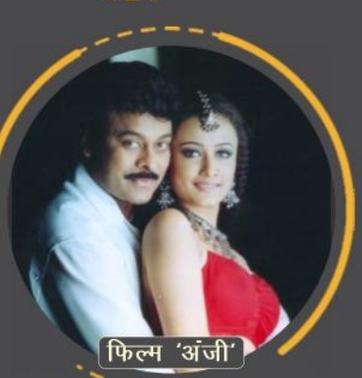
फिल्म 'अंजी'

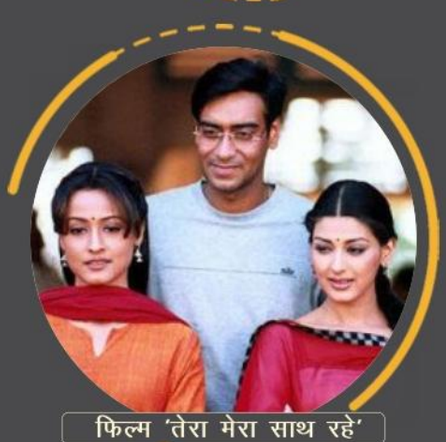
फिल्म 'तेरा मेरा साथ रहे'

अदाकारा साबित हो सकती हूं, इसके अलावा और कोई बातें मेरे लिए मायने नहीं रखती, यदि कुछ अच्छा न हुआ और मेरी फिल्मों कि फ्लॉप हो गई तब भी मैं बिना वजह टेंशन नहीं लूंगी, क्योंकि मैं जानती हूं मैंने अच्छा काम किया था, इससे ज्यादा और मैं क्या कर सकती थी, उन चीजों को दिल से लेकर बैठना बेवकूफी हैं जो आपके हाथों में नहीं!

क्या आप अंग–प्रदर्शन के खिलाफ हैं शिल्पा ने तो इसी बात का सहारा लिया टॉप पर पहुंचने के लिए?

मैं शिल्पा के सिलसिले में कुछ नहीं कहना चाहती, उसने क्या किया, क्या नहीं? उसे क्या–करना चाहिये था? क्या नहीं? हम दोनों बहनें हैं और अच्छी दोस्त भी हो सकती हैं, लेकिन मैं उसके प्रॉफेशनल मामले में कुछ नहीं कहना चाहती, यदि शिल्पा ने अंग–प्रदर्शन का सहारा लिया तो हो सकता है, वो उसमें कमफर्टेबल रही हो, मैं नहीं हो सकती और मैं एक बार फिर क्लीअर कर देना चाहती हूं कि, मैं बिल्कुल भी अंग प्रदर्शन नहीं करना चाहूंगी, अपने मॉडलिंग के वक्त भी मैंने एक भी ऐसा आउट फिट नहीं पहना जिससे मैं चीप या अंश्लील लगूं!

यदि कोई निर्माता घर पर आता है और वो आपके बजाय शिल्पां को साईन कर लेता है, ऐसे में आप क्या करेंगी?

मुझे खुशी होगी, अपनी बहन के साथ मेरा कोई कम्पीटिशन नहीं है, शिल्पा मेरी बहुत अच्छी दोस्त है।

फिल्म 'हीरो हिन्दुस्तानी'

फिल्म 'अलबेला'

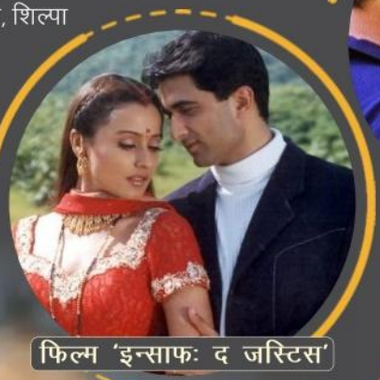
फिल्म 'इन्साफः द जस्टिस'

फिल्म 'मेरे दो अनमोल रतन'

फिल्म 'एल ओ सी कारगिल'

फिल्म फौजा एक महान व्यक्ति की अनसुनी कहानी पेश करने एकजुट हुए बॉलीवुड के 3 पावरहाउस

—मायापुरी प्रतिनिधि

एलेया मोशन मैजिक, थिंकइन्क पिक्चर्ज, और ब्लू लोटस क्रिएटिव एक साथ मिलकर बड़े परदे पर लेकर आ रहे हैं ओमंग कुमार बी की फिल्म एक शानदार फिल्म के लिए **ओमंग कुमार बी, राज शांडिल्य** और **कुणाल शिवदसानी** जैसे तीन क्रिएटिव पावरहाउस फिल्ममेकर्स का साथ आना जरूरी था, और अब जल्द ही यह तिकड़ी बड़े परदे पर प्रेरणापूर्ण कहानी लेकर आ रहे हैं, अपनी व्यक्तिगत संवेदनाओं को एक साथ समेटते हुए, इन तीन फिल्म निर्माताओं ने खुशवंत सिंह द्वारा लिखित, रूपा पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किताब **'टर्बन टोर्नेडो'** पर आधारित फिल्म **'फौजा'** की घोषणा की!

यह फिल्म 109 वर्षीय **फौजा सिंह** की वास्तविक जीवन की कहानी है, (जिसे सिख सुपरमैन के रूप में जाना जाता है) जिन्होंने मैराथॉन धावक के रूप में विश्व रिकॉर्ड तोड़कर, इस उम्र में भी अपनी ऊर्जा संचार का प्रदर्शन कर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया था। इन तीन पावरहाउस फिल्ममेकर्स ने इस बायोपिक के लिए बहुत कड़ी मेहनत की है और उनकी कहानी आज की जनरेशन को उनकी अद्भुत यात्रा द्वारा प्रेरित करेगी!

ओमंग कुमार बी द्वारा निर्देशित यह फिल्म फौजा सिंह के जीवन पर आधारित है, जो दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथॉन धावक हैं, यह फिल्म उनकी प्रेरणादायक एवं उतार–चढ़ाव वाली यात्रा को दर्शाएगी!

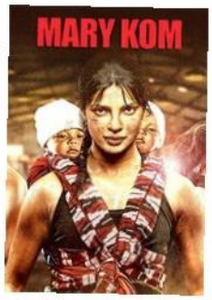

मैरी कॉम और सरबजीत जैसी फिल्मों का निर्देशन और सह–निर्माण कर चुके **ओमंग कुमार बी** का मानना है, 'फौजा सिंह की कहानी उनके खिलाफ खड़ी की गई अजीबो–गरीब बाधाओं को दर्शाती है, उनकी इच्छाशक्ति उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करती है, जिन्हें समाज और उनकी उम्र के कारण चिकित्सीय रूप से चुनौती दी जाती है!

निर्माता **कुणाल शिवदसानी**, अलेया मोशन मैजिक का मानना हैं, 'यह एक ऐसे व्यक्ति की खूबसूरत कहानी है जिसे मैराथॉन में दौड़ने के जुनून का एहसास होता है, जो उसके वर्ल्ड आइकॉन के रूप में पहचान दिलाने वाली एपिक यात्रा को दर्शाती है, अंततः जिसने उन्हें मानवता में बदलाव लाकर दुनिया पर अपना प्रभाव बनाने के लिए निर्देशित किया, ओमंग मेरे बहुत करीबी दोस्त हैं, और इस फिल्म के लिए हम दोनों ही एक सामान दृष्टिकोण साँझा करते है, उन्होंने **मैरी कॉम और सरबजीत** जैसी दो सफल बॉयोपिक फिल्मों का निर्देशन किया है, इन फिल्मों को देश की सर्वश्रेष्ठ बायोपिक में से एक मानी जाती है। इस फिल्म के लिए हम दोनों ही एक समान दृष्टिकोण साझा करते है, इसलिए हम ने सर्व सहमति से ओमंग को इस फिल्म के निर्देशन के लिए चुना, हम दर्शकों के समक्ष यह फिल्म प्रस्तुत करने के लिए बेहद उत्साहित हैं क्योंकि हम जानते हैं कि वे पिछले कुछ समय से सिनेमा से वंचित रहे हैं!

साथी निर्माता, राज शांडिल्य कहते हैं, 'फौजा सिंह एक असली हीरो हैं, यह एक ऐसी है, जो हमें एक ऐसे सफर पर लेकर जाएगी जहाँ हमें यह एहसास होगा कि, हमारे दादा– दादी किस उतार चढाव से गुजरें हैं ,और हमें इस फिल्म से तुरंत जोड़ेगी!

हिमांशु मल्होत्रा दंगल टीवी के 'निक्की और जादुई बबल' में दिखाई देंगे!

—ज्योति वेंकटेश

मुंबई 18 जनवरी 2021 दंगल टीवी, भारत का हिंदी मनोरंजन चैनल अपनी अच्छी कहानियों और अनोखे पात्रों के माध्यम से दर्शको का मनोरंजन कर रहा है। लोगो का और मनोरंजन करने के लिए, वे एक नया शो शुरू कर रहे हैं–**'निक्की और जादुई बबल'**, नए शो में **हिमांशु मल्होत्रा** शामिल हुए हैं जो शिव की भूमिका निभाएंगे!

अपनी उत्तेजना को बताते हुए, हिमांशु कहते हैं, 'मैं इतने लंबे समय के बाद वापस शूटिंग करने के लिए बहुत उत्साहित हूं, यह शो जादू और उसकी सुन्दरता से भरा हुआ हैं, जो बहुत दिलचस्प और मजेदार होगा, मुझे खुशी है कि सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक सावधानियां नियमित रूप से ले रहे हैं। और मैं खास बच्चों के साथ शूटिंग शुरू करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे उम्मीद है कि पूरे भारत में दर्शक इस शो को देखेंगे और आनंद लेंगे। "

'निक्की और जादुई बबल' एक फैंटेसी शो है जो बच्चों और जादू के बारे में हैं। यह शो बहुत जल्द दंगल टीवी पर लॉन्च होगा।

परेश रावल ने फिल्म 'शर्माजी नमकीन' में स्वर्गीय ऋषि कपूर के किरदार के बारे में बताया!

ज्योति वेंकटेश

उन सभी के लिए बहुत ही अच्छी खबर है, जो **ऋषि कपूर** के साथ–साथ **जूही चावला** के भी प्रशंसक रहे हैं, पिछले साल **दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर** के असामयिक निधन के बाद से फिल्म **'शर्माजी नमकीन'** की शूटिंग लगभग दस महीने से पेंडिंग है, **निर्माता रितेश सिधवानी** और **फरहान अख्तर** ने मैकफफिन पिक्चर्स के साथ मिलकर, **परेश रावल** से संपर्क किया है कि, वह ऋषि कपूर के किरदार से जुड़कर उनके व्यक्तित्व के अनुरूप कुछ मॉडिफिकेशन के साथ फिल्म के शेष हिस्से को पूरा करें और उन्हें उस फिल्म को पूरा करने में मदद करें जो अब उनकी जयंती पर 4 सितंबर को रिलीज होने वाली है!

फिल्म 'शर्माजी नमकीन' स्टार **जूही चावला** शर्माजी की टाइटल रोल में परेश रावल के साथ हैं, संयोग से फिल्म **हितेश भाटिया** द्वारा निर्देशित की जा रही है, **निर्माता रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर** की मदद के लिए परेश रावल आगे आए!

अनु–छवि शर्मा

फिल्म 'अंदाज अपना अपना'

फिल्म 'गेस्ट इन लंदन'

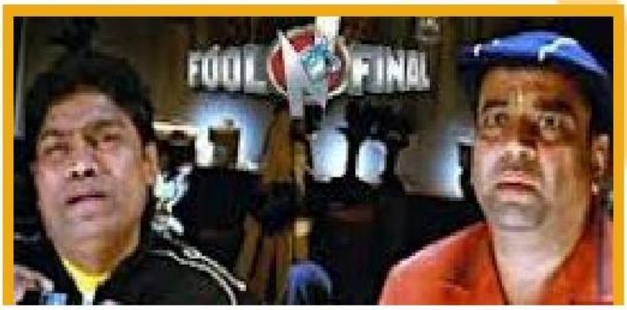

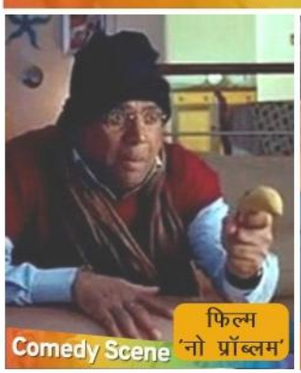

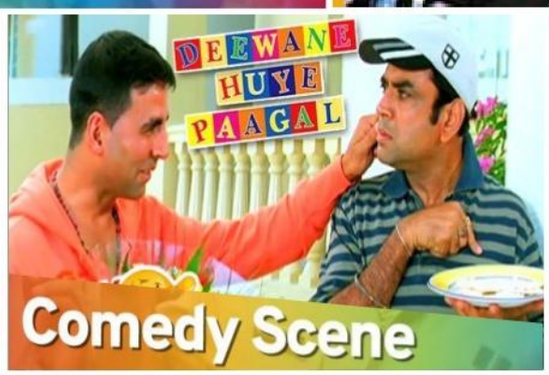

फिल्म 'रेडी'

फिल्म 'चुपके चुपके'

फिल्म 'अतिथि कब जाओगे'

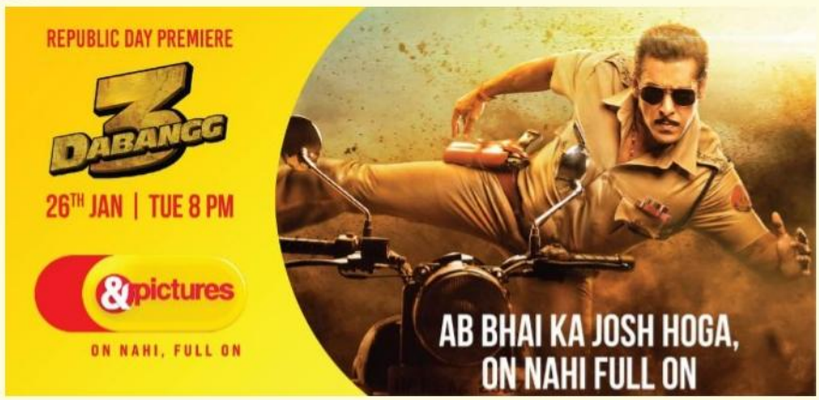

एंड पिक्चर्स पर 'दबंग 3' के प्रीमियर के साथ फुल–ऑन चुलबुल पांडे स्टाइल में मनाइए रिपब्लिक डे स्वागत नहीं करोगे,

दबंग चुलबुल पांडेजी का? इस रिपब्लिक डे हवाओं में आजादी की उमंग और दिल में जोश लेकर एंड पिक्चर्स आपके लिए फिल्म 'दबंग 3' का फुल ऑन तूफानी प्रीमियर लेकर आ रहा है, चुलबुल पांडे के दमदार डायलॉग्स, दिलफरेब चाल–ढाल, आकर्षक गॉगल्स और चमचमाते बेल्ट यकीनन इस साल के सेलिब्रेशन का मनोर

PRAVIN HEERA, GURMEET KAUR, SONIYA SINGH, JASMEEN OZAGENTLE REMINDER TODAY ZEE MUSIC COMPANY AND TRINITY STUDIOSLAUNCH OF BHOOMI TRIVEDI'S NEXT MUSIC VIDEO *"TU LAKH NU HILAADE"* *FEATURING SONIYA SINGH, TARUN NIHALANI AND GURMEET KAUR SUNG BY BHOOMI TRIVEDI

MAVERICK DIRECTOR MADHUR BHANDARKAR IS BACK WITH A BANG AFTER A LONG TIME WITH INDIA LOCKDOWN

RUPALI SURI SLAYS WITH HER NEW PHOTOSHOOT AND SHE IS BREAKING THE INTERNET WITH HER NEW PICTURES

I HAD TO DETACH SHREYA FROM JANHAVI FOR MY ROLE IN FIRSTS S4 SAYS ACTOR SHREYA MEHTA ON FIRSTS SEASON 4

ENGAGE IN THE SPIRITUAL VIBES WITH TIPS IBADAT AND ALTAF RAJA'S "YA RASOOL ALLAH"

KAVITTA VERMA SAYS THAT IT IS SAD THAT SOME MAKERS ON THE WEB WANT ONLY KNOWN FACES

"TERI AANKHON MEIN"
SONG SUCCESS PARTY & CAKE CUTTING

Rohit Suchanti, Pearl Puri, Divya Khosla Kumar, Radhika Rao
Vinay Sapru And Team

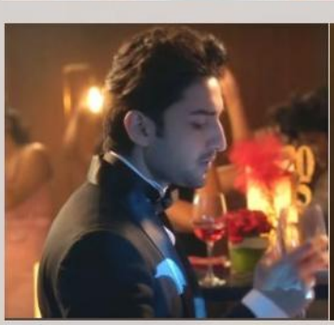

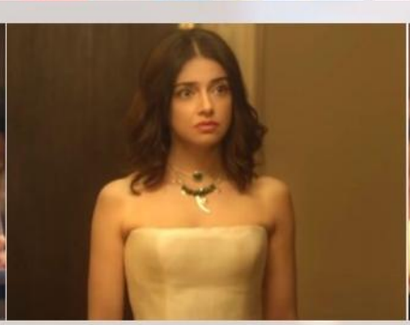

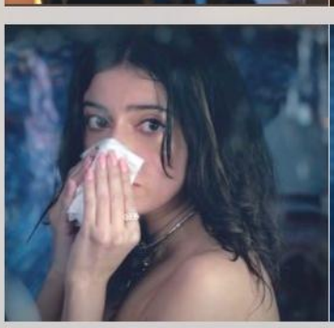

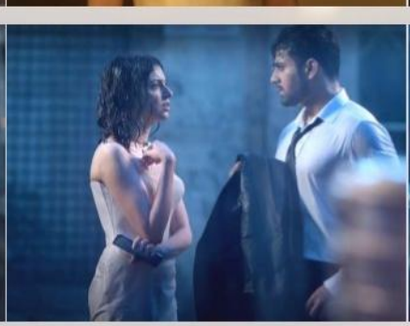

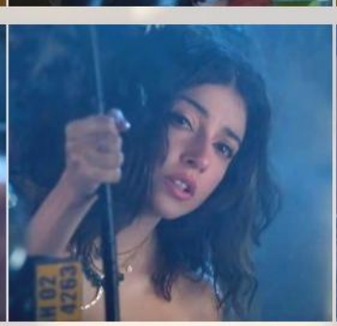

Rohit Roy, Pratap Sarnaik and Sharman Joshi

Javed Jaffery

Kailash Kher

Bharat Kukreja with Hakim Aalim

Hussain, Abbas and Mustan

Akbar khan

Bosco Martis

Rajesh Khattar

Harmeet Singh with Shama Sikander

Vipul Amrutlal Shah

Joe Ranjan with Zulfi Sayyed

Pooja Batra Shah with Nawab Shah

Vindu Dara Singh

Asif Merchant

Sonali Raut

SNEAK PREVIEW OF "CAFE HOLIDAY", AT IT'S OFFICIAL LAUNCH, OWNED BY PRATAP SARNAIK, BHARAT KUKREJA & PRASHANT CHAUDHRI

BY RAKESH DAVE

Dimple Chawla

Imran Khan With Wife

Guest

KATHAK EXPONENT NEHA BANERJEE'S KATHAK RECITAL FOR WATER CONSERVATION "MEGH AKHYAYIKA- THE TALE OF A CLOUD" UNVEILED BY PADMA VIBHUSHAN AND NATIONAL AWARD WINNER PANDIT BIRJU MAHARAJ (VIRTUALLY) AND SANDIP SOPARRKAR

Gyandev Gunjan, Vijayashree Chaudhary, Neha Banerjee, Sandip Soparrkar,Sunil Sunkara, Vivek Mishra,Ayan Banerjee

Gyandev Gunjan, Vivek Mishra, Ayan Banerjee, Neha Banerjee, Sandip Soparrkar, Vijayashree Chaudhary, Sunil Sunkar

Neha Banerjee With Sunil Sunkara

Asif Merchant With Neha Banerjee

Neha Banerjee With Friend

Rohit Verma, Neha Banerje and Nisha Rawal Mehra

Sandip Soparrkar, Dj Sheizwood, Neha Banerjee,Smita Gondkar and Prashant Virendra Sharma

Neha Banerjee And Roma Navani

Neha Banerjee With Dr. Aarti Oriya

Neha Banerjee And Ayan Banerjee

रमेश सिप्पी, जिसने बहुत फिल्में बनाई लेकिन हमेशा 'शोले' वाले के नाम से जाने जायेंगे!

अली पीटर जॉन

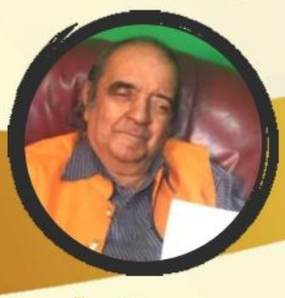

ये बहुत हैरान करने वाली मगर सच्ची बात है कि, कुछ बेहतरीन डायरेक्टर्स ने अपने जीवन में एक से बढ़कर एक फिल्म दी मगर उनकी पहचान सिर्फ एक फिल्म से होकर रह गई!

मेहबूब खान ने और भी बहुत सी अच्छी–अच्छी फिल्में बनाई लेकिन उन्हें लोग याद हमेशा **'मदर इंडिया'** की वजह से ही करते हैं, **के.आसिफ** ने भी कई बेहतरीन फिल्में बनाई लेकिन उनका नाम हेमशा **'मुगल–ए–आजम'** के साथ लिया जाता रहा है, **वी शांताराम** ने एक से एक बढ़कर एक कलरफुल फिल्मों का निर्माण किया लेकिन उनको लोग आज भी जानते हैं तो **'दो आँखें बारह हाथ'** के नाम से ही, ऐसे ही, **गुरु दत्त हमेशा 'प्यासा'** के लिए याद रखे जाते हैं! **यश चोपड़ा** ने तो हर तरह की खूबसूरत से खूबसूरत फिल्में बनाई लेकिन याद वो आज भी **'सिलसिला'** के लिए आते हैं। **डॉ. बीआर चोपड़ा** ने एक फिल्मकार होने के नाते नायाब क्लासिक फिल्में बनाई हैं, लेकिन कोई फिल्म अगर उन्हें दुनिया की सारी फिल्मों से अलग करती है तो वो है **'साधना'**, जिसे उम्दा, सिग्नीफिकेंट फिल्मों की शुरुआत कही जा सकती है। वहीं टीवी की दुनिया में बीआर चोपड़ा हमेशा **'महाभारत'** जैसे कालजयी सीरियल के लिए जाने जायेंगे, वहीं **कमाल अमरोही** को हमेशा दुनिया **'पाकीजा'** के फिल्ममेकर के तौर पर याद रखेगी।

रमेश सिप्पी ने अंदाज, **'सीता और गीता'**, **'सागर'** और शान जैसी जानदार–शानदार फिल्में बनाई थीं, बुनियाद जैसा टीवी सीरियल बनाया था, मगर उनकी पहचान हमेशा **'शोले'** वाले **रमेश सिप्पी** से ही होती है! हर कोई जो 'शोले' के बारे में कुछ भी जानता है उसे शोले से जुड़ी बहुत सारी छोटी–बड़ी कहानियां भी याद आ जाती है, लेकिन मैं यहाँ वो तारीख याद करता हूँ, **15 अगस्त 1975,** जिस दिन शोले का मिनर्वा थिएटर बॉम्बे में प्रीमियर था!

तब पूरे थिएटर में, या मैं कहूं पूरे देश में ही अभूतपूर्व उत्सुकता थी कि, फिल्म कैसी होगी, फिल्म हालांकि औसत से लम्बी थी, और उसमें उस दौर के लीडिंग सितारे मौजूद थे और इनमें **'अमजद खान'** नाम का एक नया लड़का भी शामिल था।

3 बजे तक एक्साइटमेन्ट एक अलग लेवल पर पहुँच चुका था, लेकिन जो लोग अभी भी थिएटर के अंदर थे, जिनमें तकरीबन पूरी इंडस्ट्री शामिल थी, ने फिल्म को **'इंटरवल'** होने से पहले ही नकार

दिया, फिर आखिरकार 6 बजे फिल्म देख चुकी भीड़ बाहर आई और स्टोरी के बारे में बताना शुरु किया कि फिल्म बहुत बुरी तरह फ्लॉप होने वाली है, बहुत से आलोचकों और ट्रेड एक्सपर्ट्स ने भविष्यवाणी की कि फिल्म 3 दिन भी परदे पर नहीं टिक पायेगी,

इस खबर से पूरी फिल्म इंडस्ट्री पैनिक हो गई, क्योंकि 'शोले' को बनाने में बहुत पैसा लगा था, उसमें उस दौर के सारे बड़े सितारे थे जिनमें **धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, संजीव कुमार, अमिताभ बच्चन, जया बच्चन** और एक्सपर्ट लेखकों का जोड़ा **सलीम–जावेद, आनंद बक्शी,** संगीत के धुरंधर आर–**डी बर्मन,** द्वारका दिवेचा और नामी–गिरामी टेक्निशियंस भी शामिल थे!

इस खबर से **'शोले'** की पूरी टीम शॉक हो गई, **रमेश सिप्पी** ने तुरंत एक मीटिंग बुलाई, मीटिंग प्लेस **अमिताभ बच्चन** का घर बना। यहाँ सलीम जावेद, रमेश सिप्पी और अमिताभ मौजूद थे, सबने मिलकर सिर धुनना शुरु कर दिया कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो लोगों को हज्म न हो सका। फिर ये फैसला हुआ कि, फिल्म का एन्ड बदल देते हैं जहाँ धर्मेंद्र की गोद में अमिताभ की डेथ का सीन है, उसे हटा देते हैं और ये तय हुआ कि अमिताभ को जिंदा रखा जायेगा और अमिताभ–जया के बीच जो सीन्स हैं, उन्हें काट देते हैं क्योंकि शायद पब्लिक एक विधवा को किसी के प्यार में पड़ने वाला सीक्वेंस पचा नहीं पाई है, फिर ये फाइनल हुआ कि, फिल्म का कुछ हिस्सा उसी रामपुर लोकेशन पर रीशूट किया जाए और ये शूट दो दिन बाद बंगलौर के बाहरी हिस्से में स्टार्ट होने वाली थी, दो दिन बाद सोमवार था, शूट के लिए साजोसामान चेन्नई से आना था, रमेश सिप्पी ने सोचा कि चलो एक काम करते हैं, सोमवार तक देखते हैं क्या होता है, और फिर रीशूट करने चलते हैं, सब इस बात के लिए राजी हो गए, और सोमवार जब आया तो इतिहास साथ लेकर आया, फिल्म हिट डिक्लेअर हो चुकी थी और आने वाले पांच साल तक पर्दे से न उतरने की तैयारी भी कर चुकी थी। इतिहास के पन्नों में शोले का नाम लिखा जा चुका था!

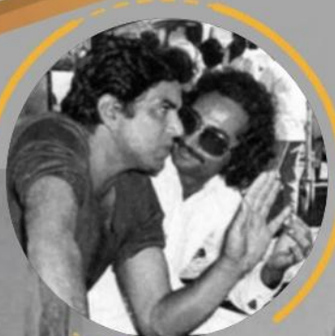

लेकिन रमेश 'द शोले वाला' सिप्पी अब एक नई हिट की तैयारी में थे, शोले ने उन्हें एक और फिल्म की प्रेरणा दे डाली थी, शोले के बाद उन्होंने **'शान'** शुरु की और सिवाए अमिताभ बच्चन के किसी भी दूसरे स्टार को रिपीट नहीं किया,

अमिताभ के अलावा इस फिल्म में **शशि कपूर, परवीन बॉबी** और **बिंदिया गोस्वामी** के साथ **रमेश**

उठी थी, लेकिन 'शान' हर तरह से पुस्स साबित हुई, और जो दो लोग सबसे ज्यादा इस फिल्म के फ्लॉप होने से आहत हुए वो रमेश सिप्पी और कुलभूषण खरबंदा थे जो ये मान बैठे थे कि अमजद खान जैसा करैक्टर दूसरा आ गया है, यहाँ तक की फिल्म रिलीज से पहले ही अपनी फीस भी बढ़ा चुके थे और एक स्टार की तरह ही बिहेव कर रहे थे। लेकिन ऐसा कुछ भी न हो सका.....

आज शोले को 45 साल से भी

सिप्पी इस उम्मीद में थे कि, वो एक और **गब्बर सिंह** जैसा किरदार दे सकते हैं, रमेश सिप्पी ने **कुलभूषण खरबंदा** को विलेन के रूप में इंट्रोड्यूस किया और नाम दिया **'शाकाल'** और एक और करैक्टर इंट्रोड्यूस किया **'मजहर खान'**, लेखक वही **सलीम जावेद** ही रहे लेकिन फिल्म को बहुत सी रुकावटें झेलनी पड़ी और तब तो हद हो गई, जब परवीन बॉबी महेश भट्ट और अपने **गुरु यूजी कृष्णामूर्ति** के चार्म में उलझकर न सिर्फ शान को मझधार में छोड़ बल्कि देश ही छोड़कर चली गई, फिर वो वापस लौटी या जबरदस्ती बुलाई गई कि, 'शान' की शूटिंग पूरी कर सकें, पर ये परवीन बॉबी उस परवीन की परछाई भी नहीं थी जो इंडिया छोड़कर चली गयी थी!

इस फिल्म का भी शोले जैसा ही प्रीमियर हुआ लेकिन इस बार रमेश सिप्पी का जादू पहले ही शो में फेल साबित हुआ, 'शोले' फ्लॉप होने के बाद

ज्यादा हो चुके हैं और रमेश सिप्पी ने बहुत सी फिल्में इस दौरान बनाई है जिनमें **सलमान खान** के साथ फिल्म भी शामिल है, जब वो अपनी जगह बनाने की जद्दोजहद में उलझा था, लेकिन सिप्पी हमेशा शोले वाले रमेश सिप्पी के नाम से ही जाने जाते हैं, शोले वो फिल्म थी जिसे कॉर्पोरेट कंपनी से प्रोजेक्ट सुनते रिजेक्ट कर दिया था, और जिस शख्स ने शोले बनाई थी, उसकी लास्ट फिल्म थी **'शिमला मिर्च'** आज रमेश सिप्पी अपनी पत्नी **किरण जुनेजा** के साथ रिटायरमेंट लाइफ जी रहे हैं और गाहे–बगाहे कभी किसी अवॉर्ड शो में तो कभी कहीं ज्यूरी में जुड़े नजर आ जाते हैं!

ऐसे ही कभी आग लगती है और ऐसे ही वही आग बुझती है, क्या ये जीवन की रीत है या सिर्फ इस फिल्मी दुनिया की अजीब सच्चाई है?

अनु–सिद्धार्थ अरोड़ा (सहर)

कुछ कल कि बातें, कुछ आज कि बातें

अली की कलम से

वर्ष 1971 में, दो नाम थे, जिन्होंने एक सनसनी पैदा की थी, जिसके कारण एक नए देश का निर्माण हुआ था, **वे श्रीमती इंदिरा गाँधी जी** और **शेख मुजीबुर्रहमान** (फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के अलावा) थे, श्रीमती गाँधी जी एक महान लीजेंड बन गई और मुजीबुर्रहमान बंग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री थे, और देश पर तब तक राज किया, जब तक कि उनके परिवार के साथ और उनके ही घर में उनकी बेरहमी से हत्या नहीं कर दी गई थी। वह बंग लादेश और उनके लोगों के पहले मान्यता प्राप्त नायक थे और उन्हें 'बंगा बंधु' के रूप में जाना जाता था!

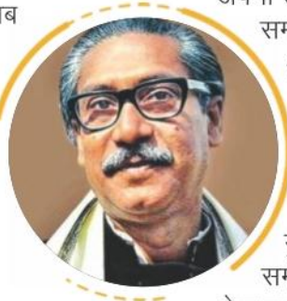

मुजीबुर्रहमान सौ साल के होते अगर वह इस समय जिंदा होते, जब उनकी खुद की बेटी, शेख हसीना बंगलादेश की रूलिंग प्राइम मिनिस्टर हैं और देश में एक व्यापक बदलाव ला रही है, जिसके लिए उन्होंने अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया हैं!

मैं उस ऐतिहासिक अतीत में क्यों जा रहा हूँ? मेरे पास इसका एक बहुत मजबूत कारण है, मुजीबुर्रहमान का जीवन और समय अब उनकी शताब्दी के साथ मेल करने के लिए दो बड़ी फिल्मों में परिवर्तित हो रहा है, जो एक राष्ट्रीय स्तर पर और दूसरा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाई जाएगी। पहली फिल्म को भारत के एक 80 वर्षीय निर्देशक द्वारा निर्देशित किया जाएगा, जिसने पिछले पचास वर्षों के दौरान कुछ क्लासिक्स

बनाई हैं। मैं आपको अभी उनका नाम नहीं बता सकता हूं क्योंकि मैंने उनसे नाम न बताने का वादा किया है, लेकिन मैं आपसे वादा करता हूं की उनका नाम आपको बताने वाला मैं पहला शक्स हो ऊंगा!

महान निर्देशक द्वारा बनाई जा रही इस फिल्म की शूटिंग पहले ही मुंबई में शुरू हो चुकी है और फिल्म निर्माता जल्द उस अभिनेता के नाम का खुलासा करगे जो अगले दो सप्ताह के भीतर मुजीबुर्रहमान की भूमिका निभाएगा!

इस तरह की और अधिक और अन्य प्रकार की कहानियों को जानने के लिए इस कॉलम से जुड़े रहें!

अनु–छवि शर्मा

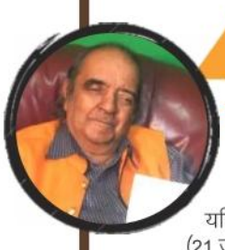

अली की कलम से

कभी–कभी एक कामयाब सितारे की शान एक साल में कहां से कहां गुजर जाती हैं

यदि सब कुछ ठीक होता, तो (21 जनवरी) को दुनिया एक बेहद हैण्डसम और बेहद प्रतिभाशाली अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के जन्मदिन का जश्न मनाती और उनकी प्रशंसा करती। लेकिन जैसे कि कहते हैं कि सुशांत के 'सितारे' (किस्मत कहे या इसे भाग्य कहे) कुछ गलत थे, या एक साल के भीतर उनके साथ क्या और क्यों हुआ?

क्या वह हिंदी फिल्मों की दुनिया में आने वाले सबसे प्रतिभाशाली युवाओं में से एक नहीं थे? क्या वह एक 'आउटसाइडर' नहीं थे, जिसने सभी सबसे सफल 'इन्साइडर' को ऐसा झटका दिया था, जिनसे उन्हें अभी भी उबरना बाकी है? क्या वह अभिनेता नहीं थे, जिसने अपनी अद्भुत प्रतिभा के साथ सभी विशेषज्ञों को खुद को 'लम्बी रेस का घोड़ा' के रूप में पहचाने और स्वीकार करने का मौका दिया? क्या वह एक ऐसे स्टार नहीं थे जिसने फिल्मों की दुनिया के आकाश में सबसे चमकते सितारे होने के सभी संकेत दिए थे? क्या वह एक नए अभिनेता नहीं थे, जिसे हर निर्देशक निर्देशित करना चाहता था, हर लेखक इनके लिए एक स्क्रिप्ट लिखना चाहता था और हर बड़ी और छोटी अभिनेत्री इनके साथ काम करना चाहती थी?

फिर उस भयावह सुबह जो कुछ भी हुआ वह बहुत दुखद था, जब वह अपने बेडरूम में सीलिंग फैन से लटके हुए पाए गए थे?

इंडस्ट्री के प्रकाश और आशा के रूप में देखे जाने वाले सुशांत ने 'वन डार्क डिसिशन' को मिटा दिया था और उन सभी आशाओं को मिटा दिया था जो लाखों लोगों ने उनमे देखि थी। कई मायनों में, सुशांत की रहस्यमय मौत ने इंडस्ट्री के ग्लैमरस चेहरे से परे देखने के लिए कई नए राज खोल दिए और इसके कई बदसूरत चेहरों को सबके सामने लाया। उनकी मृत्यु के बाद से ही इंडस्ट्री के भाई–भतीजावाद, भ्रष्टाचार और किसी भी चीज की तुलना में, ड्रग्स की अंतहीन कहानियों की चर्चा होने लगी थी जो अभी भी कही न कही जारी है।

सुशांत एक ऐसे अभिनेता थे, जो हर फिल्म के साथ और समय बीतने के साथ ओर बेहतर होते रहे, लेकिन अफसोस, समय और कुछ रहस्यमय तत्व उनके दुश्मनों की तरह लग रहे थे जिस तरह की सफलता के वे हकदार थे लेकिन उन कारणों से वंचित थे जिसका उन्हें ज्ञात तक नहीं था और अब मुझे लगता है कि अब कभी भी उन्हें पता भी नहीं चलेगा।

यह जीवन का खेल है जिसे कोई भी जीवित व्यक्ती समझ नहीं पा रहा है। सुशांत सिंह राजपूत जो एक साल पहले दुनिया में सबसे ऊपर थे अब राख में मिल गए है और वे सभी जो उन्हें भविष्य की आशा के रूप में देखते रहे और यहां तक कि सुशांत के लिए सहानुभूति के तौर पर में आवाज उठाने वाले सभी अब चुप हैं और और फिल्मों की दुनिया को जानते हुए भी, मुझे आश्चर्य नहीं होगा, अगर सुशांत को इन लोगों द्वारा याद किया जाए, जिनके लिए ष्ढ़ते सूरज को सलामष्ही जीवन की फिलासफी है और किसी भी तरह का व्यवसाय, और अब सबसे बड़े व्यवसाय पर फिल्में नहीं बना रहा है जिसमें करोड़ों रुपये शामिल हैं?

क्या सुशांत सिंह का जन्म उन लोगों के लिए एक मिसाल बनने के लिए है जो फिल्मों के व्यवसाय में हैं और जो इस व्यवसाय में आएंगे?

अनु–छवि शर्मा

'पंड्या स्टोर' शो में गौतम पंड्या का किरदार बहुत ही अलग है और यह राम जैसा किरदार है!

किंशुक महाजन

—मायापुरी प्रतिनिधि

'पंड्या स्टोर' को लेकर अभिनेता **किंशुक महाजन** बोले ज्वॉइंट फॅमिली हमेशा से एक न्यूक्लियर फॅमिली से अच्छी ही होती है क्योंकि यहाँ बच्चे अच्छे से पलते हैं! गुजरात के सोमनाथ में स्थापित, स्टार प्लस के आगामी शो **'पंड्या स्टोर'** ने अपने पहले प्रोमो के लॉन्च के बाद से ही बहुत अधिक प्रसंशा हासिल कर ली है, किंशुक महाजन (गौतम पंड्या) और **शाइनी दोशी** (धरा पंड्या) इस शो में जल्द ही मुख्य भूमिकाओं में आएँगे! जाने–माने प्रोडक्शन हाउस स्फीयर ओरिजिंस द्वारा निर्मित यह नया फिक्शन शो 'पंड्या स्टोर' एक बड़े भाई की कहानी पर केंद्रित है जो अपनी देखभाल करने वाली पत्नी की जिम्मेदारी के साथ–साथ परिवार और व्यवसाय की जरूरतों का भी ध्यान रखते हैं। इस शो के जरिए किंशुक टेलीविजन पर लम्बे समय के बाद वापसी कर रहे हैं, स्टार प्लस के साथ दोबारा जुड़कर रोमांचित किंशुक से हुई बातचीत में उन्होंने शो से जुड़ी कुछ खास बातें बताई!

❍ स्टार प्लस के शो 'पंड्या स्टोर' में काम करते हुए कैसा महसूस हो रहा है?

मुझे इस शो में गौतम पंड्या का महत्वपूर्ण किरदार निभाते हुए बहुत अच्छा लग रहा है, गौतम का किरदार बहुत ही अलग है और यह राम जैसा किरदार है साथ ही मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड इसलिए भी हूँ क्योंकि बहुत सालों बाद दोबारा स्टार प्लस के शो के साथ जुड़ रहा हूँ और इस चैनल पर मेरी फिर से एंट्री हो रही है!

❍ हमें अपने शो के बारे में कुछ बताएं ?

इस शो की कहानी में एक दुकान है 'पंड्या स्टोर' जो पंड्या परिवार की जिंदगी है, इसी दुकान की वजह से इनके घर में सबकुछ चलता है सुबह की चाय से लेकर रात के दूध के ग्लास तक सबकुछ इस दुकान पर टिका हुआ है और कैसे इस दुकान को ये लोग बचाते हैं साथ ही कैसे यह कहानी आगे बढ़ती है इसे देखने के लिए आपको **'पंड्या स्टोर'** शो देखना होगा।

❍ इस न्यू नार्मल के बीच अपने शो के लिए शूटिंग करना कैसा लगता है?

पेंडेमिक भले ही है, लेकिन काम पर तो लौटना ही है कब तक हम सभी डरकर घर पर बैठे रहेंगे, हमारे सेट पर पूरी सुविधाएँ मौजूद हैं और यहाँ पूरी सावधानी से शूटिंग की जा रही है और सरकार द्वारा दिए गए सभी दिशा निर्देशों का पूरा पालन हो रहा है। सभी लोग सेट पर मास्क लगाते हैं, आर्टिस्ट्स केवल अपने–अपने शॉट्स के दौरान ही अपना मास्क उतारते हैं, सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ख्याल रखा जाता है!

❍ स्टार प्लस पर 'सपना बाबुल का'...'बिदाई' जैसा हिट शो करने के बाद इस चैनल पर दोबारा कमबैक करते हुए आपको कैसा महसूस हो रहा है?

बाबुल का... बिदाई शो के बाद स्टार प्लस पर वापस कमबैक

करके मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, स्टार प्लस बहुत ही प्रसिद्ध चैनल है और इस चैनल के लिए काम करके मुझे बहुत ही अच्छा लग रहा है क्योंकि इस चैनल को पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सकता है, मैं इसके साथ जुड़कर बहुत एक्साइटेड हूँ कि क्योंकि इस चैनल के जरिए एक संस्कार लोगों के घर–घर तक पहुँचता है!

❍ शो में अपने किरदार के बारे में कुछ बताएं?

मेरे किरदार का नाम है गौतम पंड्या जो बिल्कुल एक राम का किरदार है, जिसके लिए उसके भाई और उसका परिवार सब कुछ है, वह हमेशा सभी के बारे में अच्छा सोचता है और कई बार दूसरों के बचाव में उसके हाथ से कई चीजें निकल जाती हैं, इस कहानी में गौतम के जीवन की जद्दोजहद और अपने परिवार के लिए उसका अटूट प्यार दर्शकों को देखने को मिलेगा जो अपनी अच्छाई से हर बुरी परिस्थितियों को मात देता है!

आप इस शो में एक जॉइंट फॅमिली के मुखिया हैं ऐसे में न्यूक्लियर फॅमिली और ज्वॉइंट फॅमिली पर आपकी क्या राय है?

'पंड्या स्टोर' की कहानी में गौतम बहुत की कम उम्र से इंडिपेंडेंड या जिम्मेदार हो गया है, गौतम और उसके भाईयों के सर पर पिता का हाथ नहीं है फिर भी वह अपने भाइयों का पिता बनकर उनकी सारी जरूरतें पूरी कर रहा है और वह चाहता है कि वह अपने भाइयों को खूब पढ़ाए ताकि वह सभी आगे जाएँ, आज के जमाने में यह कहानी लोगों को मिसाल देती है कि, आज भी जॉइंट फॅमिली में बहुत ताकत है जो काम हम अकेले न्यूक्लियर परिवार में नहीं कर सकते वह काम हम हस्ते खेलते ज्वॉइंट फॅमिली में कर सकते हैं, ज्वॉइंट फॅमिली हमेशा से एक न्यूक्लियर फॅमिली से अच्छी ही होती है, क्योंकि आपको सबके साथ रहकर मिल–झुलकर काम करना होता है, पर्सनल स्पेस को लेकर थोड़ी सी समस्या हो सकती है, लेकिन इसके कई फायदे हैं और ज्वॉइंट फॅमिली में बच्चे बहुत अच्छे से पलते हैं, मैं खुद मुंबई में न्यूक्लियर फॅमिली में रहता हूँ, लेकिन जब भी मेरे माता –पिता दिल्ली से कई बार आते हैं तो मेरे बच्चों को उनका काफी अच्छा समय मिलता है और हमारे बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। बच्चों से एक अलग तालमेल होता है!

❍ पेंडेमिक के बाद 'पंड्या स्टोर' के कुछ शुरूआती एपिसोड्स के लिए बीकानेर में आपका पहला आउटडोर शूट कैसा रहा?

बीकानेर का आउटडोर शूट काफी अच्छा रहा। हम सभी ने वहां काम करके बहुत एन्जॉय किया। वहां ठंड भी बहुत थी और हम सभी ने वहां बहुत मेहनत करके कड़ाके ठंड में शूट किया, यह शहर यहाँ के लोग सभी बहुत ही ज्यादा सरल और खूबसूरत हैं। मैं मौका मिलने पर यहाँ दोबारा जाना चाहूंगा!

❍ आप अपने एक्टिंग करियर में हमेशा किस अभिनेता से प्रेरित (इंस्पायर) होते रहे हैं?

मैं अपने एक्टिंग करियर में किसी एक व्यक्ति से इंस्पायर्ड नहीं हूँ यदि मैं यह कहता हूँ तो मेरा यह कहना गलत होगा, क्योंकि मैं कई कलाकारों से इंस्पायर्ड हूँ, किसी की एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है तो किसीका डायलॉग्स को बोलने का तरीका, हर किसी के एक अलग हुनर है इसलिए कोई किसी से कम नहीं है और जिसकी भी मुझे खूबी पसंद आती है मैं उसे खुदमें उतारने या सीखने की कोशिश करता हूँ!

❍ अपनी सह–कलाकार शाइनी दोशी के साथ काम करने को लेकर अपने अनुभवों और उनके साथ अपने बांड को लेकर कुछ बताएं?

शाइनी के साथ काम करते हुए बहुत अच्छा लग रहा है वह एक मंझी हुई कलाकार हैं। हमारे बीच का बांड बहुत अच्छा है क्योंकि शाइनी को मैं पहले से जानता था, काफी अच्छा महसूस होता है जब यह पता हो कि आपकी को आर्टिस्ट आपकी दोस्त भी है, हम दोनो सेट पर बहुत अच्छा टाइम बीताते हैं और अपनी डायलॉग डिलीवरी को खूब एन्जॉय करते हैं, एक दूसरे को कई बार एक्टिंग के टिप्स भी देते हैं इसलिए शाइनी के साथ काम करते हुए बहुत अच्छा लग रहा है!

❍ लॉकडाउन के दौरान आपने अपना समय कैसे बिताया?

लॉकडाउन के दौरान मैंने काफी सारी फिल्में और वेब सिरीज देखीं, कुछ किताबें भी पढ़ना शुरू किया लॉकडाउन एक ऐसा ब्रेक था जो मेरे लिए बहुत जरुरी था। मुझे अपने परिवार के साथ एक फ्रूटफुल समय बिताने का मौका भी मिला। इस दौरान मैंने अपनी अभिनय कला पर बहुत काम किया। फिल्मों से एक्टिंग के कई वेरिएशंस भी सीखे!

❍ कई विभिन्न जॉनर पर काम करने के बाद, ऐसा कौन सा जेनरे है, जिसे आपने सबसे ज्यादा एन्जॉय किया?

मैंने लगभग सभी जॉनर्स में काम किया है और फिलहाल मैं जो 'पंड्या स्टोर' शो कर रहा हूँ यह एक फॅमिली जॉनर और मैं इसे बहुत एन्जॉय कर रहा हूँ। इससे पहले मैंने कई शोज में रोमेंटिक जॉनर्स को निभाया है, भविष्य में मैं हिस्टोरिकल और माइथोलॉजिकल जॉनर्स भी करना चाहूँगा और मेरा सबसे पसंदीदा जॉनर है रोमेंटिक लव स्टोरीज, जिसमें मैं कुछ अलग करना चाहूँगा जो मैंने इससे पहले नहीं किया है। यह मेरे फेवरेट जॉनर्स में से एक है जहाँ मैं खुद को ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करता हूँ!

❍ क्या आप ऐसे कठिन समय में शूटिंग पर लौटने को लेकर परेशान थे?

हाँ शुरू में थोड़ा सा तो डर जरूर लगा था कि इस पेंडेमिक में शूटिंग कैसे की जाएगी पर शूटिंग करना और काम करना दोनों भी जरुरी है। अगर हम शूटिंग नहीं करेंगे तो हम आपको एंटरटेन कैसे कर पाएंगे साथ ही हमें एकसाथ मिलकर इस कठिन परिस्थिति से लड़ना भी है और इसे भगाना भी है।

क्या वो सुनहरे दिन वापस आयेंगे मिस्टर शोमैन?

सुभाष घई,

मेरे दोस्त सुभाष घई के साथ मेरा पहला ऑफिशियल इंटरव्यू – अली पीटर जॉन

एक आदमी जिसका बचपन बहुत मुश्किलों और तंगियों से गुजरा था, वह आज अपनी पूरी हिम्मत और जज्बे के साथ अपनी लेगेसी, अपनी विरासत को सही मुकाम तक पहुँचाने के लिए दृढ़ निश्चयी है। भारतीय सिनेमा की भव्यता, विशालता और मनोरंजन का दूसरा नाम सुभाष घई है। सुभाष घई खुद एक विद्यालय हैं और उनका एक विश्वप्रसिद्ध फिल्ममेकिंग स्कूल भी है, व्हिस्टलिंग वुड्स इंटरनेशनल। उनकी फिल्ममेकिंग कंपनी को अक्टूबर में 45 साल कम्पलीट हो चुके हैं और वो अपनी कम्पनी को एक अलग लेवल तक ले जाने के लिए तैयार हैं। मिस्टर शोमैन अच्छे और बुरे हर समय को कबूल करके उसे पीछे छोड़ जिन्दगी की स्लेट पर फिर नए सिरे से नई दास्तान लिखने के तमन्नाई हैं। सबसे खुशी की बात तो है कि एक वक्त लगातार 11 हिट देने वाले सुभाष घई फिर से डायरेक्शन में वापस आने वाले हैं।

मैं सुभाष घई से जिस वक्त मिला तब वो रेस्पोंसिबल और रिफ्लेक्टिव मूड में थे

☐ 45 साल का समय बहुत बड़ा होता है। बल्कि, कुछ महीनों या सालों क्या बहुत सी कम्पनीज हफ्तों में बंद हो गयी हैं यहाँ, फिल्म जगत के ऐसे अनसर्टेन इतिहास में कैसे मुक्ता आर्ट्स (सुभाष घई की फिल्म निर्माण कम्पनी) इतने लम्बे अरसे तक खड़ी रही?

ये ऊपर वाले की मेहर है और इच्छाशक्ति ही है जो हर हालात में कड़ी मेहनत करने का जज्जबा बनाये रखती है। हमने जीवन के हर उतार चढ़ाव में अपनी मेहनत से जी नहीं चुराया। मुक्ता आर्ट्स ने हर तरह के दिन देखे, जिसमें अच्छे दिन एक गिफ्ट रहे तो बुरे दिनों को सबक समझ फिर दुबारा, डबल एनर्जी के साथ लड़ना जारी रहा। मुक्ता आर्ट्स की रगों में सिनेमा दौड़ता है और चाहें जो कुछ हो जाए इस कमिटमेंट से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं। ये कंपनी अकेले मैं ही नहीं चला रहा हूँ बल्कि बहुत सारे दृढ़ निश्चयी लोग हैं जो मेरी सिनेमा के प्रति दीवानगी से वाकिफ हैं और जानते हैं कि मेरा और मुक्ता आर्ट्स का एक ही प्राइम गोल है, सिनेमा।

☐ आपने एक समय 11 से ज्यादा हिट्स लगातार दीं, फिर ऐसा क्या हुआ आखिरी की तीन फिल्मों में कि जो शोमैन का जादू है वो नहीं चला?

मैं कोई सुपरमैन नहीं, न ही कोई ऐसा देवता हूँ जिससे कभी कोई गलती नहीं होती। मैं हर दूसरे आदमी जैसा भी आम आदमी हूँ बस फर्क इतना है कि मैं ऐसी फील्ड में हूँ जहाँ मुझे हर कदम पर सावधान होना होता है और हर वक्त ये बात दिमाग में रखनी होती है कि मैं एक फिल्म बनाने जा रहा हूँ जिसका उद्देश्य करोड़ों लोगों को संतुष्ट करना है। हर वक्त लोगों की नजर मुझपर लगी होती है उनकी उम्मीदें मुझसे जुड़ी रहती हैं जिसके कारण मैं दोगुना सावधान हो जाता हूँ जब मैं कोई फिल्म प्लान कर रहा होता हूँ। तबतक सब कुछ ठीक था जब तक मैं सिर्फ फिल्में बनाता था और इधर–उधर किधर क्या हो रहा है ये सब नहीं सोचता था। मैंने चार साल व्हिस्टलिंग वुड्स इंटरनेशनल स्कूल के बारे में प्लान करने और उसे बनाने में लगाए ताकि ये दुनिया के बेस्ट फिल्ममेकिंग स्कूल्स में से एक हो और मैं इसे पूरा करने में कामयाब हुआ। पर मैं नहीं जानता था कि ये कामयाबी किसी मुसीबत बुला लेगी। WWI अच्छा चल रहा था। हमारे पास स्टूडेंट्स को सिखाने के लिए हर तरह की फैसिलिटी मौजूद थी जो फिल्ममेकिंग से जुड़े हर क्षेत्र को कवर करती थी, यहाँ तक की कम्युनिकेशन और मिडिया और फैशन डिजाइनिंग भी सिखाई जाती थी। हमने कुल सत्तर बच्चों से शुरू किया था और एक टाइम ऐसा आया कि हमारे पास पाँच सौ क्या सात सौ से भी ज्यादा बच्चे बेस्ट फैकल्टी में ट्रैनिंग लेते थे।

☐ फिर ऐसी क्या मुसीबतें थी जिन्होंने WWI के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं?

ये कहानी हर वो शख्स जानता है जो ये जानता है

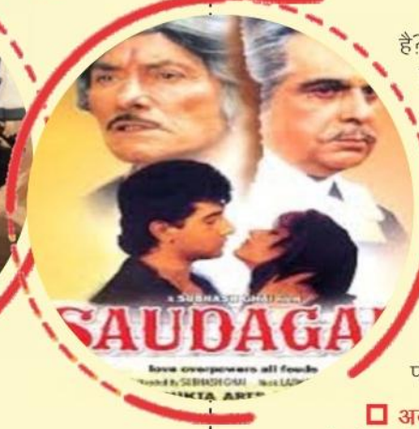

कि सुभाष घई क्या चीज है। WWI जिस जमीन पर बनना था दिक्कत वहाँ से शुरु हुई थी। मेरे ड्रीम स्कूल के लिए ये एक खतरा था और मैं ऐसी मुसीबत में फंस गया था जिसके बारे में मैंने कभी सोचा तक नहीं था।

लेकिन जिस वक्त आप सीरियस प्रॉब्लम फेस कर रहे थे और सारी इंडस्ट्री के साथ साथ बहुत से मिडिया हाउस भी आपको सपोर्ट करने से पल्ला झाड़ चुके थे, तब भी आपकी फिल्मों के प्रति दीवानगी ने आपको संभाला था और आपने एक नहीं बल्कि तीन फिल्में बनाई जो थीं 'युवराज', ब्लैक एंड वाइट और कांची और ये सख्त हैरानी की बात थी कि जिस वक्त मॉस आपकी फिल्मों के प्रति दीवानगी रखती थी, ये तीनों ही फिल्में बिल्कुल फुस्स साबित हुईं। ऐसा क्या गलत रहा था जो ये नहीं चलीं?

मैं आपको सच बताऊं, सब कुछ गलत रहा था। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ तो समझता हूँ कि ये फिल्में मैंने जिस वक्त बनाई उस वक्त मैं नहीं था, वो समय सही नहीं था। मैं उन दिनों WWI की वजह से बहुत डिस्टर्ब था और आप बेहतर जानते हो कि कोई भी क्रिएटिव काम, भले ही वो कितना टैलेंटेड शख्स कर रहा हो टेंशन और प्रेशर में बढ़िया नहीं हो सकता। इन तीनों ही फिल्मों के निर्माण के वक्त मैं वो सुभाष घई नहीं था जो मैं हुआ करता था। मुझे वाकई लगता है कि मुझे उस वक्त ये फिल्म नहीं बनानी चाहिए थी जिस वक्त मैं सारा दिन वकीलों, सरकारी अफसरों और फिनांसर्स से घिरा हुआ होता था जो हर वक्त मेरे दिमाग में WWI से जुड़ी परेशानी से व्यस्त रखते थे। मैं कैसे एक अच्छा शॉट ले सकता हूँ या कोई गाना फिल्मा सकता हूँ या किसी डायलॉग की अच्छी सी लाइन लिख सकता हूँ जब मेरा दिमाग पहले ही किसी और काम में पूरी तरह उलझा हुआ है? मुझे फिल्म बनाते वक्त इनसब बातों का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था और इस बेख्याली की मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी और फिल्म न चलने के कारण मेरी जिन्दगी में चलती पहले से WWI की इतनी टेंशन पर अतिरिक्त बर्डन पड़ गयी।

☐ अब लगता है कि WWI के केस से पूरी तरह निकल चुके हैं।

हांजी, कोर्ट के WWI पर हालिया फैसले के मुताबिक हमें चैन की सांस मिली है। हम अब आये हैं जहाँ हमारी क्रिएटिविटी और हमारी सांस दोनों लौट आई हैं। अब हम ऐसी मानसिक स्थिति में हैं जहाँ फिर से अच्छा काम करने के लिए तैयार हो सकते हैं, वो काम जिससे हमें दिली मुहब्बत है। अगर आप WWI में जाएँ तो देखेंगे कि हर तरह कोई न कोई एक्टिविटी हो रही है और हर कोई अपने समय को एन्जॉय कर रहा है जो एक्साइटमेन्ट का सिंबल है कि अब वहां सब किस स्टेट ऑफ माइंड में है।

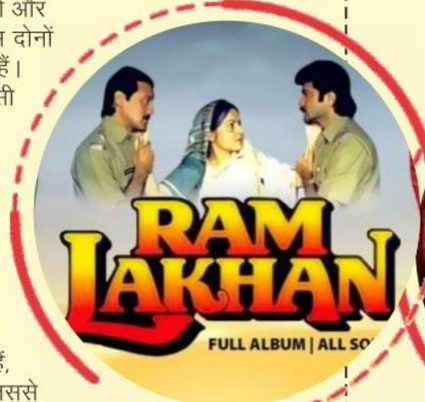

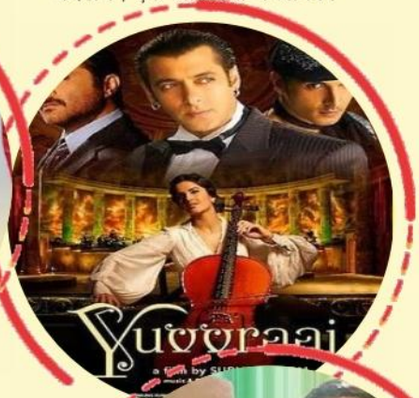

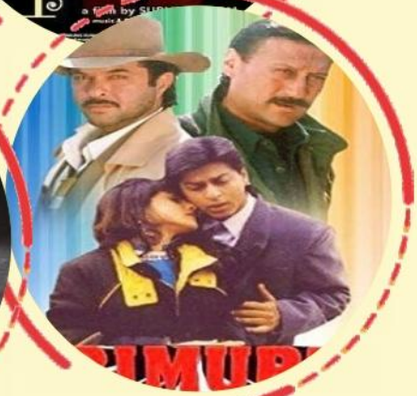

वहां जीवन फिर से शुरू हो गया है जैसा कि पहले हुआ करता था और मुझे पूरा विश्वास है कि हम अब नए लक्ष्यों को जीतने के लिए पहुंचेंगे जिनकी कुछ समय पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। हमने WWI में कई नई गतिविधियां शुरू की हैं जो छात्रों और फैकल्टी द्वारा समान रूप से पसंद की जाती हैं, 5वें वेद, सेलिब्रेट सिनेमा और कई मास्टर क्लास जैसी परियोजनाएं जो हमारे पास फिल्म निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ हैं। संक्षेप में, आप कभी भी दिन के दौरान किसी भी समय WWI को बेकार अवस्था में नहीं देखेंगे जो बात मुझे और मेरी बेटी मेघना को इनकरेज करती है, WWI के अध्यक्ष ने WWI में नए जीवन की सांस लेने के नए तरीकों के बारे में सोचने के लिए सभी प्रोत्साहन दिए हैं।

☐ सुभाष घई, द शोमैन जो फिल्मकार है उसके बारे में बताइये, उनका क्या?

अब तक इतना गलत हो रहा था लेकिन आखिरकार अभी सब सुचारु रूप से चल रहा है और मैं भी अब स्वतंत्र रूप से सोचने के स्वतंत्र हुआ हूँ, मैं जल्द ही वापस आ रहा हूँ। मुक्ता आर्ट्स तीन फिल्मों को लॉन्च करेगी। पहली फिल्म मैं खुद द्वारा निर्देशित करूँगा और अन्य दो का निर्देशन अन्य निर्देशकों द्वारा किया जाएगा। फिल्मों के अन्य सभी विवरणों पर सावधानीपूर्वक काम किया जा रहा है, लेकिन एक बात निश्चित है, तीनों फिल्में पूरे परिवार के लिए शानदार मनोरंजन होंगी। वे मुक्ता आर्ट्स की परंपराओं का पालन करेंगे और जहां भी बदलाव की वास्तविक जरूरत है, वहां बदलेंगे। एक और बात मैं आपको

आश्वस्त कर सकता हूं कि तीनों फिल्मों में कुछ अच्छे कलाकार होंगे और कुछ जिन्होंने पहले से ही मुक्ता आर्ट्स के साथ काम किया है, हमने इन तीन फिल्मों को बनाने के लिए दो सौ करोड़ का बजट रखा है।

❑ आप मुक्ता आर्ट्स के संस्थापक, आप इस कंपनी का भविष्य कैसे देखते हैं जो फिल्म इंडस्ट्री की प्राइड जानी जाती है?

मैं हमेशा एक आशावादी व्यक्ति रहा हूं और जैसा कि मैंने आपको बताया कि मैंने कभी भी असफलता की आशंका नहीं की है और फिल्मों को बनाने के लिए अपने दिल से काम किया है जो मुक्ता आर्ट्स द्वारा बनाई गई फिल्मों से हमेशा लोगों को खुश किया है। अब भी यही भावना रहेगी। राहुल पुरी मुक्ता आर्ट्स के नए प्रबंध निदेशक होंगे और मुक्ता आर्ट्स की बेहतरी के लिए उनके गतिशील नए विचारों के आने के साथ मुझे यकीन है कि हम मुक्ता आर्ट्स में सफलता की नई ऊंचाइयों को मापेंगे। हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए न केवल उम्मीद कर रहे हैं या सिर्फ ही सपने देख रहे हैं, बल्कि आने वाले समय में मुक्ता आर्ट्स के लिए एक उज्ज्वल नए भविष्य का रास्ता बनाने के लिए एक निश्चित लक्ष्य तय कर नई उचाईयों को छूने के तैयारी कर चुके हैं और हम किसी भी सूरत में अब अपने बीती महिमा तक ही सीमित नहीं रहने वाले हैं।

आरती के अल्फाज़

कल ने कल से कहा

कल की ही यादें होती हैं... कल की ही बातें होती है...यह कल है क्या... जो ना कभी आया था और ना कभी आएगा... फिर भी आज के पलों में इन्ही की बातें क्यों होती है...

जो है ही नहीं उसकी चर्चा क्यों...

जो दीखता ही नहीं उसका जिक्र क्यों...

मालूम होता है की प्यार 'कल' से नहीं बल्कि नफरत 'आज' से है...

तैयारी 'कल' की नहीं बल्कि छुट्टी 'आज' से है...

यह आज ही तो है मेरे पास, तुम्हारे पास, सबके पास... मगर इसमें जीना न आया हमें...

चार लोगों की महफिल में बैठे और बातें कुछ यूँ हुई की एक साल बाद यहाँ जाएंगे, तीन महीने बाद यह काम करेंगे, कल से यह नियम का पालन करेंगे.

यह साल, महीना, दिन... है भी... या बस दिल का वहम है?

दोस्तों की महफिल में पुरानी यादें ताजा की जा रही थी... एक साल पहले हम इस कॉलेज में यह कर रहे थे, चार महीने पहले उसकी पार्टी में यह किया था, दो दिन पहले मुझे यह हुआ था... अब यह जो वक्त है क्या वो कभी था भी?

नहीं...

इस 'कल' के दो चेहरे हैं... एक बीता हुआ 'कल' और एक आने वाला 'कल'... और ताज्जुब की बात यह है की दोनों ही ना कभी थे न होंगे. मगर जिन्दगी की सारी परेशानियों का कारण ही यह दोनों हैं.

एक से हम बाहर निकल नहीं पाते और एक में बिना पढ़े हम रह नहीं पाते. और इन सब में यह 'आज' पिस जाता है. जो बीत गया उसकी खुशियाँ और गम याद करके क्या मिलेगा? और जो आने वाला है उसकी चिंता में भी पड़े रहकर क्या हासिल होगा? कुछ भी नहीं. यह सिर्फ इस पल से यानी 'आज' से भागने का एक जरिया है. इस पल से सब भागना चाहते हैं. कोई इसका सामना नहीं करना चाहता. जिस पल इस 'आज' से जंग जीत ली. उसी पल मान लो बाजी तुम्हारी.

एक दफा तो दोनों 'कल' के बीच में बहस भी कुछ इस तरह हो गई थी...

कल ने कल से कहा...

जा ही रहा है तो अपने सारे कर्ज लेता जा.

इस से पहले तेरी स्याही मेरे पन्नो पर गिरे,

वही थम जा...

तेरा दरिया मेरे समंदर में मिले,

वहीं जम जा...

तेरे साये के कफन में घुट कर नहीं जीना मुझे बल्कि

तेरी चिता की आग में हाथ सेंकना है.

क्यों?

क्योंकि मैं आने वाला कल हूँ,

तू गुजरा हुआ कल है...

तेरी मौत होगी तो ही मैं सांस लूँगा.

तो बस यही दुआ है...

कि इस पल में जीना आ जाए, काश इस 'आज' में जीना आ जाए

●●●

सेलफोन सिनेमा यानि छोटी फिल्में बड़ी कहानी 14 वें इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ सेलफोन सिनेमा 2021 की शुरूआत

—मायापुरी प्रतिनिधि

हर इंसान के भीतर एक छुपा हुआ कलाकार होता है बस जरूरत होती है उसे बाहर निकालने की और उसी छिपी हुई प्रतिभा को बाहर निकालता है हमारा अंर्तराष्ट्रीय सेलफोन सिनेमा समारोह, कुछ सालों पहले किसी ने सोचा भी नहीं था कि वह अपने फोन से फिल्म का भी निर्माण कर सकेगें लेकिन आज यह संभव है, लगभग 14 साल पहले हमने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के कार्ल बर्दोश के साथ मिलकर पहली फिल्म मोबाइल से शूट की थी, फिल्म की आधी शूटिंग न्यूयॉर्क और आधी नोएडा में हुई थी और लोग मोबाईल फोन का जादू देखकर चकित थे यह कहना था 14 वें इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ सेलफोन सिनेमा 2021 में मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष डॉ. संदीप मारवाह का।

प्रोफेसर कार्ल बर्दोश ने बताया की जब हमने सेलफोन सिनेमा की शुरुआत की तब ज्यादातर लोगों ने इसकी आलोचना की थी क्योंकि उस समय बड़े बड़े सिनेमा उपकरण जिनमें ट्रैक ट्रॉली, क्रेन, स्टैंड, लाइट आदि थे की जगह मोबाइल ने ले ली थी। आज हर कोई मोबाइल के साथ एक फिल्म बनाना चाहता है।

यूएसए के न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पीटर टेरैसाकिस ने कहा कि "मैं पूरी दुनिया में मोबाइल सिनेमा को बढ़ावा देने में कार्ल और संदीप की 14 साल की साझेदारी की सराहना करता हूं, उन्हें सेलफोन सिनेमा के पिता के रूप में नामित किया गया है। आज मोबाइल ने कई नए फिल्म निर्माताओं को बनाया है और मोबाइल न केवल सिनेमा सीखने में एक साधन है, बल्कि फिल्मों को मोबाइल पर शूट किया जाने लगा है।

अमेरिका की फिल्म निर्माता मीनह राइन जुंग ने कहा कि मैंने मोबाइल पर अपनी पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म पूरी कर ली है जिसमें मुझे सर्वोत्तम परिणाम मिले हैं, यह ओटीटी चैनल और लघु फिल्मों के लिए सबसे अच्छा है।

लंदन के पीटर फेरिस ने कहा की यह मोबाइल फिल्मों का युग है, कोविड काल में मोबाइल का सबसे ज्यादा प्रयोग किया गया है और लोगो ने मोबाइल से लघु फिल्मे बनाई, सोशल मीडिया पर शेयर की और बताया की लघु फिल्मों द्वारा दुनिया को मनोरंजन, जागरूकता के साथ साथ आम इन्सान की परेशानियों को भी बखूबी दिखाया जा सकता है।

मुंबई के जाने माने फिल्म निर्माता अमित खन्ना ने कहा कि अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए लघु फिल्मों, संगीत वीडियो और पर्याप्त प्लेटफार्मों की आवश्यकता है और "यह युवा फिल्म निर्माताओं के लिए आगे आने और खुद को फिल्म इंडस्ट्री के लिए अभिव्यक्त करने का एक शानदार तरीका है।

इस अवसर पर अशोक त्यागी सचिव आईसीएमईआई, पंकज पाराशर फिल्म निर्देशक, राजीव चौधरी फिल्म निर्माता और योगेश मिश्रा महोत्सव निदेशक ने भी अपने विचार रखे।

ON THE OCCASION OF 100TH BIRTH ANNIVERSARY OF SHEIKH MUJIBUR RAHMAN, INDIA AND BANGLADESH ARE TOGETHER MAKING A FILM TITLED BANGABANDHU: UNION MINISTER PRAKASH JAVADEKAR

COMPILED BY SHIVANK ARORA

GLIMPSE FROM THE RED CARPET OF THE 'SAAND KI AANKH', THE OPENING FILM FOR 'INDIAN PANORAMA' AT #IFFI51

BY Rakesh Dave

COMPILED BY SHIVANK ARORA

IFFI51: IN INDIA THERE ARE MANY HIDDEN STORIES OF REAL-LIFE HEROES THAT NEED TO BE TOLD, SAYS 'SAAND KI AANKH' DIRECTOR TUSHAR HIRANANDANI

WINDOW BOY WOULD ALSO LIKE TO HAVE A SUBMARINE' IS ABOUT THE FRUSTRATING YET LIBERATING FEELING OF UNDERSTANDING THAT THERE IS NOTHING ELSE BUT WHAT WE ARE SURROUNDED BY, SAYS DIRECTOR ALEX PIPERNO AT 51ST IFFI, GOA

70S WERE A GOLDEN PERIOD FOR HINDI FILM INDUSTRY, WITH INFLUX OF NEW IDEAS, NEW EXPERIMENTS AND A NEW GENRE OF ACTION AND UNCONVENTIONAL FILMS RAHUL RAWAIL AT IFFI 51ST IN-CONVERSATION SESSION

IT IS THE FIFTH VERSION OF SARFAROSH 2 SCRIPT WHICH GOT FINALIZED: VETERAN FILM-MAKER AND IFFI 51 INDIAN PANORAMA JURY CHAIRPERSON JOHN MATHEW MATTHAN

HEALING IS BEAUTIFUL DIRECTORS OF IFFI 51 INDIAN PANORAMA FILM 'JUNE'

COMPILED BY SHIVANK ARORA

'HOLY RIGHTS' PORTRAYS MUSLIM WOMEN'S STRUGGLES TO BREAK FREE OF PATRIARCHY WITHIN RELIGION: DIRECTOR FARHA KHATUN AT IFFI51

AB BEGUM HERO BANEGI: MEHRUNISA "WHY AREN'T THERE ANY STORIES AROUND YESTER-YEAR FEMALE ACTORS?"

ALL TYPES OF MUSIC SHOULD EXIST IN MOVIES: MUSIC MAESTROS HARIHARAN AND BICKRAM GHOSH AT IFFI51

'ACASA–MY HOME' PORTRAYS THE JOURNEY OF AFAMILY WHO WERE FORCED INTO CITY LIFE: DIRECTOR RADU CIORNICIUC AT IFFI51

COMPILED BY SHIVANK ARORA

गुजरे जमाने के दिग्गज अभिनेता विश्वजीत चटर्जी को 51वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'भारतीय व्यक्तित्व पुरस्कार' से सम्मानित किया गया

काली दास पाण्डेय

गोवा में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह–(आईएफएफआई) के 51वें संस्करण के उद्घाटन के क्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री **श्री प्रकाश जावड़ेकर** ने **हिंदी और बंगाली सिनेमा** के जाने माने दिग्गज अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और **गायक विश्वजीत चटर्जी** को **'भारतीय व्यक्तित्व पुरस्कार'** से सम्मानित किए जाने की घोषणा की, यह पुरस्कार उन्हें मार्च 2021 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए जाने के अवसर पर दिया जाएगा!

14 दिसंबर1936 कलकत्ता (अब कोलकाता) पश्चिम बंगाल में जन्मे अभिनेता **विश्वजीत (विश्वजीत रंजीत कुमार चटर्जी)** स्वाभाविक अभिनय और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए आज भी सिने दर्शकों के जेहन में हैं, अभिनेता बिस्वजीत के अभिनय के सफर की शुरूआत बंगाली फिल्मों से हुई। **माया मृग**(1960) और **दुई भाई** (1961) जैसी सफल बंगाली फिल्मों में अभिनय के बाद विश्वजीत कोलकाता से मुंबई फिल्म इंडस्ट्री आए, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री ने बंगाली फिल्मों के इस सफल अभिनेता को सिर–आंखों पर बिठाया। परिणामस्वरूप बेहद कम वक्त में विश्वजीत की झोली हिंदी फिल्मों से भर गई, 1962 में विश्वजीत की पहली हिंदी फिल्म **'बीस साल बाद'** रिलीज हुई और जम के चली, 'देखते ही देखते'

बिस्वजीत हिंदी फिल्मों के स्टार बन गए, उसके बाद **'कोहरा', 'बिन बादल बरसात', 'मजबूर','कैसे कहूँ', 'पैसा या प्यार','मेरे सनम';(1965), 'शहनाई','आसरा', 'अप्रैल फूल (1964)', 'नाईट इन लंदन','ये रात फिर ना आयेगी'(1966), 'किस्मत', 'दो कलियां' (1968), 'इश्क पर जोर नहीं' और 'शरारत' (1972)** जैसी सफल फिल्मों ने विश्वजीत के फिल्मी करियर में चार चाँद लगाए, विश्वजीत ने अपने समय की लगभग सभी सफल अभिनेत्रियों के साथ काम किया!

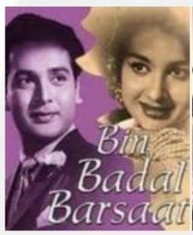

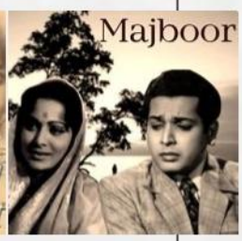

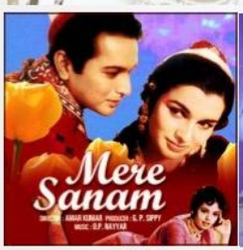

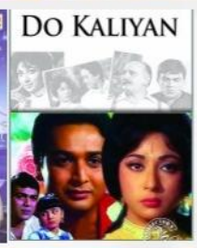

खासकर **आशा पारेख, मुमताज, माला सिन्हा और राजश्री** के साथ उनकी रोमांटिक जोड़ी बेहद पसंद की गई, हिन्दी फिल्मों में मिली सफलता के बाद भी विश्वजीत ने बंगाली फिल्मों में अभिनय करना नहीं छोड़ा! वे कोलकाता आते–जाते रहे और बंगाली फिल्मों में भी अभिनय करते रहे, जिनमें सुपरहिट फिल्म **'चौरंगी'(1968),गढ़ नसिमपुर,कुहेली,श्रीमान पृथ्वीराज(1973),जय बाबा तारक नाथ(1977)और अमर गीति(1983)** उल्लेखनीय है, अभिनय के साथ–साथ गायन और फिल्म निर्माण व निर्देशन के क्षेत्र में भी विश्वजीत समय समय पर अपना तकदीर आजमाते रहे, 1970 में आधुनिक बंगाली संगीत एल्बम भी विश्वजीत द्वारा म्यूजिक मार्केट में लाया गया जिनमें 'तोमार चोखेर काजोल' ,'जय जय दिन...; उल्लेखनीय हैं,जिन्हें कम्पोज किया था, बॉलीवुड के विख्यात संगीतकार **सलिल चौधरी** ने। वर्ष 1975 में प्रदर्शित फिल्म 'कहते हैं मुझको 'राजा'

के निर्माण और निर्देशन दोनों की जिम्मेदारी विश्वजीत ने संभाली थी **धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, शत्रुघ्न सिन्हा और रेखा** अभिनीत इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस किया था!

इस फिल्म में उन्होंने एक्टिंग भी किया था, नेता जी **सुभाष चंद्र बोस** के जीवन गाथा पर आधारित हिंदी बंगला और इंग्लिश में बन रही बायोपिक फिल्म उनकी अति महत्वाकांक्षी फिल्म है जो निर्माणाधीन है, इसके अलावा एक अनाम मर्डर मिस्ट्री पर आधारित सस्पेंस फिल्म निर्माणाधीन है जिसमें उनकी पुत्री **प्रेयमा चटर्जी** उनके साथ काम कर रही है, 2014 में विश्वजीत ने तृमुल कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में न्यू दिल्ली से अपना तकदीर भी आजमाया था, सदाबहार अभिनेता **विश्वजीत की पहली पत्नी स्व रत्ना चटर्जी से एक पुत्र प्रसन्नजीत चटर्जी और पुत्री पल्लवी चटर्जी** हैं जो बंगाल फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हैं। फिलहाल अभिनेता विश्वजीत अपनी दूसरी पत्नी इरा चटर्जी और पुत्री प्रेयमा चटर्जी के साथ मुम्बई में रहते हैं!'अभिनेता विश्वजीत की मुख्य फिल्में'

1962 बीस साल बाद
1962 सॉरी मैडम
1963 बिन बादल बरसात
1964 शहनाई
1964 कोहरा
1964 कैसे कहूं
1964 अप्रैल फूल
1965 मेरे सनम
1965 दो दिल
1966 ये रात फिर ना आएगी
1966 सगाई
1966 बीवी और मकान
1966 आसरा
1967 नाइट इन लंदन
1967 नई रोशनी
1967 जाल
1967 हरे कांच की चूडियां
1967 घर का चिराग
1968 वासना
1968 किस्मत
1968 कहीं दिन कहीं रात
1968 दो कलियां
1969 तमन्ना
1969 राहगीर
1969 प्यार का सपना
1970 परदेसी
1970 इश्क पर जोर नहीं
1970 मैं सुंदर हूं
1972 शरारत

1973 श्रीमान पृथ्वीराज
1973 मेहमान
1974 दो आंखें
1974 फिर कब मिलोगी
1975 कहते हैं मुझको राजा (निर्देशक धनिर्माता)
1976 जय बजरंगबली
1977 नामी चोर
1977 बाबा तारकनाथ
1979 दो शिकारी
1980 हमकदम
1984 आनंद और आनंद
1985 साहेब
1986 कृष्णा कृष्णा
1986 अल्ला रक्खा
1990 जिम्मेदार
1991 जिगरवाला
1991 कौन करे कुर्बानी
1992 महबूब मेरे महबूब
2002 ईट का जवाब पत्थर
2004 बिरसा–द ब्लैक आयरन मैन
2009 आ देखें जरा
2017 फिर आया सत्ते पे सत्ता

यह हॉरर कॉमेडी शो है लेकिन एक बहुत ही प्यारी फ्रैंडशिप की कहानी को भी दर्शाता है!

स्वरा भास्कर

—लिपिका वर्मा

स्वरा भास्कर लॉकडाउन के समय में भी 2020 के दौरान रस भरी, भाग बेनी भाग करते हुये बिजी रही। उनका एक और शो इसी दौरान शूट हुआ, आपके कमरे में कोई रहता है जो एम एक्स प्लेयर पर जल्द ही प्रीमियर होने को है। आज स्वरा उन टैलेंटेड एक्टर्स में से एक है जो अपने टैलेंट के बल बुते पर बेशुमार काम कर रही है।

❑ आप भूत–प्रेत में विश्वास करती है क्या?

मेरा यह शो, **'आप के कमरे में कोई रहता है'** एम एक्स प्लेयर पर जल्द प्रीमियर होने को है। आप यह मनाईये की मेरे पास 2020 और 2021 में कुछ नया बात करने के लिए था। हंस कर बोली, 'यह एक ढीठ प्रेतआत्मा है जो मेरे कमरे में घुस आई है। मेरा बहुत ही साधारण सा लॉजिक है। विश्वास करने से ज्यादा मैं खुश किस्मत हूँ की भूत–प्रेत मेरे नजदीक नहीं आएं है। किंतु यदि कुछ लोग उन के होने पर विश्वास करते है तो यह उनकी सोच है। मैं तो सिर्फ हाथ जोड़ कर प्रेतआत्मा को यही कहूंगी कि प्लीज यदि आप सुन रहे है तो मेरे नजदीक भी नहीं आना।

❑ बचपन में भूत की कहानी आपने तो सुनी होगी कुछ शेयर करे?

जी हाँ हम लोग एक कैंडल वाला गेम भी खेला करते, और मुझे भूत की कहानियां सुन कर बहुत डर लगा करता। जब शाम को घर लौटने का समय होता तो मैं अपने दोस्तों को

बोलती मुझे घर छोड़ने मेरे घर मेरे साथ चले–चले। मैं थी तो बहुत नटखट अपनी भूतिया कहानियां बना कर अपने साथी दोस्तों को डराया तो करती थी।

☐ आपके कमरे में कोई रहता है को किस जॉनर का शो है?

यह हॉरर कॉमेडी शो है लेकिन एक बहुत ही प्यारी फ्रैंडशिप की कहानी को भी दर्शाता शो है। किस तरह कुछ जोड़े एक घर में फँस जाते है. फिर भूत दीखते है और क्या कुछ होता है यह सब दिखाया गया है इस शो में। थ्रिलर हॉरर स्टोरी तो है ही लेकिन एक मजेदार कॉमेडी भी नजर आएगी इस शो में।

☐ फ्रेंडशिप और दोस्ती पर आप का क्या विचार है?

देखिये दोस्त हम खुद बनाते है। जबकि परिवार में हम कुदरती पैदा होते है। दोस्त बहुत महत्वपूर्ण होती है हमारी लाइफ में। मेरे बहुत अच्छे दोस्त भी है जो मेरे लिए बहुत स्पेशल भी है।

☐ बॉलीवुड में आपके 4 ए एम वाले कौन–कौन से दोस्त है?

सोनम कपूर, जी शान मेरे अच्छे 4 ए एम वाले दोस्त है। करीना कपूर को 4 बजे उठाने की मेरी जुर्रत नहीं है। करीना कपूर के साथ वीरे दी वेडिंग में काम करते समय मैंने उनसे यह कहा था कि मै आपकी बहुत बड़ी फैन हूँ। मैंने इस फिल्म में सिर्फ आपको छू ने के लिए ही काम किया है। उन्हें में सही मायने मैं हीरोइन मानती हूँ। मेरे स्कूल फ्रैंड ही मेरे 4 ए एम वाले दोस्त है।

स्वरा सोशल मीडिया पर ट्रोल होने के बावजूद भी काम में आगे नजर आती है?

जी हाँ जो कुछ भी सोशल मीडिया पर चलता है वह मेरे विचार है। मुझे इसके लिए न ही कोई पैसे मिलते है, और न ही मैकोइ इन्फ्लुएंसर हूँ। जैसे भगवद गीता में भी लिखा कर्म ही धर्म है, सो मै अपने काम में किसी तरह का कोम्प्रोमाईज नहीं करती हूँ। मै एक आउटसाइडर हूँ। मैंने अपने काम के बलबूते पर ही नाम कमाया है।

राजनीति में क्या कुछ चल रहा है उस के बारे में मुझे सारी जानकारी रहती है

कृतिका कामरा

–लिपिका वर्मा

कृतिका कामरा, **'तांडव'** शो में हाल ही में अमेजॉन प्राइम में नजर आई। इस शो में ढेर सारे कलाकार है। सैफ अली खान और डिंपल कपाड़िया जो इस पोलिटिकल ड्रामा शो से ओ टी टी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू कर रही है। शो में कृतिका कामरा स्टूडेंट्स पॉलिटिक्स के ओर से आगे आ रही है लेकिन फिर क्या वह किस तरह के कुछ करती है? उनका किरदार कैसे ट्विस्ट लेता है यह सब उन्होंने बहुत ही बेहतरीन तरह से निभाया है। यह राजनीति के पावर गेम को दर्शाता एक बेहतरीन शो है जो ऑडियंस को बांधे रखता है। खैर तांडव के अलावा कृतिका का अगला शो कॉमेडी है जी हाँ जहां तांडव एक बेहद इंटेंस शो है वही मैं पहली बारी कॉमेडी शो का हिस्सा बनी हूँ, दोनों शो में मुझे अलग–अलग किरदार करने को मिले यह मेरी खुश किस्मती है।

☐ अमेजॉन प्राइम पर हाल ही में रिलीज शो,'तांडव' के बारे में, आप को क्या कहना है?

आपने यदि शो देखा है तो आप जान गए होंगे कि तांडव एक बेहतरीन पॉलिटिकल ड्रामा है। जैसा की शो में दिखाया गया है यह नेशनल पॉलिटिक्स एवं स्टूडेंट्स पॉलिटिक्स को दर्शाता हुआ बहुत ही इंटेसन शो है। सना मीर मेरा किरदार मुझे करने में जाहिर सी बात है अलग किरदार था तो बहुत ही मजा आया। जैसा की आपने देखा उसका करैक्टर थोड़ा कॉम्प्लेक्स था। उसकी जानकारी हासिल करना उसका कनफ्लिक्ट और फिर जब अंत में वह किस तरह अपने करैक्टर में नजर आती है यह सब करने में थोड़ा बहुत काम करना पड़ा लेकिन मुझे इस किरदार कुछ सीखने को भी मिला। इस किरदार में बहुत सारी परते देखने को मिलती है उस तरह से किरदार को निभाना भी था मुझे।

☐ पोलिटिकल ड्रामा किया अनुभव कैसा रहा और पॉलिटिक्स को कैसे देखती है आप?

मैं राजनीति में क्या कुछ हो रहा होता है उससे अवगत रहना चाहती हूँ ,सो देश की पॉलिटिक्स के बारे में जानकारी तो जरूर रखती हूँ। राजनीति मेरे लिए कुछ नया नहीं है। वैसे भी हम बराबर राजनीति से जुड़े रहते है। बस

इस शो से मालूम होता है पावर की चाहत लोगों में भरपूर होती है। और उस चाहत को साकार करने में किस तरह के पॉलिटिक्ल गेम्स खेलने होते है, यह सब इस शो में दिखाया गया है और लोगों को पसंद भी आ रहा है यह शो। इस बात की हम सभी को खुशी भी है।

☐ रियल लाइफ में आपके अंदर पावर की भूख कितनी तीव्र है?

ना तो शो में मेरे मन में ऐसा कुछ है। और रियल लाइफ में भी मैं कभी किसी सीट या चेयर की लड़ाई नहीं लड़ना चाहती हूँ। सो मुझे पावर हंगरी बोलना गलत होगा।

☐ ग्लिट्ज और ग्लैमर की दुनिया में भी आप स्लो एंड स्टैडी धीरे–धीरे अपने काम में निपुणता दिखाती रही है?

जी हाँ ,मैंने कभी किसी भी कम्पटीशन में विश्वास नहीं किया है। और न ही किसी प्रेशर में काम करना पसंद किया है। बस सर नीचे रख कर अपना काम ही किया है। मैं संतुष्ट हूँ मुझे जो कुछ काम मिला है।

☐ आपका टेलीविजन शो, 'कुछ तो लोग कहेंगे' बहुत चला था और फेमस भी हुआ था क्या कहना चाहेंगी?

जी हाँ कुछ तो लोग कहेंगे एक आइकोनिक शो रहा। आज भी मेरे फैंस उस शो को लेकर मुझे सोशल मीडिया पर रहते है। यह शो पुरुषों को बेहद पसंद आया था जबकि लोगों का ऐसा मानना है की पुरुष लोग टेलीविजन नहीं देखते हैं। यह बात मुझे तब पता चली जब मैं रास्ते पर चला करती थी तब कई पुरुष मेरी ओर देख बोलते देखो यह निधि डॉ का रोल करती है,**'कुछ तो लोग कहेंगे'** में। बस खुशी होती है की लोगों को मेरा शो अच्छा लगा। यह शो मेरे लिए और मेरे चाहने वालों के लिए स्पेशल शो है।

☐ सभी लोगों को लग रहा है स्टूडेंट्स पॉलिटिक्स जे एन यू से जुडी हुई राजनीति है?

जी नहीं, यह एक काल्पनिक कहानी है। क्योंकि यह शो नेचुरल पॉलिटिक्स और यूनिवर्सिटी कॉलेज पॉलिटिक्स को दर्शा रहा है। सो लोगों को जे एन यू से जुड़ाव लग रहा है। पर ऐसा कुछ नहीं है।मेरे बहुत सीन्स जीशान और डिनो मोरियो ,के साथ है मेरे कुछ उलझे हुये समीकरण है शो में किंतु ओह बहुत ही साधारण और सुलझे हुये एक्टर है सो सब सीन्स बहुत ही अच्छी तरह शूट हो गए। उनके साथ काम करने में बहुत मजा भी आया।

☐ क्या आगे चल कर आप कभी राजनीति ज्वाइन करना चाहेंगे?

मुझे नहीं लगता मुझे राजनीति ज्वाइन करने की आवश्यकता भी होगी। हमें जो कुछ भी अपने देश की लिए करना होगा हम अपने साधारण ढंग से कर सकते है। राजनीति में क्या कुछ चल रहा है उस के बारे में मुझे सारी जानकारी रहती है। हम सभी इस स्वतंत्र भारत में अपने ढंग से जी सकते है। मैं अपने सोशल मीडिया पर जो कुछ भी लिखना चाहती हूँ लिखती भी रहती हूँ। अपने विचार समय समय पर जाहिर करती हूँ सोशल मीडिया पर। किंतु सक्रिय रूप से पॉलिटिक्स से नहीं जुड़ना चाहती हूँ। बतौर अभिनेत्री काम करते हुये बहुत खुश हूँ। एक्टर होने की वजह से मै अलग–अलग किरदार कर बहुत आनन्दमय फील करती हूँ। मै वही करती हूँ जिस में मुझे विश्वास भी होता है।

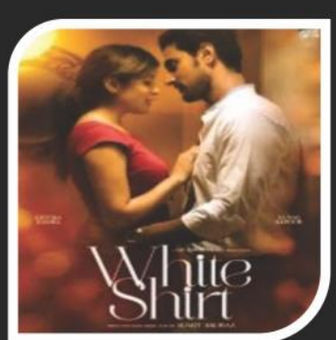

ऐसे हुआ करता था हमारा बचपन जब...

–अली पीटर जॉन

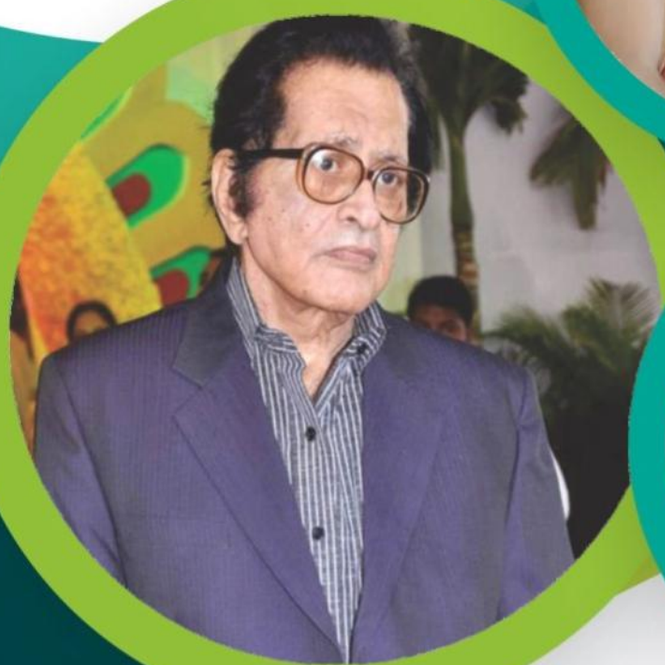

ऐसे ही नहीं मैं मनोज कुमार के गुण गाता आ रहा हूँ। कुछ तो बात होगी उनमें जो एक दस साल के बच्चे (मैं) को आकर्षित कर सकता था। और ऐसे ही नहीं की वो दस साल का बच्चा आज भी उनकी बातें करते रहता हों और वहीं धुन में उनका गीत गाते रहता हो। आज मनोज कुमार 85 के है, और तबीयत उम्र के साथ नासाज रहती है, लेकिन आज भी उनकी सोच उतनी ही जवान है जितनी 50 साल पहले होती थी।

जरा नजर और सोच दोनों इन पंक्तियों पर डालिये और ऐसा कुछ आप जानेगें जो आपने पहले कभी सोचा नहीं था

'कभी हम भी... बहुत... अमीर हुआ करते थे' 'हमारे भी जहाज... चला करते थे।'

'हवा में... भी।'

'पानी में... भी।'

'दो दुर्घटनाएं हुई।'

'सब कुछ... खत्म हो गया।'

'पहली दुर्घटना'

जब क्लास में... हवाई जहाज उड़ाया।

टीचर के सिर से... टकराया।

स्कूल से... निकलने की नौबत आ गई।

बहुत फजीहत हुई।

कसम दिलाई गई।

और जहाज बनाना और... उडाना सब छूट गया।

'दूसरी दुर्घटना'

बारिश के मौसम में, मां ने... अठन्नी दी।

चाय के लिए... दूध लाना था। कोई मेहमान आया था।

हमने अठन्नी... गली की नाली में तैरते... अपने जहाज में... बिठा दी।

तैरते जहाज के साथ... हम शान से... चल रहे थे।

ठसक के साथ।

खुशी खुशी।

अचानक...

तेज बहाब आया।

और...

जहाज... डूब गया।

साथ में... अठन्नी भी डूब गई।

ढूंढे से ना मिली।

मेहमान बिना चाय पीये चले गये।

फिर...

जमकर... ठुकाई हुई।

घंटे भर... मुर्गा बनाया गया।

और हमारा... पानी में जहाज तैराना भी... बंद हो गया।

आज जब... प्लेन और क्रूज के सफर की बातें चलती हैं, तो... उन दिनों की याद दिलाती हैं।

वो भी क्या जमाना था!
और...
आज के जमाने में...
मेरे बेटी ने...
पंद्रह हजार का मोबाइल गुमाया तो...
मां बोली कोई बात नहीं! पापा...
दूसरा दिला देंगे।
हमें अठन्नी पर... मिली सजा याद आ गई।
फिर भी आलम यह है कि...
आज भी... हमारे सर... मां–बाप के लिए झुकते हैं।
और हमारे बच्चे... यार पापा ! यार मम्मी !
कहकर... बात करते हैं।
हम प्रगतिशील से... प्रगतिवान... हो गये हैं।
'कोई लौटा दे... मेरे बीते हुए दिन'
'मैं तो पत्थर हूँ। मेरे माता–पिता शिल्पकार है..'
'मेरी हर तारीफ के वो ही असली हकदार हैं।'

आज बच्चों को शोर मचाने दो

कल जब ये बड़े हो जाएँगे
खामोश जिंदगी बिताएँगे
'हम–तुम जैसे बन जाएँगे'
गेंदों से तोड़ने दो शीशें
कल जब ये बड़े हो जाएँगे
दिल तोड़ेंगे या खुद टूट जाएँगे
'हम–तुम जैसे बन जाएँगे'
बोलने दो बेहिसाब इन्हें
कल जब ये बड़े हो जाएँगे
इनके भी होंठ सिल जाएँगे
'हम–तुम जैसे बन जाएँगे'
दोस्तों संग छुट्टियों मनाने दो
कल जब ये बड़े हो जाएँगे
दोस्ती–छुट्टी को तरस जाएँगे
'हम–तुम जैसे बन जाएँगे'
भरने दो इन्हें सपनों की उड़ान
कल जब ये बड़े हो जाएँगे
पर इनके भी कट जाएँगे
'हम–तुम जैसे बन जाएँगे'
बनाने दो इन्हें कागज की कश्ती
कल जब ये बड़े हो जाएँगे
ऑफिस के कागजों में खो जाएँगे
'हम–तुम जैसे बन जाएँगे'
खाने दो जो दिल चाहे इनका
कल जब ये बड़े हो जाएँगे
हर दाने की कैलोरी गिनाएँगे
'हम–तुम जैसे बन जाएँगे'
रहने दो आज मासूम इन्हें
कल जब ये बड़े हो जाएँगे
ये भी "समझदार" हो जाएँगे
'हम–तुम जैसे बन जाएँगे'

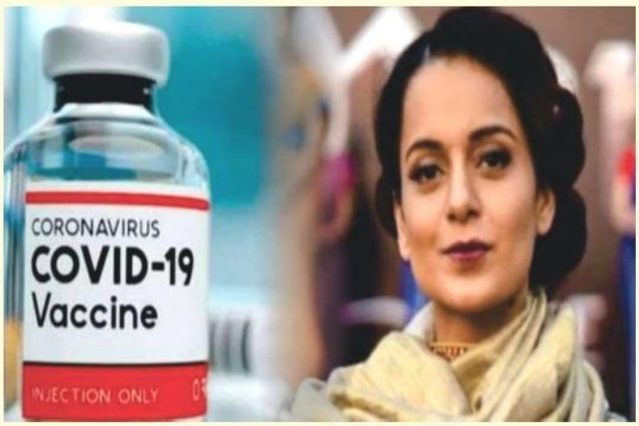

KANGANA RANAUT REACTION ON COVID-19 VACCINE

KARTIK AARYAN DHAMAKA MOVIE RELEASE ON NETFLIX

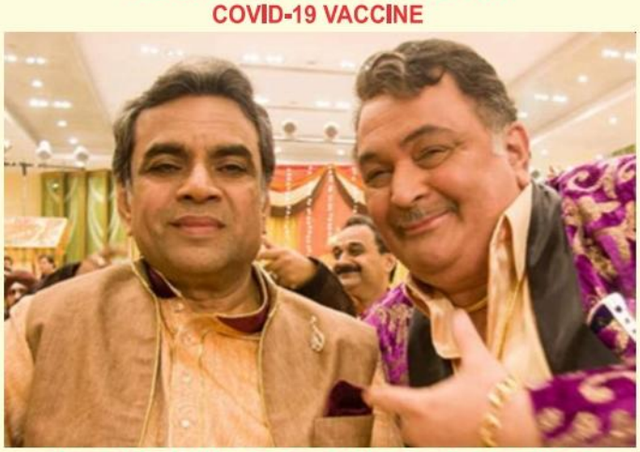

PARESH RAWAL TO STEP IN RISHI KAPOOR'S ROLE IN 'SHARMAJI NAMKEEN'

RAJEEV MASAND APPOINTED COO AT DHARMA AGENCY, KANGANA RANAUT REACTS

RAJEEV MASAND JOINS KARAN JOHAR'S TALENT MANAGEMENT VENTURE DHARMA CORNERSTONE

VARUN DHAWAN AND NATASHA DALAL TO MARRY ON THIS DATE

HARDIK PANDYA FATHER PASSES AWAY

SALMAN KHAN'S 'BIGG BOSS 14' TALENT MANAGER PISTA DHAKAD PASSES AWAY IN AN ACCIDENT

AKSHAY KUMAR DONATES FOR CONSTRUCTION OF AYODHYA'S RAM MANDIR, URGES EVERYONE TO CONTRIBUTE

KRITI SANON RAJASTHANI DANCE ON BACHCHAN PANDEY SET

DHAAKAD OFFICIAL TRAILER COMING SOON

FUKREY ACTOR OLANOKIOTAN GBOLABO LUCAS PASSES AWAY

VARUN DHAWAN NATASHA DALAL WEDDING , 5-DAY CELEBRATION IN ALIBAUG,

USTAD GHULAM MUSTAFA KHAN FUNERAL

SHAHID KAPOOR'S JERSEY TO RELEASE ON DIWALI

LIGER OFFICIAL TEASER

ALIA BHATT
HOSPITALIZED

ALI ABBAS ZAFAR, HAI HIMMAT ALLAH KA MAZAAK
UDAANE KI, KANGANA RANAUT ON TANDAV CONTROVERSY

BOLLYWOOD CELEBRITIES CONGRATULATE INDIAN
CRICKET TEAM FOR GLORIOUS WIN IN AUSTRALIA

AFTER TANDAV, FIR AGAINST MIRZAPUR
PRODUCERS FOR HURTING SENTIMENTS

KAMAL HAASAN'S LEG SURGERY A SUCCESS, THANKS
FOR PRAYERS DAUGHTER SHRUTI HAASAN

TANDAV MAKERS APOLOGISE FOR UNINTENTIONALLY
HURTING HINDU SENTIMENTS

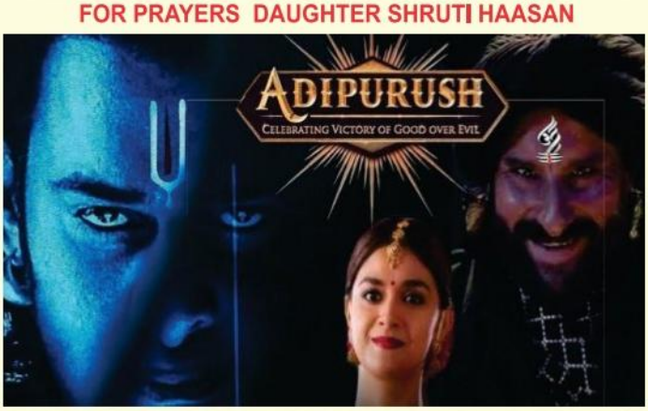

PRABHAS AND SAIF ALI KHAN STARRER ADIPURUSH
KICKS OFF MOTION CAPTURE

MADAM CHIEF MINISTER ACTRESS RICHA CHADHA
IS RECEIVING DEATH THREATS

AKSHAY KUMAR_S BELL BOTTOM IN TALKS FOR A DIRECT-TO-DIGITAL PREMIERE ON AMAZON PRIME

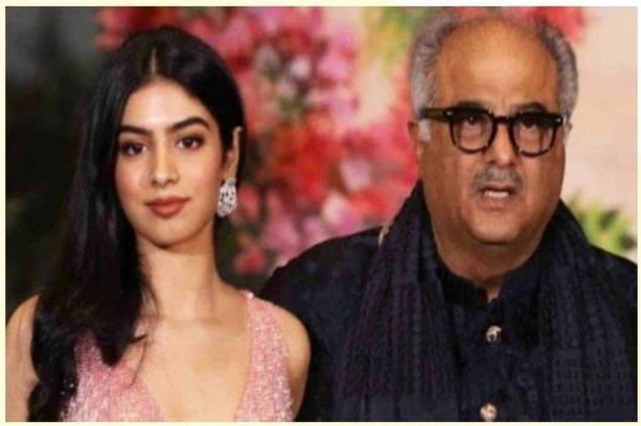

KHUSHI KAPOOR TO MAKE HER BOLLYWOOD DEBUT SOON WITH NOTED FILMMAKER

SALMAN KHAN'S RADHE TO RELEASE IN THEATRES ON EID 2021

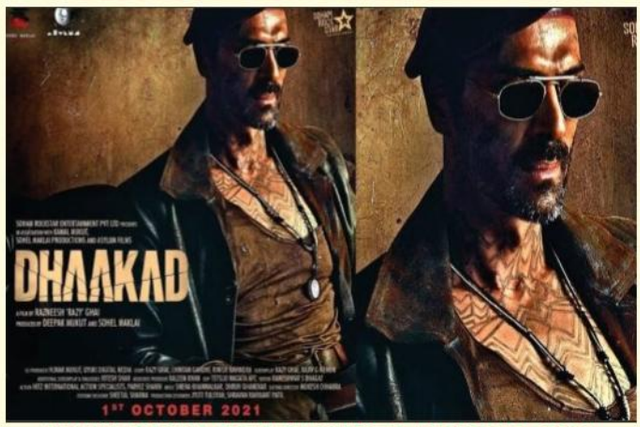

ARJUN RAMPAL REVEALS HIS DEADLY AND COOL LOOK FROM DHAAKAD

SARA ALI KHAN IS MAKING MEMORIES IN MALDIVES

SHERLYN CHOPRA INTERVIEW ON SAJID KHAN'S SEXUAL HARASSMENT

BIGG BOSS 14 FAME EIJAZ KHAN SHARES A SPECIAL VIDEO MESSAGE FOR FANS

VARUN DHAWAN-NATASHA DALAL WEDDING, THE COUPLE TO NOT GO ON A HONEYMOON WHY

ANUP JALOTA'S SATYA SAI BABA FILM WILL RELEASE ON 29TH JANUARY 2021 IN 4 LANGUAGES

YEH RISHTA KYA KEHLATA HAI' IS SUCCESSFUL BECAUSE IT CONNECTS WITH THE AUDIENCE, SAYS HRISHIKESH PANDEY

L.A.C. DIRECTOR NITIN KUMAR GUPTA AMONG FIRST TO BE VACCINATED IN INDIA

APEKSHA PORWAL SHOOTS FOR AN AD AFTER RECOVERING FROM COVID-19

SONY MAX BRINGS THE WORLD TELEVISION PREMIERE OF NAVEEN POLISHETTY STARRER DETECTIVE THRILLER 'AGENT SAI'

RAGHU IN TANDAV IS A CHARACTER THAT HELPED ME GROW PERSONALLY, SAYS PARESH PAHUJA ON PLAYING

HOTSTAR SPECIALS PRESENTS THE LEGEND OF HANUMAN-THE UNSEEN STORY OF HIS JOURNEY FROM MIGHTY WARRIOR TO BELOVED GOD IN 13 EPISODES WITH SHARAD KELKAR AS THE VOICE

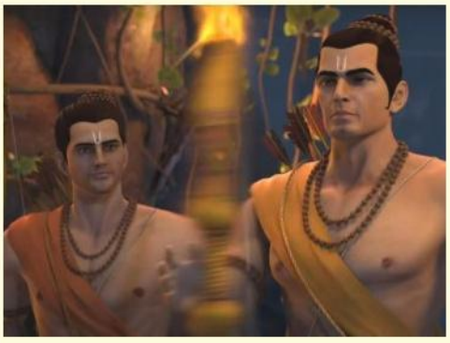

HOTSTAR SPECIALS THE LEGEND OF HANUMAN

सोनी सब के आगामी शो 'वागले की दुनिया' में दर्शकों को क्या देखने को मिलेगा?

ज्योति वेंकटेश

सोनी सब को दर्शक उनके दिल को छू लेने वाले शोज और विभिन्न कंटेंट के लिए बहुत पसंद करते हैं, नए साल की शुरुआत के साथ ही, चैनल ने एकदम नए परिदृश्य के साथ आइकॉनिक शो **'वागले की दुनिया'** के लॉन्च के साथ अपने दर्शकों की खुशियां और बढ़ाने की योजना बनाई है, इस शो का टाइटल है **'वागले की दुनिया– नई पीढ़ी, नए किस्से'** इस शो में सुमीत राघवन राजेश वागले की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे जबकि उनके साथ अंजन श्रीवास्तव और भारती आचरेकर पुरानी यादों को ताजा करेंगे!

इसके गुणों को और वैल्यू को ध्यान में रखते हुए, यह शो आज के व्यक्ति के संघर्ष को दर्शाता है, लेकिन हंसी के साथ और साथ ही दर्शकों के लिए बहुत सकारात्मकता लेकर आता है!

जानिए वागले की दुनिया–नई पीढ़ी, नए किस्से के पास अपने उत्साहित दर्शकों के लिए क्या है!

जमनदास मजेठिया

पुरानी यादें

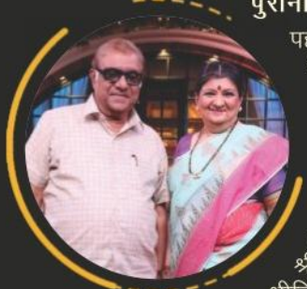

पहले शो के प्रसारण के बाद बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन कुछ है जो अभी भी बिल्कुल वैसा है, **'वागले की दुनिया'** अपने दर्शकों को हंसी की खुराक देने के लिए बिल्कुल तैयार है, क्योंकि एक बार फिर इसमें मशहूर कलाकार–अंजन श्रीवास्तव और भारती आचरेकर श्रीनिवास और राधिका वागले के रूप में अपनी–अपनी प्रतिष्ठित भूमिका में दिखेंगे, यह शो भारत के वैल्यू सिस्टम पर खरा उतरता है और बड़ो का आशीर्वाद कितना महत्त्वपूर्ण है, इस पर जोर देता है। तो भारतीय टेलीविजन पर एक बार फिर मिस्टर एवं मिसेज सीनियर वागले का जादू देखने के लिए तैयार हो जाइए!

प्रासंगिक कहानियां

वागले की दुनिया आज के समय के मध्यम वर्गीय परिवारों के संघर्ष पर जोर देगी, एक आम आदमी को अपनी और अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई छोटी–छोटी परेशानियों से गुजरना पड़ता है, वागले की दुनिया उसी को बहुत ही हल्के–मनोरंजक तरीके से दर्शा रहे हैं, जोकि उनके दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान ले आएगा। परिवार का हर सदस्य इस शो से और जो टॉपिक्स इसमें उठाए गए हैं उससे खुद को जोड़ पाएगा!

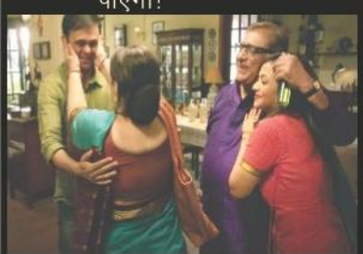

मजबूत पारिवारिक मूल्यः

वागले की दुनिया अपने दर्शकों को पारिवारिक मूल्यों को प्रदान करने की विरासत पर अडिग है, हालांकि अब यह कहानी मिस्टर श्रीनिवास वागले के बेटे राजेश वागले के माध्यम से देखी जाएगी, लेकिन इसकी वैल्यू के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। यह पारिवारिक शो वागले की दुनिया लगातार अपने दर्शकों के दिलों में अपने प्यारे किरदारों और उनके एक–दूसरे के साथ रिश्तों को लेकर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बरकरार रखेगा!

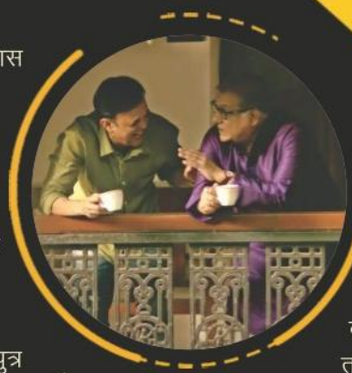

पिता– बेटे का प्यारा रिश्ताः

जैसे–जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनके बीच बहुत कुछ बदल जाता है। जबकि पिता (श्रीनिवास) और पुत्र (राजेश) की विचारधारा में काफी अंतर होगा, लेकिन उनकी जिंदगी की सबसे महत्वपूर्ण चीज है, प्यार, विश्वास और आदर जो कभी खत्म नहीं होगा। यह खट्टा–मीठा सा इन दोनों के बीच का रिश्ता दर्शकों को आनंद से भर देगा जब वो वागले की दुनिया देखेंगे।

तो, अपने परिवार के साथ बैठकर 'वागले की दुनिया' का आनंद लीजिए, जल्द लॉन्च हो रहा है सोनी सब पर

अभिनेता यशपाल शर्मा को राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) 2021 में ओम पुरी मेमोरियल 'कॉमन मैन इन सिनेमा अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा !

—मायापुरी प्रतिनिधि

जयपुरः रिफ फिल्म क्लब द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) का सातवां संस्करण जयपुर और जोधपुर में एक हाइब्रिड प्रारूप में सिनेमा में संगीत थीम पर आयोजित किया जाएगा और राजस्थान दिवस का जश्न भी मनाएगा!

राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) के संस्थापक **सोमेंद्र हर्ष** और **अंशु हर्ष** ने बताया कि **ओम पुरी** रिफ के पहले संस्करण से हिस्सा थे, ओम पुरी जी ने राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के पहले संस्करण में अपने भाषण के दौरान यह भी कहा था कि, वह रिफ के संरक्षक हैं और उनके जाने के बाद भी बने रहेंगे, ओम पुरी जी अभी भी रिफ के पैट्रन हैं और हमेशा रहेंगे, इसलिए उनकी याद को बनाए रखने के लिए राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने 2018 में अपने तीसरे संस्करण के समय ये घोषणा की थी कि, **श्री ओम पुरी** की याद में विशेष **'कॉमन मैन इन सिनेमा'** अवॉर्ड हर साल ओम पुरी की पत्नी **नंदिता पुरी** और **बेटा ईशान पूरी** (ओम पुरी फाउंडेशन, मुंबई) की उपस्थिति में दिया जाएगा!

2018 में, कॉमन मैन इन सिनेमा अवॉर्ड प्रसिद्ध अभिनेता और निर्देशक **अनंत महादेवन** को दिया गया, 2019 में प्रसिद्ध अभिनेता **सुशांत सिंह** को दिया गया और 2020 में ये अवॉर्ड **अनूप सोनी** को दिया गया!

राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के 2021 संस्करण में, **ओम पुरी फाउंडेशन** और रिफ ने ये घोषणा की है कि, **कॉमन मैन इन सिनेमा अवॉर्ड** प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता, **यशपाल शर्मा** को जोधपुर मे दिया जाएगा!

यशपाल शर्मा एक भारतीय बॉलीवुड अभिनेता और थियेटर कलाकार हैं, उन्हें **सुधीर मिश्रा** की 2003 की हिंदी फिल्म **'हजारों ख्वाहिशें ऐसी'** में **रणधीर सिंह** के किरदार के लिए जाना जाता है, उसके अलावा **'लगान' (2001), 'गंगाजल' (2003), 'अब तक छप्पन' (2004),'अपहरण' (2005), 'लक्ष्मण' (2007), 'सिंह इज किंज' (2008), 'आरक्षण' (2011) और 'राउडी राठौर' (2012),** उन्होंने जी के **'मेरा नाम करेगी रोशन'** में कुँवर सिंह का किरदार निभाया, यशपाल एक स्टेज अभिनेता भी हैं और लाइव नाटकों में दिखाई देते हैं। उन्होंने पूर्व में जी के **'नीली छतरी वाले'** में अभिनय किया था!

यशपाल शर्मा की फिल्में जैसे **'मोसो–द माउस', 'करीम मोहम्मद','फागुन हवाये'** जैसी विभिन्न फिल्मों को राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) में प्रदर्शित किया गया है, वह रिफ के विभिन्न संस्करणों में उपस्थित रहे हैं और हमेशा फेस्टिवल का समर्थन करते हैं, राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2020 में अपनी उपस्थिति के दौरान उन्होंने कहा था कि, इस तरह के फिल्म फेस्टिवल विशेष रूप से छात्रों को सिनेमा देखने और ऐसी फिल्में देखने का एक बड़ा अवसर प्रदान करता है, जो न तो सिनेमा हॉल में रिलीज होती हैं और न ही सोशल मीडिया पर उपलब्ध होती हैं!

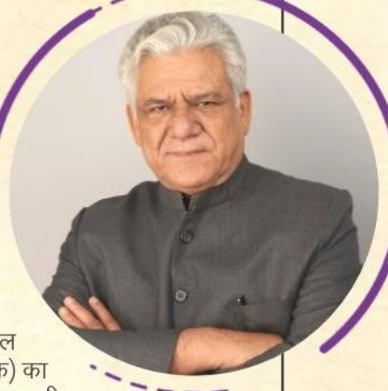

रिफ फिल्म क्लब के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के संस्थापक **सोमेन्द्र हर्ष एवं अंशु हर्ष** ने बताया कि 'इस वर्ष राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) का सातवां हाइब्रिड प्रारूप यानी वर्चुअल एंड फिजिकल फॉर्मेट में जयपुर एवं जोधपुर मे आयोजित किया जाएगा।

पिछले वर्ष की तरह राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज , ओपनिंग सेरेमनी जो की जयपुर में आयोजित किया जायेगा इसके पश्चात आगे के चार दिन मे फिल्म स्क्रीनिंग, ओपन फोरम, टॉक शो, फिल्म एक्सिबिशन को जोधपुर मे आयोजित किया जायेगा एवं क्लोजिंग सेरेमनी, रिफ अवॉर्ड नाईट 2021 का भव्य आयोजन जोधपुर में आयोजित किया जायेगा!

राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) के इस सातवां संस्करण मे शार्ट, डाक्यूमेंट्री, एनीमेशन, फीचर, रीजनल, राजस्थानी फिल्म एवं म्यूजिक एल्बम, फेस्टिवल की वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू डॉट रिफ जयपुर डॉट ओआरजी पर जा कर सबमिट की जा सकती है और फिल्मफ्रीवे द्वारा भी की जा सकती है, फिल्म सबमिट करने की डेडलाइन 31 जनवरी 2021 है!

'दिलवाले' वरुण धवन नताशा को अपनी दुल्हनिया बनाकर ले 'आयेंगे'

—चैतन्य पडुकोण

हमारी चकाचौंध वाली बॉलीवुड इंडस्ट्री को लोग 'अक्सर बदलते रिश्तों' वाली इंडस्ट्री के तौर पर जानते हैं क्योंकि यहाँ अक्सर ब्रेकअप होते रहते हैं, रिश्ते पल–पल में बदलते दिखते है पर इस स्टेरिओटाइप सोच को धता बताते हुए

स्टार एक्टर **वरुण धवन** मन–वचन से साथ निभाने वाले सेलेब्रिटीज के लिए आइडियल उदाहरण बनकर आये हैं, दुल्हेराजा वरुण धव अब चढ़ने वाले हैं घोड़ी पर खूबसूरत, जवां, हरदिल अजीज एक्टर, स्टार और बेहतरीन डांसर वरुण धवन आने वाले रविवार यानी 24th जनवरी को अपनी स्कूल टाइम दोस्त और गर्लफ्रेंड और फैशन डिजाइनर **नताशा दलाल** के साथ अलीबाग बीच रिसोर्ट में शादी के पवित्र बंधन में बंधेंगे!

हिन्दू रीति–रिवाज के साथ होने वाली इस शादी में सिर्फ करीबी परिवार के लोग, चंद दोस्त और कुछ बॉलीवुड के दोस्तों और सीनियर आर्टिस्ट्स की भी शिरकत होगी, उम्मीद है कि प्री–वेडिंग फंक्शन्स 22 जनवरी से ही शुरु हो जायेंगे!

काम की तरफ से बात करें तो, वरुण धवन की हाल ही की रिलीज **'कुली नंबर 1'** थी, जिसे उनके पिता और मशहूर डायरेक्टर **डेविड धवन** ने डायरेक्ट किया था, अब वरुण जल्द ही **अनिल कपूर, नीतू सिंह और किआरा आडवाणी** के साथ **'जुग–जुग जियो'** नामक फिल्म में नजर आयेंगे।

मेहमानों की संख्या सीमित होने की वजह से कुछ खास चुनिंदा बॉलीवुड सेलेब्स के होने के ही चांस हैं, जिनमें वरुण धवन के मेंटर और मशहूर फिल्ममेकर **'करण जौहर'** हो सकते हैं, साथ ही **सलमान खान, शशांक खेतान, रेमो डी सूजा, जैकी भगनानी, वाशु भगनानी और स्टार एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी** भी इस शादी में देखे जा सकते हैं।

दुल्हन ने अपना जोड़ा खुद ही डिजाइन किया है

वरिष्ठ डायरेक्टर और साथ ही वरुण के पिता डेविड धवन चाहते हैं कि जल्द–से–जल्द उनकी सुन्दर सी टैलेंटेड 'बहुरानी' उनके घर आ जाए। एक फैशन डिजाइनर होने के नाते नताशा ने अपना शादी का जोड़ा खुद डिजाइन किया है, वहीं दुल्हेराजा वरुण धवन की शादी की ड्रेस को उनके दोस्त और फैशन डिजाइनर **कुणाल रावल** ने डिजाइन किया है!

हम 'मायापुरी' की तरफ से इस खूबसूरत **'एक दूजे के लिए'** बने नवजोड़े को शादी की बहुत बहुत बधाई देते हैं और साथ ही आने वाले शादीशुदा जीवन के खुशहाल होने की दुआ करते हैं। वरुण धवन **'शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'दिलवाले' (2015) में हीरो थे'**, सो उनके लिए हम ये गा सकते हैं कि 'दिलवाले वरुण दुल्हनिया ले आयेंगे'

अनु–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

Wedding
STORE

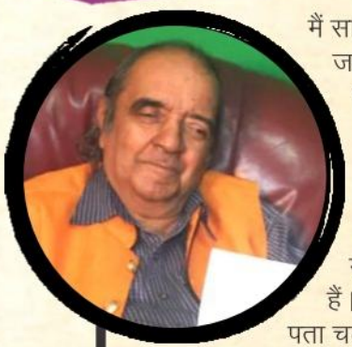

और प्रेम का सागर बहता रहा

अली पीटर जॉन

मैं सात साल का था, जब मेरे पिता की मृत्यु हो गई थी, और मुझे यह जानने में काफी समय लग गया कि, मृत्यु क्या होती हैं। और जब मुझे पता चला कि मृत्यु क्या थी, तो पहली बात यह पता चली कि, मैंने अपने मृत पिता के पैरों को नहीं छुआ था, मैं जिस झुग्गी में रहता था, यह वहा का रिवाज था, मैं अपनी माँ के पैर को छू नहीं सका था उसकी जगह मुझे उनके माथे को चूमने के लिए कहा गया था, पैरों को नहीं, मैं अपने एकमात्र **गुरु श्री के.ए.अब्बास** के चरणों को छूना चाहता था, लेकिन मैं उनके शरीर के करीब जाने के काबिल नहीं था, क्योंकि मैं बहुत नशे में था, मैं लगातार उनकी मिट्टी को चूम रहा था और छू रहा था, और वर्षों तक मैं उम्मीद में रहा कि वे मेरी प्रार्थना सुनेंगे, लेकिन उन्होंने शायद ही कभी मेरी प्रार्थनाओं का जवाब दिया होगा, लेकिन जिस एक व्यक्ति के पैर मैंने पूरे सम्मान और **श्रद्धा** के साथ स्पर्श किए थे वे थे **डॉ.रामानंद सागर**, मैंने उनके बाद फिर कभी किसी और के पैर नहीं छुए!

मेरे पास वह है जिसे केवल सागर परिवार के साथ एक कर्म संबंध कहा जा सकता है, मैं **डॉ.रामानंद सागर** के सभी बेटों **प्रेम, सुभाष, शांति, आनंद, मोती** को जानता हूं और मैं उन सभी से ज्यादा प्रेम को जानता हूं

जिनसे मेरी दोस्ती 40 साल से अधिक वर्षो से है, मैंने प्रेम को एक शानदार सिनेमोटोग्राफर, कवि और हृदय से एक चित्रकार के रूप में जाना है, एक आध्यात्मिक रूप से इच्छुक आत्मा जो अपने आस–पास की परिस्थितियों से चुनौती मिलने पर प्रैक्टिकल भी हो सकती है। उन्होंने आशीषों (ब्लेस्सिंग) से भरा जीवन जीने के लिए मृत्यु को टाल दिया है। और उन्हें जो सबसे अच्छा आशीर्वाद मिला है, वह उनकी पत्नी, **नीलम** और उनके बच्चे, **शबनम, शिव और गंगा** हैं!

और यह एक चमत्कार जैसा है कि, प्रेम की प्रतिभा नीलम में कैसे आई जो एक प्रतिभाशाली चित्रकार है, और इनकी बेटी शबनम जो कि एक बेहतरीन इंटीरियर डिजाइनर हैं, और गंगा जो एक पेंटर के रूप में जानी जाती हैं, जिन्होंने अपने काम में उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाया है और शिव जिन्होंने दुनिया के सबसे अच्छे स्कूल से हास्पटैलटी बिजनस में ट्रेनिंग ली है और जो अब कर्जत में 'टूथ माउंटेन' नामक एक रिसॉर्ट चलाते हैं, जो हिल स्टेशन, लोनावाला, खंडाला और महाबलेश्वर के रास्ते में है। और अब मेरे दोस्त, प्रेम के जीवन में एक और चमत्कार हुआ है, उनके पोते **वीर, शबनम** और **पुनेश** के बेटे, प्रतिभा और रचनात्मकता की पहली चिंगारी दिखा रहे हैं, जब वह केवल 13 वर्ष के है।

अक्टूबर 2020 में कुछ समय पहले वीर ने एक शॉर्ट स्टोरी लिखी थी, कहानी का टाइटल **'द आफ्टर लाइफ'** रखा गया, जिसे प्रेम और नीलम द्वारा पढ़ा गया था और वे न केवल इससे खुश थे, बल्कि प्रेम ने कहानी को एक सच्चे सागर का टच देने का फैसला किया और अब उन्होंने अपने पोते की जन्मजात

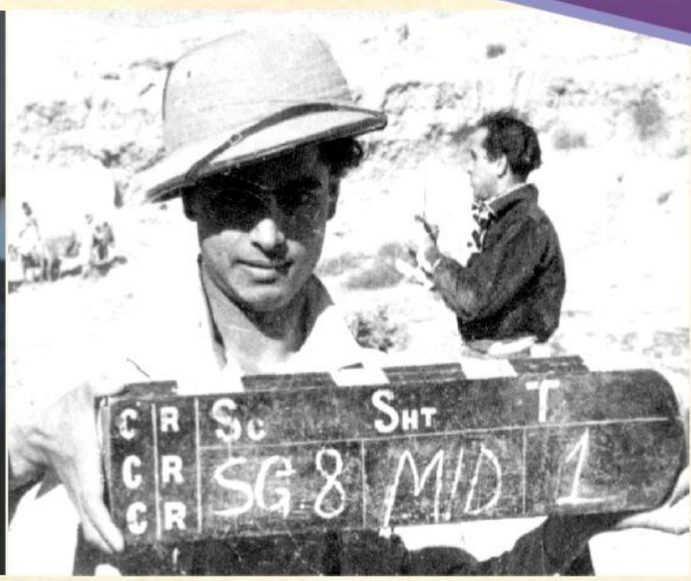

प्रतिभा के लिए अपने सभी प्यार और देखभाल के साथ कहानी को न केवल उसी तरह से देखा बल्कि उस तरह से प्रस्तुत भी किया जैसा वह चाहते थे। वीर की शॉर्ट स्टोरी का वीडियो नीलम द्वारा पेश किया गया है और इसमें प्रेम अपनी आवाज में कहानी सुनाते है!

यह बहुत महत्वपूर्ण है कि कई अन्य माता–पिता और दादा–दादी एक परिवार द्वारा किए गए इस रचनात्मक प्रयास को देखे क्योंकि यह केवल ऐसे प्रयास हैं जिससे बेहतर परिवार, एक बेहतर समाज, बेहतर देश और एक बेहतर दुनिया बन सकती है।

अनु–छवि शर्मा

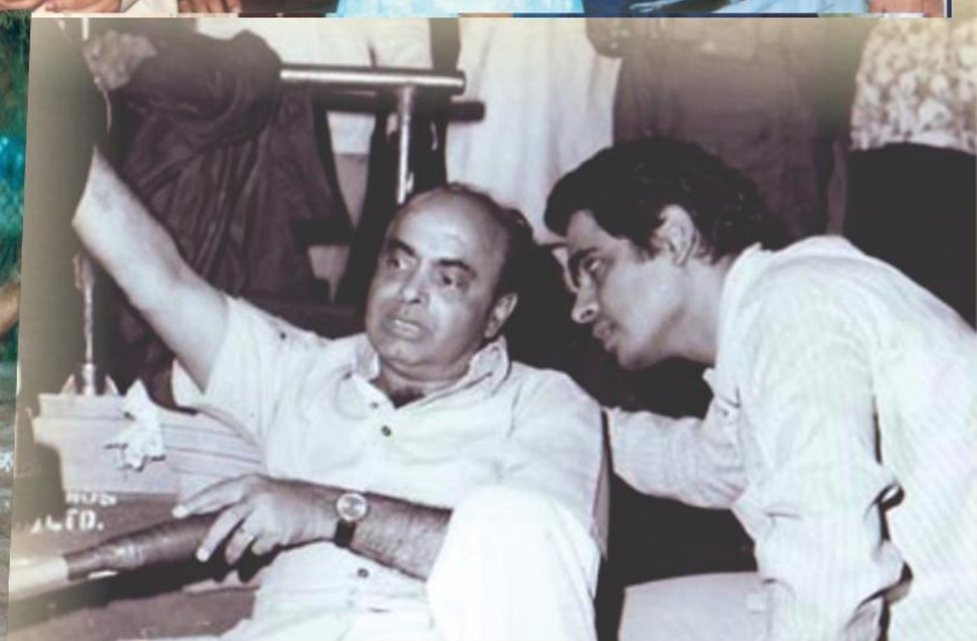

प्रकाश हमेशा अंधेरे को पार करके निकल जाता है
दिव्या द्विवेदी

—अली पीटर जॉन

मैंने प्रतिभाओं के कई चेहरों को कई बार कई जगह देखा हैं, लेकिन मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर कोई एक देश है जो टैलेंट को गाली देता है, तो यह हमारा प्रिय देश ही है। हम सभी को इस पर जोर देने की आवश्यकता है ताकि यह हमारे दिमाग और आँखें खोल दें और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भारत के पास विभिन्न प्रकार की ऐसी कई प्रतिभाए है जिससे आपकी आंखें चकाचौंध और मंत्रमुग्ध हो जाएंगी। सच्ची प्रतिभा को पहचानने की हमारी अज्ञात और अनदेखी क्षमता (एबिलिटी) की खोज कब होगी? यदि ऐसा हम नहीं करते हैं, तो प्रतिभा का सम्मान न करने के लिए निश्चित रूप से कास्ट किया जाता है और आलोचना की जाती है।

मुझे खुशी है कि मुझे किसी भी क्षेत्र में प्रतिभा को पहचानने का उपहार मिला है और मेरे फैसले शायद ही कभी गलत हुए हैं, और इसके लिए मैं भगवान का धन्यवाद करता हूँ। मैंने पिछले 50 वर्षों के दौरान प्रतिभाशाली युवक और युवतियों में से 100 को

खोजा होगा और उनमें से अधिकांश आज उच्च स्थानों पर हैं और उदाहरण के रूप में देखा जाता है कि प्रतिभा कैसे किसी को भी ले जा सकती है, कहीं से भी किसी को भी बुलाया जा सकता है जहां लाखों लोग अपनी रोशनी से चमकते हैं और अपने जीवन का जश्न मनाते हैं क्योंकि वे उन लोगों की प्रतिभा से प्रबुद्ध और मनोरंजन महसूस करते हैं जिन्हें मैंने बहुत पहले देखा था। मेरे कुछ दोस्त जो मेरी उन्नति के गवाह रहे हैं, वे भी जानते होंगे कि मेरी उन्नति मेरी प्रतिभा को पहचाने के कारण थी जिसे मैं पहचानता रहा और उन्हें सुर्खियों में लाता रहा।

और इससे पहले कि मैं अपने एक और उपदेश की ओर जाऊं जो वास्तव में उन लोगों के लिए हैं जो सीखने की परवाह करते हैं, मैं आपको दिव्या द्विवेदी से मिलवाता हूं जिन्हें मैं तब से जानता हूं जब से मुझे पता चला था कि इन्हें क्यों जाना जाता है।

मैंने दिव्या के बारे में भोजपुरी में बनी फिल्मों में उनकी बेलगाम प्रतिभा को अभिव्यक्ति देने के लिए एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री के रूप में सुना था और उनकी प्रतिभा ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और अन्य क्षेत्रीय फिल्मों

की यात्रा की। मुझे लग रहा था कि वह मुंबई शहर में अपनी प्रतिभा को आजमा सकती है, जहां टैलेंट उन सभी को मौका देता है, जिनके अंदर प्रतिभा कि वास्तविक आग है। और इससे पहले कि मैं फिर से दिव्या के बारे में सोच पाता, वह पहले से ही अपने सपनों को पूरा करने के लिए इस सपनों के शहर 'मुंबई' में थी।

मैं उनके बारे में फिर से सोच सकता था, उसकी प्रतिभा ने महत्वपूर्ण टीवी धारावाहिकों के निर्माताओं को बहुत प्रभावित और प्रेरित किया था और उनकी प्रतिभा के लिए सबसे अच्छी चीजों में से तब एक था जब निर्माता डॉ. त्रिनेत्र बाजपेयी और उनकी अभिनेत्री पत्नी कनिका ने टैलेंट के टाइटन लेख टंडन के साथ मिलकर, दिव्या को मेगा सीरियल "बिखरी आस निखरी प्रीत" की मुख्य भूमिका के लिए कास्ट किया था, जो उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

एक और अच्छा धारावाहिक करने के बाद, भाग्य उनके साथ रहा और अगर मैं कहूं कि वह एक ऐसी परिस्थिति में पड़ गई थी, जिसमें से बाहर निकलने का उनमे साहस और दृढ़ विश्वास वो भी बिना उनकी प्रतिभा को छुए या किसी भी तरह का नुकसान पहुँचाए। दिव्या जो उस समय की प्रमुख अभिनेत्रियों में से एक थी वह अभी भी वही आकर्षक, बहादुर और बेहद मिलनसार है और अब भी बेहद प्रतिभाशाली अभिनेत्री है, लेकिन उन्हें अपने सफर में काफी इंतजार करना पड़ा क्योंकि यह उनके लिए नियति और ईश्वर की योजना थी जिसे वह अच्छे समय और बुरे समय में दृढ़ता से मानती आई है, वही ईश्वर जिसने उन्हें कभी भी निराश नहीं होने दिया और जो अब भी मानती है वह उनके जीवन को बदल देगे।

उसके अंदर की लटकी विपत्ति के समय प्रतिभा की रोशनी को अपने अंदर जीवित रखती है। और अपने जीवन के इस पहलू को साबित करने के लिए, उन्होंने मुख्य भूमिका में एक गुजराती फिल्म भी की है और अपनी प्रतिभा को एक बड़ा बढ़ावा दिया जब उन्होंने प्रतिष्ठित जीआईएफए अवार्ड जीता जो कुछ प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में उन्हें दिया गया था।

वह अब फाइटर के रूप में वापस आ गई है और वह हमेशा अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए तैयार रहती है और अपने जीवन और कैरियर के इस नए चरण में जीतने को लेकर बहुत आशावादी है।

मैं उन महिलाओं के बारे में कहानियाँ सुनता रहता हूँ जिनके अंदर सफलता के आकाश तक पहुँचने की एक आग है और अपने

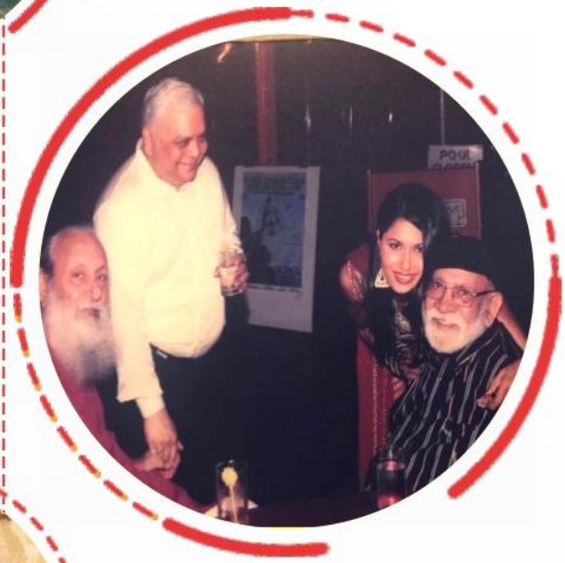

नाम को एक योग्य स्थान पर स्थापित करने का दावा करती हैं, और मुझे लगता है कि मुझे आकाश को एक सलाह देनी चाहिए, कि मेरे दोस्त, एक युवा महिला है जो आकाश से मिलने के लिए पूरी तरह से तैयार है और यह पूछने के लिए कि उसे मान्यता, प्रशंसा और प्रसिद्धि देने में अपने इतना समय क्यों लिया, जबकि वह इतनी योग्य है।

प्यारे आकाश, मुझे यह मत कहना कि मैंने तुम्हें इस अद्भुत महिला दिव्या की उड़ान के बारे में चेतावनी नहीं दी थी, जिस पर मुझे विश्वास है, कि वह एक दिन तुम्हारे पास पहुँचेगी और तुम्हारा सामना करेगी और यहाँ तक कि उसके प्रति तुम्हारे दयालु न होने के लिए तुमसे लड़ेगी भी।

अनु– छवि शर्मा

एकता जैन और काजल शाह ने मकर संक्रांति पर फोटोशूट कराया!

—मायापुरी प्रतिनिधि

मकर संक्रांति, एक ऐसा त्योहार है कि, इस दिन किए गए काम अनंत गुणा फल देते हैं, मकर संक्रांति को दान, पुण्य और देवताओं का दिन कहा जाता है, मकर संक्रांति को 'खिचड़ी' भी कहां जाता है, पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं, मकर संक्रांति से ही ऋतु परिवर्तन भी होने लगता है, मकर संक्रांति से सर्दियों खत्म होने लगती हैं, और वसंत ऋतु की शुरुआत होती है, एक्ट्रेस मॉडल एकता जैन ने अपने दोस्त काजल शाह के साथ मकर संक्रांति स्पेशल फोटोशूट कराया ठाणे के बाइक सूरज प्लाजा में, काजल शाह हीलर ,योगा टीचर हैं, दोनों ने लोगों को पतंग न उड़ाने की अपील की क्योंकि उसकी मांझे से पक्षियों के पंख कट सकते हैं, एकता जैन ने मकर संक्रांति के दिन गरीबों को अनाज बांटा, दोनों ने एक साथ बिहू,उत्तरायण, मकर संक्रांति ,पोंगल मनाया!

ग्रेसी सिंह और तन्वी डोगरा के बीच है एक मजबूत रिश्ता

छायाकारः—राकेश दवे

एण्ड टीवी का पौराणिक शो **'संतोषी मां सुनाए व्रत कथाएं'** एक भक्त और भगवान के बीच के अटूट बंधन की कहानी को बयां करता है, पर्दे पर भक्त स्वाति की भूमिका (**तन्वी डोगरा**) और भगवान संतोषी मां की भूमिका (**ग्रेसी सिंह**) ने निभाई है।

हालांकि, इन दोनों के बीच का ये मजबूत रिश्ता न सिर्फ ऑन—स्क्रीन बल्कि ऑफ स्क्रीन भी देखने को मिलता है, स्वाति उर्फ तन्वी और संतोषी मां, उर्फ ग्रेसी दोनों एक दूसरे के काफी करीब है और दोनों एक दूसरे की अक्सर प्रशंसा, प्यार और एक—दूसरे के प्रति स्नेह व्यक्त करते हैं, वो एक—दूसरे से बातचीत करने में बहुत समय बिताते हैं, और शूटिंग के दौरान कई ऐसी चीजे हैं जो दोनों में एक—जैसी है, अपने इस खूबसूरत बॉन्ड और दोस्ती पर बात करते हुए,

ग्रेसी सिंह ने कहा, ''तन्वी एक बहुत ही जोशीली और प्यारी लड़की है, मुझे उसका चंचल और सहज रवैया बहुत पसंद है, बहुत अच्छा लगता है जब आप अपने सह—कलाकार के साथ प्रोफेशनल की तुलना में व्यक्तिगत रूप से ज्यादा जुड़े होते हो, वह किसी भी चीज को बहुत जल्दी सीख लेती हैं, और उनकी ये खासियत सभी को बहुत ही पसंद हैं, हमारी काफी चीजें एक—दूसरे से मिलती जुलती हैं, और हम एक—दूसरे के साथ घंटों बाते करते हैं। जैसी वो हैं मुझे वो बहुत ही पसंद हैं।'' तन्वी डोगरा ने कहा, ''मैं ग्रेसी मैम की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं, और मैंने हमेशा उन्हें एक सादगी, सकारात्मकता और शांति का प्रतीक माना है। वह मेरे लिए मेरी प्रेरणा हैं। हमारे ब्रेक के दौरान उनके साथ समय बिताना मुझे बहुत ही अच्छा लगता है, और हम कई टॉपिक्स जैसे सिनेमा, निर्देशन, डांस और शो में हमारे किरदार के बारे में बातचीत करते हैं। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ हैं, और मैं उनकी खूबसूरती से बहुत प्रभावित हूं। वह मेरे लिए एक दोस्त, फिलॉसफर और मार्गदर्शक हैं।''

विक्टिम का ट्रेलर लॉन्च, डॉन सिनेमा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज मुम्बई, सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'विक्टिम' का ट्रेलर लॉन्च रेड बल्ब, अंधेरी में हुआ, उसी अवसर पर फिल्म के कलाकार अमन संधू, कुलदीप संधू, मोहित नैन, साफी कौर सहित निर्माता नेहाल सिंह, निर्देशक फैजल खान, लेखक संजय जोशी, क्रिएटिव प्रोड्यूसर ज्योति गिल, डीओपी रणविजय सिंह, एडिटर राजेन्द्र घडी, संगीतकार ऋग्वेद सिंह, क्रि

छाया : बी. के. तांबे

एण्डटीवी के शो 'गुड़िया हमारी सभी पे भारी' में खास मेहमान बसंती की एंट्री

–मायापुरी प्रतिनिधि

'अतिथि देवो भवः' का मतलब होता है कि मेहमान भगवान है। लेकिन तब क्या होता है जब मेहमान एक भैंस के रूप में आता है? एण्डटीवी के शो **'गुड़िया हमारी सभी पे भारी'** के आगामी एपिसोड्स में, गुड़िया (सारिका बहरोलिया) राधे (रवि महाशब्दे) और पप्पू (मनमोहन तिवारी) की उनके गेस्ट हाउस के बिजनेस में मदद करने की कोशिश करती है जहां भोली गुड़िया ग्राहकों की खोज करती है। आखिरकार, उसका सामना एक ऐसे आदमी से होता है जो अपनी प्यारी बसंती, जोकि दरअसल एक भैंस है, उसे अकेला घर पर छोड़ने को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित है। लेकिन गुड़िया तुरंत ही उसकी मदद के लिए आगे आती है और उससे ये वादा करती है कि वह अपने परिवार के साथ मिलकर अच्छे से बसंती की देखभाल करेगी। शुरुआत में ही ये खबर पूरे गुप्ता परिवार में फैल जाती है जिसके बाद पूरा परिवार बसंती को घर में रखने के लिए मान जाता है। लेकिन, उनका ये नया मेहमान जल्द ही हर किसी को नाक में दम कर देता है क्योंकि उसने स्वीटी (श्वेता राजपूत) का पूरा मेकअप तोड़ दिया, यहां तक की पप्पू की शर्ट भी फाड़ दी। दूसरी घटनाओं में, जब सरला(समता सागर)ने भैंस के गोबर में सोने की चमकदार अंगूठी देखी तो वो पूरी तरह हैरान रह गई और वह इस बात को समझ गई कि बंसती के बारे में कुछ तो बहुत खास था, कुछ लोगों ने तो ये भी कहा, ''ये तो सोने के अंडे देने वाली मुर्गी के जैसी है।'' क्या बसंती गुड़िया के लिए भाग्यशाली बनेगी? या फिर गांव वालों की जलन बेचारी बसंती के लिए दिक्कत बन जाएगी? इस मजेदार ट्रैक के बारे में बात करते हुए, सारिका बहरोलिया ने कहा, ''जैसे गुड़िया ने इस खबर के साथ हर किसी को चौंका दिया था, वैसे मैं खुद भी ये जानकर बहुत ज्यादा हैरान थी कि हमें एक असली भैंस के साथ शूटिंग करनी थी। यह असल में एक अविश्वसनीय अनुभव था। शुरूआत में मैं उसके करीब जाने से डर रही थी लेकिन कुछ कोशिशों के बाद वह मेरे साथ बिल्कुल परिचित हो गई। हम उसे अक्सर खाना खिलाते थे और उसे पता चल गया था कि उसकी सबसे ज्यादा देखभाल कौन करता था। मैंने इस ट्रैक की शूटिंग का भरपूर मजा लिया और अब दर्शक भी हंसी के सफर पर जाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं।''

एण्डटीवी के शो 'गुड़िया हमारी सभी पे भारी' में बसंती का धमाल देखिए, सोमवार से शुक्रवार रात 9:30 बजे

तनुश्री के भोजपुरी रोमांटिक गाना 'गुलाबी गुलाबी' को खूब पसंद कर रही ऑडियंस

–ज्योंति वेंकटेश

गुलाबी एक ऐसा रंग है, जिसे प्यार और रोमांस का प्रतीक माना जाता है। इसी प्रतीक को लेकर भोजपुरी की सुपर हॉट अभिनेत्री तनुश्री और नीलकमल सिंह गाना 'गुलाबी गुलाबी' लेकर आये हैं। यह एक रोमांटिक गाना है, जो अब खूब वायरल हो रहा है। इस गाने को विजय लक्ष्मी भोजपुरी ट्यून के यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इस गाने को अब तक 261,074 व्यूज मिल चुका है।

इसको लेकर नीलकमल सिंह ने बताया कि बसंत ऋतु का आगमन होने वाला है। ऐसे में प्रेम करने वाले लोगों के लिए यह गाना बेहद खास है। हमारा यह गाना दिलों को छू लेने वाला है। यही वजह है कि यह युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहा है। हमें उम्मीद है कि आगे इस गाने को और भी दर्शकों व श्रोताओं का प्यार और आशीर्वाद मिलेगा। क्योंकि यह उनके लिए हमारी तरफ से एक उपहार है। उन्होंने तनुश्री के साथ अपनी केमेस्ट्री को लेकर कहा कि हमने इस गाने को शानदार बनाने के लिए अपना शत प्रतिशत दिया है। तब जाकर एक अच्छा गाना बन पाया है।

आपको बता दें कि गाना 'गुलाबी गुलाबी' के म्यूजिक वीडियो में तनुश्री और नीलकमल सिंह नजर आये हैं, जबकि इस शानदार गाने को नीलकमल सिंह और खुशबू तिवारी केटी ने अपने खूबसूरत आवाज में रिकॉर्ड किया है। गाने का लिरिक्स अमन अलबेला का है। म्यूजिक आर जय कांग का है। डीओपी और डायरेक्टर रंजीत कुमार सिंह हैं। कोरियोग्राफर बाबू जी हैं।

गाने के जरिये अक्षरा सिंह ने दिया अपने विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब, किसको कहा– गिध्द

–ज्योंति वेंकटेश

'कोई ऐसा सगा नहीं है, जिसे तूने ठगा नहीं है।' ये कोई राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि यह एक गाने की लाइन है, जिसके जरिये भोजपुरी की सुपर स्टार सिंगर– एक्टर अक्षरा सिंह ने अपने विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। इसमें अक्षरा ने सांकेतिक रूप से अपने विरोधी के दागदार इतिहास की भी चर्चा की है। और तो और अक्षरा ने उसे गिद्ध तक करार दे दिया है।

आपको बता दें कि कुछ साल पहले अक्षरा सिंह की जिंदगी में उथल–पुथल मची थी, जिसकी वजह उन्होंने इंडस्ट्री के दिग्गज कोस्टार को बताया था। उस वक्त वे बेहद परेशानियों से गुजर रहीं थी। तब भी उन्होंने अपने दर्द का इजहार अपने गानों के जरिये किया था। फिर उस दर्द से उबरने के लिए उन्होंने गायिकी शुरू की और देखते ही देखते ऑडियंस के दिलोदिमाग पर छा गईं। नतीजा उनके गाने को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म पर खूब पसंद किया जाने लगा। तभी एक वक्त आया कि अक्षरा के गाने भोजपुरी के चर्चित म्यूजिक चैनल से आउट हो गए। कहा गया कि अक्षरा सिंह को भोजपुरी के कुछ बड़े स्टार ने साजिश के तहत उन म्यूजिक चैनल पर दबाव बनाया।

उसके बाद अक्षरा ने खुद का चैनल बनाया और कई नये चौनलों के लिए एक से बढ़कर एक हिट दिए। कोविड के समय भी साल 2020 में अक्षरा सिंह ने बिना रूके खूब काम किया। इसके बाद लगा कि अक्षरा की लाइफ में सबकुछ ठीक चल रहा है, लेकिन अचानक अक्षरा सिंह का यह गाना 'जिसका चाटता है उसी को काटता है', इस बात की ओर इशारा करता है कि फिर से उन्हें किसी ने ठेंस पहुंचाई है। जिसके बाद उन्होंने भी अपने इस गाने के जरिये विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया है।

बहरहाल जो भी इस गाने में अक्षरा का स्वैग खूब निकल कर बाहर आ रहा है। इस गाने को अक्षरा ने अपने ही चैनल से रिलीज किया है, जिसको अब तक 255,726 व्यूज महज 24 घंटे में मिली हैं। आपको बता दें कि गाना 'जिसका चाटता है उसी को काटता है' को अक्षरा ने खुद गाया है। मनोज मतलबी का गीत है और संगीत अविनाश झा घुंघरू का है। वीडियो डायरेक्टर पंकज सोनी हैं।

मैं अपनी बहुमुखी प्रतिभा को साबित करने के लिए फिल्मों में समलैंगिक के रूप में अभिनय करने के लिए भी तैयार हूं

वैभव तत्ववादी

ज्योति वेंकटेश

स्मार्ट और हैंडसम और टैलेंटेड अभिनेता वैभव तत्ववादी हिंदी फिल्मों के लिए बिल्कुल नौसिखिए नहीं हैं, उन्होंने एक्ट्रेस **रेणुका शहाणे** की दूसरी फिल्म में निर्देशक के रूप में अभिनय किया और उनकी हिंदी में पहली फिल्म बतौर निर्देशक– **'त्रिभंगा'** प्रमुख भूमिकाओं में से एक है, फिल्म में **काजोल, तन्वी आज़मी** और **मिथिला पालकर** भी हैं, और यह फिल्म पिछले शुक्रवार को ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जा चूकी है, फोन पर, **वैभव ने काजोल** और **तन्वी आजमी** के साथ 'त्रिभंगा' में स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव को साझा किया, और कहा "यह वास्तव में हिंदी में मेरी पांचवीं फिल्म है, हालांकि मैंने पहले भी कई मराठी फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें **'कॉफी अनी बराच कहीं'** और **'व्हाट्सएप लव'** भी शामिल हैं, इससे पहले मुझे **'हंटर', 'बाजीराव मस्तानी','मणिकर्णिका'** और **'लिपस्टिक अंडर द बुर्का'** जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया है!

सिद्धार्थ मल्होत्रा (जिन्होंने पहले **'वी आर फैमिली'** के साथ–साथ **'हिचकी'** का भी निर्देशन किया था) द्वारा निर्मित फिल्म **'त्रिभंगा'** के बारे में बात करते हुए वैभव कहते है, "यह एक बिखरे हुए परिवार के बारे में है, जिसमें मैं रवीन्द्र का किरदार निभा रहा हूं जो तन्वी आजमी का बेटा है, तन्वी ने दो बच्चों (काजोल और मैं) कि मां का किरदार निभाया हैं, मैं किसी ऐसे व्यक्ति की पूरी तरह से अलग भूमिका निभाता हूं जो भगवान कृष्ण में बहुत विश्वास करता है और वह एक आध्यात्मिक व्यक्ति है, मैं लगभग पूरी फिल्म में कुर्ता और धोती पहनता हूं और 'क्रिया योगा' करता हूं। यह एक कैरिकेचर माइंड नहीं है, बल्कि मेरे अंदर के अभिनेता के लिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण किरदार है"

वैभव आगे कहते है, "मैं जो किरदार निभाता हूं वह यह डिमांड करता है कि, मैं शांत रहूं और सिर्फ शांत रहने और क्रिया योग करने का नाटक न करूं और इसमें मेरे ज्ञान ने मेरी बहुत मदद की है, साथ ही तन्वी जी और काजल जी जैसी अभिनेत्री के साथ काम करना एक सीखने का अनुभव था।, रेणुका जी ने मुझे कई

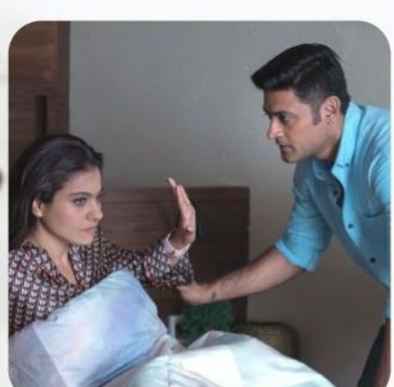

कार्यशालाओं में भेजा और मैंने काजोलजी और तन्वी जी के साथ स्क्रिप्ट पढ़ी! रेणुका जी बहुत स्पष्ट थीं कि, वह प्रत्येक कलाकार से वास्तव में वह क्या चाहती है और एक निर्देशक के रूप में बहुत स्पष्टता उनमे थी, हालांकि वह सेट पर बेहद चुलबुली दिखती है"

वैभव को खुशी है कि, ओटीटी प्लेटफार्मों ने क्षेत्रीय अभिनेताओं को अन्य भाषाओं में भी अपना क्राफ्ट दिखाने के लिए नए अवसर प्रदान किया हैं, वह कहते है, "आज के समय में ओटीटी के लिए मेरा धन्यवाद, क्षेत्रीय सिनेमा और हिंदी सिनेमा के बीच की सीमाओं को धुंधला कर दिया गया है, क्योंकि बहुत से अभिनेताओं को 2020 में लॉकडाउन के आगमन के लिए विभिन्न भाषाओं में अभिनय करने के लिए बहुत सारे अवसर मिले हैं, जिन्होंने सिनेमा की गतिशीलता को बदल दिया है, आज मराठी अभिनेता तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय कर सकते हैं। वास्तव में मैंने तेलुगु को सिर्फ मजाक मस्ती में सीखा था, लेकिन इसने मुझे तेलुगु में एक वेब सीरीज को करने में मदद की, यह वास्तव में बहुत अच्छा है कि, आज **सयाजी शिंदे** जैसा एक मराठी अभिनेता दक्षिण की फिल्मों में एक स्टार है और **अनंत महादेवन** जैसा एक तमिल अभिनेता मराठी में फिल्में कर रहा है

फिल्म 'बाजीराव मस्तानी'

फिल्म 'मणिकर्णिका'

फिल्म 'हंटर'

फिल्म 'लिपस्टिक अंडर द बुर्का'

और **मुरली शर्मा** हिंदी और तेलुगु फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं!

फिलहाल, वैभव मकरंद माने द्वारा निर्देशित हिंदी में अपनी छठी अनटाइटल्ड फिल्म में अभिनय कर रहे हैं और सह–अभिनीत **अंजलि पाटिल** के अलावा तेलुगु में एक वेब सीरीज में अभिनय करने के लिए बातचीत कर रहे हैं, और एविल पर उनकी मराठी फिल्म पांडिचेरी है, जिसका निर्देशन **सचिन कुंडलकर** ने किया है, जहां उनके सह–कलाकार में **नीना कुलकर्णी, महेश मांजरेकर, अमृता खानविलकर** और **साई तम्हनकर** शामिल हैं, वैभव जिन्होंने अलंकृता **श्रीवास्तव, कंगना रनौत** और **रेणुका शहाणे** जैसे महिला निर्देशकों के निर्देशन में अभिनय किया है, कहते हैं कि उन्हें खुशी है कि उन्हें कंगना रनौत और रेणुका राहाणे जैसे निर्देशकों के साथ अभिनय करने का मौका मिल रहा है जो मूल रूप से अच्छे निर्देशक होने के अलावा अच्छे अभिनेता भी हैं (एक अभिनेता अपने या अपने कलाकारों की बारीकियों को समझता है और यह हमेशा एक अभिनेता के रूप में आपके जटिल दृश्यों को क्रैक करने में आपकी मदद करता है।)

वैभव ने कबूल किया कि, पिछले आठ वर्षों में जब से उन्होंने एक अभिनेता के रूप में अपनी शुरुआत मराठी फिल्म (कॉफी अनी बराच कही) के साथ की है।, "मैं स्पष्ट रूप से स्वीकार करता हूं कि मैं अपनी खुद की फिल्मोग्राफी से अधिक प्रभावित हूं और मुझे अपने करियर की गति से कोई पछतावा नहीं है। मैंने हमेशा किसी भी समय मात्रा से अधिक गुणवत्ता पर विश्वास किया है"

एक अभिनेता के रूप में, वैभव कहते हैं कि, उन्होंने हमेशा उस छवि के साथ प्रयोग करने के लिए एक पॉइंट बनाया है जिसके साथ वह दुखी हैं जहाँ तक उनकी छवि हिंदी फिल्मों में है, हालांकि उन्होंने ऐसी भूमिकाएँ निभाई हैं जो अब तक सुरक्षित रही हैं, हालाँकि मैं मराठी फिल्मों में एक विशिष्ट रोमांटिक चॉकलेटी हीरो था, जैसे कि (कॉफी अनी बराच काहिन) और (व्हाट्सएप लव) में, मैंने हमेशा सांचों को तोड़ा है और **'हंटर'** में एक कैसानोवा का किरदार निभाया है, **'लिपस्टिक अंडर द बुर्का'** में एक अंतर्मुखी लड़का और **'मणिकर्णिका'** में एक योद्धा की भूमिका को निभाया है, आज मैं अपनी रुकावटों को दूर करने के लिए तैयार हूं और यहां तक कि एक समलैंगिक युवक के रूप में भी काम कर सकता हूं क्योंकि एक अभिनेता का काम विभिन्न पात्रों को चित्रित करना है, जो वह अपने दिन–प्रतिदिन के जीवन में करता या देखता है।

वैभव स्वीकार करते हैं कि, वह मूल रूप से एक अंतर्मुखी हैं और इसीलिए वह आज तक हमेशा सुर्खियों में रहने या मीडिया के माइलेज को लेकर शर्मिंदगी झेलते रहे हैं, हालांकि वह कहते हैं कि त्रिभंगा और पांडिचेरी के साथ, चीजें बदल जाएंगी और लोग उनके व्यक्तित्व के प्रति एक अलग साइड को देखेंगे। वह कहते है, "शर्मीला होना एक महान विशेषता नहीं है जिसके साथ एक अभिनेता को गर्व महसूस हो"

वैभव, जिनकी अंग्रेजी की कमान आज के अधिकांश मराठी अभिनेताओं के विपरीत त्रुटिहीन (इम्पेकबल) है, जो केवल मराठी में बात करना पसंद करते हैं, यह कहते हुए संकेत देते हैं कि उन्होंने अभी तक शादी का विकल्प नहीं चुना है, हालांकि वह 32 साल के हैं और यह कहते हुए आपको डराते है कि विवाह का संस्थान धीरे–धीरे ढहने के कगार पर है और युवा तेजी से रिश्तों में रहने का विरोध कर रहे हैं, त्रिभंगा में अपने प्रदर्शन के लिए वाहवाही बटोरने के बाद, वैभव तत्वावदी फिल्मों में काम करने और भविष्य में अधिक से अधिक प्रशंसा अर्जित करने के लिए तैयार हैं।

अनु–छवि शर्मा

कश्मीर के एक गाँव में रहने वाले जाहिद कुरैशी ने फिल्म 'लाइन्स' के लिए हॉलीवुड में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीता

—ज्योति वेंकटेश

अंर्तराष्ट्रीय मोर्चे पर जम्मू–कश्मीर को गौरवान्वित करने वाली एक और खबर सामने आई है, जिला पुंछ के फैजलाबाद इलाके का एक मध्यम वर्गीय परिवार में रहने वाले युवक ने यूएसए के टॉप फिल्म फेस्टिवल, एमआईएफएफ 20–मोंटगोमरी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल–2020 में टॉप अवॉर्ड जीता है, जहीद कुरैशी जो जम्मू और कश्मीर के पहले अभिनेता हैं जिन्होंने यूएसए में बेस्ट सुपोर्टिंग अवॉर्ड जीतकर एक इतिहास बनाया है, हिना खान के प्रशंसकों के लिए 'लाइन्स' वही फिल्म है जिसके लिए हिना खान ने फर्स्ट लुक लॉन्च के लिए कान्स फिल्म फेस्टिवल में एंट्री ली थी, और भारत को इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर प्राउड फील कराया था, साथ ही इस फिल्म को चार नॉमिनेशन भी मिले हैं जिनमें बेस्ट एक्ट्रेस, बेस्ट डायरेक्टर हुसैन खान, बेस्ट फिल्म और बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर जाहिद कुरैशी शामिल हैं, अंत फिल्म ने दो टॉप अवॉर्ड जीते है, एक बेस्ट एक्ट्रेस हिना खान और बेस्ट सुपोर्टिंग एक्टर जाहिद कुरैशी ने सबसे बड़े प्लेटफार्मों में से एक में इंटरनेशनल सिनेमा के साथ प्रतिस्पर्धा की, एमआईएफएफ 20– संयुक्त राज्य अमेरिका में मोंटगोमरी अंर्तराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव टॉप फेस्टिवल में से एक है!

इस फिल्म में अनुभवी अभिनेत्री **फरीदा जलाल** भी हिना खान के साथ मुख्य भूमिका में है! जम्मू–कश्मीर के पुंछ इलाके से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता जाहिद कुरैशी इस पुरस्कार को जीतते ही आश्चर्यचकित हो जाते हैं, क्या जाहिद अभी भी पुंछ के फैजलाबाद नामक गाँव में रह रहे हैं? के सवाल पूछने पर जाहिद कहते है, "मेरे लिए अभिनय सांस लेने जैसा है, यह मेरी आत्मा में है और मैं बॉलीवुड में भूमिकाएं और संघर्ष पाने की दौड़ में शामिल नहीं हूं, मेरे लिए मेरी कला ही मेरा अस्तित्व है, मैं बस बाहर जाकर इसे किसी दुकान में नहीं बेच सकता। अगर कोई मुझे लायक पाता है और मुझे कोई भूमिका करने के लिए कहता है तो मैं सम्मानित होता हूं और मैं इसे करता हूं।"

हिना खान जीत पर जाहिद कुरैशी को अपनी शुभकामनाएं और हार्दिक बधाई भेजती हैं, हिना कहती हैं, "मैं इस पुरस्कार को जीतने पर अपनी खुशी व्यक्त नहीं कर सकती, लेकिन मेरे लिए मैं बिल्ला (जाहिद कुरैशी) के लिए अधिक खुश हूं क्योंकि मैं उनके चरित्र को पसंद करती हूँ और उन्होंने इसे अच्छी तरह से किया हैं।"

यह फिल्म शक्ति सिंह और राहत काजमी द्वारा निर्मित है। राहत काजमी फिल्म्स, तारिक खान फिल्म्स और जेबा साजिद फिल्म्स द्वारा निर्मित है और फेनाज के साथ एसोसिएशन में हिना खान के बैनर हीरो के फार बेटर फिल्म्स, अल्फा प्रोडक्शंस और असद मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित हैं।

अनु–छवि शर्मा

'येशु से मुझे काफी ज्यादा उम्मीदें हैं', यह कहना है एण्ड टीवी के 'येशु' में देवदूत बने गिरिराज काबरा का

—मायापुरी प्रतिनिधि

एण्ड टीवी पर हाल ही में लॉन्च होने के साथ **'येशु'** शो ने अपने अलग व अनूठे कंटेंट से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस शो से जुड़ने वाले बेहतरीन और काबिल कलाकार, गिरिराज काबरा ने एक छोटी–सी मुलाकात में इस शो, अपने किरदार के बारे में और इससे जुड़ी काफी सारी बातें बतायीं। वह इस शो में देवदूत की भूमिका निभा रहे हैं।

❑ आप अब तक के अपने सफर के बारे में बतायें?

बचपन से ही मैं एक्टिंग में अपना करियर बनाना चाहता था। मैं टेलीविजन या फिल्मों में जो कुछ देखता था उसकी तरफ खिंचा चला जाता था। मैं अक्सर अपने पापा से कहता था कि मैं मुंबई जाऊंगा और एक एक्टर बनूंगा। मैं स्कूल में पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं था, लेकिन को–करिकुलर में काफी अच्छा था, खासकर म्यूज़िक और थियेटर में। मैं एक मारवाड़ी परिवार से हूं, जहां मैंने अपने पापा से फैमिली बिजनेस के बारे में काफी कुछ सीखा है। मैं जबलपुर को अपना होमटाउन मानता हूं, लेकिन मैं मध्यप्रदेश के छोटे से शहर पिपरी में रहता था। काफी बाद में और ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद मैं एक्टिंग में करियर बनाने के लिये मुंबई आ गया। मेरे दिमाग में बस एक ही लक्ष्य था कि मुझे एंटरटेनमेन्ट इंडस्ट्री में किसी तरह आना है, चाहे वह फिल्में हों या फिर टेलीविजन।

❑ इस शो में अपने किरदार के बारे में कुछ बतायें?

मैं देवदूत की भूमिका निभा रहा हूं, जोकि बहुत ही दयालु और नेक है। उसके जीवन का मकसद है भगवान की इच्छा को पूरा करना और उसे अंजाम तक पहुंचाना। वह कई लोगों का मार्गदर्शक है और भगवान पर भरोसा रखने वाले लोगों की वह रक्षा करता है। आमतौर पर तो वह काफी शांत रहता है, लेकिन जब स्थिति वैसी होती है तो वह अपनी ताकत दिखा सकता है। उसके पास नेतृत्व की अद्‌भुत क्षमता है, ऐसा किसी और के पास नहीं। अपने रौद्र रूप से वह लोगों को चुप करा सकता है।

❑ क्या यह आपका कमबैक है?

मुझे काम किये हुए दो साल से ज्यादा हो गये हैं, इसलिये **'येशु'** मेरे लिये कमबैक की तरह है। मैं अपने पिता को बिजनेस बढ़ाने में हाथ बंटाने में व्यस्त था, जिसमें मेरा काफी समय लग गया। आखिरी बार मैंने एण्ड टीवी पर काम किया था और अब उनके साथ ही कमबैक कर रहा हूं। इसलिये अच्छा महसूस हो रहा है और यह सही लग रहा है।

❑ इस शो में अब तक का आपका अनुभव कैसा रहा है?

इस शो में अब तक का मेरा अनुभव कमाल का रहा है। देवदूत का मेरा किरदार थोड़ा चुनौतीपूर्ण है लेकिन साथ में मजेदार भी है। आमतौर पर जब कोई नेगेटिव किरदार निभा रहे होते हैं तो उसमें काफी नयापन होता है लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि यह किरदार काफी प्रेरित करने वाला है। इसके लिये काफी मेहनत, रिसर्च की जरूरत है और साथ ही सबकुछ सही करने के लिये उतना ही धैर्य भी चाहिए होता है। मैं धीरे–धीरे इसमें ढल रहा हूं।

यह एक महत्वपूर्ण भूमिका है और मुझे दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार है। साथ ही देखना है कि उन्हें यह शो पसंद आता है या नहीं।

❑ आपको यह भूमिका कैसे मिली?

मैंने इस भूमिका के लिये ऑडिशन दिया था और काम बन गया। मैंने किरदार को जिस तरह से प्रस्तुत किया और डायलॉग बोले, मेकर्स को वह पसंद आया। उन्हें भरोसा था कि मैं देवदूत के किरदार को निभा लूंगा, जबकि वह एक बुजुर्ग व्यक्ति की तलाश कर रहे थे। लेकिन कहते हैं, जो होना होता है वह होकर रहता है। मुझे बेहद खुशी है कि यह मौका मुझे मिला।

❑ इस शो और दर्शकों से आपकी क्या उम्मीदें हैं?

मुझे इस शो से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि यह एक अनूठा शो है और पहले कभी ऐसा नहीं बना। कहानी कहने का अंदाज निराला है। यह अनकही और अनसुनी कहानी है। पहली बार हिन्दी एंटरटेनमेन्ट चैनल की दुनिया में पेश की गयी है। जब इसका प्रोमो आया, मैं दर्शकों के इंतजार और उत्सुकता को महसूस कर सकता था कि वे इस शो के बारे में और जानना चाहते हैं। हम सब इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और पहले ही दिन से इस शो के लिये उत्सुक थे। हमें काफी उम्मीद है कि दर्शक इस शो को पसंद करेंगे और सराहेंगे।

❑ इसकी कहानी क्या है?

'येशु' एक अनोखे दयालु बच्चे की कहानी है, जो केवल अच्छे काम करना चाहता है और अपने आस–पास सिर्फ खुशियां फैलाना चाहता है। उसका स्नेह और दया उन काली, दुष्ट शक्तियों के बिल्कुल उलट है। ये शक्तियां पूरे जीवनकाल में उसके आस–पास रहती हैं। वह दूसरों की मदद करने की कोशिश करता है और उनके दर्द को दूर करता है, जिसकी वजह से वह ऐसी परिस्थितियों में फंस जाता है जहां उसे ना केवल अपने विरोधियों से दुख मिलता है, बल्कि काफी सारे लोगों का विरोध झेलना पड़ता है। देवदूत येशु और उसके परिवार के लिये रक्षक की तरह काम करता है। वह उन पर नज़र बनाये रखता है। देवदूत एक फरिश्ता है जोकि मेरी को ऐसे किसी भी खतरे की जानकारी देता रहता है, जोकि येशु की जिंदगी के लिये घातक हो सकता है। वह येशु को सुरक्षित रखने में मेरी की मदद करता है।

गिरिराज काबरा को देखिये देवदूत के रूप में, सोमवार से शुक्रवार, रात 8 बजे, केवल एण्ड टीवी पर

एण्डटीवी के शो 'येशु' में वैष्णवी प्रजापति एक अंधी लड़की 'नीमा' की भूमिका में नजर आयेंगी

—मायापुरी प्रतिनिधि

अक्सर छोटा पैकेट बड़ा धमाकाश् के रूप में जानी जाने वाली, वैष्णवी प्रजापति एण्डटीवी के शो **'येशु'** में एक अंधी लड़की **'नीमा'** की भूमिका निभाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। नीमा रबी गुरूजी की बेटी है। गुरूजी उसी गांव में रहते हैं जहां येशु (विवान शाह) रहता है जिसकी वजह से उसका सामना नीमा से होता है, जोकि ईश्वर और शक्तियों पर बिल्कुल भी यकीन नहीं करती। येशु उसके इस अलग नजरिए से बहुत ही ज्यादा हैरान हो जाता है, लेकिन इसके बावजूद भी वह उसकी स्थिति को समझने और उसकी मदद करने की कोशिश करता है। हालांकि, नीमा अपने अंधे होने के कारण बहुत दुखी होती है क्योंकि इसकी वजह से वो खुद को बहुत असहाय महसूस करती है और उसकी इस स्थिति का जिम्मेदार वो ईश्वर को मानती हैं। उसके इस दुःख को समझते हुए, येशु उसके सामने मदद का हाथ बढ़ाते हैं और आखिरकार नीमा को उसकी आंखों की रोशनी वापस मिल जाती है। येशु के इस चमत्कार से हैरान, नीमा उसका सम्मान करना शुरू कर देती है और उसकी गरिमा को मानने लगती है। अपनी इस भूमिका के बारे में बात करते हुए नीमा (वैष्णवी प्रजापति) ने कहा, मैंने अपने पिछले शोज में जितने भी किरदार निभाए हैं नीमा का किरदार उनसे एकदम अलग है। एक अंधी लड़की की भूमिका निभाना सिर्फ मुश्किल ही नहीं है बल्कि यह कई लेवल्स पर आपके लिए बड़ी चुनौती भी है। जब मैंने इस भूमिका के लिए साइन किया था, तो मैं अपनी आंखें बंद करके चलती थी और चीजें इधर–उधर रखकर रिहर्सल करती थी ताकि यह ज्यादा से ज्यादा असली लगे। पहला सीन बहुत कठिन था, लेकिन रिहर्सल्स के साथ, मैं इसे आसानी से करने में सक्षम रही। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, नीमा का दिल बहुत ही कोमल है, लेकिन अपने अंधेपन के कारण, जिन्दगी के और ईश्वर के प्रति उसका नजरिया थोड़ा कड़वा है। उसके अंदर इतनी कड़वाहट होने के बावजूद, येशु उसे इस स्थिति से बाहर निकलने में उसकी मदद करता है। आखिरकार, नीमा खुद को येशु का आभारी मानती है और उसका सम्मान करना शुरू कर देती है। मैं खुद को इस नए किरदार में देखने के लिए बहुत ज्यादा उत्सुक हूं, और मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को मेरा काम पसंद आएगा।

'येशु' के आगामी एपिसोड्स में वैष्णवी प्रजापति को नीमा के रूप में देखिए, हर सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे सिर्फ एण्डटीवी पर

80 साल की उम्र में भजन सम्राट नरेंद्र चंचल का हुआ निधन

—प्रगति राज

भजन सम्राट नरेंद्र चंचल का दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल में निधन हो गया। 80 साल के नरेंद्र चंचल के भजन गाए बिना मां वैष्णों देवी की चढ़ाई नहीं होती है। खबर के मुताबिक लम्बे समय से बीमार रहने और बढ़ती उम्र की वजह से आज दोपहर 12 बजे उन्होंने अंतिम साँस ली।

नरेंद्र चंचल का जन्म 16 अक्टूबर 1940 को अमृतसर के गाँव हांडी में हुआ था। उनका जीवन धार्मिक वातावरण में गुजरा था। उन्होंने बॉबी, बेनाम और रोटी कपड़ा और मकान जैसे फिल्मों में कई गाने गाए थे। उनके भजन की बात करें तो "चलो बुलावा आया है" और "ओ जंगल के राजा मेरी मैया को लेके आजा" काफी पॉपुलर भजनों में से हैं।

उनके निधन की खबर सुनने के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री के कलाकारों ने उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी है। नरेंद्र चंचल को श्रद्धांजलि देते हुए दलेर मेहंदी ने लिखा कि "यह जानकर गहरा दुख हुआ कि प्रतिष्ठित और सबसे ज्यादा प्यार करने वालेः नरेन्द्र चंचल जी नहीं रहें। उनकी आत्मा की शांति की मैं प्रार्थना करता हूँ।"

नरेंद्र चंचल ने अपनी बायोग्राफी मिडनाइट सिंगर में अपने बारे में लिखा है। वो हर साल 29 दिसंबर को वैष्णों देवी जाते थे और साल के आखिरी दिन परफॉर्म भी करते थे।

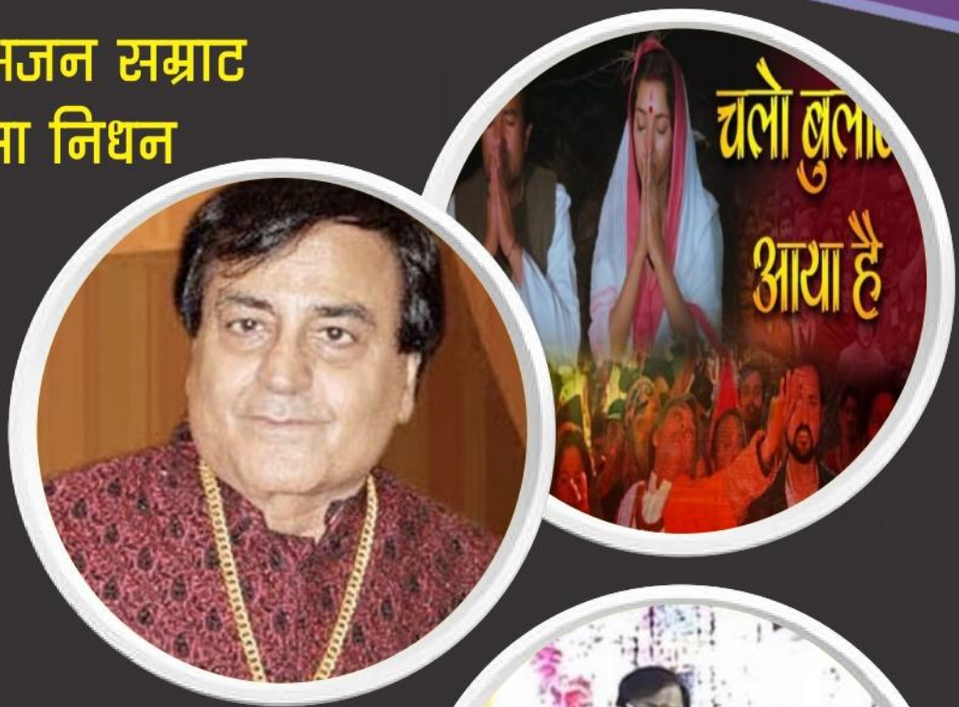

स्टार भारत जल्द ही साल 2021 में अपनी अनूठी पेशकश **'अम्मा के बाबू की बेबी'** के साथ दर्शकों के मनोरंजन के लिए लौट रहा है, शून्य स्क्वायर द्वारा निर्मित, इस कहानी के जरिए चैनल एक रोमांचक जोड़ी की कहानी को दर्शकों के समक्ष रखेगा जो उन्हें अपनी नोक–झोक से उनका दिल जीतने वाले हैं!

यह शो तीन अनोखे और विशिष्ट किरदारों के इर्द–गिर्द घूमता है, जो अपने अद्वितीय व्यक्तित्व के साथ दर्शकों का मनोरंजन करेंगे, निर्माताओं ने शो की कहानी को ध्यान में रखते हुए बेहतरीन कलाकारों के चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ी है और अम्मा के रूप में एक अनुभवी अभिनेत्री **विभा छिब्बर** को चुना है, बाबू के रूप में हैंडसम हंक **करण खन्ना** और बेबी के रूप में खूबसूरत **गौरी अग्रवाल** नजर आइने वाली हैं, यूपी के हृदय स्थल में स्थित यह शो हमें अम्मा, बाबू और बेबी की ड्रेमेटिक जर्नी पर ले जाएगा!

इस कहानी में दर्शक देखेंगे कि कैसे 'बाल ब्रह्मचारी' बाबू एक आदर्श पुत्र हैं और वह अम्मा को हमेशा अपने कुश्ती के कौशल से गर्व महसूस करवाते हैं, सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार अभिनेता अपने किरदार की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, अभिनेता अपनी भूमिका में सही बैठने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और कुश्ती का जमकर अभ्यास कर रहे हैं। कहा जाता है कि यह अभिनेता **सलमान खान** स्टारर फिल्म **'बजरंगी भाईजान'** से प्रेरणा ले रहे हैं!

एक्टर करण खन्ना ने अपनी भूमिका के लिए सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' से प्रेरणा ली!

—मायापुरी प्रतिनिध

जब अभिनेता से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने बताया, "मैं स्टार भारत के नए अपकमिंग शो **'अम्मा के बाबू की बेबी'** में काम करने के अवसर को लेकर बहुत उत्साहित हूँ, शो में मेरा बाबू का किरदार बहुत ही दिलचस्प है, मैं हमेशा से इस तरह के मजबूत किरदार को निभाना चाहता था और अंत में मुझे यह मौका मिल ही गया, मैं एक ऐसे आदर्शवादी बेटे के किरदार को निभा रहा हूँ जो उनकी हर बात सुनता है, उनके कहे को मानता है और वह अपनी माँ को बहुत चाहता है,

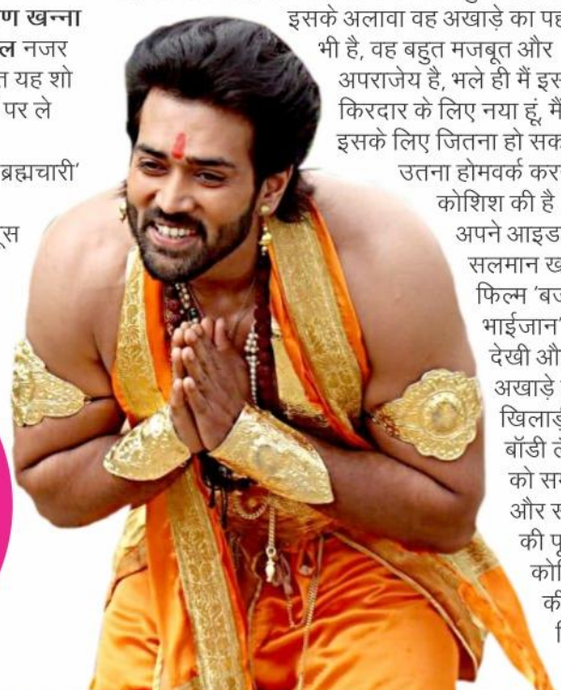

इसके अलावा वह अखाड़े का पहलवान भी है, वह बहुत मजबूत और अपराजेय है, भले ही मैं इस किरदार के लिए नया हूं, मैंने इसके लिए जितना हो सकता है, उतना होमवर्क करने की कोशिश की है। मैंने अपने आइडल सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' फिल्म देखी और एक अखाड़े के खिलाड़ी की बॉडी लैंग्वेज को समझने और सीखने की पूरी कोशिश की, इस किरदार

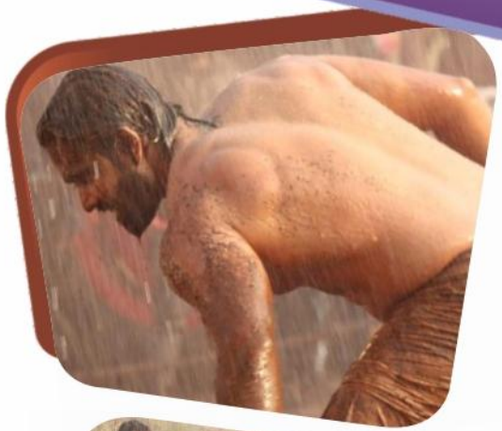

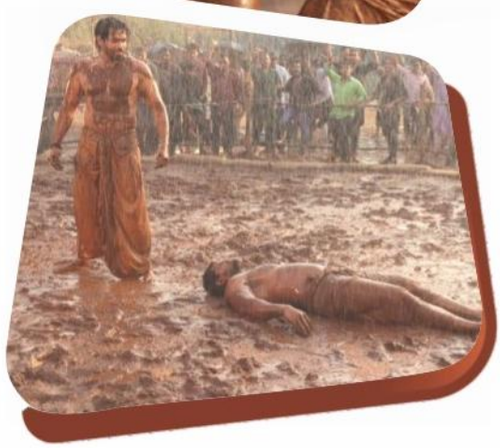

को लेकर प्रेरणा लेने के लिए उनसे बेहतर और कौन हो सकता था!

उन्होंने आगे कहा, 'मैं वास्तव में इस शो के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा हूं साथ ही आशा करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि उन्हें 'अम्मा के बाबू की बेबी' देखकर एन्जॉय करें!

रब्बी गुरूजी के दावे से येशु के असहमत होने के कारण मची हलचल

एण्ड टीवी के शो **येशु** के आगामी एपिसोड्स में, दर्शक **रब्बी गुरूजी** और **येशु (विवान शाह)** के बीच अशांति का माहौल देखेंगे। **जोसफ (आर्य धर्मचंद कुमार)** और **मेरी (सोनाली निकम)** के नए स्थान पर बसने के बाद, येशु गांव के बच्चों के साथ घुलने–मिलने लगता है और नए दोस्त बनाता है, बाद में, वह अपने पूरे परिवार के साथ **रब्बी गुरूजी** की सभा में शामिल होता है, जहां वह भक्तों को भगवान के साथ जोड़ने के उनके दावे पर अपनी असहमति जताता है, वही दूसरी तरफ, येशु का सभा में इस तरह बर्ताव करना **मारिया (पूजा दीक्षित)** को अच्छा नहीं लगता है, वह मेरी से अपने मन निराशा व्यक्त करती है, और उससे येशु के बर्ताव में हस्तक्षेप करने और उसमें सुधार करने की दरख्वास्त करती है। इस बीच, परिवार को दोबारा रब्बी गुरूजी के द्वारा आमंत्रित किया जाता है, और मासूम येशु लोगों द्वारा भगवान के नाम का

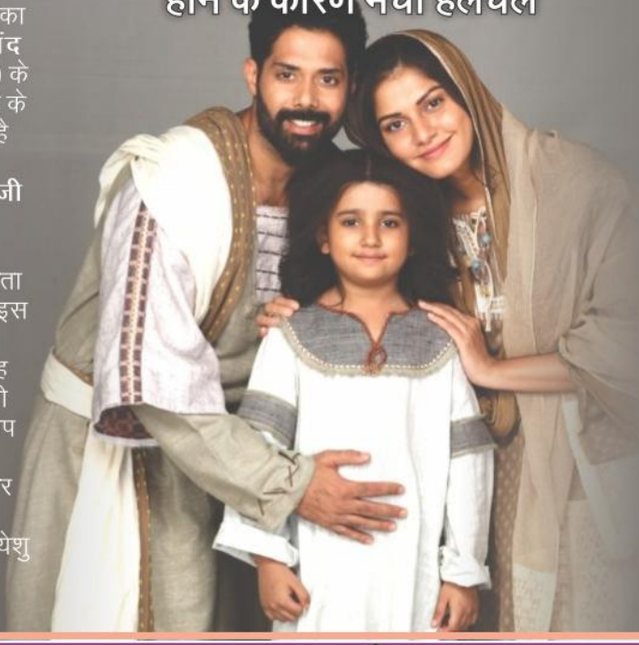

दुरूपयोग करने के बारे में सवाल पूछकर उसे और अधिक क्रोधित कर देता है, दुखी मारिया घर छोड़कर जाना चाहती है जिससे जोसफ और मेरी दोनों बहुत परेशान हो जाते हैं, हालांकि इसी बीच येशु ये बताता है कि, उसका जन्मदिन है और वह अपने माता–पिता से आशीर्वाद लेना चाहता है, इस एपिसोड के बारे में बताते हुए **जोसफ (आर्य धर्मचंद कुमार)** ने कहा, "जहां येशु के परिवार को ये लग रहा है कि अब वह खतरे से सुरक्षित है, तभी वह रब्बी गुरूजी से मिलते हैं जो लोगों को उनकी गलत चीजों पर विश्वास करने के लिए मनाते है। मासूम सा येशु उनके इस काम पर कई सवाल करता है जिससे रब्बी गुरूजी इतना ज्यादा गुस्सा हो जाते हैं कि वह उसके खिलाफ एक कुटिल साजिश को अंजाम देने की इच्छा जताते हैं। ये पूरी स्थिति शैतान (अंकित अरोड़ा)देख लेता है और गुरूजी के बुरे साइड को देखकर बहुत ज्यादा खुश होता है। उनकी योजना क्या है और क्या शैतान इस योजना को और येशु के पतन को अंजाम देने में उनकी मदद करेगा? यह कुछ ऐसा है जिसे देखने के लिए दर्शकों को हमारे साथ जुड़े रहना होगा!

हालांकि मेरा करियर धीरे–धीरे आगे बढ़ा है, और मैं वास्तव में बहुत भाग्यशाली रही हूं क्योंकि काम मेरे पास आता रहा है!

अनुष्का रमेश

–ज्योति वेंकटेश

पिछले कुछ महीनों में ऐड कैंपेन, कैलेंडर शूट और म्यूजिक वीडियो जैसे कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त रही अनुष्का रमेश, अपनी अब तक की यात्रा के बारे में ज्योति वेंकटेश को बताती हैं। और वह महसूस करती है कि लॉकडाउन के दौरान एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री आगे बड़ी है और उनका करियर भी।

☐ आपने अपने करियर में अब तक कौन–कौन से फेमस प्रोजेक्ट्स किए हैं?

मैंने एक शोर्ट फिल्म **'कॉकटेल'** के साथ एक अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरूआत की थी और इस फिल्म ने 2014 में 'नासिक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' में पुरस्कार भी जीता था, और मैंने चैनल 'वी' पर प्रसारित अनोखे गेम शो **'वी डिस्ट्रेक्शन'** को भी जीता है, मैंने वर्ष 2016 में पंजाबी फिल्म **'कनाडा डि फ्लाइट'** से फिल्मों में अपना डेब्यू किया था। मैंने विभिन्न ब्रांडों जैसे

फेमिना, क्वॉलिटी वॉल्स, लेयस चिप्स के लिए भी मॉडलिंग की है। मैं जल्द ही फिल्म **'मंगल हो'** से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हूं।

☐ आपने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में आने के बारे में कैसे सोचा?

मैंने वास्तव में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में आने के बारे में कभी नहीं सोचा था। मुझे लगता है कि यह सिर्फ नियति का खेल है, क्योंकि एक बहुत ही प्रमुख सिनेमेटोग्राफर ने मुझे एक पार्टी में देखा और मुझे सजेस्ट किया कि मैं अपनी कुछ तस्वीरे क्लिक कराऊ क्योंकि उन्हें लगा कि मेरे चेहरे को कैमरे के सामने होना चाहिए। मैंने पूरी तरह से इसे हंसी के रूप में लिया क्योंकि मुझे लगा वह मजाक कर रहे थे। लेकिन बाद में, यू ही मजाक मस्ती में, मैंने कुछ पिक्चर्स क्लीक कराई और उन्हें प्रसारित किया और तब मुझे पता चला कि वह सही थे! मैं बहुत खुशकिस्मत थी कि किसी तरह से कुछ काम मेरे पास खुद आया। शुरू में, मुझे यकीन नहीं था कि मैं अभिनय करना चाहती हूं, लेकिन जैसा कि मैंने क्राफ्ट का अध्ययन किया और इसे समझा, तो मुझे यकीन हो गया था कि यह वही है जो मैं अपने जीवन में करना चाहती थी!

☐ क्या आपको किसी तरह के संघर्ष का सामना करना पड़ा हैं?

मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझे किसी संघर्ष का

सामना करना पड़ा हैं। मुझे लगता है कि एक व्यक्ति के लिए एकमात्र चुनौती हैं खुद को सही लोगों के साथ जोड़ना, हालाँकि यह फिल्मी बैकग्राउंड के बारे में नहीं है। आपको अपना रास्ता खुद ही बनाना होगा। मैं बहुत खुशकिस्मत रही हूं, कि मुझे ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ा, किसी तरह, दोस्तों, रेफरेन्सेस या मेरे द्वारा पहले किए गए काम के कारण मुझे एक के बाद एक अवसर मिलते रहे है। मुझे लगता है कि अगर आप दृढ़ रहें और धैर्य रखें तो इस क्षेत्र में आप जो चाहते हैं उसे हासिल करना काफी हद तक संभव हो जाता है।

☐ अगर आप एक अभिनेत्री नहीं होती तो आप क्या बनती और क्यों?

यदि एक अभिनेत्री नहीं होती, तो मैं फैशन इंडस्ट्री या हास्पटैलटी से सम्बधित किसी चीज से जुडी हुई होती। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे एक्टिंग के अलावा फैशन और फूड में बहुत इंटरेस्ट है। लेकिन ईमानदारी से कहू तो, मैं अब खुद को एक अभिनेत्री के अलावा किसी और रूप में खुद की कल्पना नहीं कर सकती।

☐ आपका आखिरी प्रोजेक्ट कौन सा था?

मेरे लॉकडाउन के दौरान दो प्रोजेक्ट्स रहे जिनमे से एक **'रूपम स्टोरीज'** के लिए ऐड कैंपेन हैं, और दूसरा फिटनग्लाम इंटरनेशनल कैलेंडर सीजन 2 का शूट हैं। यह दुबई में हुआ और यह लॉकडाउन में पहले इंटरनेशनल शूट में से एक था। यह एक ग्रेट एक्सपीरियंस था। मैंने लॉकडाउन के दौरान 'प्रणाम' नामक एक म्यूजिक वीडियो भी किया है। इसे सद्गुरु, सोनू कक्कर और ऋतुराज मोहंती द्वारा गाया गया है। इसे कंपोज सचिन गुप्ता ने किया था। वर्तमान में, मुझे कुछ और प्रोजेक्ट्स का इंतजार है।

☐ आप वर्तमान में किन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं?

मैं बॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म पर काम कर रही हूं जिसका नाम **'मंगल हो'** है और साथ ही कुछ अन्य प्रोजेक्ट भी हैं जिनकी घोषणा बहुत जल्द की जाएगी।

☐ आपने महामारी की स्थिति को कैसे डील किया? इससे आपने क्या सीखा हैं?

महामारी के समय की स्थिति निश्चित रूप से बड़े पैमाने पर पूरी दुनिया के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय रहा है। हालाँकि, यह एक बहुत ही सकारात्मक समय था और साथ ही साथ हम सभी को बहुत कुछ सीखने को मिला और हमने उन चीजों की सराहना की जो हमें प्रदान कि गई है। लॉकडाउन के पहले 8–10 दिनों के दौरान मुझे बहुत जोर पड़ा क्योंकि यह एक प्रमुख लाइफ स्टाइल में एक बड़ा बदलाव था। अभिनेता के रूप में, हम हमेशा आगे बढ़ रहे हैं और विभिन्न चीजों के लिए यात्रा भी कर रहे हैं। इसलिए, केवल घर पर ही सीमित रहना, एक बहुत ही कठिन एडजस्टमेंट था, लेकिन मैंने तय किया कि मुझे इसे पॉजिटिव रूप से लेना होगा अन्यथा इस समय को मैनेज करना मेरे लिए बहुत मुश्किल हो जाएगा। यह निश्चित था कि हम यह नहीं जानते थे कि यह कब खत्म होगा। मैंने समय का सकारात्मक रूप से उपयोग करने का निर्णय लिया। मैंने सोशल मीडिया पर एक्टिविटी कीं, दोस्तों के साथ जुड़ी और इंस्टा पर लाइव आई। मुझे एहसास नहीं था कि समय कैसे बीत गया, मैं अपने आप को इतना व्यस्त रखा, घर पर काम करना, आम तौर पर अपने स्वास्थ्य की देखभाल पर ध्यान दिया। मुझे पूरा यकीन था कि मैं इस समय का सकारात्मक उपयोग करुगी। मुझे लगा कि यह समय फिर कभी नहीं आएगा। यह चुनौतीपूर्ण था और मेरा दिल उन सभी लोगों को देख दुखी था जो पीड़ित थे। मैंने इस समय का सकारात्मक रूप से उपयोग करने का फैसला किया और यह मेरे लिए पीसफुल्ली समाप्त हुआ है।

☐ आपने इतने वर्षों में इंडस्ट्री के अंदर क्या बदलाव पाया?

मुझे लगता है कि हाल के दिनों में सबसे बड़ा बदलाव ओटीटी प्लेटफॉर्मों में आया है, जिसने बहुत सारे लोगों को अभिनय में मौका दिया है। यह एक सकारात्मक बदलाव रहा है क्योंकि आर्टिस्टों, तकनीशियनों, क्रिएटिव लोगों और सभी के लिए बहुत व्यापक स्कोप रहे है। दूसरा, मुझे लगता है कि कंटेंट में वास्तव में बहुत सुधार हुआ है क्योंकि जो कंटेंट ओटीटी प्लेटफार्मों और विभिन्न अन्य चैनलों पर दिखाए जा रहे है वह बहुत अच्छे है। हम मनोरंजन के संपर्क में हैं, जो विश्व स्तर पर है, पहले हम केवल इंडियन प्रोग्राम और हॉलीवुड फिल्मों को देखते थे लेकिन अब हमारे पास दुनिया भर की सभी प्रकार की सीरीज और फिल्में हैं इसलिए दर्शकों के टेस्ट में सुधार आया है।

☐ मुंबई जैसे शहर में रहने के पक्ष और विपक्ष क्या हैं?

मेरा जन्म और रहन–सहन मुंबई शहर में ही हुआ है, मैं इसे दिल से पसंद करती हूं। मैं मुंबई की लड़की हूं और इसके बारे में जानती हूं, इसलिए मैं इसके पक्ष और विपक्ष दोनों को देखती हूं। भले ही मैंने विभिन्न देशों और स्थलों की यात्रा की हो, लेकिन मुझे लगता है कि मेरा दिल मुंबई से जुड़ा है। मुंबई शहर में जिस तरह की आजादी है, खासकर लड़कियों के लिए ऐसा किसी दूसरे शहर में नहीं है। अवसर, चीजों की पहुंच, सब कुछ बहुत अच्छा है। केवल एक चीज जो यहाँ मुश्किल है वह यह है कि यहाँ का ट्रैफिक बहुत ज्यादा होता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह उन अवसरों और लाभों के लिए एक छोटी सी कीमत है जो यह शहर हमें प्रदान करता है।

अनु–छवि शर्मा

अकाटेलेप्सी ने ब्रेकअप वीडियो सांग 'लौसिंग इंटरेस्ट' यूटयूब पर किया रिलीज!

–रमाकांत मुंडे

Vedant Nagpal

Aarti Naagpal

Vedant Nagpal, Aarti Naagpal and Ramakant Munde

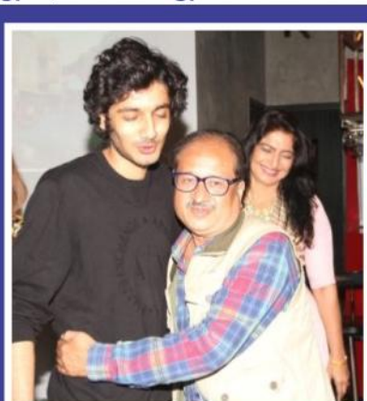

आरती नागपाल के बेटे वेदांत नागपाल ने अब अपना आर्टिस्ट नाम अकाटेलेप्सी रख लिया है। उन्होंने अपना नया हिप हॉप विडियो सांग लौसिंग इंटरेस्ट अपने होम प्रोडक्शन हाउस एकेएस स्टूडियो के तहत रिलीज किया है, जो रिश्तों में नई पीढ़ी के सनकी दिमाग को दर्शाता है।

यह एक बेहद गहरा कांसेप्ट है जिसे विडियो के अंत में दर्शक समझ पाते हैं।

यह 2 भाग का म्यूजिक वीडियो है, पहले उनका एक गीत 'मेमोरीज' आया है। जिसमें वह अपनी साथी और सह–कलाकार दिविजा गंभीर के साथ अपनी अंतरंग यादें साझा करते हैं। यह विडियो पूरी तरह से एक हैंडीकैम से फिल्माया गया है, और यह बहुत ही होम वीडियो का एहसास दिलाता है।

उनका नया विडियो सांग हमें वर्तमान स्थिति में ले जाता है, जिसमें वह महसूस करता है कि वह रुचि खो रही है, लेकिन वह जो कुछ भी अनुभव कर रहा है वह इतना भ्रमित है कि वह कुछ ऐसा है जिसकी उसने कल्पना की है या यह वास्तविकता है? यह वही है जो आधुनिक रिश्ते में होता है, दोनों पार्टनर्स एक दूसरे पर शक करते हैं, और वह भी या तो अपने पिछले अनुभवों या फिल्मों टीवी शो या अपने साथियों के अनुभवों के कारण ऐसा करते हैं।

यह एक बहुत ही मनोरंजक वीडियो है, जिसे निश्चित रूप से आप बार–बार देखना चाहेंगे! दोनों के बीच की केमिस्ट्री इतनी वास्तविक लगती है, कि आपको लगभग विश्वास नहीं होता कि वे वास्तविक जीवन में साथ नहीं हैं।

आरती नागपाल ने अपने बेटे वेदांत नागपाल के लिए क्लब इल्यूजन – लेवल – 1 के सहयोग से इस म्यूजिक वीडियो रिलीज के कार्यक्रम का आयोजन किया।

कोविड 19 के सभी एहतियाती उपायों को ध्यान में रखते हुए यहां सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार के लोग मौजूद थे राहुल शुक्ला (मिडडे सी ई ओ)

दीपशिखा नागपाल, प्रियांशी नागपाल, विधिका नागपाल, विवान नागपाल, दिविजा गंभीर (म्यूजिक वीडियो की फीमेल लीड), डीओपी अभिनव ओम प्रकाश,

प्रमोद शिंदे, विशाल शर्मा, विक्की हामिद, संजय चावला

अंकित चौधरी (टीम इल्यूजन)

पायल मल्होत्रा, राहुल मल्होत्रा, मानव शर्मा।

6 फरवरी को उनका एल्बम ष्नॉट आलरेडी डीलक्स रिलीज होने जा रहा है! आप इसको सुने, निश्चित रूप से उनके गहरे व्यक्तिगत और भावनात्मक गीत और उनके कहानी कहने के कौशल की वजह से यह आपके मन की अवस्था को बदल देगा।

क्रेडिट– प्रोडक्शन हाउस – ए के एस स्टूडियोज, निर्देशक और एडिटर – वेदांत नागपाल

कलाकार– वेदांत नागपाल, दिविजा गंभीर, डीओपी – अभिनव ओम प्रकाश, कलर करेक्शन डी.आई. – वेदांत नागपाल, स्टाइलिंग – प्रियांशी नागपाल, मुख्य सहयोगी निर्देशक – आरती नागपाल, सहायक निर्देशक –विदिका नागपाल, त्रिश ठाकुर, संगीत – अकाटेलेप्सी, लेखक – वेदांत नागपाल, बैकग्राउंड संवाद – अनुष्का मदन, दीपशिखा नागपाल को विशेष धन्यवाद.

Ramakant Munde, Aarti Nagpal and Rahul

Priyanshi, Aarti Nagpal and Vedant Nagpal

Vedant Nagpal, Payal Malhotra, Deepshikha and Aarti Nagpal

Ramakant Munde, Vedant Nagpal, Deepshikha, Aarti Nagpal, Divija Gambhir and Abhinav Om Prakash

Vedant Nagpal Group

Aarti Nagpal and Rahul

Vedant Nagpal, Priyanshi, Deepshikha, Divija Gambhir and Abhinav Om Prakash

पंजाबी सभा गाजियाबाद ने लोहड़ी पर्व बड़ी धूम–धाम से मनाया और हमारे संरक्षक श्री रमन राजा खन्ना जी व श्री विजय गुलाटी जी का स्वागत किया!

पंजाबी सभा गाजियाबाद के अध्यक्ष श्री हरमीत सिंह बक्शी जी ने पंजाबी समाज को इन सांस्कृतिक कार्यकर्मो से एकजुट करने की बात कही और सभी को सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया और रमन राजा जी और विजय गुलाटी जी ने पीएसजी को इस मिशन में हर पग में हमारा मार्गदर्शन और साथ देने का वादा किया कार्यक्रम में हमारे महामंत्री मनबीर सिंह भाटिया उपाध्यक्ष वीरेंदर नैय्यर, राकेश आहूजा, अनिल मेहंदीरत्ता कोषाध्यक्ष ऋषभ राना और सेक्रेटरी नरेश अरोड़ा जी, हमारे सभी कार्यकारिणी सदस्य और सभी सम्मानित मेंबर व अन्य गण्यमान व्यक्ति मौजूद रहे!

SOME FASCINATING PHOTOGRAPHS OF LOHRI CELEBRATIONS 2021

SOME FASCINATING PHOTOGRAPHS OF LOHRI CELEBRATION MEMORIES SHIPRA SRISHTI

SOME FASCINATING PHOTOGRAPHS OF MEMORABLE LOHRI CELEBRATION AT PRESS CLUB OF INDIA

सोनी सब के वीर जारा– अभिषेक निगम और येशा रुघानी ने एक–दूसरे के बारे में बताई कई सारी बातें

–मायापुरी प्रतिनिधि

''सबसे अच्छे दोस्त वो होते हैं जो एक–दूसरे के लिये कुछ भी कर सकते हैं और एक साथ कुछ ना करते हुए भी सबसे अच्छा वक्त बिताते हैं।'' 'हीरोः गायब मोड ऑन' के हमारे वीर जारा यानी अभिषेक निगम और येशा रुघानी को एक–दूसरे में अपना बेस्ट फ्रेंड मिल गया है। शूटिंग के पहले दिन से ही दोनों के बीच शानदार तालमेल है। आप किसी को सालों से जानते हैं या कुछ पलों से उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि आप किसी के साथ कितना सुकून महसूस करते हैं और दोनों के बीच कितनी समानता है, यह बात मायने रखती है। ऐसा ही कुछ अभिषेक और येशा के बीच हुआ है, जोकि 'हीरो गायब मोड ऑन' शो में अपनी कमाल की परफॉर्मेंस से दर्शकों का मनोरंजन करने के बीच यादों को बटोरने में लगे हैं।

येशा के साथ अपने अनुभव के बारे में बताते हुए, अभिषेक निगम ने कहा,

''येशा एक बेहतरीन को–स्टार हैं, जैसा कि हर कोई चाहता है। वह काफी सहयोग करती हैं और एक काबिल अभिनेत्री हैं। मुझे उनकी पिछली भूमिका काफी पसंद आयी थी। सेट पर हमारे बीच जिस तरह की केमेस्ट्री है वह वाकई बहुत खास है और को–स्टार के रूप में उन्हें पाकर बहुत खुश हूं। अभी हमने जितने भी सीन किये हैं, उनमें से ज्यादातर कॉमिक या फिर रोमांटिक हैं और दर्शक लगातार वीर और जारा की जोड़ी को अपना प्यार व दुलार दे रहे हैं। उनका सबके साथ मिल–जुलकर रहना, शांत और प्यारा स्वभाव, मुझे उनमें सबसे ज्यादा पसंद है।''

अभिषेक के साथ अपनी दोस्ती के बारे में आगे बताते हुए येशा रुघानी कहती हैं,

''अभिषेक और मैं एक–दूसरे के साथ बहुत सहज रहते हैं। इससे शूटिंग और भी ज्यादा मजेदार और रोमांचक हो जाती है। मॉक शूटिंग के दौरान जब हम पहली बार मिले थे, तब से ही एक–दूसरे के साथ काम करने का अनुभव कमाल का रहा है। हमारे बीच तुरंत ही एक कनेक्शन सा बन गया। चूंकि, हम एक–दूसरे के साथ ज्यादा वक्त बिता रहे हैं तो यह कनेक्शन और भी बेहतर होता जा रहा है। उनके पास जिस तरह की समझ है और उनका मेहनती स्वभाव मुझे वाकई बहुत पसंद है। काम के प्रति उनमें जुनून है और वह पूरी लगन से उसे करते हैं। वह काम को हमेशा ही हंसते–हंसते करते हैं और कभी भी अपना 200 प्रतिशत देने से पीछे नहीं हटते। उनकी यह बात मुझे अच्छी लगती है और इसके लिये मैं उनकी तारीफ करना चाहूंगी। सच कहें तो शूटिंग के दौरान हम नये और अनमोल यादों को समेटने में लगे हैं। वह अपने को–स्टार्स का काफी ध्यान रखते हैं। हमने अब तक साथ में कुछ सीन किये हैं, खासकर जिसमें हमें रस्सी बांधकर सीन करना था और उन्होंने हमेशा ही मेरी सुरक्षा का ध्यान रखा। मुझे लेकर वह जिस तरह प्रोटेक्टिव हैं, वह सचमुच मेरे दिल को छू जाता है।''

सेट पर सबसे बड़े प्रैंकस्टर बुलाये जाने की बात पर अभिषेक निगम बताते हैं,

''मुझे इस बात का बहुत डर है कि मैंने सबसे ज्यादा प्रैंक येशा पर ही किया है, लेकिन वह भी मुझ पर प्रैंक करने से कभी पीछे नहीं हटतीं। सेट पर हम दोनों एक–दूसरे के साथ प्रैंक करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं और जब कभी मैं उन्हें रंगे हाथों पकड़ लेता हूं तो वह आखिर में पूरी ताकत से चिल्लाने लगती हैं। उन्हें परेशान करना और उनके साथ मजाक करना वाकई बहुत मजेदार लगता है। वैसे दिवाली के समय मेरे दरवाजे के सामने पटाखे फोड़कर उन्होंने मुझ पर भी प्रैंक किया था और मुझे याद है मैं उस वक्त काफी डर गया था। इन छोटे–छोटे लम्हों की वजह से सेट पर हमारी दोस्ती और गहरी हो गयी है। जब मैंने पहली बार उनको देखा तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि उनके साथ मेरी इतनी अच्छी दोस्ती होगी। उस समय वह मुझे वह थोड़ी सख्त लगती थीं, लेकिन वह मेरी सोच के बिल्कुल ही उलट निकलीं। वह बहुत अच्छी हैं और शूटिंग के दौरान जितनी अच्छी तरह सबके साथ घुलमिल जाती हैं, वह किसी भी एक्टर को तुरंत ही सहज बना सकती है।''

अभिषेक के प्रैंकस्टर वाली बात पर, येशा कहती हैं,

''यूं तो अभिषेक एक सच्चे जेंटलमैन हैं, लेकिन कई बार वह एक बहुत बड़े प्रैंकस्टर होते हैं। जब उनके हाथ में फोन होता है, हम उनसे दूर रहने की ही कोशिश करते हैं क्योंकि वह हमारी अजीबोगरीब तस्वीरें और वीडियो बना लेते हैं, जिसे देखकर बाद में हम शर्मिंदा हो जाते हैं। मैं उन्हें ऐसे तो नहीं छोड़ती और उन पर प्रैंक करने का कोई भी मौका हाथ से जाने नहीं देती।''

अपनी बात को विराम देते हुए येशा आगे बताती हैं,

'मुझे उनके नेक दिल के साथ उनकी आंखों में सबसे पहले आत्मविश्वास और लगन दिखाई दी थी और वह वाकई उसे अपने जीवन में अमल करते हैं। हमारे विचार हमेशा ही मिलते हैं और हमारी आपसी समझ का तो कोई जवाब ही नहीं। इससे शूटिंग सचमुच काफी आसान हो जाती है और सीन बेहद कमाल के बन जाते हैं।''

देखिये, अभिषेक निगम और येशा रुघानी को वीर और जारा के रूप में, 'हीरोः गायब मोड ऑन' में हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8 बजे केवल सोनी सब पर

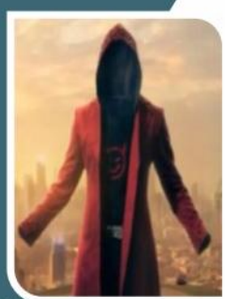

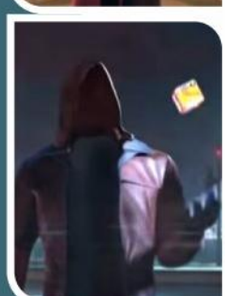

Ishq
Nachave

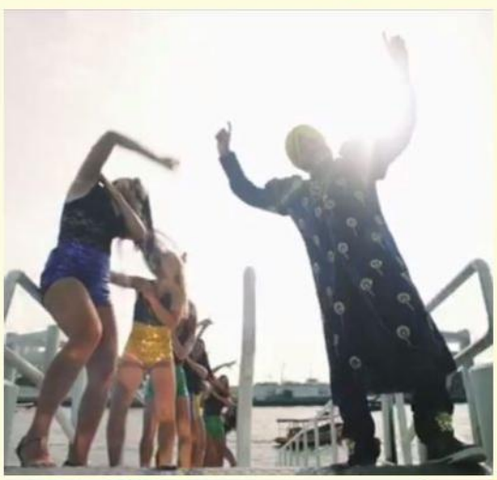

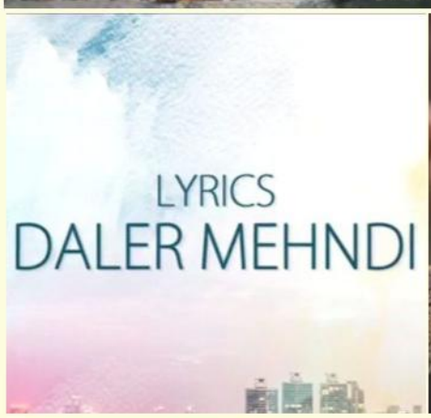
LYRICS
DALER MEHNDI
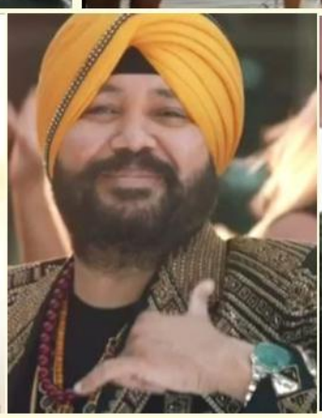

MUSIC
DALER MEHNDI

SINGER
DALER MEHNDI

टाइगर श्रॉफ डांस में ही नहीं कॉमेडी में भी खूब माहिर हैं

राजन शाही अपनी पसंदीदा कायरा को जाने से क्यों नहीं रोक सकते

ज्योति वेंकटेश

यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि राजन शाही अपने लोकप्रिय शो **'ये रिश्ता क्या कहलाता है'** की प्रमुख जोड़ी **मोहसिन खान और शिवांगी जोशी** को कितना पसंद करते हैं, निर्माता ने अक्सर खुले तौर पर उन्हें एक सर्वश्रेष्ठ ऑन–स्क्रीन जोडी कहा है और यहां तक कि 6 जनवरी का दिन उन्होंने इस जोड़ी को समर्पित किया और इसे **'कायरा डे'** नाम दिया है, निर्माता ने हाल्ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कि, जिसमे उन्होंने अपने कई सालो से चलते आ रहे शो **'ये रिश्ता क्या कहलाता है'** में अपनी पसंदीदा जोड़ी के प्रदर्शन के लिए दोनों कलाकारों की सराहना की थी।

उन्होंने शिवांगी और मोहसिन की तस्वीरें साझा कीं और लिखा, "शो 'ये दिल रिश्ता क्या कहलाता है' में मोहसिन और शिवांगी कि दिल को छू देने वाली बेहतरीन परफॉरमेंस के लिए ढेर सारी तालियां, और इस शो कि पूरी टीम को मैं सलाम करता हूँ जिसने उन्हें उड़ने में मदद की हैं, मोहसिन और शिवांगी कि जोड़ी द्वारा अभिनीत 'कायरा' के पिछले कुछ एपिसोड गहरी भावनाओं और प्रदर्शन के साथ आपवादिक (इक्सेप्शनल) थे। नायरा के चले जाने के बाद मोहसिन ने अपने अनुकरणीय प्रदर्शन में मजबूती लाई। शिवांगी कि 'एस' के रूप में चुनौती शुरू होता है, मुझे पता है कि आप अपने आप को केवल बेंचमार्क में हाई पर लाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। शिवांगी, मोहसिन को आप दोनों के लिए शुभकामनाएँ, आगे की नई यात्रा और 'ये दिल रिश्ता क्या कहलाता है' कि टीम के लिए।"

इसके लिए शिवांगी और मोहसिन दोनों ने राजन शाही को धन्यवाद दिया।

वही मोहसिन ने लिखा, "आपका बहुत बहुत धन्यवाद सर। आप सचमुच एक प्रेरक और दयालु इन्सान हो। आपके लिए मेरी सारी विशेज और प्रेयर्स।

शिवांगी ने लिखा, "आपके एन्करिजिंग वर्ड्स के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद सर।"

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' ने हाल ही में टीवी पर 12 साल और 3300 एपिसोड पूरे किए हैं। कार्तिक और नायरा का ट्रैक लगभग चार साल पहले शुरू हुआ था और हाल ही में नायरा और कार्तिक ने अलग पार्ट में

एंट्री ली है, जब नायरा एक चट्टान से गिर गई। अब शिवांगी एक बॉक्सर की भूमिका में नजर आएंगी और यह देखना दिलचस्प होगा कि कार्तिक से मिलने के बाद कहानी कैसे आगे बढ़ती है।

निर्देशक कुट प्रोडक्शंस के तहत निर्मित, शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' स्टार प्लस पर प्रसारित होता है!

अनु–छवि शर्मा

'YEH RISHTA KYA KEHLATA HAI' WILL KAIRAV FINALLY MEET SIRAT?

ANUPAMAA TAKES THE FIRST STEP TO END HER MARRIAGE, VANRAJ'S CLEVER MOVE FAILS MISERABLY

WILL VANRAJ GO BACK TO KAVYA?

दिनेशलाल यादव निरहुआ और अक्षरा सिंह की फिल्म 'जान लेबू का' की शूटिंग शुरू

—मायापुरी प्रतिनिधि

आखिरकार जुबली स्टार **दिनेशलाल यादव निरहुआ** और **सिजलिंग अक्षरा सिंह** की अपकमिंग भोजपुरी फिल्म **'जान लेबू का'** की शूटिंग आज से शुरू हो गई, जिस पर इंडस्ट्री में सबकी नजर है, फिल्म की शूटिंग रायबरेली से कुछ दूर शिवगढ़ पैलेश में हो रही है, इस फिल्म को लेकर निरहुआ और अक्षरा बेहद एक्साइटेड हैं। फिल्म **'जान लेबू का'** के निर्माता **श्रेय श्रीवास्तव** हैं, जिन्होंने बताया कि यह शानदार फिल्म है और इसका आगाज आज से हो गया है, सभी इसको लेकर एक्साइटेड हैं, हमारी कोशिश है कि फिल्म ऐसी बने कि उसका जलवा बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड पर दिखे।

उन्होंने कहा कि कोविड–19 की वजह से हम सेट पर सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस को पूरी तरह से फॉलो कर रहे हैं, हम इस फिल्म को लीग से हटकर बना रहे हैं, फिल्म के गाने भी शानदार होंगे, जिसका संगीत ओम झा का है, डॉ एस के श्रीवास्तव प्रस्तुत फिल्म 'जान लेबू का' की निर्माण खुशी क्रियेशन और कम्युनिकेशन के बैनर तले हो रहा है। फिल्म के निर्देशक दिनकर कपूर (के डी) हैं।

उन्होंने कहा कि लास्ट टाइम जब निरहुआ और अक्षरा एक साथ आये थे, तब भी दर्शकों ने इस जोड़ी को खूब पसंद किया था। अब हमने उन्हें एक बार फिर से साथ ला रहे हैं, फिल्म की कहानी सामाजिक और पारिवारिक है, इसमें पटकथा के अनुरूप निरहुआ और अक्षरा काफी फिट बैठते हैं, दोनों इंडस्ट्री के अनुभवी और कमाल के कलाकार हैं, उनके साथ मिलकर हम बेहतरीन फिल्म लेकर आ रहे हैं। हमारी फिल्म का **पीआर संजय भूषण पटियाला** करेंगे।

उन्होंने बताया कि फिल्म में **दिनेश लाल निरहुआ** और **अक्षरा** के साथ महिमा गुप्ता, जोया खान, मनोज टाइगर, दीपक भाटिया, निलम पांडेय , इशा पारिख , जफर खान, शंकर मिश्रा आदि नजर आयेंगे। एक्शन प्रदीप खड़गे का है। कोरियोग्राफर संजय कोर्वे और कला नजीर शेख का है। कॉस्ट्यूम बादशाह का है। डीओपी मनोज कुमार और डायलॉग प्रवेश कुमार का हैं। ई.पी.संतोष वर्मा है .

तापसी पन्नू ने पोस्ट की 'रश्मि रॉकेट' से प्रियांशु पेनुअली और अपनी फर्स्ट लुक वाली तस्वीर

—सुलेना मजुमदार अरोरा

फिल्म 'रश्मि रॉकेट' की नायिका तापसी पन्नू ने अपने फैंस को इस फिल्म के नायक प्रियांशु और अपनी, फर्स्ट लुक की झलक वाली तस्वीर इंस्टाग्राम में पोस्ट किया है। फिल्म में प्रियांशु, गगन ठाकुर की भूमिका निभा रहे हैं जो एक आर्मी मैन है और साथ ही तापसी के ऑनस्क्रीन पार्टनर के रूप में भी दिखाई देंगे। यह रोल प्रियांशु के दिल के इसलिए भी करीब है क्योंकि वास्तविक जीवन में भी वे आर्मी बैकग्राउंड से नाता रखते हैं। वे अपने पिता रिटायर्ड कर्नल विनोद कुमार पेनुअली से हमेशा प्रभावित रहे और उन्हें देखते हुए बड़े हुए हैं, जब वे भारतीय सेना में सेवारत थे। इन दिनों फिल्म 'रश्मि रॉकेट' की शूटिंग भुज में चल रही है और अपने अंतिम शेड्यूल में है।

कच्छ में 'रश्मि रॉकेट' की शूटिंग के दौरान प्रियांशु रहस्यों की खोंज में लग गए

—सुलेना मजुमदार अरोरा

कच्छ के अनछुए रण जैसी नई जगह पर शूटिंग करना अपने आप में एक अनूठा अनुभव है जिसे प्रियांशु पेनुयली महसूस करते हुए उत्साहित हैं। हाल ही में फिल्म रश्मि रॉकेट के अंतिम शेड्यूल के लिए वे कच्छ के रण में गए। उन्होंने उस जगह के बारे में बहुत कुछ रहस्यमयी और चमत्कारिक कहानियां सुनी थी जिसको लेकर प्रियांशु ने उस जगह को एक्स्प्लोर किया। शूटिंग के बाद जो भी समय बचता है वे यूनिट के सदस्यों और फिल्म के कास्ट के साथ क्षेत्र की खोजबीन में बिता रहे हैं।

प्रियांशु कहते हैं, "अभिनेता होने का यही आनन्द है कि आपको नई चीजों का अनुभव मिलता रहता है। मुझे इस जगह से प्यार हो गया है। यह मेरा रण में आना पहली बार हुआ हालांकि इस क्षेत्र की रहस्यमय कहानियों और सुंदरता के बारे में मैंने बहुत कुछ पढ़ा था। मुझे सबसे ज्यादा आकृष्ट करने वाली जो पहली बात लगी वो यह कि यहाँ पर वातावरण शुद्ध और साफ सुथरा है। रेत एकदम सफेद है। मैं रोज किसी ना किसी लोकल स्थान, गली नुक्कड़ और लोकल फूड को एक्सप्लोर करने जाता हूं और वहां के स्थानीय लोगों से मिलता हूँ। अभी तो शूटिंग चल रही है लेकिन मैं कुछ महीनों बाद यहाँ दोबारा छुट्टी मनाने आऊंगा और इस शांति का अनुभव फिर से करूंगा।

संगीत मासूम का जलवा दिखेगा एलबम 'रॉक स्टार संगीत मासूम' में...

—शरद राय

मासूम फिल्म कंपनी के निदेशक मुकेश मासूम के पुत्र संगीत मासूम का जलवा जल्द ही हिंदी म्यूजिक एलबम 'रॉक स्टार संगीत मासूम' में दिखाई देने वाला है।इस एलबम से संगीत मासूम को लांच किया जा रहा है। 'रॉक स्टार संगीत मासूम' के गाने की रिकार्डिंग शुरू हो गई है। इस अवसर पर संगीतकार–

सुधाकर स्नेह, हीरो– संगीत मासूम, प्रोड्यूसर सीमा व गीतकार मुकेश कुमार मासूम उपस्थित रहे। इस म्यूजिक एलबम को संतोष बादल निर्देशित कर रहे हैं। संगीत मासूम की छवि एक रॉक स्टार की है और उन्होने फिल्म जगत की प्रसिद्ध डांस डायरेक्टर सरोज खान से नृत्य की बारीकियां सीखी हैं । म्यूजिक एल्बम के सभी गानों की रिकार्डिंग पूरी होते ही शूटिंग शुरू होगी। एलबम फरवरी तक रिलीज हो जाएगा। संगीत मासूम को बचपन से ही डांस का शौक रहा है। म्यूजिक की तरंग पर इनके हाथ पैर बिजली की गति से थिरकते देख अच्छे–अच्छे डांसरों के होश उड़ जाते हैं। इस एलबम में कई नए प्रयोग किये जा रहे हैं यह कहना है संगीतकार सुधाकर स्नेह का। एलबम के गाने सभी उम्र के लोगों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।

अमेरिका के लॉन्ग आइलैंड में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेंगे फिल्मकार ऋषि प्रकाश मिश्रा

–काली दास पाण्डेय

72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अमेरिका के लॉन्ग आइलैंड में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में झारखंड अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आयोजन समिति के चेयरमैन और फिल्म निर्देशक ऋषि प्रकाश मिश्रा को आमंत्रित किया गया है। प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को अमेरिका में लॉन्ग आइलैंड इंडिया डे परेड का आयोजन किया जाता है। लॉन्ग आइलैंड में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या काफी है। वहां काफी भव्य तरीके से परेड का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में 100 संगठन भाग लेते हैं। इसमें भारतीय और अमेरिकी मूल के नागरिक संयुक्त रूप से अपनी धर्म, कला संस्कृति और सभ्यता की झांकी दिखाते हैं। उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका में 'लॉन्ग आइलैंड इंडिया डे परेड' में फिल्मकार ऋषि प्रकाश मिश्रा की उपस्थिती से झारखंड की लोक कला और संस्कृति को बल मिलेगा साथ ही झारखंड की पहचान और पुख्ता होगी।

मर्दों द्वारा स्त्रियों को टकटकी लगाए देखने पर प्रश्न उठा रहा है जी थिएटर कृत टेलीप्ले 'लेडीज संगीत'

★सुलेना मजुमदार अरोरा★

'जी थिएटर' ,प्रस्तुत कर रही है निर्देशक और लेखक पूर्वा नरेश की **'लेडीज संगीत'** जो उनके थिएट्रिकल ट्रीट तिजोरी में एक और मॉडर्न इजाफा है, एक पोस्टर के जरिए इस टेलीविजन प्ले की घोषणा की गई है, जिसमें **निधि सेनगुप्ता, लवलीन मिश्रा** के साथ **निधि सिंह, सिद्धांत कर्निक, हर्ष खुराना, सारिका सिंह और मोनिका गुप्ता** को लॉन्च किया गया, जी थिएटर्स कृत यह टेलीप्ले 31 जनवरी, 2021 को दोपहर 2 बजे और शाम 6 बजे एयरटेल स्पॉटलाइट पर प्रसारित हो रही है।

'लेडीज संगीत' युवा राधा की कहानी बताती है, जो गाँव में अपने पूर्वजों के मकान में, अपने प्रेमी सिद्धार्थ के साथ शादी रचाना चाहती है जबकि उनके अति उत्साही मॉडर्न परिवार के सदस्य तथा उनके वेडिंग प्लानर चाहतें है कि यह शादी शहरी हॉल में किसी बॉलीवुड की शादी की तरह धूमधाम से हो, ये टेलीप्ले विशेष रूप से बिग फैट वेडिंग के खिलाफ है जिसमें अत्यंत प्रासंगिक चुनौतियों को सामने लाने के लिए हास्य, संगीत और व्यंग्य का इस्तेमाल किया गया है।

पूर्वा नरेश ने कहा "यह प्ले स्त्री की पहचान को रेखांकित करती है और दिखाती है कि कैसे स्त्री को क्लासिकल ग्रथों द्वारा, पुरुष प्रधानता द्वारा, सांस्कृतिक विनियोग द्वारा, बाजार से जोड़कर मैन्युपुलेट किया जाता है। इस प्ले का मुख्य प्रश्न है कि क्या पुरुषों द्वारा स्त्री की ओर टकटकी लगा कर देखने से ही महिला की कोई आइडेंटिटी बनती है। इस थीम को एक भारतीय शादी की कहानी द्वारा बताया गया है जहां दुल्हन स्त्री की प्रतीक है और दूल्हा पुरुष प्रतीक। विवाह के भव्य आयोजन के साथ साथ सबकी बेचैनी बढ़ती जाती है और फिर लोक गीतों, क्लासिकल संगीत और बॉलीवुड म्यूजिक के बीच दर्शकों को दिखता है कि किस तरह मर्द टकटकी लगाए हर औरत के प्रत्येक अंग को देखता, तौलता और परखता है, जो एक आम रीत मानी जाती है और मजे की बात ये है कि महिलाएं इसे खुशी से गले लगाती हैं।

आनंद सेनगुप्ता, जो टेलीप्ले में एक महत्वपूर्ण चरित्र प्ले कर रहे है , कहते हैं, "मैं एक पीड़ित पिता का जटिल चरित्र निभा रहा हूं, जिसकी सच्चाई प्ले के दूसरे भाग में ही सामने आती है जब दर्शकों को पता चलता है कि उसका अपनी पत्नी के साथ अच्छा रिश्ता क्यों नहीं है।

तनाव तब और भी बहुत भयावह बन जाता है, जब उसकी सारी असुरक्षाएँ और रहस्य उभर कर आते हैं और तब दर्शक उसके शादीशुदा जिंदगी के भीतर छुपे उसके दुख की पराकाष्ठा को नापते हैं और वैवाहिक रिश्तों तथा समाज में लैंगिक भूमिकाओं पर सवाल उठाने लगते हैं!

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में बच्चों के ऑटिज्म डिस्ऑर्डर, एक ज्वलंत विषय के रूप में उभरा

सुलेना मजुमदार अरोरा

खासकर बच्चों में देखी जाने वाली ऑटिज्म डिसॉर्डर पर, नॉन फिक्शन फिल्म बना कर सुप्रसिद्ध अंतराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक **श्रीधर** ने 51वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में समा बांध दिया!

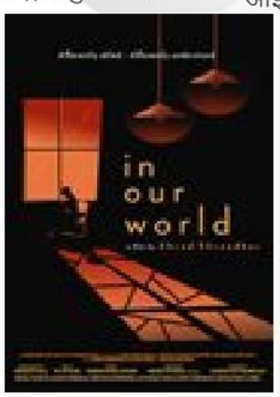

इससे पहले भी 'श्री क्रिएटिव लैब' के निर्माता निर्देशक ने 43 राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं, यह तीन बच्चों की मार्मिक दिल छूने वाली कहानी है जो ऑटिज्म के शिकार होने की वजह से अपने मन की भावनाएं जाहिर करने में असमर्थ होते हैं, उनके इसी बिहेवियर के उतार चढ़ाव वाली मनोदशा पर फिल्म में प्रकाश डाला गया है!

गोवा में आयोजित 51वें आई एफ एफ आई के भारतीय नॉन फिक्शन फिल्म कैटेगरी क्षेत्र में, ऑटिज्म पर आधारित इस फिल्म **'इन आवर वर्ल्ड'** को ऑफिशियल सिलेक्शन के रूप में तय किया गया था / इस फिल्म के द्वारा ऑटिज्म डिज–ऑर्डर से पीड़ितों के बेसिक इंटेलिजेंस को इस तरह से पेश किया गया है, ताकि ऐसे बच्चे भी प्यार और सम्मान के साथ जीवन जी सके, इस अद्भुत फिल्म में ऑटिज्म के साथ जी रहें बच्चों के माता पिता के साथ की गई, इंटरव्यू और उनके द्वारा अपने बच्चों को तैराकी क्लॉस, घुड़सवारी और संगीत सीखने के प्रेरक पलों को भी दिखाया गया!

डॉक्यूमेंट्री के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर श्रीधर बी एस ने कहा, 'यह फिल्म ऑटिज्म से जूझ रहे बच्चों की दुनिया को देखने की ऐसी खिड़की है, जिसे प्रेम और सभी परंपरावादी उपायों के साथ समझने की जरूरत है, ताकि वे भी हमारी दुनिया का हिस्सा बन सके!

मनोज तिवारी और उनकी पत्नी श्रीमती सुरभि तिवारी के घर आई नन्ही परी, खोजा ये प्यारा सा नाम

—मायापुरी प्रतिनिधि

उत्तर पूर्व दिल्ली के सांसद और भोजपुरी फिल्मों के मेगा स्टार श्री मनोज तिवारी और उनकी पत्नी श्रीमती सुरभि तिवारी के घर आई नन्ही परी के लिए प्यारा सा नाम खोज ही लिया गया। दिल्ली में हुए नामकरण समारोह में मनोज तिवारी की बड़ी बेटी रीति तिवारी ने अपनी छोटी बहन के लिए ये नाम सुझाया। दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और गायक मनोज तिवारी की बडी बेटी रीति तिवारी ने अपनी छोटी बहन और नन्ही परी का प्यारा नाम रखा है सान्विका तिवारी (Saanvika tiwari)। 2020 ने जाते–जाते मनोज तिवारी को दिया था ये यादगार तोहफा, साल खत्म होने से एक दिन पहले हुआ था उनकी दूसरी बेटी का जन्म।

भोजपुरी फिल्मों के मेगा स्टार और सांसद श्री मनोज तिवारी के निजी पीआरओ शशिकान्त सिंह के मुताबिक मनोज तिवारी और सुरभि तिवारी अप्रैल महीने में परिणय सूत्र में बंधे। और उनकी इस प्यारी बेटी के इस नामकरण समारोह में कई जानी मानी हस्तियां सान्विका तिवारी को आशीर्वाद देने आये थे।

मनोज तिवारी से पूछा गया कि क्या उन्होंने अपनी बेटी का नाम सोचा था इस पर उन्होंने कहा था कि मेरी बेटी रीति तिवारी ने ये हक मुझसे छीन लिया था और दिल्ली आने के बाद एक नामकरण समारोह में रीति ने अपनी छोटी बहन का प्यारा सा नाम रखा सान्विका तिवारी ।

मनोज तिवारी आज देश में बड़ा नाम बन चुके हैं। कभी बेहद साधारण सा जीवन जीने वाले मनोज तिवारी ने पहले भोजपुरी फिल्मों की दुनिया में धमाल मचाया फिर राजनीति के मैदान में भी उनका जलवा दिखा। बतौर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पार्टी के लिए वह दिल्ली जैसे अहम राज्य की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। निजी जीवन में सांसद मनोज तिवारी दो बेटियों के पिता हैं। बिहार की राजधानी पटना की रहने वाली सुरभि तिवारी जानी मानी गायिका हैं।

मनोज तिवारी और सुरभि तिवारी तथा रीति तिवारी तीनों नन्ही परी सान्विका तिवारी को ढेर सारा प्यार दे रहे हैं।

ज्योति के जलवे

ज्योति वेंकटेश

टाइगर श्रॉफ और रजित देव ने 'कैसानोवा' पर किया जमके डांस

कोरियोग्राफर और डांसर **रजित देव** को उनके अनोखे डांस मूव्स और ऊर्जावान अंदाज के लिए जाना जाता है, जब उन्होंने **'मेगन थे स्टेलियन'** के गीत **'बॉडी'** पर अपनी सबसे अच्छी दोस्त **नोरा फतेही** के साथ डांस करते हुए अपने प्रशंसकों को खुशी और उत्साह से भर दिया था, तो अब वह बॉलीवुड के अभिनेता **टाइगर श्रॉफ** के साथ एक नए वीडियो में डांस करते नजर आए है, सॉन्ग **'कैसानोवा'** की धुन पर नाचते हुए एक वीडियो के द्वारा रजित और टाइगर ने अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया हैं, 'कैसानोवा' टाइगर का दूसरा एकल है और यह यूट्यूब पर उनकी पहली फिल्म भी है, जबकि ओरिजिनल वीडियो में टाइगर प्रमुख रूप से अपने आइडल माइकल जैक्सन से प्रेरित है, जिसमें रजित के साथ फ्रीस्टाइल डांसिंग शामिल है।

इस साल 2 फरवरी को होगा फिल्म 'आदिपुरुष' का मुहूर्त

प्रभास और **सैफ अली खान** अभिनीत फिल्म **'आदिपुरुष'** कि इस साल 19 जनवरी को मोशन कैप्चर के साथ शुरुआत करते है, इस पर बोलते हुए, **भूषण कुमार** कहते हैं, "टी–सीरीज में, हमने हमेशा नए विचारों और अवधारणाओं को प्रोत्साहित किया है और यह अत्याधुनिक तकनीक के साथ मिलकर फिल्म निर्माण के भविष्य का मार्ग बनाता है। ओम और उनकी टीम नवीनतम तकनीक के साथ 'आदिपुरुष' का निर्माण कर रही हैं, जिसका आमतौर पर इंटरनेशनल सिनेमा में उपयोग किया जाता है, लेकिन इस बार पहली बार इसका इस्तेमाल भारतीय फिल्म बनाने में किया जाएगा।" इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, टी–सीरीज के कृष्ण कुमार और ओम राउत, प्रसाद सुतार और रेट्रोफाइल्स के राजेश नायर ने किया है। 2 फरवरी 2021 को आदिपुरुष का मुहूर्त हैं।

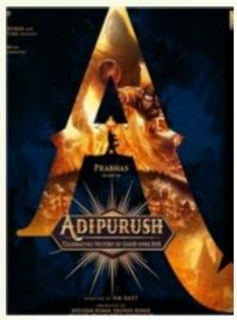

फिल्म 'कुन फाया कुन' की शूटिंग हुई पूरी!

हर्षवर्धन राणे और **संजिदा शेख** द्वारा अभिनीत **कुषाण नंदी** द्वारा निर्देशित आगामी हिंदी फिल्म **'कुन फाया कुन'** की टीम ने अपनी पूरे शूटिंग शेड्यूल को कम्पलीट कर लिया है, शूटिंग महाराष्ट्र के महाबलेश्वर, वाई और पंचगनी में नवंबर, दिसंबर और जनवरी में हुई है, निर्माताओं को खुशी है कि कोविड–19 महामारी के खिलाफ टीम की सुरक्षा के लिए सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरी सक्ती से पालन किया गया, साथ ही इसने शूटिंग को समय पर पूरा करने में कोई बाधा भी नहीं डाली। प्रोजेक्ट के लॉन्च के लिए जारी किए गए एक टीजर वीडियो ने संकेत दिया था कि 'कुन फाया कुन' एक ट्विस्ट के साथ सीट थ्रिलर फिल्म है। नईम ए.सिद्धिकी द्वारा निर्मित फिल्म में किरण श्याम श्रॉफ एक क्रिएटिव प्रोड्यूसर है और इसे गालिब असद भोपाली ने लिखा है।

पंजाबी सिनेमा एक साल बाद 'पुआड़ा' के साथ आया वापस!

अम्मी विर्क और **सोनम बाजवा** अभिनीत पंजाबी फिल्म **'पुआड़ा'** जल्द रिलीज होने वाली है, इस फिल्म के टाइटल **'पुआड़ा'** का अर्थ **'पंगा'** है, यह इस एक साल के भीतर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली पहली पंजाबी फिल्म होगी! पूरे परिवार के लिए यह पागलपन, देसी, कॉमेडी, रोमांस से भरी फिल्म 11 मार्च 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है, पिछले साल मार्च में सिनेमाघरों के बंद होने के ठीक एक साल बाद यह फिल्म रिलीज होने जा रही हैं! 'पुआड़ा' को शुरू में जून 2020 की गर्मियों में रिलीज करने के लिए सेट किया गया था, हालाँकि यह फिल्म पॉपकॉर्न एंटरटेनर्स के लिए एकदम सही है। अब इस ने फिल्म रिलीज की तारीख की घोषणा के साथ अपने मार्केटिंग अभियान की भी शुरुआत की है। फिल्म A&A पिक्चर्स और बरत फिल्म्स द्वारा बनाई गई है, श्पुआड़ाश का निर्देशन रूपिंदर चहल ने किया है।

अनु–छवि शर्मा

स्वर्गीय कर्नल नरिंदर 'बुल' कुमार की अनकही कहानी पर बन रही है बायोपिक

—सुलेना मजुमदार अरोरा

31 दिसंबर, 2020 की सुबह, **प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी** ने सियाचीन हीरो कर्नल **नरिंदर** 'बुल' (रिटायर्ड) के निधन पर ट्वीट किया "एक अपूरणीय क्षति! कर्नल नरिंदर 'बुल' कुमार (सेवानिवृत्त) ने असाधारण साहस और परिश्रम के साथ देश की सेवा की, पहाड़ों के साथ उनका विशेष बंधन को याद किया जाएगा, और वास्तव में ऐसा ही होगा!

उनके जीवन की सराहना करते हुए, **'मैनोमे मोशन पिक्चर्स'** के निर्माता **रामोन चिब** और **अंकु पांडे** ने उनकी अतुलनीय कहानी को सेल्युलाइड पर दर्शाने के लिए अधिकार हासिल किए हैं, रामोन ने पहले नेशनल जियोग्राफिक चैनल के लिए कई आर्म्ड फोर्स शोज के निर्देशन किए है, और वे **आमिर खान** की नवीनतम प्रोडक्शन **'लाल सिंह चड्ढा'** के लिए सेना से संबंधित सभी चीजों के क्रिएटिव कंसल्टेंट है, उन्होंने **ऋतिक** और **दीपिका पादुकोण** स्टारर, हाल ही में घोषित **सिद्धार्थ आनंद** कृत एक्शन फिल्म **'फाइटर'** की कहानी और पटकथा भी लिखी है, वे स्वंय और अंकु भी सिद्धार्थ आनंद के साथ इस फिल्म के निर्माता हैं, 'बुल'—स्वर्गीय कर्नल नरिंदर 'बुल कुमार' पर आधारित फिल्म, सच्चे नेतृत्व, हिम्मत और गौरव की एक अनकही कहानी है, यह कठिन प्रकृति के खिलाफ उनकी लड़ाई की कहानी है, जिसके सामने बड़े—बड़े दिग्गज अक्सर अपने हथियार डाल देते है, यह एक दृढ़ इच्छाशक्ति वाले, दृढ़—संकल्प सैन्य अधिकारी की कहानी है, जिसने हार मानने से इनकार कर दिया!

'बुल कुमार' का आदर्श वाक्य था, **'जो करना है सो करना है'**

साल 1981 में, इस सैनिक और उनकी टीम ने 24,000 फिट से अधिक ऊँचाई पर सबसे ऊँची चोटियों पर पहुंचने का दावा किया और वहां भारतीय तिरंगा फहराया, उन्होंने बिना किसी नक्शे, उच्च तकनीक या उपकरणों के ऐसा किया, उनके जूते वाटरप्रूफ नहीं थे और उनके जैकेट भी मजबूत ठोस नहीं थे, वे मुश्किल दरारों को नेविगेट करने और हिमस्खलन से आगे रहने के लिए जतन करते हुए सुन्न करने वाले माईनस 50 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर आगे बढ़ते रहें, यह 'टोही' मिशन, यानी रेकोन्नाइस्सानस मिशन, एक आधिकारिक सैनिक ऑपरेशन नहीं था, इसका मतलब था कि, अगर बुल कुमार और उनके साथी सैनिक भाई, दुश्मन के हाथों में पड़ जाते, तो कोई भी उनका दावा नहीं करता।

यह बायोपिक, **बलविंदर सिंह जांजुआ** द्वारा लिखित, और **रामोन चिब** द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो खुद एक पूर्व—सेना अधिकारी है, जो भारतीय सेना के लोकाचार को समझते है, वे बुल कुमार के एक ही रेजिमेंट में रहें है और उन्होंने कर्नल के साथ कई घंटे भी बिताए हैं ताकि पता चल सके कि इस असंभव मिशन को पूरा करने के लिए उन्होंने क्या किया।

फिल्म निर्माता रामोन चिब ने कहा, 'हम वीरता और सच्ची नेतृत्व की इस बेहद अद्भुत कहानी को जल्द ही पर्दे पर लाने के लिए एक टीम के रूप में आगे बढ़े हैं, हम स्वर्गीय कर्नल नरिंदर 'बुल' कुमार के परिवार के प्रति आभारी हैं कि, उन्होंने हम पर विश्वास किया और हमें अनुमति दी कि हम सेल्युलाइड पर उनकी गहरी प्रेरणादायक कहानी को फिर से लिखें और हमेशा के लिए एक फिल्म रील में उनके जीवन की स्मृति को अंकित कर दें, वर्तमान में कई स्टूडियोज हमारे इस प्रोजेक्ट में रुचि दिखा रहे हैं और इसे शुरू करने के लिए तैयार हैं ताकि हम दुनिया को एक बेइंतेहा बहादुर, साहसी और सच्चे देशभक्त की वीर गाथा सुना सकें!

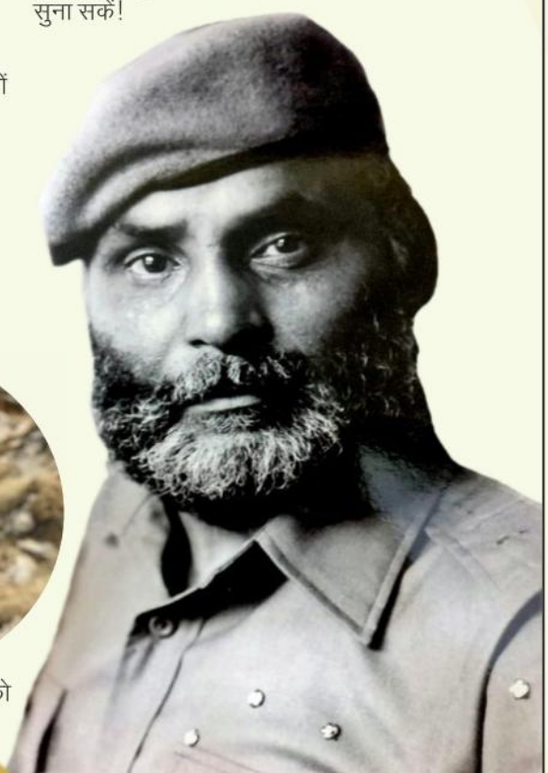

'रागिनी एमएमएस रिटर्न' फेम हॉट स्नेहा नामानंदी अब तेलुगु फिल्म 'प्रथ्यार्धि' में नजर आएंगी।

—सुलेना मजुमदार अरोरा

हॉट सिजलिंग अदाकारा **स्नेहा नामानंदी** इन दिनों अपनी आगामी तेलुगु फिल्म **'प्रथ्यार्धि'** को लेकर काफी सुर्खियों में हैं, बता दें कि स्नेहा इससे पहले **'रागिनी एमएमएस रिटर्न'** जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी है, साथ ही उन्होंने अपनी हालिया टी सीरीज म्यूजिक वीडियो में **जुबिन नौटियाल और हिमांशु कोहली** के साथ बेहतरीन केमिस्ट्री दिखाते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन भी किया है, स्नेहा पंजाबी म्यूजिक वीडिओज में भी टॉप स्टार की कैटगरी में अपनी जगह बना चुकी है, अब वे अपनी एक क्राइम सस्पेंस थ्रिलर फिल्म **'प्रथ्यार्धि'** में नजर आएंगी, यह फिल्म **संजय शाह** द्वारा निर्मित और **शंकर मुदावथ** द्वारा निर्देशित किया गया है, स्नेहा इस फिल्म में लीड भूमिका निभा रही हैं और हाल ही में उन्होंने इस फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा किया है, स्नेहा इस बार भी एक गर्मा—गर्म दिलचस्प किरदार निभाती हुई नजर आएंगी!

हमारी जब स्नेहा के साथ बात हुई तो उन्होंने बताया, "इस फिल्म में मेरा एक बहुत ही दिलचस्प किरदार है, मैं इस फिल्म के साथ तेलुगु इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत कर रही हूं, संजय सर ने इससे पहले भी कई हिंदी फिल्में निर्मित की है और अब ये तेलगु फिल्म उत्तेजनाओं से भरपूर है, मैंने हमेशा से ही सस्पेंस और रहस्यमय फिल्मों के जोनर से प्यार किया है। इस फिल्म की शूटिंग अपने आखिरी चरण में है, कोरोना काल में सारे प्रोटोकॉल्स को फॉलो करते हुए शूट करना बहुत मुश्किल तो है लेकिन इस टीम का अनुभव बेहतरीन होने से सब कुछ सुचारू रूप से हो रहा है। मुझे मेरे निर्माता निर्देशक से बहुत कुछ सीखने का अनुभव काफी बेहतरीन रहा है!

राजन शाही अपनी पसंदीदा कायरा को जाने से क्यों नहीं रोक सकते

ज्योति वेंकटेश

यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि राजन शाही अपने लोकप्रिय शो **'ये रिश्ता क्या कहलाता है'** की प्रमुख जोड़ी **मोहसिन खान और शिवांगी जोशी** को कितना पसंद करते हैं, निर्माता ने अक्सर खुले तौर पर उन्हें एक सर्वश्रेष्ठ ऑन–स्क्रीन जोडी कहा है और यहां तक कि 6 जनवरी का दिन उन्होंने इस जोड़ी को समर्पित किया और इसे **'कायरा डे'** नाम दिया है, निर्माता ने हाल्ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कि, जिसमे उन्होंने अपने कई सालो से चलते आ रहे शो **'ये रिश्ता क्या कहलाता है'** में अपनी पसंदीदा जोड़ी के प्रदर्शन के लिए दोनों कलाकारों की सराहना की थी।

उन्होंने शिवांगी और मोहसिन की तस्वीरें साझा कीं और लिखा, "शो 'ये दिल रिश्ता क्या कहलाता है' में मोहसिन और शिवांगी कि दिल को छू देने वाली बेहतरीन परफॉरमेंस के लिए ढेर सारी तालियां, और इस शो कि पूरी टीम को मैं सलाम करता हूँ जिसने उन्हें उड़ने में मदद की हैं, मोहसिन और शिवांगी कि जोड़ी द्वारा अभिनीत 'कायरा' के पिछले कुछ एपिसोड गहरी भावनाओं और प्रदर्शन के साथ आपवादिक (इक्सेप्शनल) थे। नायरा के चले जाने के बाद मोहसिन ने अपने अनुकरणीय प्रदर्शन में मजबूती लाई। शिवांगी कि 'एस' के रूप में चुनौती शुरू होता है, मुझे पता है कि आप अपने आप को केवल बेंचमार्क में हाई पर लाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। शिवांगी, मोहसिन को आप दोनों के लिए शुभकामनाएँ, आगे की नई यात्रा और 'ये दिल रिश्ता क्या कहलाता है' कि टीम के लिए।"

इसके लिए शिवांगी और मोहसिन दोनों ने राजन शाही को धन्यवाद दिया।

वही मोहसिन ने लिखा, "आपका बहुत बहुत धन्यवाद सर। आप सचमुच एक प्रेरक और दयालु इन्सान हो। आपके लिए मेरी सारी विशेज और प्रेयर्स।

शिवांगी ने लिखा, "आपके एन्करिजिंग वर्ड्स के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद सर।"

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' ने हाल ही में टीवी पर 12 साल और 3300 एपिसोड पूरे किए हैं। कार्तिक और नायरा का ट्रैक लगभग चार साल पहले शुरू हुआ था और हाल ही में नायरा और कार्तिक ने अलग पार्ट में

एंट्री ली है, जब नायरा एक चट्टान से गिर गई। अब शिवांगी एक बॉक्सर की भूमिका में नजर आएंगी और यह देखना दिलचस्प होगा कि कार्तिक से मिलने के बाद कहानी कैसे आगे बढ़ती है।

निर्देशक कुट प्रोडक्शंस के तहत निर्मित, शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' स्टार प्लस पर प्रसारित होता है!

अनु–छवि शर्मा

'YEH RISHTA KYA KEHLATA HAI' WILL KAIRAV FINALLY MEET SIRAT?

इन भारतीयों ने बायडेन की टीम में शामिल होकर बढ़ाया भारत देश का गौरव

Joe Biden with Kamala Harris

अनमोल वचन

पंछी कभी अपने बच्चों को भविष्य के लिए घोसला बनाकर नहीं देते, वो तो बस उन्हें उड़ने की कला सिखाते हैं।

रिश्ते बनते रहें इतना ही बहुत है, सब हंसते रहें इतना ही बहुत है, हर कोई, हर वक्त साथ नहीं रह सकता, एक दूसरे को याद करते रहें इतना ही बहुत हैं।

खुशी एक ऐसा एहसास है, जिसकी सबको तलाश है, गम एक ऐसा अनुभव है, जो हम सबके पास है, पर जिंदगी वही जीता है, जिसका खुद पर विश्वास है।

वक्त का काम तो गुजर जाना ही है... बुरा है तो सब्र करो अच्छा है तो शुक्र करो।

जितना बड़ा सपना होगा उतनी बड़ी तकलीफें होगी और जितनी बड़ी तकलीफें होगी उतनी बड़ी कामयाबी होगी।

कोई कितना भी बोले अपने आप को शांत रखो क्योंकि धूप कितनी भी तेज हो समुद्र को सुखा नहीं सकती।

संसार में कोई भी मनुष्य सर्वगुण सम्पन्न नहीं होता हैं। इसलिए, कुछ कमियों को नजर अंदाज करके रिश्ते बनाए रखिए।

वक्त की एक आदत बहुत अच्छी है, जैसा भी हो, गुजर जाता है। कामयाब इंसान खुश रहे ना रहे, खुश रहने वाला इंसान कामयाब जरूर हो जाता है।

वाणी और विचार... ये दोनों प्रोडक्ट हमारी खुद की कंपनी के हैं... जितनी क्वालिटी और गुणवत्ता अच्छी रखेंगे... उतनी कीमत ज्यादा मिलेगी।

बुराई तो छोटी सोच वाला इंसान ही करता है, बड़ी सोच वाले तो माफ करके जाने देते हैं।

जीवन का सबसे बड़ा गुरू वक्त होता है, क्योंकि जो वक्त सिखाता है वो कोई नहीं सीखा पाता।

समय, सेहत और सम्बन्ध इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है... लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।

अनमोल वचन

सोच खूबसूरत हो
तो सब कुछ
खूबसूरत
नजर आता है।

मैं चलता गया, रास्ते
मिलते गये, राह के काँटे
फूल बनकर खिलते गये,
ये जादू नहीं, आशीर्वाद है
मेरे अपनों का, वर्ना उसी
रहा पर लाखों फिसलते
गये।

जिसने दुसरों की खुशी
में खुद की खुशी देखने
का हुनर सीखा है
वह इंसान कभी दुशी नहीं
हो सकता।

कुछ रिश्तों को
मुलाकातों की गरज
नहीं होती,
दिल से ही याद करो
वो निखर आया
करते हैं

कुछ तकलीफें हमारा
इम्तिहान लेने नहीं,
बल्कि हमारे साथ
जुड़े लोगों की पहचान
करवाने आती है।

एक वक्त था जब हम
सोचते थे कि हमारा
भी वक्त आएगा...
और एक ये वक्त है कि
हम सोचते है कि वो भी
क्या वक्त था।

उजाले में तो मिल जाएगा
कोई ना कोई,
तलाश उनकी करो जो
अंधेरे में भी साथ दे।

संपन्नता मन की अच्छी
होती है धन की नहीं
क्योंकि धन की संपन्नता
अहंकार देती है और
मन की संपन्नता
संस्कार।

हर खोई चीज
ढूँढ़ने पर मिल सकती हैं...
लेकिन जहा विश्वास
एक बार खो जाये
वो दुबारा नहीं मिलता।

प्रेम सदा माफी मांगता
पसंद करता है और
अहंकार सदा माफी
सुनना पसंद करता है।

अभिमान को आने मत
दो, और स्वाभिमान को
जाने मत दो, क्योंकि
अभिमान आपको उठने
नहीं देगा, और
स्वाभिमान आपको
गिरने नहीं देगा।

ढलना तो एक दिन है
सभी को चाहे इंसान हो
या सूरज मगर हौसला
सूरज से सीखो रोज ढल
के भी हर दिन उम्मीद से
निकलता है।

Salman Khan, Tulsi Kumar, Hardy Sandhu
And Sargun Mehta

DAY 103

DAY 104

DAY 105

DAY 106

DAY 107

DAY 108

निवेदक : लघु उद्योग भारती (दिल्ली प्रांत)

सम्पर्क सूत्र : दिवान चन्द गुप्ता : 9811044175/011-47533108

आत्मीय स्वजन,
जय श्रीराम,
आपने श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मन्दिर निर्माण में सहयोग के लिए अपने सगे-सम्बन्धियों, इष्ट मित्रों सहित अवश्य विचार किया होगा।
अतः निवेदन है कि दि. 30 जनवरी 2021 तक नीचे लिखे नाम से चेक बनाकर स्थानीय कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने का कष्ट करें।
'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र'

ताराचंद गोयल
अध्यक्ष
श्रीराम मंदिर निधि समर्पण समिति, राजस्थान
विशेषः- 1-चेक के पीछे पेन नम्बर,मोबाइल नंबर, एड्रेस अवश्य लिखें।
2- रसीद अवश्य प्राप्त करें।
3- 20,000 रूपये तक की नकद रसीद बन सकेगी एवं
80G की छूट के लिए 2000 रूपये से अधिक का चेक देय होगा।

मायापुरी SPOTTED

BY RAKESH DAVE

TIGER SHROFF & DISHA PATANI AT RESTAURANT IN BANDRA

NUSHRAT BHARUCHA AT SALON IN BANDRA

BADSHAH AT THE AIRPORT

GAUAHAR KHAN AT ZAID DARBAR'S ATRANGZ STUDIO FOR DANCE

SANJAY DUTT WITH FAMILY AT RESTAURANT FOR LUNCH

MALLIKA SHERAWAT AT A RESTAURANT IN JUHU

VAANI KAPOOR AT BESPOKE SALON, BANDRA

JACQUELINE FERNANDES AT THE AIRPORT

ISABELLE KAIF VISITS DANCE CLASS

KARTIK AARYAN AT ANEES BAZMEE'S OFFICE

Jasmin Bhasin At Novatel Hotel

SHILPA SHETTY

RANBIR IS BACK IN CITY POST LUV RANJAN'S FILM SHOOT

GAUAHAR KHAN, HUBBY ZAID DARBAR RETURN TO MUMBAI AFTER SPENDING QUALITY TIME TOGETHER IN UDAIPUR

POOJA HEGDE AT THE AIRPORT

SAIF ALI KHAN RETURNS HOME AMID TANDAV ROW

KHUSHI KAPOOR AT ANDHER IN MUMBAI

NUPUR SANON AT GYM

JACKIE SHROFF AT THE AIRPORT

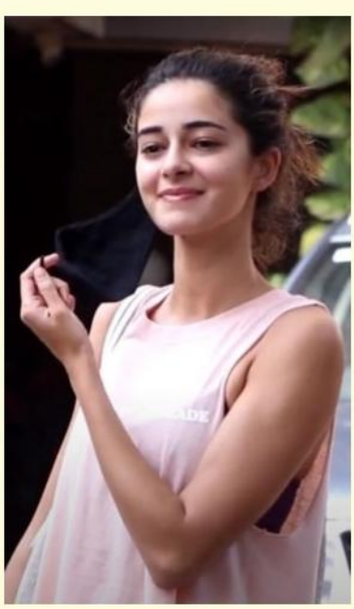

ANANYA PANDEY IN BANDRA

VARUN DHAWAN AT MADDOCK FILMS KHAR

VAANI KAPOOR AT BANDRA.

KHUSHI KAPOOR
AT THE AIRPORT

SARA ALI KHAN SEEN
WITH HER GYM TRAINER

SARA ALI KHAN
AT DUBBING STUDIO

PARINEETI CHOPRA AT
DANCE CLASS,
ANDHERI

DAISY SHAH AT THE
PILATES STUDIO

AVNEET KAUR IN A
SUPER STYLISH LOOK
AT THE AIRPORT

SONU SOOD
AT THE AIRPORT

KAREENA KAPOOR KHAN
AT BANDRA

MALAIKA ARORA AT DIVA
YOGA, BANDRA

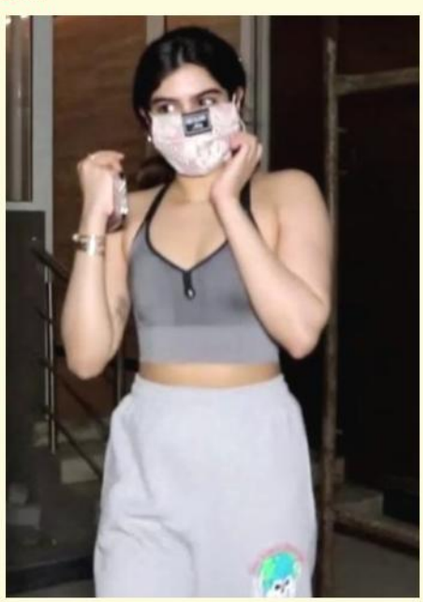

KHUSHI KAPOOR
AT ANDHER IN MUMBAI

बॉलीवुड सितारों की मस्ती भरी शरारतें

छायाः राकेश दवे

छोड़ दो आंचल जमाना क्या कहेगा, कम से कम पब्लिक के सामने मुझे रूसवा तो मत करो। रस्सी जल गई लेकिन बल नहीं गये। कम से कम अब तो उम्र का लिहाज करो।

अभी तो मेरी उम्र ही क्या हुई है, मेरा तो दिल हमेशा से उम्र पचपन की और दिल बचपन का रहा है। रही बात 'रस्सी के बल' की तो चोर चोरी से सकता है मगर हेराफेरी से नहीं जा सकता मैडम! ।

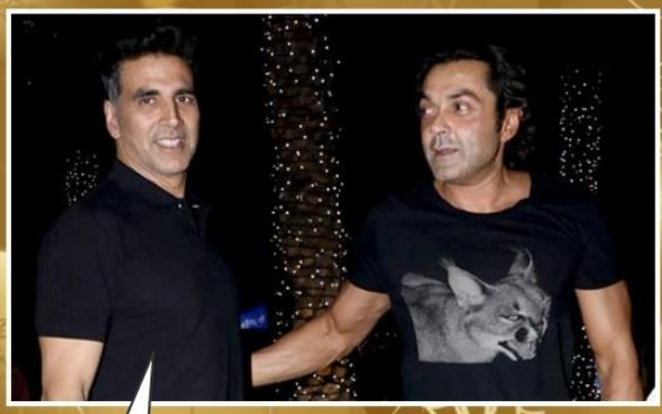

यार जब से 'आश्रम' और 'ताडंव' का ये हाल हुआ है तब से मेरे दिल में डर सा बैठ गया है। मैंने तो पहले ही सभी डायरेक्टर को बोल दिया है कि रिलीज से पहले सारे शॉट्स कटवा देना।

तू मेरा पक्का भाई है इस मामले में डर तो मुझे भी लगा था जब आश्रम की थी लेकिन मरता क्या ना करता, कैरियर के चलते सब कुछ करना पड़ता है इसी को कहते हैं बॉलीवुड।

आखिर क्या करने का इरादा है ऋचा, कभी 'पुजारिन' कभी 'कोच' का रोल और चीफ मिनिस्टर का रोल कर रही हो। इसके बाद क्या प्रेसिडेंड बनना है क्या।

ना ना प्रेसिडेंड बनना मेरे बस की बात नहीं है, मैं तो बस तुम्हारे दिल की 'प्रेसिडेंड' बनना चाहती हूं। फिल्मों का क्या है आज है कल नहीं। लेकिन मैं तुम्हारे दिल में तो हमेशा राज ही करूंगी।

NO ONE CAN SHINE YOUR BRAND AS

DOES.

BRIGHT OUTDOOR

PRINT TV RADIO PR DIGITAL
CELEBRITY EVENTS & CREATIVES

PAN INDIA & INTERNATIONAL OOH

info@brightoutdoor.com | www.brightoutdoor.com | +91 9320971103